

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक  
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

# छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)  
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 253 ]

रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 28 जून 2024 — आषाढ़ 7, शक 1946

उच्च शिक्षा विभाग  
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 20 जून 2024

## अधिसूचना

क्रमांक एफ 3-34/2024/38-2.— छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, रायपुर के पत्र क. 10624/श्री दावड़ा वि.वि./प्र.परि./प्र.अध्या./2024/20246, दिनांक 29-05-2024 द्वारा श्री दावड़ा विश्वविद्यालय, ग्राम-भेलवाडीह, तहसील-अमनपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) के प्रथम परिनियम क्रमांक 01 से 24 एवं प्रथम अध्यादेश क्रमांक 01 से 11 का अनुमोदन छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 26 (5) एवं धारा 28 (4) के तहत किया गया है।

- राज्य शासन, एतद्वारा, उपरोक्त परिनियमों एवं अध्यादेशों को राजपत्र में अधिसूचित किये जाने की स्वीकृति प्रदान करता है।
- उपरोक्त परिनियम एवं अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावशील होंगे।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
आर. पी. पाण्डेय, उप-सचिव.

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक  
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

# छत्तीसगढ़ राजपत्र

## (असाधारण)

### प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 568]

रायपुर, बुधवार, दिनांक 18 अक्टूबर 2023 — अश्विन 26, शक 1945

विधि और विधायी कार्य विभाग  
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 17 अक्टूबर 2023

क्र. 12454/डी. 82/21-अ/प्रारू./छ.ग./23. — छत्तीसगढ़ विधान सभा का निम्नलिखित अधिनियम, जिस पर दिनांक 09-09-2023 को राज्यपाल महोदय की अनुमति प्राप्त हो चुकी है, एतद्वारा सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
अनिल सिन्हा, उप-सचिव.

**छत्तीसगढ़ अधिनियम**  
(क्र. 17 सन् 2023)

**छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन)  
अधिनियम, 2023.**

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र. 13 सन् 2005) को और संशोधित करने हेतु अधिनियम।

भारत गणराज्य के चौहत्तरवें वर्ष में छत्तीसगढ़ विधानमण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :-

- संक्षिप्त नाम, विस्तार तथा प्रारंभ.
1. (1) यह अधिनियम छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) अधिनियम, 2023 कहलायेगा।
  - (2) इसका विस्तार सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा।
  - (3) यह राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा।

- अनुसूची का संशोधन.
2. छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र. 13 सन् 2005) की धारा 9 की उप-धारा (1) के अंतर्गत निर्मित अनुसूची में, सरल क्रमांक 16 एवं उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित जोड़ा जाये, अर्थात् :-

स. क्र.	निजी विश्वविद्यालय का नाम	प्रायोजक निकाय का नाम	प्रायोजक निकाय की स्थापना की प्रक्रिया	मुख्य परिसर (मुख्यालय)	क्षेत्राधिकार	शिक्षण कार्यक्रम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
"17.	श्री दावड़ा विश्वविद्यालय	मानव रचना एजुकेशन सोसाइटी	छत्तीसगढ़ सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1973 (क्र. 44 सन् 1973) के	ग्राम-भेलवाडीह, तहसील-अगनपुर, जिला -रायपुर, छत्तीसगढ़	छत्तीसगढ़	<ul style="list-style-type: none"> <li>पत्रकारिता/जनसंचार/मीडिया</li> <li>कला/मानविकी/समाज विज्ञान</li> </ul>

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 18 अक्टूबर 2023

1136 (1)

			अधीन पंजीकृत सोसाइटी, पंजीयन क्रमांक 2795, दिनांक 13-04-2009.			<ul style="list-style-type: none"> <li>• शिक्षा/शिक्षक प्रशिक्षण</li> <li>• विधि</li> <li>• व्यवसाय प्रशासन/ वाणिज्य/प्रबंधन/वित्त</li> <li>• ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान,</li> <li>• होटल प्रबंधन/अतिथि सत्कार/पर्यटन/यात्रा</li> <li>• विज्ञान</li> <li>• व्यावसायिक शिक्षा में प्रमाणपत्र, पत्रोपाधि, स्नातक, स्नातकोत्तर उपाधि एवं उनके समेकित पाठ्यक्रम, एम.फिल., पीएच.डी. और अन्य अनुसंधान स्तरीय केवल नियमित पाठ्यक्रम."</li> </ul>
--	--	--	--	--	--	---

अटल नगर, दिनांक 19 अक्टूबर 2023

क्र. 12454/डी. 82/21-अ/प्रारू./छ.ग./23. - भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग का समसंख्यक अधिनियम दिनांक 17-10-2023 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
अनिल सिन्हा, उप-सचिव.

1136 (2)

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 18 अक्टूबर 2023

## CHHATTISGARH ACT

(No. 17 of 2023)

## THE CHHATTISGARH PRIVATE UNIVERSITIES (ESTABLISHMENT AND OPERATION) (AMENDMENT) ACT, 2023.

An Act further to amend the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005).

Be it enacted by the Chhattisgarh Legislature in the Seventy-Fourth Year of the Republic of India, as follows:-

**Short title,  
extent and  
commencement.**

1. (1) This Act may be called the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) (Amendment) Act, 2023.
- (2) It extends to the whole State of Chhattisgarh.
- (3) It shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.

**Amendment of  
Schedule.**

2. In the Schedule made under sub-section (1) of Section 9 of the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005), after serial number 16 and entries relating thereto, the following shall be added, namely:-

S. No.	Name of the Private University	Name of the Sponsoring Body	Procedure of Establishment of Sponsoring body	Main Campus (Head Office)	Jurisdiction	Teaching Programmes
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
"17.	Shri Davara University	Manav Rachna Education Society	Society Registered under the Chhattisgarh Society Registrkaran Adhiniyam, 1973 (No.44 of 1973),	Village- Bhelwadih, Tahsil- Abhanpur, District- Raipur, Chhattisgarh.	Chhattisgarh	Certificate, Diploma, Under Graduate, Post Graduate Degree and their integrated courses, M.Phil., Ph.D. and other research level only regular courses in – <ul style="list-style-type: none"> <li>Journalism/Mass Communication /Media</li> <li>Arts/Humanities/Social Science</li> <li>Education/Teacher Training</li> </ul>

			Registration Number 2795, dated 13.04.2009			<ul style="list-style-type: none"> <li>• Law</li> <li>• Business Administration/ Commerce/Management/Finance</li> <li>• Library and Information Science</li> <li>• Hotel Management/Hospitality/ Tourism/Travel</li> <li>• Sciences</li> <li>• Vocational Education.”</li> </ul>
--	--	--	---	--	--	--

# श्री दावड़ा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और संचालन) अधिनियम, २००५ के तहत स्थापित

## प्रथम परिनियम

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 26 की उपधारा

(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, शासी निकाय निम्नलिखित प्रथम परिनियम बनाती है :

(1) संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ:

- इन परिनियमों को श्री दावड़ा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ प्रथम परिनियम 2024 कहा जायेगा।
- ये परिनियम आधिकारिक छत्तीसगढ़ शासन के राजपत्र में अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

(2) परिभाषाएँ:

इन परिनियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा आवश्यकता न हो: -

- "अधिनियम" का अर्थ छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और संचालन) अधिनियम 2005 और उसके बाद के संशोधनों से है।
- "विश्वविद्यालय" का अर्थ है श्री दावड़ा विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ से है।
- इन परिनियम में प्रयुक्त लेकिन परिभाषित नहीं किए गए शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) प्रथम परिनियम नीचे उल्लेखित विषयों पर होंगे:

## परिनियम क्रमांक - 01

### विश्वविद्यालय का उद्देश्य

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005, की धारा 3 में वर्णित विश्वविद्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य भी होंगे: -

- 1.1 उच्च शिक्षा में ज्ञान, अध्यापन तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था करना एवं शोध तथा ज्ञान की अभिवृद्धि एवं विसरण का प्रावधान करना।
- 1.2 ज्ञान और अनुसंधान की उन्नति के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, उद्योगों, सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर कार्य करना।
- 1.3 छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग की अनुशंसा के आधार पर राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित किसी अन्य उद्देश्य को आगे बढ़ाना।



## परिनियम क्रमांक 02

### विश्वविद्यालय की मुहर एवं प्रतीक चिन्ह

- 2.1 विश्वविद्यालय के प्रयोजनों के लिए उपयोग की जाने वाली एक सामान्य मुहर होगी और मुहर की रचना विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर आवश्यकता पड़ने पर भविष्यकाल में परिवर्तन या संशोधन के अधीन तय की जावेगी।
- 2.2 विश्वविद्यालय के मानक ध्वज, कुलगीत, राजदण्ड, पदक, वाहन ध्वज और अन्य प्रतीकात्मक या आलेखी अभिव्यक्तियों, संक्षिप्ताक्षरों या इसी तरह के ऐसे उद्देश्यों के लिए बनाने और उपयोग करने का भी निर्णय लेगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक समझा जावेगा और जो ऐसी प्रकृति के नहीं हैं जिनकी अनुमति राज्य या केंद्र सरकार द्वारा नहीं दी जाएगी।

## परिनियम क्रमांक 03

### कुलाध्यक्ष

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 की धारा 15 अंतर्गत

- 3.1 छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष होंगे। कुलाध्यक्ष की शक्तियां निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 15 की उपधारा (2) एवं (3) के प्रावधानों एवं समय-समय पर होने वाले संशोधनों के अनुसार होंगी।

## परिनियम क्रमांक - 04

### कुलाधिपति

#### छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 की धारा 16 अन्तर्गत

- 4.1 कुलाधिपति की नियुक्ति राज्य सरकार के परामर्श से प्रायोजक निकाय मानव रचना एजुकेशन सोसाइटी (एमआरईएस) द्वारा कुलाध्यक्ष की पूर्व मंजूरी के साथ तीन साल से अधिक की अवधि के लिए नहीं की जाएगी। प्रायोजक निकाय साधारण बहुमत से कुलाधिपति के नाम को अंतिम रूप देगा। प्रायोजक निकाय के अध्यक्ष/सचिव प्रस्तावित कुलाधिपति के बायोडाटा के साथ नाम को अनुमोदन के लिए कुलाध्यक्ष को भेजेंगे। कुलाध्यक्ष की मंजूरी के बाद प्रायोजक निकाय कुलाधिपति की नियुक्ति करेगा।

बशर्ते कि, निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना करने और इसे कार्यात्मक बनाने के लिए, प्रायोजक निकाय, राज्य सरकार के परामर्श से, न्यूनतम एक वर्ष की अवधि के लिए लेकिन तीन वर्ष से अधिक नहीं, एक कुलाधिपति नियुक्त करेगा।

- 4.2 कुलाधिपति विश्वविद्यालय का प्रमुख होगा।
- 4.3 कुलाधिपति शासी निकाय की बैठकों की अध्यक्षता करेंगे तथा जब कुलाध्यक्ष उपस्थित नहीं होंगे, तो डिप्टी, डिप्लोमा या अन्य शैक्षणिक विशिष्टताएं प्रदान करने वाले विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

#### कुलाधिपति के कर्तव्य और शक्तियाँ

- 4.4 कुलाधिपति को छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 16 की उपधारा (4) के प्रावधानों के अनुसार अधिकार प्राप्त होगा। कुलाधिपति शासी निकाय के परामर्श से कुलाधिपति की किसी भी अधिकार को कुलपति या किसी नामित व्यक्ति को सौंप सकता है।
- 4.5 कुलाधिपति तीन वर्ष की अवधि के लिए पद पर रहेंगे और छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 16 की उपधारा (1) के तहत ऊपर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए कुलाध्यक्ष के अनुमोदन से पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र होंगे, बशर्ते कि कुलाधिपति कार्यकाल समाप्त होने के बावजूद अपना पद तब तक बनाए रखेंगे जब तक कि उन्हें पुनः नियुक्त नहीं किया जाता है या जब तक उनका कोई उत्तराधिकारी उनके पद पर आसीन नहीं हो जाता।
- 4.6 कुलाधिपति प्रायोजक निकाय द्वारा तय किए गए मानदेय अनुसार, व्यय और भत्ता प्राप्त करने का हकदार होगा।

- 4.7 कुलाधिपति कुलाध्यक्ष को संबोधित करते हुए अपने हाथ से लिखकर अपने कार्यालय से इस्तीफा दे सकता है।
- 4.8 परिनियम के प्रारंभ में कुलाधिपति द्वारा कठिनाइयों को दूर करना:

यदि विश्वविद्यालय के कामकाज के संबंध में, या प्रथम परिनियम के कार्यान्वयन में, या अन्यथा कोई कठिनाई उत्पन्न होती है, तो कुलाधिपति किसी भी समय, अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप आदेश द्वारा विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों का गठन कर सकते हैं और क़ानून, जहाँ तक संभव हो, प्रायोजक निकाय की सहमति से कोई नियुक्ति करेगा या कोई अन्य कार्य करेगा, जो उक्त कठिनाई को दूर करने के लिए उसे आवश्यक या उचित लगे;

और ऐसे सभी आदेश इस तरह से प्रभावी होंगे मानो उक्त कार्य की नियुक्ति अधिनियम और क़ानून में प्रदान किए गए तरीके से की गई हो। आगे प्रावधान है कि ऐसा आदेश देने से पहले, कुलाधिपति प्रस्तावित आदेश पर कुलपति और विश्वविद्यालय के ऐसे उपयुक्त प्राधिकारी, जो गठित किया गया हो, की राय लेगा और उस पर विचार करेगा।

## परिनियम क्रमांक - 05

### कुलपति

#### छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 17 एवं 26 (1) (बी) अन्तर्गत

#### कुलपति की नियुक्ति

- 5.1 छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 17 की उपधारा (1) से (4) के प्रावधानों के अनुसार होगी। अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (10) में निर्धारित शर्तों के अधीन, कुलपति का कार्यकाल 4 वर्ष की अवधि का होगा।

बशर्ते कि, एक कुलपति अपने कार्यकाल की समाप्ति के बाद भी नए कुलपति के शामिल होने तक अपने पद पर बने रहेंगे हालाँकि, किसी भी स्थिति में यह अवधि 6 महीने से अधिक नहीं होगी।

- 5.2 कुलाध्यक्ष की सलाह पर कुलाधिपति 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रथम कुलपति की नियुक्ति करेगा।

- 5.3 अगले कुलपति की नियुक्ति इस उद्देश्य के पूर्ति हेतु खोज समिति के गठन से कुलाध्यक्ष के द्वारा की जाएगी और इस खोज समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे:

(अ) प्रायोजक निकाय द्वारा नामित दो प्रतिष्ठित शिक्षाविद;

(ब) राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित एक प्रतिष्ठित व्यक्ति,

(स) कुलाध्यक्ष खोज समिति के सदस्यों में से एक को अध्यक्ष नियुक्त करेगा।

- 5.4 खोज समिति कुलपति की नियुक्ति के लिए कम से कम तीन प्रतिष्ठित शिक्षाविदों का एक पैनल प्रस्तुत करेगी। बशर्ते, यदि कुलाध्यक्ष खोज समिति की सिफारिश को मंजूरी नहीं देता है, तो वह समिति से नई सिफारिश मांग सकता है।

- 5.5 कुलपति के नियम और शर्तें राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित यूजीसी मानदंडों के अनुसार होंगी। अन्य भत्ते समय-समय पर विश्वविद्यालय के प्रायोजक निकाय द्वारा तय किए जाएंगे।

#### कुलपति के कर्तव्य एवं शक्तियाँ

- 5.6 कुलपति अधिनियम 2005 की धारा 17 की उपधारा (5) से (9) में निर्धारित अपनी शक्तियों का प्रयोग करेंगे।
- 5.7 कुलपति प्रबंधन मंडल का पदेन सदस्य और अध्यक्ष होगा। कुलपति यह सुनिश्चित करेंगे कि अधिनियम के प्रावधानों, नियमों, परिनियमों, अध्यादेशों और अधिनियम के तहत बनाए गए विनियमों का ईमानदारी से पालन किया जाए।
- 5.8 कुलपति छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और संचालन) अधिनियम, 2005 और परिनियमों, अध्यादेशों और के तहत उन्हें सौंपे गए कर्तव्यों के निर्वहन में मदद करने के लिए आवश्यक समझे जाने पर ऐसी समितियों का गठन कर सकते हैं।
- 5.9 प्रथम कुलपति को विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल, अकादमिक परिषद और अन्य प्राधिकरणों के रूप में समझा जाएगा और उसके पास कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रबंधन मंडल, अकादमिक परिषद और अन्य प्राधिकरणों की सभी शक्तियाँ होंगी। प्रथम कुलपति का यह कर्तव्य होगा कि वह विश्वविद्यालय की स्थापना के तीन महीने के भीतर प्रबंधन मंडल, अकादमिक परिषद और अन्य प्राधिकरणों का गठन करे।
- 5.10 उसे विश्वविद्यालय के किसी अन्य प्राधिकरण या निकाय की बैठकों में भाग लेने और बोलने का अधिकार होगा, लेकिन वहां वोट देने का हकदार नहीं होगा जब तक कि वह उस निकाय का सदस्य न हो।
- 5.11 कुलपति अपना इस्तीफा कुलाध्यक्ष को दे सकता है और वह अपने त्यागपत्र की स्वीकृति की तारीख से पद धारण नहीं कर सकेगा।

### 5.12 अल्पकालिक प्रावधान:

अधिनियम या परिनियम में निहित किसी बात के होते हुए भी, कुलपति प्रायोजक निकाय की सहमति से अधिनियम और परिनियम के उपबंधों को कार्यान्वित करने के प्रयोजन से विश्वविद्यालय के सभी या किन्हीं कृत्यों का निर्वहन कर सकेगा और उस प्रयोजन के लिए, किसी भी शक्तियों का प्रयोग कर सकेगा या कोई कर्तव्य निष्पादित कर सकेगा, जो अधिनियम या परिनियम द्वारा, विश्वविद्यालय के किसी अधिकारी या प्राधिकारी द्वारा प्रयोग या प्रदर्शन किया जाना है, जो उस समय अस्तित्व में नहीं है, जब ऐसी शक्तियों का प्रयोग किया जाता है या ऐसे कर्तव्यों का पालन किया जाता है।

5.13 कुलपति अपने द्वारा अध्यक्षता किये जाने वाले सभी प्राधिकरणों और अधिनियमों में निर्धारित निकायों की बैठके बुलाएँगे।

5.14 कुलपति के पास प्रबंधन मंडल के परामर्श से प्रति-कुलपति नियुक्त करने की शक्ति होगी।

## परिनियम क्रमांक - 06

### कुलसचिव

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 18 एवं 26 (1) (ग)  
अन्तर्गत

#### कुलसचिव की नियुक्ति

- 6.1 कुलसचिव की नियुक्ति इस उद्देश्य के लिए गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर शासी निकाय द्वारा की जाएगी, जैसा कि कानून द्वारा निर्धारित किया गया है। हालाँकि, पहले कुलसचिव की नियुक्ति प्रायोजक निकाय मानव रचना एजुकेशन सोसाइटी (एमआरईएस) द्वारा दो साल की अवधि के लिए की जाएगी।
- 6.2 व्यापक रूप से प्रसारित समाचार पत्रों या अन्य मीडिया में किसी पद के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाला विज्ञापन दिया जायेगा।
- 6.3 कुलसचिव श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक वेतनभोगी अधिकारी होंगे और कुलपति के सामान्य अधीक्षण और नियंत्रण के तहत अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।
- 6.4 रजिस्ट्रार की नियुक्ति के नियम और शर्तें यूजीसी मानदंडों के अनुसार होंगी।
- 6.5 कुलसचिव के चयन के लिए चयन समिति इस प्रकार होगी :
  - (a) कुलपति - अध्यक्ष।
  - (b) शासी निकाय द्वारा नामित एक विशेषज्ञ- सदस्य।
  - (c) प्रबंधन मंडल द्वारा नामित एक विशेषज्ञ- सदस्य।
  - (d) सीजीपीयूआरसी का एक सदस्य पर्यवेक्षक के रूप में।

कुलसचिव के कर्तव्य और शक्तियां



6.6 अधिनियम, धारा 18 की उपधारा 2(4) में निर्धारित शक्तियों और कर्तव्यों के अलावा कुलसचिव के कर्तव्य और शक्तियां निम्नलिखित होंगी:

- (a) वह विश्वविद्यालय के सभी अभिलेखों और विश्वविद्यालय की अन्य ऐसी संपत्ति की सुरक्षित अभिरक्षा और रखरखाव के लिए जिम्मेदार होगा जैसा कि शासी निकाय निर्णय ले सकता है;
- (b) वह अपनी मुहर और हस्ताक्षर के साथ अंक पत्र, प्रवासन प्रमाणपत्र और अन्य प्रासंगिक महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी करेगा। वह जारी करने से पहले डिग्री प्रमाणपत्र के पीछे अपने कार्यालय की मुहर के साथ अपने हस्ताक्षर भी दर्ज करेगा;
- (c) वह विश्वविद्यालय, शासी निकाय, प्रबंध मंडल, शैक्षणिक परिषद और किसी अन्य वैधानिक निकाय या समिति के आधिकारिक पत्राचार का संचालन करेगा;
- (d) वह सदस्यों को विश्वविद्यालय प्राधिकारियों की बैठकों की तारीखों के बारे में नोटिस जारी करेगा और शासी निकाय, प्रबंध मंडल और शैक्षणिक परिषद या समितियों द्वारा बैठकों के संचालन और अन्य सौंपे गए कर्तव्यों के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगा। वह अधिनियम के अनुसार एक सचिव है;
- (e) वह कुलाधिपति/कुलपति के निर्देशन में गठित शासी निकाय, प्रबंध मंडल, शैक्षणिक परिषद और ऐसे अन्य निकायों की बैठक के एजेंडे की प्रतियां प्रदान करेगा और कार्यवाही/मिनट रिकॉर्ड करेगा और कुलाधिपति और कुलपति को भेजेगा ;
- (f) वह किसी निकाय की बैठक में, जिसका वह सचिव है, केवल अध्यक्ष की अनुमति से; मतदान के अधिकार के बिना बोल सकता है।
- (g) वह शासी निकाय / प्रबंध मंडल / शैक्षणिक परिषद और अन्य समितियों / अन्य निकायों, जिनमें वह सचिव है, की बैठक में लिए गए निर्णय को निष्पादित करने के लिए जिम्मेदार होगा।
- (h) वह ऐसे कागजात और दस्तावेज और अन्य जानकारी उपलब्ध कराएगा जो कुलाध्यक्ष / कुलाधिपति / कुलपति चाहें;
- (i) वह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति/कुलपति द्वारा उसे सौंपे गए और कानून, अध्यादेशों और विनियमों के अनुसार सौंपे गए सभी कार्यों का निर्वहन करेगा;
- (j) वह आधिकारिक कर्तव्यों के पालन में कुलाधिपति/कुलपति द्वारा वांछित सहायता प्रदान करेगा;

- (k) वह विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों/इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों के काम का पर्यवेक्षण और नियंत्रण करेगा;
  - (l) वह कुलपति/कुलाधिपति की अनुमति से विश्वविद्यालय के गैर-शिक्षण कर्मचारियों/ अन्य कर्मचारियों के खिलाफ जब भी आवश्यक हो अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगा;
  - (m) वह विश्वविद्यालय द्वारा या उसके खिलाफ कानूनी मुकदमों या कार्यवाही में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगा, वकील की शक्तियों पर हस्ताक्षर करेगा और कानून मुकदमों और अन्य विवादों में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगा;
  - (n) वह विश्वविद्यालय की ओर से समझौता करेगा, दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करेगा और रिकॉर्ड प्रमाणित करेगा;
  - (o) वह मेल प्रतिलेख प्रदान करेगा/करेगी; शैक्षणिक रिकॉर्ड और निष्क्रिय छात्र फ़ोल्डरों को संग्रहीत और संरक्षित करना; गैर-क्रेडिट छात्रों के लिए ग्रेड संसाधित करना और प्रतिलेख तैयार करना; पाठ्यक्रम विवरण की प्रतियां बनाए रखें;
- 6.7 कुलसचिव, कुलपति के माध्यम से कुलाधिपति को एक माह का नोटिस देकर इस्तीफा दे सकता है। वह अपना इस्तीफा स्वीकार होने की तारीख से पद पर बने नहीं रह सकते हैं।

**परिनियम क्रमांक - 07****मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी**

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 19 एवं 26 (1)

(सी) अन्तर्गत

- 7.1 मुख्य वित्त और लेखा अधिकारी (सी. एफ. ए. ओ.) विश्वविद्यालय का एक अधिकारी होगा जो विश्वविद्यालय के खातों और वित्त को संभालने के लिए जिम्मेदार होगा।
- 7.2 सीएफएओ की नियुक्ति चयन समिति की सिफारिश के आधार पर कुलाधिपति द्वारा की जाएगी। व्यापक रूप से प्रसारित समाचार पत्रों या अन्य मीडिया में किसी पद के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाला विज्ञापन। चयन समिति के निम्नलिखित सदस्य होंगे:
- (a) कुलपति - अध्यक्ष
  - (b) प्रबंधन मंडल द्वारा नामित एक सदस्य-सदस्य
  - (c) कुलाधिपति/कुलपति द्वारा नामित एक सदस्य - सदस्य
  - (d) रजिस्ट्रार सदस्य सचिव के रूप में
  - (e) सीजीपीयूआरसी का एक सदस्य पर्यवेक्षक के रूप में।
- 7.3 सीएफएओ की योग्यता इस प्रकार होगी:-
- (a) न्यूनतम 55% अंकों के साथ वाणिज्य/अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर/वित्तीय प्रबंधन में एमबीए। कंप्यूटर/आईटी कौशल में दक्षता के साथ किसी भी विश्वविद्यालय/संस्थान/संगठन में लेखा/वित्त प्रबंधन में 15 वर्ष का अनुभव।
  - (b) वांछनीय सीए/आईसीडब्ल्यूए या समकक्ष योग्यता।

- 7.4 सीएफएओ विश्वविद्यालय का पूर्णकालिक वेतनभोगी अधिकारी होगा। सीएफएओ का वेतन, भत्ते और नियम और शर्तें शासी निकाय द्वारा तय की जाएंगी। सीएफएओ कुलपति के नियंत्रण में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।
- 7.5 सीएफएओ की सेवानिवृत्ति की आयु बासठ वर्ष या राज्य सरकार के मानदंडों के अनुसार होगी।
- 7.6 सीएफएओ कुलपति के माध्यम से कुलाधिपति को एक महीने का नोटिस देकर इस्तीफा दे सकता है। वह अपना इस्तीफा स्वीकार होने की तारीख से पद पर बने नहीं रह सकते।

सीएफएओ के कर्तव्य और शक्तियां

- 7.7 सीएफएओ के कर्तव्य होंगे:
- (a) यह सुनिश्चित करने के लिए कि एक वित्तीय वर्ष के लिए आवर्ती और गैर-आवर्ती व्यय की शासी निकाय द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक न हो और सभी धन उसी उद्देश्य के लिए खर्च किए जाएं जिसके लिए उन्हें आवंटित किया गया है।
  - (b) रिकॉर्ड को ठीक से बनाए रखने और नियमित रूप से उनका ऑडिट कराने के लिए विश्वविद्यालय के खातों, बैलेंस शीट और फंड का प्रबंधन करना;
  - (c) विश्वविद्यालय के खातों और वित्त के कामकाज का नियंत्रण और विनियमन करना;
  - (d) विश्वविद्यालय के वित्तीय रिकॉर्ड और ऐसे किसी भी अन्य वित्त संबंधी रिकॉर्ड की फाइलों को बनाए रखना, जैसा कि शासी निकाय निर्णय ले सकता है;
  - (e) वार्षिक बजट तैयार करना, विभिन्न बजट शीर्षों के तहत समय पर आवंटन सुनिश्चित करना और आवंटित धन के उपयोग की निगरानी करना;
  - (f) निवेश पर रिटर्न को अनुकूलित करने के लिए एंडोमेंट फंड के निवेश और परिपक्वता पर उनके पुनर्निवेश के संबंध में वित्त समिति को सलाह देना;
  - (g) विश्वविद्यालय के कुलाधिपति/कुलपति द्वारा सौंपे गए ऐसे सभी कार्यों का निर्वहन करना।

## परिनियम क्रमांक – 08

### महानिदेशक

- 8.1 विश्वविद्यालय के घोषित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कुलाधिपति विश्वविद्यालय के अधिकारियों और प्राधिकारियों के दिन-प्रतिदिन के कामकाज पर नियंत्रण रखने के लिए महानिदेशक की नियुक्ति कर सकते हैं।
- 8.2 महानिदेशक विश्वविद्यालय के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कुलाधिपति को रिपोर्ट करेंगे।

## परिनियम क्रमांक - 09

### मुख्य कार्यकारी अधिकारी

- 9.1 विश्वविद्यालय के घोषित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कुलाधिपति विश्वविद्यालय के दिन-प्रतिदिन के प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन पर नियंत्रण रखने के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति कर सकते हैं।
- 9.2 मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्वविद्यालय के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए कुलाधिपति को रिपोर्ट करेंगे।

## परिनियम क्रमांक - 10

### विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 20 (1) (सी)

#### अन्तर्गत

अधिनियम की धारा 20 (1) के प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी निम्नलिखित होंगे:

#### 10.1 प्रति कुलपति

- (a) प्रति कुलपति की नियुक्ति एक चयन समिति द्वारा चार साल की अवधि के लिए की जाएगी। चयन समिति की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति द्वारा की जाएगी और इसमें कुलपति और प्रायोजक निकाय के अध्यक्ष द्वारा नामित दो सदस्य शामिल होंगे। प्रति उपकुलपति पद के लिए प्रक्रिया और योग्यता यूजीसी मानदंडों के अनुसार होगी।
- (b) प्रति-कुलपति खंड (1) में ऊपर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके बाद के कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र होगा।
- (c) कुलपति की अनुपस्थिति में, प्रति-कुलपति, कुलपति के कर्तव्यों का पालन करेगा।
- (d) प्रति-कुलपति समय-समय पर प्रायोजक निकाय द्वारा तय किए गए वेतन और अन्य भत्ते प्राप्त करने के पात्र होंगे।
- (e) प्रति-कुलपति समय-समय पर कुलाधिपति/कुलपति द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों और कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।
- (f) प्रति-कुलपति कुलाधिपति को संबोधित लिखित रूप में अपने कार्यालय से इस्तीफा दे सकता है। प्रति-कुलपति कुलाधिपति की इच्छा से पद धारण करेगा।

#### 10.2 संकायों के अध्यक्ष

- (a) प्रत्येक संकाय के लिए एक अध्यक्ष होगा और नियुक्ति के नवीनीकरण के अधीन तीन साल की अवधि के लिए कुलपति की सिफारिश पर कुलाधिपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा, बशर्ते कि यदि

कोई प्रोफेसर नहीं है, तो एक एसोसिएट प्रोफेसर को मंजूरी दी जा सकती है। कुलपति, जो कुलाधिपति द्वारा पुष्टि के अधीन डीन के रूप में कार्य कर सकता है।

- (b) प्रत्येक संकाय का एक अध्यक्ष होगा जो संकायों का प्रतिनिधित्व करेगा और संकाय से संबंधित कानूनों, अध्यादेशों और विनियमों के पालन के लिए जिम्मेदार होगा।
- (c) संकाय के अध्यक्ष ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग करेंगे और ऐसे अन्य कार्य और कर्तव्य निभाएंगे जो प्रबंधन मंडल /कुलपति द्वारा सौंपे जा सकते हैं।
- (d) संकाय के अध्यक्ष संकाय के शैक्षणिक और वित्तीय प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार होंगे और अकादमिक ऑडिट करेंगे।
- (e) प्रत्येक संकाय के अध्यक्ष अपने नियंत्रण के तहत संकाय के लिए मासिक, सेमेस्टर या अवधिवार कार्यक्रम, शैक्षणिक कैलेंडर और वित्तीय बजट बनाने के लिए जिम्मेदार होंगे।
- (f) प्रत्येक प्रशासनिक, वित्तीय और शैक्षणिक कार्यों की जिम्मेदारी संकाय के अध्यक्ष होगी।
- (g) अध्यक्ष को उसकी नियुक्ति की अवधि के लिए विशेष वेतन मिल सकता है, जैसा प्रबंधन मंडल द्वारा तय किया जा सकता है।

### 10.3 परीक्षा नियंत्रक

- (a) परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति विधिवत गठित चयन समिति की सिफारिश पर तीन साल की अवधि के लिए कुलपति द्वारा की जाएगी। निम्नलिखित चयन समिति के सदस्य होंगे:
  - (i) कुलपति – अध्यक्ष
  - (ii) प्रबंधन मंडल द्वारा नामित एक सदस्य
  - (iii) कुलाधिपति/कुलपति द्वारा नामित एक सदस्य
  - (iv) सदस्य सचिव के रूप में कुलसचिव
- (b) परीक्षा नियंत्रक की सेवा के नियम और शर्तें उसके बनाए गए विनियमों में निर्दिष्ट अनुसार होंगी।
- (c) परीक्षा नियंत्रक ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेगा और नीचे दिए गए अनुसार ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा:



- (i) वह परीक्षाओं के लिए कैलेंडर पहले से तैयार करेगा और सूचित करेगा। वह प्रश्न पत्रों की छपाई के लिए जिम्मेदार होगा;
- (ii) वह परीक्षाओं और अन्य मूल्यांकनों के परिणामों के समय पर प्रकाशन की व्यवस्था करेगा/करेगी;
- (iii) वह जहां भी आवश्यक हो, गलती करने वालों, पेपर सेट करने वालों, परीक्षकों, मध्यस्थों या परीक्षाओं से जुड़े किसी भी अन्य व्यक्ति/परीक्षा से संबंधित मामले में कदाचार के दोषी पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश करेगा;
- (iv) वह समय-समय पर विश्वविद्यालय परीक्षाओं के परिणामों की समीक्षा करेगा और उस पर रिपोर्ट अकादमिक परिषद को भेजेगा;
- (v) वह ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा जो विनियमों में निर्दिष्ट किए जा सकते हैं या कुलाधिपति या कुलपति द्वारा उसे सौंपे जा सकते हैं, जैसा भी मामला हो।

#### 10.4 छात्र कल्याण अध्यक्ष

- (a) छात्र कल्याण अध्यक्ष (डीएसडब्ल्यू) की नियुक्ति विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों में से कुलपति द्वारा दो साल की अवधि के लिए की जाएगी।
- (b) डीएसडब्ल्यू को मासिक मानदेय और आवश्यक सुविधाएं स्वीकार्य होंगी।
- (c) डीएसडब्ल्यू प्रॉक्टर, वार्डन और छात्र मामलों के प्रबंधन से सीधे जुड़े अन्य कर्मचारियों की सहायता से छात्रों के कल्याण और अनुशासन की देखभाल करेगा।

#### 10.5 निदेशक/प्रमुख

- (a) निदेशकों/विभागाध्यक्ष की नियुक्ति कुलपति द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिए की जाएगी और वे उस संस्थान/स्कूल/विभाग के प्रशासनिक प्रमुख होंगे।
- (b) निदेशक/विभागाध्यक्ष संबंधित संकाय अध्यक्ष और कुलपति के प्रति जिम्मेदार होंगे।
- (c) निदेशक/प्रमुख के पास शक्तियां होंगी और वे विनियमों में निर्दिष्ट अनुसार कार्य करेंगे।

## 10.6 वित्त अधिकारी

- (a) वित्त अधिकारी का चयन विनियम में निर्दिष्ट तरीके से प्रायोजक निकाय की सहमति से और प्रबंधन मंडल के अनुमोदन से गठित एक समिति द्वारा किया जाएगा।
- (b) वित्त अधिकारी नीचे दिए गए अनुसार कार्य करेगा:
  - (i) वह विश्वविद्यालय के वित्त और लेखा अनुभाग का प्रभारी होगा और मुख्य वित्त और लेखा अधिकारी को रिपोर्ट करेगा।
  - (ii) वह भुगतान के सभी दावों और उनकी स्वीकार्यता की जांच करेगा/करेगी।
  - (iii) वह ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग करेगा और ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा जो कुलाधिपति या कुलपति या विनियमों में निर्दिष्ट सीएफएओ द्वारा निर्दिष्ट किए जा सकते हैं।

## 10.7 प्रॉक्टर

- (a) प्रॉक्टर की नियुक्ति विश्वविद्यालय के शिक्षकों में से कुलपति द्वारा दो वर्ष की अवधि के लिए की जाएगी।
  - (i) प्रॉक्टर को मासिक मानदेय और प्रबंधन मंडल द्वारा अनुमोदित ऐसी सुविधाएं स्वीकार्य होंगी।
  - (ii) विश्वविद्यालय में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रॉक्टर को कुलपति द्वारा जिम्मेदारियां और कर्तव्य सौंपे जाएंगे।

## 10.8 इसके अलावा, प्रबंधन मंडल के अनुमोदन के अधीन, विश्वविद्यालय के सुचारू और कुशल कामकाज के लिए किसी अन्य अधिकारी की नियुक्ति कुलपति द्वारा की जाएगी।

- (a) दूसरे अधिकारी का चयन विधिवत गठित चयन समितियों द्वारा या विनियमों में निर्दिष्ट किसी अन्य तरीके से किया जाएगा।
- (b) दूसरे अधिकारी का चयन विधिवत गठित चयन समितियों द्वारा या विनियमों में निर्दिष्ट किसी अन्य तरीके से किया जाएगा।
- (c) अन्य अधिकारी अध्यादेशों/विनियमों में निर्दिष्ट शक्तियों और कर्तव्यों का प्रयोग करेंगे।

## परिनियम क्रमांक – 11

### शासी निकाय

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) 2005 अधिनियम की धारा 21(1) (ए), 22 एवं 26(1)( ए) के अन्तर्गत

- 11.1 श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के शासी निकाय का गठन और उसका कार्यकाल छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और संचालन) अधिनियम, 2005 (इसके बाद, अधिनियम) की धारा 21 और 22 के प्रावधानों के अनुसार होगा।
- 11.2 कुलसचिव शासी निकाय का सचिव होगा, लेकिन उसके पास मतदान का अधिकार नहीं होगा।
- 11.3 अधिनियम की धारा 22 की उपधारा (3) के प्रावधानों के अनुसार शासी निकाय में निहित शक्तियों के अलावा, विश्वविद्यालय के शासी निकाय के पास निम्नलिखित शक्तियां और कार्य होंगे:
- (a) यह उन प्रस्तावों को मंजूरी देगा, जिन्हें राज्य सरकार को प्रस्तुत करना आवश्यक है;
  - (b) यह समय-समय पर व्यापक नीतियों, योजनाओं और प्रक्रियाओं को बनाएगा, समीक्षा और अनुमोदन करेगा और विश्वविद्यालय के सुधार और विकास के लिए उपाय सुझाएगा;
  - (c) यह कुलाधिपति या प्रायोजक निकाय द्वारा संदर्भित किसी भी मामले पर सिफारिशें करेगा;
  - (d) यह ऐसी अन्य शक्तियों और कार्यों का प्रयोग करेगा जो प्रायोजक निकाय द्वारा सौंपे जा सकते हैं।
  - (e) अधिनियम के तहत बनाए गए विश्वविद्यालय के कानूनों, अध्यादेशों, विनियमों या नियमों के प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय के संपूर्ण प्रशासन को बढ़ावा देना और विश्वविद्यालय के अधिकारियों को नियुक्त करना, अनुशासित करना या बर्खास्त करना।
  - (f) विश्वविद्यालय के कानून, अध्यादेश, विनियम या नियमों के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार नए समितियों, कार्यालयों और बोर्डों के निर्माण को मंजूरी देना।

- (g) प्रबंध मंडल और शैक्षणिक परिषद की सिफारिशों पर अध्ययन के स्कूल, विभागों और कार्यक्रमों के निर्माण और उन्मूलन को मंजूरी देना।
- (h) विश्वविद्यालय की संपत्ति और निधियों को धारण करना, नियंत्रित करना और प्रशासन करना;
- (i) ऑडिट रिपोर्ट के साथ वार्षिक खातों को अपनाना:
- (j) यह विश्वविद्यालय की ओर से धन उधार लेगा और उधार देगा; बशर्ते कि धनराशि विश्वविद्यालय की प्रतिभूतियों पर उधार नहीं ली जाएगी;
- (k) किसी भी भूमि, भवन या संपत्ति, चल, अचल या बौद्धिक को धारण करना, खरीदना, बेचना, गिरवी रखना, गिरवी रखना, पट्टे पर लेना, उपहार के रूप में स्वीकार करना या अन्यथा अधिग्रहण करना, जो विश्वविद्यालय के प्रयोजन के लिए आवश्यक या सुविधाजनक हो। और ऐसे नियमों और शर्तों पर जिन्हें यह उचित और उचित समझे, और ऐसी किसी भी भूमि, भवन या संपत्ति का निर्माण, परिवर्तन और रखरखाव करना;
- (l) यह विश्वविद्यालय के अधिनियम और कानून द्वारा उसे सौंपी गई शक्तियों के प्रयोग और कर्तव्यों के प्रदर्शन में विश्वविद्यालय की ओर से अनुबंधों में प्रवेश करेगा, उनमें बदलाव करेगा, उन्हें लागू करेगा और रद्द करेगा;
- (m) विश्वविद्यालय की सामान्य मुहर का चयन करना और उसकी सुरक्षा और उपयोग की व्यवस्था करना।
- (n) यह विश्वविद्यालय के कार्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक भवनों, परिसरों, फर्नीचर, उपकरण, पुस्तकों और अन्य साधनों का प्रावधान करेगा; विश्वविद्यालय के वित्त, खातों और निवेश का प्रबंधन और विनियमन करना;
- (o) यह विश्वविद्यालय के अधिकारियों, प्राधिकरणों, निकायों, शिक्षण विभागों, विशेष अध्ययन के अनुसंधान केंद्रों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, संग्रहालयों और छात्रावासों से रिपोर्ट, रिटर्न और अन्य जानकारी मांगेगा;
- (p) यह फेलोशिप, छात्रवृत्ति, छात्रवृत्ति, प्रदर्शनियाँ, पदक और पुरस्कार स्थापित करेगा;
- (q) यह परीक्षा कार्य के लिए पारिश्रमिक और भत्ते की दरों की सिफारिश करेगा;

- (r) नियुक्त करने के लिए:
- (1) अन्य संस्थानों या संगठनों में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, जो वांछनीय हों,
  - (ii) विश्वविद्यालय के वकील के रूप में कोई भी व्यक्ति जिसके पास ऐसी शक्तियां हों जो वह विश्वविद्यालय के किसी दस्तावेज़ को निष्पादित करने या किसी भी व्यवसाय को चलाने के लिए उचित समझे;
- (s) अधिनियम के दायरे में विश्वविद्यालय के क़ानूनों, अध्यादेशों और विनियमों में संशोधन और रद्दीकरण को मंजूरी देना, जैसा कि प्रस्तावित है प्रबंध मंडल के द्वारा;
- (t) विनियम द्वारा अपनी किसी भी शक्ति को कुलपति, कुलसचिव या विश्वविद्यालय के ऐसे अन्य अधिकारी या उसके द्वारा नियुक्त समिति को सौंपना जो वह उचित समझे।

## परिनियम क्रमांक - 12

### प्रबंध मंडल

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) 2005 अधिनियम की धारा 21(1) (बी), 23 एवं 26(1) (ए) के अन्तर्गत

प्रबंध मंडल के कार्य होंगे:

- 12.1 (a) ऑडिट रिपोर्ट के साथ वित्तीय खाते स्वीकार करना;
- (b) विश्वविद्यालय के वार्षिक/अनुपूरक बजट की सिफारिश करना और उसके विचार और अनुमोदन के लिए शासी निकाय के समक्ष प्रस्तुत करना;
- (c) यह सुनिश्चित करने के लिए कि व्यय बजटीय प्रावधानों के अनुसार किया जाता है;
- (d) अनुसंधान और विकास गतिविधियों का समर्थन करने के लिए विश्वविद्यालय के लिए व्यक्तियों/संगठनों से वित्तीय सहायता की स्वीकृति को मंजूरी देना और अधिकृत करना। प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण और शैक्षणिक कार्यक्रमों और बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्वीकृति देना;
- (e) विश्वविद्यालय के सुचारू कामकाज के लिए अधिनियम, कानून और अध्यादेशों के प्रावधानों को लागू करने के लिए किसी भी विनियम को बनाना, संशोधित करना और रद्द करना;
- (f) शैक्षणिक परिषद और इसे संदर्भित अन्य अधिकारियों की सिफारिशों पर विचार करना और अनुमोदन करना;
- (g) विश्वविद्यालय की संपत्तियों और बुनियादी ढांचे को नियंत्रित और प्रबंधित करना;
- (h) विजिटिंग फेलो और विजिटिंग प्रोफेसरों की नियुक्ति का प्रावधान करना;
- (i) विश्वविद्यालय के किसी अन्य निधि/ निकासी का प्रबंध करना;
- (j) विश्वविद्यालय के बैंक खातों के संचालन को अधिकृत करना;

- (k) आगामी वर्ष के लिए लेखा परीक्षकों की नियुक्ति करना और उनका पारिश्रमिक निर्धारित करना;
- (l) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की परिलब्धियों, कर्तव्यों और सेवा के नियमों और शर्तों को निर्धारित/अनुमोदन करना;
- (m) शैक्षणिक कार्यक्रमों को मंजूरी देना;
- (n) संस्थान, फेलोशिप, छात्रवृत्ति, पदक और पुरस्कार का निर्धारण/अनुमोदन करना;
- (o) शैक्षणिक परिषद की सिफारिश पर विश्वविद्यालय में किसी भी शिक्षण पद को बनाना, समाप्त करना या निलंबित करना;
- (p) विश्वविद्यालय में किसी भी गैर-शिक्षण पद को बनाने, समाप्त करने या निलंबित करने के लिए कारणों को लिखित रूप में दर्ज करना होगा;
- (q) प्रावधानों और कर्मचारियों की सेवा की शर्तों के अनुसार विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति, बर्खास्तगी या अन्यथा दंडित करना या सेवाएं समाप्त करना;
- (r) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के बीच अनुशासन को विनियमित और लागू करना और जहां भी आवश्यक हो, उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई करना;
- (s) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों की किसी भी शिकायत पर विचार करना और उस पर निर्णय देना और यदि उचित समझा जाए तो उसका निवारण करना;
- (t) ऐसे उद्देश्यों के लिए और ऐसी शक्तियों के साथ ऐसी समितियों का गठन करना जो विश्वविद्यालय के कुशल कामकाज के लिए आवश्यक हो सकती हैं;
- (u) अधिनियम, क़ानून और अध्यादेशों के अनुसार विश्वविद्यालय से संबंधित अन्य सभी मामलों को विनियमित और निर्धारित करना;
- (v) शासी निकाय द्वारा सौंपे गए किसी भी अन्य कार्य को निष्पादित करना;
- (w) विभिन्न प्रकार के प्रतीक मुहर के डिजाइन को मंजूरी देना और विश्वविद्यालय के प्रतीक/मुहर का उचित उपयोग सुनिश्चित करना;

- (x) विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए धन जुटाने और सामान्य निधि के लिए अनुदान, दान, योगदान, उपहार, पुरस्कार और छात्रवृत्ति प्राप्त करने और पुरस्कार और छात्रवृत्ति के पुरस्कारों के लिए अपील करना;
  - (y) विश्वविद्यालय के सामान्य मामलों और गतिविधियों की देखरेख, निगरानी और नियंत्रण करना।
  - (z) प्रबंध मंडल के ऐसे निर्णयों के कार्यान्वयन से पहले प्रायोजक निकाय की मंजूरी प्राप्त करना, जिनका विश्वविद्यालय पर वित्तीय प्रभाव पड़ सकता है;
  - (aa) विश्वविद्यालय की सामान्य गतिविधि को नियंत्रित और प्रशासित एवं निगरानी करना ।
- 12.2 अधिनियम की धारा 23 के अनुसार, प्रबंध मंडल की बैठक हर दो महीने में कम से कम एक बार होगी और कोरम पांच सदस्यों का होगा।



## परिनियम क्रमांक – 13

### शैक्षणिक परिषद

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) 2005 अधिनियम की धारा 21(1)(सी), 24 एवं 26(1) (ए) के अन्तर्गत

शैक्षणिक परिषद विश्वविद्यालय का प्रमुख शैक्षणिक निकाय होगा और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों और कार्यक्रमों का समन्वय और सामान्य पर्यवेक्षण करेगा।

13.1 शैक्षणिक परिषद में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे:

- (a) कुलपति, अध्यक्ष
- (b) प्रति-कुलपति।
- (c) कुलपति द्वारा नामित चार संकाय अध्यक्ष।
- (d) शैक्षणिक विभाग/स्कूल के आठ प्रमुख।
- (e) प्रबंध मंडल द्वारा नामित विश्वविद्यालय के बाहर से एक शिक्षाविद्।
- (f) वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, प्रौद्योगिकीविदों और इंजीनियरों में से कुलाधिपति के दो नामांकित व्यक्ति।
- (g) वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, प्रौद्योगिकीविदों और इंजीनियरों में से प्रायोजक निकाय के दो नामांकित व्यक्ति।
- (h) कुलसचिव, शैक्षणिक परिषद का सचिव होगा, लेकिन उसे वोट देने का अधिकार नहीं होगा।

13.2 शैक्षणिक परिषद् के मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। किसी भी सदस्य को लगातार दो कार्यकाल से अधिक के लिए नामांकित नहीं किया जाएगा।

- 13.3 कुलपति, अध्यक्ष के रूप में, शैक्षणिक परिषद की बैठकों की अध्यक्षता करेंगे और उनकी अनुपस्थिति में प्रति-कुलपति अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। हालाँकि, कुलपति और प्रति कुलपति दोनों की अनुपस्थिति में, कुलाधिपति द्वारा नामित कोई अन्य वरिष्ठ प्रोफेसर बैठक की अध्यक्षता करेंगे।
- 13.4 अध्यक्ष सहित शैक्षणिक परिषद के आधे सदस्य किसी बैठक में कोरम बनाएंगे, बशर्ते कि कोरम के अभाव के कारण स्थगित बैठकों के लिए कोरम आवश्यक नहीं होगा। आमतौर पर शैक्षणिक परिषद की सभी बैठकों के लिए पंद्रह स्पष्ट दिनों का नोटिस दिया जाएगा और एजेंडा पत्र बैठक की तारीख से कम से कम सात दिन पहले जारी किए जाएंगे। अत्यावश्यक बैठक की सूचना सामान्यतः 3 दिन पहले दी जाएगी।
- 13.5 अकादमिक परिषद् को निम्नलिखित कार्य और शक्तियाँ प्राप्त होंगी :-
- किसी विशेष व्यवसाय के विषय में विशेष ज्ञान या अनुभव रखने वाले व्यक्तियों को सहयोजित करना जो परिषद के समक्ष विचार के लिए आ सकते हैं; इस प्रकार सहयोजित सदस्यों के पास उस व्यवसाय के लेन-देन के संबंध में परिषद के सदस्यों के सभी अधिकार होंगे जिसके संबंध में उन्हें सहयोजित किया जा सकता है;
  - विश्वविद्यालय में शिक्षण, अनुसंधान और संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देना;
  - विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों से डिग्री, मानद उपाधि या विश्वविद्यालय के किसी अन्य गौरव या सम्मान के लिए प्राप्त प्रस्तावों पर प्रबंध मंडल को सिफारिशें करना;
  - विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों और कार्यक्रमों पर सामान्य पर्यवेक्षण करना और अनुसंधान के शिक्षण, शिक्षण और मूल्यांकन के तरीकों और शैक्षणिक मानकों में सुधार के संबंध में निर्देश देना;
  - सामान्य शैक्षणिक हित के मामलों पर या तो अपनी पहल पर या किसी संकाय या प्रबंध मंडल या शासी निकाय द्वारा दिए गए संदर्भ पर विचार करना और उस पर उचित कार्रवाई करना;
  - अध्यादेश में निर्धारित विषयों या अंतःविषय विषयों में अनुसंधान मार्गदर्शकों/सह-मार्गदर्शकों के रूप में जुड़े होने के लिए अपने विषय में प्रतिष्ठित व्यक्तियों को मान्यता देना;
  - विश्वविद्यालय का वार्षिक/सेमेस्टर शैक्षणिक कैलेंडर तैयार करना।

- (h) संकाय संस्थानों/स्कूलों के संगठन और विषय के असाइनमेंट के लिए योजनाएं तैयार करना, संशोधित करना या संशोधित करना, और किसी भी संकाय/संस्थान/स्कूलों के उन्मूलन, पुनर्गठन या विभाजन की समीचीनता के बारे में शासी निकाय को रिपोर्ट करना। विश्वविद्यालय; यानी अन्य विश्वविद्यालयों और संस्थानों के प्रमाणपत्रों, डिप्लोमाओं और डिग्रियों को मान्यता देना और उनकी समकक्षता निर्धारित करना;
- (i) अध्ययन मंडल द्वारा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों/विषयों के पाठ्यक्रम को मंजूरी देना और इस उद्देश्य के लिए बनाए गए अध्यादेशों के अनुसार परीक्षाओं के संचालन की व्यवस्था करना;
- (j) वृतिका, छात्रवृत्ति, पदक और पुरस्कार प्रदान करना, और समय-समय पर पुरस्कार से जुड़े अध्यादेशों और ऐसी अन्य शर्तों के अनुसार पुरस्कार देना;
- (k) विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों/संस्थानों/स्कूलों में छात्रों के प्रवेश के लिए समिति नियुक्त करना;
- (l) अपनी ऐसी शक्तियां संकायाध्यक्ष / अध्यक्ष / निदेशक को सौंपना, जैसा वह उचित समझे,
- (m) कुलाधिपति या शासी निकाय या प्रबंध मंडल द्वारा संदर्भित किसी भी मामले की रिपोर्ट करना या सिफारिश करना। के रूप में मामला हो सकता है; अध्ययन मंडल की सिफारिश पर प्रबंध मंडल को शिक्षण पदों के निर्माण या समाप्ति की सिफारिश करना;
- (n) ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग करना और ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करना जो समय-समय पर निर्धारित किए जाएं।

## परिनियम क्रमांक – 14

### शैक्षणिक योजना और मूल्यांकन मंडल

- 14.1 अकादमिक योजना और मूल्यांकन मंडल का गठन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा जिसमें निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे,
- a) कुलपति - अध्यक्ष;
  - b) प्रति-कुलपति;
  - c) संकायाध्यक्ष;
  - d) कुलपति द्वारा नामित विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों के तीन प्रमुख;
  - e) अकादमिक परिषद द्वारा नामांकित तीन प्रतिष्ठित विद्वान जो विश्वविद्यालय से जुड़े नहीं हैं;
  - f) कुलाधिपति/महानिदेशक द्वारा नामांकित उद्योग, कृषि एवं वाणिज्य के दो प्रतिनिधि।
- 14.2 मंडल के एक तिहाई सदस्यों से कोरम बनेगा।
- 14.3 शैक्षणिक योजना एवं मूल्यांकन मंडल का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।
- 14.4 अकादमिक योजना और मूल्यांकन मंडल के पास निम्नलिखित शक्तियां होंगी और वह निम्नलिखित कर्तव्यों का पालन करेगा,
- a) विश्वविद्यालय की अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजना तैयार करना;
  - b) संकायों द्वारा प्रस्तावित अनुसंधान परियोजनाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों पर विचार करना और अपनी सिफारिशों के साथ प्रबंधन मंडल को अग्रेषित करना और अंतर-संकाय आधार पर परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अंतर-संकाय में समन्वय लाना;
  - c) संकायों को नए शैक्षणिक कार्यक्रमों का सुझाव देना और समय-समय पर इसका शैक्षणिक मूल्यांकन करना;
  - d) विभागों, अनुसंधान और विशिष्ट अध्ययन संस्थानों, प्रयोगशालाओं और संग्रहालयों की स्थापना के लिए प्रस्ताव बनाना;

- e) शिक्षण पदों की स्थापना के लिए प्रस्ताव बनाना और ऐसे पदों के कर्तव्यों को निर्धारित करना।
- f) समय-समय पर विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के कामकाज का मूल्यांकन करना;
- g) संस्थागत विकास योजना की प्रगति का समय-समय पर मूल्यांकन करना।

## परिनियम क्रमांक – 15

### वित्त समिति

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) 2005 अधिनियम की धारा 21(1)(डी), एवं  
26(1) (ए) के अन्तर्गत

15.1 वित्त समिति में निम्नलिखित व्यक्ति शामिल होंगे, अर्थात्:

- (a) कुलपति - अध्यक्ष
- (b) प्रायोजक निकाय का नामांकित व्यक्ति- सदस्य
- (c) प्रति-कुलपति-सदस्य
- (d) प्रबंध मंडल द्वारा नामित दो सदस्य
- (e) कुलसचिव - सदस्य
- (f) मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी-सदस्य सचिव

15.2 वित्त समिति के पदेन सदस्यों के अलावा अन्य सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। वित्त समिति प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में कम से कम दो बार बैठक करेगी। बैठक की सूचना इस प्रकार दी जाएगी कि वह बैठक से कम से कम पंद्रह दिन पहले समिति के सदस्यों तक पहुंच जाए और बैठक का एजेंडा बैठक से कम से कम सात दिन पहले सदस्यों को भेजा जाएगा।

15.3 इसके अध्यक्ष सहित चार सदस्य बैठकों में कोरम का गठन करेंगे।

15.4 वित्त समिति के कार्य और शक्तियाँ होंगी:

- (a) विश्वविद्यालय की आय और व्यय के वार्षिक अनुमान पर विचार करना और उसकी सिफारिश करना और उसके विचार और अनुमोदन के लिए शासी निकाय के समक्ष रखना,
- (b) विश्वविद्यालय के वार्षिक खातों पर विचार करना और उसके विचार और अनुमोदन के लिए शासी निकाय के समक्ष प्रस्तुत करना,
- (c) विश्वविद्यालय को संपत्ति के अनुरोध और दान को ऐसी शर्तों पर स्वीकार करने के लिए शासी निकाय को अपनी सिफारिशें करना, जैसा वह उचित समझे;
- (d) विश्वविद्यालय के लिए संसाधन उत्पन्न करने के तंत्र और तरीकों और साधनों की सिफारिश करना;
- (e) शासी निकाय द्वारा संदर्भित किसी अन्य मामले पर विचार करना और उस पर अपनी सिफारिशें करना,
- (f) वित्त को प्रभावित करने वाले किसी भी मामले पर विश्वविद्यालय को सलाह देना;
- (g) यह देखना कि विश्वविद्यालय की आय और व्यय के खातों के रखरखाव से संबंधित विनियमों का पालन किया जाता है;
- (h) वित्त समिति के अन्य कार्य और शक्तियां प्रबंध मंडल द्वारा निर्दिष्ट होंगी;

## परिनियम क्रमांक – 16

### विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकारी

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) 2005 अधिनियम की धारा 25 एवं 26 (1) (ए) के अन्तर्गत

अधिनियम की धारा 25 के प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकारी निम्नलिखित होंगे:

#### 16.1 अध्ययन मंडल

- (a) विश्वविद्यालय के प्रत्येक विषय अनुशासन/कार्यक्रम के लिए एक अध्ययन मंडल का गठन किया जाएगा जिसकी अध्यक्षता उसके निदेशक/प्रमुख द्वारा की जाएगी। मंडल की संरचना कुलपति के अनुमोदन के लिए संकाय के अध्यक्ष/निदेशक के माध्यम से संबंधित प्रमुख द्वारा प्रस्तावित की जाएगी।
- (b) अध्ययन मंडल में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे,
  - (i) संकाय के अध्यक्ष / निदेशक-अध्यक्ष
  - (ii) चार आंतरिक विषय विशेषज्ञ - सदस्य (श्री दावड़ा विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ से प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर/सहायक प्रोफेसर पद के विशेषज्ञ)
  - (iii) दो बाहरी विषय विशेषज्ञ - सदस्य (अन्य विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पद के विशेषज्ञ)
  - (iv) कॉर्पोरेट से दो विशेषज्ञ/- संबंधित विषय में उद्योग/अनुसंधान एवं विकास संगठनों के सदस्य (सदस्य वरिष्ठ प्रबंध स्तर के होंगे)
- (c) पदेन सदस्यों के अलावा अध्ययन मंडल के सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा।



- (d) अध्ययन मंडल शैक्षणिक कार्यक्रमों की संरचना के लिए जिम्मेदार होगा और उसके पास शक्तियां होंगी और वह ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा जो शैक्षणिक परिषद द्वारा बनाए गए विनियमों में निर्दिष्ट किए जा सकते हैं।

## 16.2 योजना मंडल

- (a) योजना मंडल विश्वविद्यालय का प्रमुख योजना निकाय होगा और इसमें निम्नलिखित सदस्यशामिल होंगे:
- (i) प्रायोजक निकाय का नामांकित व्यक्ति, अध्यक्ष
  - (ii) कुलपति
  - (iii) प्रति-कुलपति
  - (iv) कुलसचिव
  - (v) मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी
  - (vi) अधिष्ठाता, विकास और योजना, सदस्य-सचिव
- (b) योजना मंडल की शक्तियों और कर्तव्य का निम्नानुसार होंगे:
- (i) विश्वविद्यालय के विकास और विकास के लिए मानक योजना तैयार करना;
  - (ii) यह सुनिश्चित करने के लिए कि विश्वविद्यालय की ओर से मान्यता प्राप्त शैक्षणिक मानक प्राप्त किए जाएं और बनाए रखे जाएं, विश्वविद्यालय की शैक्षणिक सहायता सुविधाएं और शैक्षणिक मानक बनाए रखें;
  - (iii) संसाधनों को उत्पन्न करने और उनके अनुकूलन उपयोग के लिए उन्हें जुटाने के तरीकों हेतु सुझाव देना;
  - (iv) अधिनियमों द्वारा निर्दिष्ट किसी भी अन्य कार्य को निष्पादित करना।
- (c) पदेन सदस्यों के अलावा अन्य सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।

- (d) अध्यक्ष सहित आधे सदस्य बैठक में कोरम बनाएंगे, बशर्ते कि कोरम के अभाव में स्थगित बैठक के लिए कोरम की आवश्यकता नहीं होगी। योजना मंडल की सभी बैठकों के लिए आमतौर पर पंद्रह स्पष्ट दिनों का सूचना दिया जाएगा और एजेंडा पत्र बैठक की तारीख से कम से कम सात दिन पहले जारी किए जाएंगे। आकस्मिक बैठक की सूचना सामान्यतः 3 दिन पहले दी जाएगी।

**परिनियम क्रमांक – 17****शिक्षा संकाय एवं पाठ्यक्रम/विषय****छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) 2005 अधिनियम की धारा 25 एवं 26 (1)****(ए) के अन्तर्गत**

- 17.1 सभी कार्यक्रम और पाठ्यक्रम श्री द्वारा विश्वविद्यालय के आधिकारिक राजपत्र में निर्धारित विशिष्ट संकायों के नियंत्रण में होंगे।
- 17.2 प्रत्येक संकाय में कार्यक्रम/पाठ्यक्रम विभागों के माध्यम से क्रियाशील होंगे
- 17.3 कार्यक्रमों के निम्नलिखित संकायों के अंतर्गत (सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/यूजी/पीजी/रिसर्च)/पाठ्यक्रम इस प्रकार होंगे:

S. No	Faculty	Courses / Subjects
1	JOURNALISM / MASS COMMUNICATION / MEDIA	1. Journalism 2. Journalism and Mass Communication 3. Electronic Media 4. Cinematography 5. Visual Communication 6. Music Production 7. Digital Media 8. Photography 9. Image Processing
2	ARTS / HUMANITIES / SOCIAL SCIENCE	1. Literature 2. Hindi 3. English 4. Sanskrit 5. Chhattisgarhi 6. Philosophy 7. Sociology 8. Economics 9. History 10. Geography 11. Political Science 12. Social Work

		13. Psychology 14. Rural Studies 15. Yoga 16. Fashion Design 17. Fine Arts 18. Interior Design 19. Home Science 20. Defence Studies 21. Palmistry 22. Urban Studies 23. Education
3	EDUCATION / TEACHER TRAINING	1. Education 2. Special Education
4	LAW	1. Law
5	BUSINESS ADMINISTRATION / COMMERCE / MANAGEMENT / FINANCE	1. Business Administration 2. Commerce 3. Management 4. Finance 5. Digital Business 6. Event Management 7. Rural Studies
6	LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE	1. Library 2. Information Science
7	HOTEL MANAGEMENT / HOSPITALITY / TOURISM / TRAVEL	1. Hotel Management 2. Hospitality Management 3. Tourism Management 4. Tour and Travels 5. Catering Technology
8	SCIENCES	1. Physics 2. Mathematics 3. Chemistry 4. Zoology 5. Geology 6. Statistics 7. Botany 8. Biotechnology 9. Microbiology 10. Computer Science and Information Technology 11. Criminology 12. Forensic Science 13. Electronics 14. Fashion Design

		15. Interior Design 16. Bio-Chemistry 17. Anthropology 18. Pharmacy 19. Forestry and Wild Life 20. Environmental Science 21. Bioinformatics 22. Yoga 23. Nutrition & Dietetics
9	VOCATIONAL EDUCATION	1. Retail Management 2. Health Care 3. Operation Theatre 4. Hospital Administration 5. Health Care IT 6. Fashion Technology and apparel designing 7. Printing and Publication 8. Automobile Technology 9. Food Processing and Quality Management 10. Data Analytics 11. Food Science 12. Theatre and Acting 13. Computer Application 14. Software Development 15. Web Technology 16. Nursery Teacher Training 17. Refrigeration and Air Conditioning 18. Farm Equipment & Machinery 19. Engine Testing 20. Auto Electrical & Electronics 21. Theatre and Stage Craft 22. Contemporary & Western Dance 23. Mobile Communication 24. Green House Technology 25. Renewable Energy 26. Soil & Water Conservation 27. Building Technology 28. Jewellery Design 29. Tourism and Service Industry 30. Printing Technology 31. Beauty and Wellness

- 17.4 प्रत्येक संकाय के पास ऐसे विभाग होंगे जो आवश्यक समझे जाएं और उन्हें अध्यादेश में निर्धारित अनुसार अनुमोदित और सौंपा जा सकता है।
- 17.5 प्रत्येक संकाय में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे, अर्थात्:
- (a) प्रत्येक संकाय का एक अध्यक्ष होगा जो संकायों का प्रतिनिधित्व करेगा
  - (b) संकाय के सभी प्रोफेसर।
  - (c) संकाय में प्रत्येक विभाग से वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा एक एसोसिएट प्रोफेसर और एक सहायक प्रोफेसर।
- सदस्य का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।
- 17.6 संकायों की शक्तियाँ और कार्य निम्नलिखित होंगे:
- (a) संकाय के पास ऐसी शक्तियाँ होंगी और वह ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा जो समय-समय पर कानून और अध्यादेशों द्वारा सौंपे जा सकते हैं।
  - (b) अध्ययन मंडल द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम पर विचार करना और अनुमोदन करना।
  - (c) संकाय के सदस्यों के रूप में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों/उद्योगपतियों/वैज्ञानिकों को शामिल करना।
  - (d) अध्ययन मंडल और स्थायी समिति/अन्य शैक्षणिक निकायों द्वारा तैयार किए गए प्रस्तावों को अकादमिक परिषद को अनुशंसित करना।
  - (i) संकाय अपने संबंधित कार्यक्षेत्र से संबंधित किसी भी प्रश्न पर या अकादमिक परिषद द्वारा निर्दिष्ट किसी भी मामले पर विचार करेंगे और अकादमिक परिषद को ऐसी सिफारिशें करेंगे।

## परिनियम क्रमांक – 18

### दीक्षांत समारोह

- 18.1 विश्वविद्यालय की उपाधियाँ, डिप्लोमा और अन्य विशिष्टताएँ प्रदान करने के लिए दीक्षांत समारोह प्रति वर्ष आयोजित किया जाएगा।
- 18.2 प्रबंध मंडल डिग्री और डिप्लोमा के प्रारूप, दस्तावेज़, प्रमाण पत्र और उद्धरण और उनके पाठ, अनुपस्थिति में इन दस्तावेजों को जारी करने, डुप्लिकेट डिग्री और दीक्षांत समारोह आयोजित करने की प्रक्रिया से संबंधित विनियम तैयार करेगा।
- 18.3 किसी विशिष्ट व्यक्तित्व को मानद उपाधि या अकादमिक विशिष्टताएँ प्रदान करने का प्रस्ताव, प्रस्तावित प्राप्तकर्ता के बायोडेटा के साथ, संकाय द्वारा अकादमिक परिषद के अध्यक्ष को लिखित रूप में दिया जाएगा।
  - (a) प्रस्ताव प्राप्त होने पर प्रस्ताव पर विचार करने के लिए अकादमिक परिषद की विशेष बैठक बुलाई जाएगी।
  - (b) अकादमिक परिषद की ऐसी विशेष बैठक में, कुलपति सदस्यों से प्रस्ताव के बारे में अपनी राय बताने के लिए कहेंगे। यदि प्रस्ताव अकादमिक परिषद द्वारा पारित हो जाता है, तो इसे अनुमोदन के लिए शासी निकाय के समक्ष रखा जाएगा।
  - (c) मानद उपाधि या अकादमिक विशिष्टता प्रदान करने का प्रत्येक प्रस्ताव अलग से बनाया जाएगा और प्रस्ताव प्राप्तकर्ता के संबंध में विचार किया जाएगा।

## परिनियम क्रमांक – 19

### वार्षिक रिपोर्ट और लेखा

- 19.1 विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रबंध मंडल द्वारा तैयार की जाएगी।
- 19.2 वार्षिक रिपोर्ट में दो भाग होंगे:
  - (a). शैक्षणिक रिपोर्ट जिसके लिए कुलपति जिम्मेदार होंगे
  - (b) प्रशासनिक रिपोर्ट जिसके लिए कुलसचिव जिम्मेदार होगा
  - (c) वित्तीय रिपोर्ट जिसके लिए सीएफएओ जिम्मेदार होगा।
- 19.3 लेखापरीक्षित खातों के साथ रिपोर्ट को प्रबंध मंडल के अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।
- 19.4 वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति कुलाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग एवं राज्य शासन के उच्च शिक्षा विभाग को प्रस्तुत की जायेगी।
- 19.5 विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव द्वारा अपनी मुहर और हस्ताक्षर के साथ प्रस्तुत की जाएगी जो की उपधारा (1)(2) की धारा 37 छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005।



## परिनियम क्रमांक – 20

### विश्वविद्यालय में शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्तियाँ

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) 2005 अधिनियम की धारा 26(1)(डी)(ई)

एवं(एफ) के अन्तर्गत

20.1 विश्वविद्यालय नियामक निकायों के मानदंडों के अनुसार उचित समय के भीतर सभी शिक्षण पदों को भरा जायेगा। शिक्षकों के लिए नियम और शर्तें संबंधित नियामक निकायों की सिफारिशों के अनुसार होंगी।

शैक्षणिक स्टाफ की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यताएँ: -

- (a) विश्वविद्यालय में शिक्षण पदों, अर्थात् प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर के लिए, अकादमिक परिषद एक खुले विज्ञापन और चयन प्रक्रिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उपलब्ध रिक्तियों को भरने के लिए प्रबंधन मंडल को सिफारिश कर सकती है।
- (b) प्रबंधन मंडल के अनुमोदन के बाद, शिक्षण पदों (प्रोफेसरों, एसोसिएट प्रोफेसरों और सहायक प्रोफेसरों) को व्यापक प्रसार के लिए दैनिक राष्ट्रीय/क्षेत्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापित किया जाएगा, जिसमें मानदंडों के अनुसार प्रत्येक विज्ञापित पद के लिए आवश्यक योग्यता और वेतनमान का स्पष्ट उल्लेख होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) या प्रबंधन मंडल द्वारा अनुमोदित किसी अन्य संबंधित नियामक निकाय द्वारा निर्धारित।
- (c) एक जांच समिति, जिसमें संकाय के अध्यक्ष, विभाग/संस्थान के प्रमुख/निदेशक, कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे, सभी आवेदनों की जांच करेगी और आवश्यक योग्यताएं पूरी करने वाले सभी उम्मीदवारों का सारांश तैयार करेगी। ताकि साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सके। संकाय के अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष और कम से कम एक विषय विशेषज्ञ कोरम बनाएंगे।

- (d) सभी जांचे गए आवेदनों का सारांश साक्षात्कार के समय चयन समिति को उपलब्ध कराया जाएगा।

#### शैक्षणिक स्टाफ की नियुक्ति के लिए चयन समिति

- (a) प्रत्येक विषय के लिए प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, अनुसंधान स्टाफ और विजिटिंग शिक्षकों के अलावा अन्य शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति के लिए सिफारिशें करने के लिए एक चयन समिति होगी।
- (b) प्रबंधन मंडल सभी शैक्षणिक स्टाफ नियुक्तियों के लिए अनुमोदन प्राधिकारी होगा।
- (c) शैक्षणिक स्टाफ की नियुक्ति के लिए चयन समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे:
- (i) कुलपति - अध्यक्ष
  - (ii) अकादमिक परिषद द्वारा अनुशंसित विशेषज्ञों के पैनल में से कुलपति द्वारा नामित तीन विषय विशेषज्ञ- सदस्य
  - (iii) एक सदस्य (शिक्षाविद), सीजीपयुआरसी- पर्यवेक्षक
  - (iv) कुलसचिव- सचिव

#### चयन समिति की बैठकें

- (a) चार सदस्य, जिनमें से कम से कम दो विषय विशेषज्ञ होंगे, कोरम पूरा करेंगे।
- (b) चयन समिति प्रबंधन मंडल को योग्यता के क्रम में व्यवस्थित नामों की सिफारिश करेगी, यदि उनमें से कोई भी व्यक्ति जिसे वह संकाय पदों के लिए उपयुक्त मानता है।

- (c) चयन समिति द्वारा अनुशंसित और प्रबंधन मंडल द्वारा अनुमोदित नियुक्तियों के अनुमोदन के बाद, रजिस्ट्रार अपनी मुहर और हस्ताक्षर के तहत चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र जारी करेगा।
- (d) उम्मीदवारों के चयन के संबंध में किसी भी विवाद या चयन समिति के किसी भी सदस्य द्वारा असहमति के मामले में, मामला कुलाधिपति को भेजा जाएगा, जिसका निर्णय अंतिम होगा।
- (e) नियमित शिक्षकों के अलावा, चांसलर/प्रबंधन मंडल उत्कृष्ट शैक्षणिक और अनुसंधान उपलब्धियों वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों को प्रतिष्ठित प्रोफेसर, प्रोफेसर एमेरिटस, प्रतिष्ठित प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, विजिटिंग प्रोफेसर, प्रैक्टिस प्रोफेसर, सलाहकार/निदेशक के रूप में नियुक्त कर सकता है। अनुसंधान, शिक्षण और विस्तार में अकादमिक उत्कृष्टता शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय में। इन पदों के लिए मानदेय भत्ते, नियम और शर्तें कुलाधिपति द्वारा तय की जाएंगी। इनके लिए नियुक्ति पत्र रजिस्ट्रार द्वारा जारी किये जायेंगे।
- (f) पूर्णकालिक नियमित शिक्षकों के अलावा, कुलपति एक निश्चित अवधि के लिए अंशकालिक, संविदात्मक या असाइनमेंट-आधारित पदों पर सीधी भर्ती या आउट सोर्सिंग के माध्यम से संलग्न करने का निर्णय ले सकते हैं। ऐसी नियुक्तियों के नियम और शर्तें (जैसे कि मानदेय, टी.ए. और डी.ए. परिवहन शुल्क, आदि) समय-समय पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति द्वारा तय की जाएंगी और ऐसे असाइनमेंट पत्र उनके अधीन एचआर प्रमुख / रजिस्ट्रार द्वारा जारी किए जाएंगे। यूनिवर्सिटी लेटर हेड पर उसकी मुहर और हस्ताक्षर होंगे।
- (g) नियुक्ति से संबंधित कोई भी विवाद छत्तीसगढ़ के रायपुर जिला न्यायालय और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार के अधीन होगा।
- (h) शैक्षणिक वर्ष के दौरान तत्काल आवश्यकता के मामले में, रजिस्ट्रार, कुलपति के परामर्श से, कुलाधिपति द्वारा अनुसमर्थन के अधीन, रिक्ति को भरने के लिए उपयुक्त व्यक्तियों को नियुक्त कर सकता है।

## परिनियम क्रमांक - 21

### गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) 2005 अधिनियम की धारा 26 (1) (सी) (इ) एवं (एफ) के अंतर्गत

#### 21.1 गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यताएँ

- (a) विश्वविद्यालय यूजीसी द्वारा निर्धारित गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए न्यूनतम योग्यता आवश्यकताओं को पूरा करेगा।
- (b) विश्वविद्यालय यूजीसी द्वारा अनिवार्य नियुक्ति की अन्य न्यूनतम शर्तों को भी पूरा करेगा।

#### 21.2 गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए चयन समितियाँ

- (a) वरिष्ठ प्रशासनिक/वरिष्ठ गैर-शिक्षण कर्मचारियों (कुलसचिव और मुख्य वित्त और लेखा अधिकारी के अलावा जो क्रमशः परिनियम संख्या 6 और 7 में परिभाषित हैं) की नियुक्ति के लिए एक चयन समिति होगी। समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे:
  - (i) कुलपति-अध्यक्ष
  - (ii) कुलपति द्वारा नामित एक प्रोफेसर या एसोसिएट प्रोफेसर
  - (iii) शासी निकाय द्वारा नामांकित दो बाहरी विशेषज्ञ
  - (iv) सदस्य सचिव के रूप में कुलसचिव
- (b) विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए एक चयन समिति होगी जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे:
  - (i) कुलसचिव अध्यक्ष के रूप में
  - (ii) कुलपति द्वारा नामित दो विशेषज्ञ
  - (iii) जिस विभाग में पद है उसका पर्यवेक्षक/वरिष्ठ सदस्य
- (c) चयन समिति की बैठकें
  - (i) चयन समिति की बैठकें आवश्यकता पड़ने पर चयन समिति के अध्यक्ष द्वारा बुलाई जाएंगी।
  - (ii) चयन समिति के तीन सदस्य कोरम बनाएंगे।

- (iii) चयन समिति के अध्यक्ष के पास विचार-विमर्श और निर्णायक वोट दोनों होंगे।
- (iv) नियुक्तियों के संबंध में सभी निर्णय उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के बहुमत द्वारा किए जाएंगे, बशर्ते कि कुलाधिपति के पास किसी भी चयन समिति द्वारा की गई किसी भी नियुक्ति को वीटो करने की शक्ति होगी।

### 21.3 पारिश्रमिक नीति

- (a) सभी श्रेणियों के कर्मचारियों को देय वेतन और अन्य भत्ते यू.जी.सी. के अनुसार ऐसे वेतनमानों में या ऐसे वेतनमानों के ऐसे स्तर पर होंगे जिन्हें प्रबंध मंडल समय-समय पर अपना सकता है या तय कर सकता है। दिशानिर्देश, यदि कोई हो।
- (b) शासी निकाय विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए नियम और शर्तें तय करेगा

### 21.4 आचार संहिता

सभी स्टाफ सदस्य नियमों और विनियमों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित आचार संहिता का पालन करेंगे।

### 21.5 कर्मचारी कल्याण प्रावधान

विश्वविद्यालय राज्य सरकार/विश्वविद्यालय मानदंडों के अनुसार निर्दिष्ट वैधानिक और स्वैच्छिक प्रावधानों द्वारा शासित होगा।

### 21.6 मौजूदा कर्मचारियों के लिए विशेष प्रावधान

इस क़ानून की अधिसूचना के समय, जो कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर हैं, उनके अलावा जो कर्मचारी विश्वविद्यालय में नियमित पद पर हैं, उन्हें ऐसी अधिसूचना पर इस क़ानून के प्रावधानों के तहत नियुक्त माना जाएगा।

## परिनियम क्रमांक – 22

### आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में अनुशासनात्मक कार्रवाई

#### छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) 2005 अधिनियम की धारा 26(1)(ई) के अन्तर्गत

- 22.1 विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ, प्रशासनिक स्टाफ और गैर-शैक्षणिक और गैर-प्रशासनिक स्टाफ की नियुक्ति के सेवा अनुबंध की शर्तों में किसी बात के बावजूद, ऐसे व्यक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा विश्वविद्यालय से हटाया जा सकता है, जहां ऐसा व्यक्ति पाया जाता है। होना:
- (a) अस्वस्थ मन का;
  - (b) किसी अपराध, नैतिक अधमता के लिए अदालत द्वारा दोषी ठहराया गया था और उसके संबंध में कारावास की सजा सुनाई गई थी; या
  - (c) अन्यथा, अपनी शक्तियों और कार्यों के निर्वहन में गंभीर कदाचार का दोषी।
- 22.2 जहां ऐसे शैक्षणिक कर्मचारियों, प्रशासनिक कर्मचारियों या गैर-शैक्षणिक और गैर-प्रशासनिक कर्मचारियों को पिछले अनुभाग में निर्दिष्ट कारण के अलावा किसी अन्य कारण से हटाया जाता है, ऐसे व्यक्ति को रोजगार अनुबंध की शर्तों के अनुसार उनके पद से निष्काशित कर दिया जाएगा।
- 22.3 विवादों की मध्यस्थता
- (a) विश्वविद्यालय और किसी भी प्रशासनिक या गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के बीच अनुबंध, या उसके उल्लंघन, समाप्ति या अमान्यता, या विश्वविद्यालय और उसके अधिकारियों के बीच अनुबंध से उत्पन्न होने वाला कोई भी विवाद, विवाद या दावा, कर्मचारी या संबंधित व्यक्ति के अनुरोध को तीन सदस्यीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण के पास भेजा जाएगा जिसमें एक सदस्य

कुलपति द्वारा नामित, एक सदस्य संबंधित व्यक्ति के कर्मचारी द्वारा नामित और दो नामित सदस्यों द्वारा चयनित एक अध्यक्ष होगा।

- (b) उप-धारा के तहत कर्मचारी या संबंधित व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक अनुरोध
  - (i) मध्यस्थता और सुलह अधिनियम 1996 के अर्थ के अंतर्गत इस धारा की शर्तों पर मध्यस्थता के लिए समर्पण माना जाएगा।
- (c) न्यायाधिकरण के काम को विनियमित करने की प्रक्रिया विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित की जाएगी।

#### 22.4 अपील करने का अधिकार

विश्वविद्यालय या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित संस्थान के प्रत्येक प्रशासनिक या गैर-शैक्षणिक कर्मचारी को, विनियमों द्वारा निर्धारित समय के भीतर, विश्वविद्यालय के किसी भी अधिकारी या प्राधिकारी के निर्णय के खिलाफ कुलपति को अपील करने का अधिकार होगा। या संस्थान का, जैसा भी मामला हो, उसे कुलपति उचित रूप से संबोधित कर सकते हैं।

## परिनियम क्रमांक - 23

### विश्वविद्यालय में फेलोशिप, छात्रवृत्ति, पदक और पुरस्कार प्रदान करने

#### अक्षय निधि की व्यवस्था

- 23.1 प्रबंध मंडल फेलोशिप, छात्रवृत्ति, वृत्तिका, पदक, आवर्ती प्रकृति के पुरस्कारों के लिए अक्षय निधि के निर्माण के लिए दान स्वीकार कर सकता है। इसका लेखा-जोखा विश्वविद्यालय द्वारा लिखित रूप में रखा जाएगा।
- 23.2 प्रबंध मंडल सभी अक्षय निधि का प्रबंधन करेगा।
- 23.3 पुरस्कार अक्षय निधि से होने वाली वार्षिक आय से दिया जाएगा।
- 23.4 आय का कोई भी हिस्सा जो उपयोग नहीं किया गया है उसे अक्षय निधि में जोड़ा जाएगा।
  - (a) प्रबंध मंडल राष्ट्रीयकृत बैंक में रखे गए खाते में अक्षय निधि जमा करने की शर्तें निर्धारित करेगा।
  - (b) पुरस्कार स्थापित करने के लिए आवश्यक अक्षय निधि का मूल्य प्रबंध मंडल द्वारा निर्धारित किया जाएगा।
- 23.5 पुरस्कार के उल्लंघन में कोई अक्षय निधि स्वीकार नहीं की जाएगी, और जहां तक संभव हो दाता की इच्छाओं को पूरा किया जाएगा।
- 23.6 यदि कोई अक्षय निधि प्रबंध मंडल द्वारा स्वीकार की जाती है, तो मंडल इसके लिए एक विनियमन बनाएगा, जिसमें दाता का नाम, अक्षय निधि का नाम, प्रारंभिक मूल्य और अक्षय निधि के उद्देश्य आदि जैसे विवरण दिए जाएंगे।
- 23.7 विशिष्ट अक्षय निधि से संबंधित विशिष्ट विनियमों/अध्यादेशों के अनुसार फेलोशिप, छात्रवृत्ति, पदक और पुरस्कार विजेताओं की मंजूरी प्रबंध मंडल द्वारा दी जाएगी।



## परिनियम क्रमांक – 24

### परिनियम के व्याख्या हेतु सामान्य सिद्धांत

- 24.1 इस परिनियम को ऐसा निष्पक्ष, बड़ा और उदार निर्माण और व्याख्या प्राप्त होगी जो उद्देश्य की प्राप्ति को उसके वास्तविक इरादे, अर्थ और भावना के अनुसार सर्वोत्तम रूप से सुनिश्चित करेगी।
- 24.2 इस परिनियम में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:
- जहां इस परिनियम में किसी शब्द या अभिव्यक्ति को परिभाषित किया गया है, ऐसी परिभाषा ऐसे शब्द या अभिव्यक्ति की व्याकरणिक विविधताओं और अभिव्यक्तियों तक विस्तार होगा।
  - शब्द एवं अभिव्यक्ति का महत्त्व उसके स्त्रीलिंग, पुल्लिंग एवं उभयलिंग से होगा।
  - एकवचन में शब्दों और अभिव्यक्तियों में बहुवचन शामिल होता है और बहुवचन में शब्दों और अभिव्यक्तियों में एकवचन शामिल होता है।
  - कोई अधिकार, प्राधिकारी, निकाय, परिषद मंडल द्वारा उसके या उसके उम्मीदवार का उल्लेख किया जायेगा।
  - जहां इन परिनियमों का कोई भाग किसी सहायक कानून को बनाने की शक्ति प्रदान करता है, सहायक कानून में प्रयुक्त अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो शक्ति प्रदान करने वाले कानून में है, और ऐसे सहायक कानून में "परिनियम" का कोई भी संदर्भ होगा इसे ऐसे सहायक कानून बनाने की शक्ति प्रदान करने वाले कानून के संदर्भ के रूप में माना जाता है।
  - जहां सहायक कानून में किसी अनुभाग या अन्य प्रावधान का संदर्भ संख्या, अक्षर या संख्या और अक्षर के संयोजन से होता है, और अन्य सहायक कानून या कानून के शीर्षक या संक्षिप्त शीर्षक के साथ नहीं, तो संदर्भ होगा सहायक विधान में उस संख्या, अक्षर या संयोजन के अनुभाग या अन्य प्रावधान के संदर्भ के रूप में समझा जाता है जिसमें संदर्भ होता है।
  - जहां सहायक कानून में संख्या, अक्षर या संख्या और अक्षर के संयोजन द्वारा किसी प्रावधान के उपधारा या अन्य उपविभाजन का संदर्भ होता है, और उस सहायक कानून के किसी अन्य खंड

या प्रावधान की संख्या के साथ संयोजन में नहीं होता है या किसी भी अन्य सहायक कानून में, संदर्भ को उस अनुभाग या अन्य प्रावधान में उस संख्या, अक्षर या संयोजन के प्रावधान के उप-धारा या अन्य उप-विभाजन के संदर्भ के रूप में माना जाएगा जिसमें संदर्भ होता है।

- 24.3 जहां इन कानूनों का कोई भाग कोई शक्ति प्रदान करता है या कोई कर्तव्य लगाता है, तो शक्ति का प्रयोग किया जा सकता है और अवसर की आवश्यकता के अनुसार समय-समय पर कर्तव्य का पालन किया जाएगा।
- 24.4 जहां इन कानूनों का कोई भाग किसी पद के धारक को कोई शक्ति प्रदान करता है या कोई कर्तव्य लगाता है, तो उस शक्ति का प्रयोग किया जा सकता है और उस पद के धारक द्वारा कर्तव्य का पालन किया जाएगा।

# श्री दावड़ा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 की धारा 28 (1) के अनुसार

## पहला अध्यादेश

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 28 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए कुलपति निम्नलिखित प्रथम अध्यादेश बनाते हैं:

1. संक्षिप्त, शीर्षक और प्रारंभ:

- ये अध्यादेश श्री दावड़ा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, प्रथम अध्यादेश कहलाएंगे।
- ये आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

2. शीर्षक, दायरा, प्रारंभ और परिभाषा; जब तक कि संदर्भ की अन्यथा आवश्यकता न हो,

- "अधिनियम" का अर्थ छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और संचालन) अधिनियम 2005 और उसके बाद के संशोधनों से है।
- "विश्वविद्यालय" का अर्थ है छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और संचालन) अधिनियम 2005 की धारा 28 (1) के तहत स्थापित श्री दावड़ा विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़।
- "सी.जी.पी.यू.आर.सी." का अर्थ छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग है।
- "अध्यादेश" का अर्थ छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और संचालन) अधिनियम 2005 की धारा 28 (1) के तहत तैयार किए गए श्री दावड़ा विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के पहले अध्यादेश से है।
- "प्राधिकारी" का अर्थ अधिनियम के अनुसार सक्षम प्राधिकारी से है जिसमें शासी निकाय, प्रबंधन मंडल, अकादमिक परिषद और / या शासी निकाय द्वारा गठित कोई अन्य प्राधिकरण से है।
- "मुद्रा" का अर्थ है विश्वविद्यालय की सामान्य मुद्रा।
- "प्रवेश नीति" का अर्थ प्रवेश नीति और चयन प्रक्रिया से है जैसा कि विश्वविद्यालय के अध्यादेश / परिनियम में उल्लिखित है।
- "शासन" से आशय छत्तीसगढ़ शासन से है।
- "परिनियम", "अध्यादेश" और "विनियम" का अर्थ क्रमशः श्री दावड़ा विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के परिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों से है।
- "शैक्षणिक वर्ष" से आशय, जो संबंधित पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रमों) की अनुसूची और पाठ्यक्रम में

निर्दिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समर्पित १२ माह की अवधि तथा और अध्यादेश में निर्धारित यथा लागू "सेमेस्टर" या वार्षिक अवधि में विभाजित कालवाधि।

- (xi) **"कार्यक्रमों"** का अर्थ, अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र या पाठ्यक्रम और / या कोई अन्य पदवी या उपाधि प्रदान करने हेतु विश्वविद्यालय की उपाधि, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र या किसी अन्य अग्रसरित शैक्षणिक विशिष्टता या शीर्षक को प्रदान करने या प्रदान करने से है।
- (xii) **"आवेदन"** करने का अर्थ आवेदक द्वारा प्रवेश के लिए आवेदन को एक निर्धारित फॉर्म पर सभी आवश्यक दस्तावेजों और प्रसंस्करण शुल्क के साथ या तो हाथ से या विधिवत पंजीकृत डाक द्वारा प्रस्तुत करना।
- (xiii) **"विषय"** का अर्थ संस्थान, शिक्षण, अध्यापन, प्रशिक्षण शोध आदि के पाठ्यक्रम की मूल इकाई से है, चाहे वह पाठ्यक्रम की योजना के तहत निर्धारित किसी भी नाम से जाना जाए।
- (xiv) **"विश्वविद्यालय निर्णीत/ विश्वविद्यालय निर्णय कर सकेगा/ विश्वविद्यालय का निर्णय"** का अर्थ कुलाधिपति के अनुमोदन से कुलपति द्वारा लिया गया निर्णय।
- (xv) **"विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित"** का अर्थ है विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित।
- (xvi) **"नियम"** का अर्थ अधिनियम के तहत विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए नियम।
- (xvii) **"शुल्क"** का अर्थ विश्वविद्यालय द्वारा छात्र से किये गए संग्रह से है, चाहे उसे किसी भी नाम से जाना जाता हो तथा जो वापसी योग्य नहीं है।
- (xviii) **"एआईसीटीई"** का अर्थ अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद अधिनियम, 1987 (केंद्रीय अधिनियम 1987 का 52) के तहत स्थापित अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद है।
- (xix) **"प्रवेश समिति"** का अर्थ प्रवेश प्रक्रिया के संचालन के लिए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति / कुलपति द्वारा विधिवत गठित प्रवेश समिति।
- (xx) **"स्कूल"** का अर्थ किसी विशेष क्षेत्र में सीखने के लिए विश्वविद्यालय का एक प्रभाग।
- (xxi) **"आवेदक"** का अर्थ है विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवार।
- (xxii) **"अनुशासन"** का अर्थ विज्ञान/ कला और मानविकी/ वाणिज्य/ इंजीनियरिंग/ प्रबंधन/ विधि/ वास्तुकला/ अन्य इत्यादि की एक शाखा/धारा, जैसा कि प्रवेश नीति में दिए गए अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित है।
- (xxiii) **"छात्रावास"** का अर्थ है छात्र के लिए निवास स्थान, जिसका विश्वविद्यालय द्वारा रख रखाव किया जाता है। यह सुविधा वैकल्पिक है और छात्रों को बाहर रहने की भी अनुमति होगी।
- (xxiv) **"निर्धारित"** का अर्थ है अधिनियम के तहत बनाए गए नियमों द्वारा निर्धारित।
- (xxv) **"नियामक निकाय"** का अर्थ है उच्च शिक्षा के लिए शैक्षणिक मानक सुनिश्चित करने के लिए मानदंडों और शर्तों को निर्धारित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्थापित एक निकाय, जैसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.), बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बी.सी.आई.), वास्तुकला परिषद (सी.ओ.ए.),

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एन.सी.टी.ई.) भारतीय चिकित्सा परिषद (एम.सी.आई.), राष्ट्रीय मूल्यांकन एवम् प्रत्यायन परिषद (एन.ए.एसी.), भारतीय कृषि शोध परिषद (आई.सी.ए.आर.), दूरस्थ शिक्षा परिषद (डी.ई.सी.), वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध परिषद (सी.एस.आई.आर.) और छत्तीसगढ़ राज्य सम्मिलित हैं ।

- (xxvi) "कुलाधिपति" का अर्थ है विश्वविद्यालय का कुलाधिपति ।
- (xxvii) "शासी निकाय" का अर्थ है अधिनियम के अनुसार गठित विश्वविद्यालय का शासी निकाय ।
- (xxviii) "अकादमिक परिषद" का अर्थ है अधिनियम के अनुसार गठित विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद ।
- (xxix) "प्रबंधन मंडल" (बी.ओ.एम.) का अर्थ है अधिनियम के अनुसार गठित विश्वविद्यालय का प्रबंधन मंडल ।
- (xxx) "परीक्षा की अनुसूची" का अर्थ प्रत्येक पेपर के शुरू होने के समय, दिन और दिनांक के बारे में विवरण देने वाली एक तालिका से है जो परीक्षाओं की एक योजना का एक हिस्सा है और इसमें प्रायोगिक परीक्षाओं के बारे में विवरण भी शामिल होगा ।
- (xxxi) "विभाग" का अर्थ है स्कूल की एक इकाई ।
- (xxxii) "एच.ओ.डी." का अर्थ है संबंधित विभागप्रमुख ।
- (xxxiii) "एन.आर.आई." का अर्थ अनिवासी भारतीय से है जैसा कि आयकर अधिनियम के अंतर्गत परिभाषित किया गया है ।
- (xxxiv) "ए.आई.यू." का अर्थ है भारतीय विश्वविद्यालयों का संघ ।
- (xxxv) "एन.सी.टी.ई." का अर्थ है राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ।
- (xxxvi) "आइ.सी.सी.आर." का अर्थ है भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ।
- (xxxvii) "बी.सी.आई." का अर्थ बार काउंसिल ऑफ इंडिया है
- (xxxviii) "अहर्ता परीक्षा" का अर्थ आशय एक ऐसी योग्यता परीक्षा से है जिसे उत्तीर्ण करना, छात्रों को अध्ययन के एक विशेष पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र बनाता है, जिससे स्नातक की उपाधि, मास्टर उपाधि, एम.फिल, डॉक्टरेट उपाधि या डिप्लोमा या प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया जाता है ।
- (xxxix) "ए.टी.के.टी." उम्मीदवार का अर्थ एक ऐसे उम्मीदवार से है, जो सेमेस्टर परीक्षा में अंकों की कुल संख्या का 35% से अधिक प्राप्त करने में विफल रहा है, जहां 35.2% की गणना हमेशा राउंड ऑफ की जाएगी और उसी सेमेस्टर की परीक्षा में फिर से उपस्थित हो रही है जो अगले सेमेस्टर की परीक्षा के साथ आयोजित की जाती है ।
- (xl) "समकक्ष परीक्षा" का अर्थ एक ऐसी समकक्ष परीक्षा से है जिसे आयोजित किया जाता है:
- (a) किसी भी मान्यता प्राप्त माध्यमिक शिक्षा मंडल ।
  - (b) कोई भी भारतीय या अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय या संगठन या संस्थान जो किसी भी वैधानिक संस्थान द्वारा मान्यता प्राप्त है या

(c) कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय जिसे कुछ समय के लिए लागू किसी कानून द्वारा निगमित किया गया है और विश्वविद्यालय द्वारा उसके संबंधित परीक्षा को समकक्ष परीक्षा के रूप में मान्यता प्राप्त हो।

- (xli) "अंतराल अवधि" का अर्थ उस अन्तराल अवधि से है जो पहले से मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान में उपस्थिति की अंतिम तिथि और विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने की दिनांक के बीच की अवधि।
- (xlii) "प्रवेश परीक्षा" का अर्थ विश्वविद्यालय द्वारा किसी विशेष कार्यक्रम/ पाठ्यक्रम के लिए आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा से है।
- (xliii) "एस.डी.यू.सी.ई.टी." का आशय श्री दावड़ा विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा से है जो श्री दावड़ा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ द्वारा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है।
- (xliv) यह अध्यादेश राज्य सरकार के अनुमोदन की दिनांक से और/अथवा अधिनियम के अनुसार राजपत्र में इसकी अधिसूचना के प्रकाशित किये जाने से प्रभावी होगा।
- (xlv) यह अध्यादेश छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और संचालन) अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अधीन है, जैसा कि समय-समय पर संशोधित किया गया है।
- (xlvi) ये नियम विश्वविद्यालय के संस्थानों, कॉलेजों, केंद्रों और संचालित संस्थानों द्वारा प्रदान किए जाने वाले सभी प्रस्तावित पाठ्यक्रमों/ कार्यक्रमों पर लागू होंगे।
- (xlvii) इन नियमों के प्रावधान विश्वविद्यालय के समग्र आदेशों, संहिताओं, मैनुअलों, परिपत्रों, ज्ञापनों, प्रक्रियाओं, नीतियों, योजनाओं और ऐसे अन्य दस्तावेजों पर लागू होंगे, जैसा कि समय-समय पर मामला तैयार किया जाता है।
- (xlviii) जब तक संदर्भ की अन्यथा आवश्यकता न हो, तब तक शब्द का कोई संक्षिप्त नाम या छोटा शब्द मौजूद होगा और उसका अर्थ ठीक वही शब्द होगा जो विश्वविद्यालय की परिनियमों, अध्यादेशों, विनियमों, नियमों, आदेशों, संहिताओं, मैनुअलों, परिपत्रों, ज्ञापनों, प्रक्रियाओं, नीतियों, योजनाओं और ऐसे अन्य दस्तावेजों में परिभाषित किया गया है, जैसा कि समय-समय पर मामला तैयार किया जाता है।

इन अध्यादेशों में प्रयुक्त और परिभाषित किये गए शब्द और अभिव्यक्ति का वही अर्थ होगा जैसा उन्हें अधिनियम में उल्लेखित किया गया है।

**किसी भी विवाद की स्थिति में अध्यादेशों का अंग्रेजी संस्करण अंतिम माना जाएगा।**

## अध्यादेश क्रमांक 1

### छात्रों का प्रवेश, छात्रों का स्थानांतरण और अनुशासन बनाए रखना

1. इस अध्यादेश में, जब तक कि विषय या सन्दर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो: -
  - (a) "समकक्ष परीक्षा" का अर्थ एक परीक्षा है जो आयोजित की गई है
    - (i) किसी भी मान्यता प्राप्त वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, या
    - (ii) इस विश्वविद्यालय के अलावा कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय, जो उस समय लागू किसी भी कानून द्वारा निगमित हो और विश्वविद्यालय द्वारा उसकी संबंधित परीक्षा के समकक्ष मान्यता प्राप्त हो,
  - (b) अर्हक परीक्षा का अर्थ है एक ऐसी परीक्षा जिसमें उत्तीर्ण होने पर एक छात्र इस विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा के अध्ययन पाठ्यक्रम में किसी विशेष वर्ष/सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पात्र हो जाता है।
  - (c) जहां प्रवेश किसी बाहरी एजेंसी द्वारा नियंत्रित होता है, उसे छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश निम्नलिखित सिद्धांतों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।
    - (i) प्रवेश अधिकार का मामला नहीं होगा।
    - (ii) पात्रता प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय के संबंधित संकाय के डीन द्वारा जारी किया जाएगा लेकिन यह प्रवेश प्रदान करने का हकदार नहीं होगा।
    - (iii) प्रवेश विश्वविद्यालय और राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार नियंत्रित किया जाएगा।
2. प्रवेश चाहने वाला छात्र समय-समय पर विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित कार्यक्रम के अनुसार प्रवेश के लिए निर्धारित फॉर्म पर अपना आवेदन जमा कर सकता है।  
 शिक्षण विभाग में प्रवेश योग्यता के आधार पर और प्रवेश के नियमों द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार, सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) के माध्यम से या समय-समय पर निर्धारित मानदंडों के माध्यम से विनियमित किया जाएगा। विश्वविद्यालय का प्रबंधन बोर्ड विश्वविद्यालय/राज्य सरकार के प्रवेश नियमों में निर्धारित प्रवेश की सामान्य शर्तों को लागू करते हुए प्रवेश के लिए नियम बनाएगा।
3. प्रवेश के लिए आवेदन के साथ अन्य बातें भी संलग्न होनी चाहिए
  - (a) उस संस्थान के प्रमुख द्वारा हस्ताक्षरित स्कूल या कॉलेज छोड़ने का प्रमाणपत्र जिसमें छात्र ने अंतिम बार भाग लिया था,
  - (b) यह दर्शाने वाले अंकों के विवरण की सही प्रतिलिपि कि आवेदक ने योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, और एक छात्र के मामले में जिसने निजी उम्मीदवार के रूप में परीक्षा उत्तीर्ण की है, आवेदक के अच्छे चरित्र को प्रमाणित करने वाले दो जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र. यदि

प्रवेश के लिए आवेदक, जैसा कि ऊपर बताया गया है, ने माध्यमिक शिक्षा मंडल, छत्तीसगढ़ के अलावा किसी अन्य बोर्ड या इस विश्वविद्यालय के अलावा किसी अन्य विश्वविद्यालय से अर्हता परीक्षा उत्तीर्ण की है, तो उसे स्कूल या कॉलेज छोड़ने का प्रमाण पत्र के अतिरिक्त जमा करना होगा। पात्रता या ऐसे बोर्ड या विश्वविद्यालय के सचिव या रजिस्ट्रार से एक प्रवासन प्रमाणपत्र, जैसा भी मामला हो, प्रबंधन बोर्ड द्वारा निर्धारित रुपये के आव्रजन शुल्क के साथ हो।

बशर्ते कि यदि आवेदक के लिए आवेदन करने के लिए समय पर माइग्रेशन प्रमाणपत्र प्राप्त करना संभव नहीं है, तो वह यह कहते हुए समय पर आवेदन कर सकता है कि प्रमाणपत्र प्राप्त होते ही उसे प्रस्तुत किया जाएगा और इस प्रयोजन के लिए उसे विश्वविद्यालय द्वारा अधिकृत निर्दिष्ट समय की अनुमति होगी। बशर्ते कि छत्तीसगढ़ के किसी भी वैधानिक विश्वविद्यालय या छत्तीसगढ़ के वैधानिक माध्यमिक शिक्षा या मध्यवर्ती शिक्षा बोर्ड से प्रवास करने वाले छात्र को कोई आव्रजन शुल्क देय नहीं होगा।

4.

- (a) किसी भी छात्र को किसी भी संकाय के तहत प्रथम डिग्री के प्रारंभिक वर्ष के अध्ययन के लिए किसी संस्थान में तब तक प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसने 10+2 सी.जी. के तहत आयोजित अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर ली हो। बोर्ड परीक्षा या विश्वविद्यालय द्वारा ऐसी परीक्षा के समकक्ष घोषित परीक्षा या ऐसी अन्य योग्यता परीक्षा जो समय-समय पर निर्धारित की जा सकती है।
- (b) विश्वविद्यालय में नामांकित किसी भी छात्र को किसी भी संस्थान में किसी भी बाद की उच्च कक्षा/सेमेस्टर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा, जब तक कि उसने सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर ली हो, जिससे वह उस परीक्षा में बैठने के लिए योग्य हो जाए जिसके लिए वह तैयारी कर रहा होगा। बशर्ते कि एक छात्र जो दूसरी परीक्षा या एटीकेटी परीक्षा में उपस्थित होने के लिए पात्र है, उसे बाद की उच्च कक्षा में अनंतिम रूप से प्रवेश दिया जा सकता है, लेकिन यदि वह ऐसी परीक्षा में सफल घोषित नहीं किया जाता है, तो वह निचली कक्षा में वापस आ जाएगा।

"बशर्ते कि कुलपति के पास उम्मीदवारों के मामलों में प्रवेश देने की शक्तियाँ होंगी:

- (i) जो पुनर्मूल्यांकन के परिणामस्वरूप प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं और परिणाम घोषित होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर प्रवेश चाहते हैं। उनकी उपस्थिति की गणना ऐसे प्रवेश की तिथि से की जाएगी।
- (ii) प्रवेश की अंतिम तिथि के बाद अपने माता-पिता/अभिभावकों के स्थानांतरण के कारण अन्य विश्वविद्यालयों से स्थानांतरण पर आने वाले अभ्यर्थियों को ऊपर दी गई स्पष्ट समझ है कि उनकी उपस्थिति सत्र शुरू होने की तिथि से गिनी जाएगी।
- (c) किसी अन्य विश्वविद्यालय से प्रवास करने वाले किसी भी छात्र को किसी संस्थान में किसी भी कक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसने वह परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर ली हो जिसे विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के छात्र के लिए योग्यता परीक्षा के समकक्ष घोषित किया गया हो।



- (d) उपरोक्त उप-खंड (3) में निहित प्रावधान पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, किसी भी अन्य विश्वविद्यालय से स्थानांतरित होने वाले किसी भी छात्र को प्रबंधन बोर्ड की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी सामान्य या विशेष निर्देश के बिना किसी संस्थान में किसी भी कक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा, ऐसी अनुमति आवश्यक है।
- (e) स्नातक की डिग्री के लिए किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदक को तब तक प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि वह विशेष डिग्री परीक्षा के लिए निर्धारित सभी विषयों में उपस्थित होने के लिए तैयार न हो।
- (i) कोई भी छात्र जिसने किसी अन्य विश्वविद्यालय से किसी डिग्री या स्नातकोत्तर परीक्षा का एक भाग उत्तीर्ण किया है, उसे संकाय के डीन के परामर्श से कुलपति की मंजूरी के बिना किसी भी संस्थान में ऐसी परीक्षा के लिए बाद की उच्च कक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। डिग्री परीक्षा के मामले में और स्नातकोत्तर परीक्षा के मामले में संबंधित अध्ययन बोर्ड के अध्यक्ष।
- (ii) कोई भी व्यक्ति जो निष्कासन की सजा के अधीन है या किसी अन्य विश्वविद्यालय या उस विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षण संस्थान से परीक्षाओं में बैठने से अयोग्य ठहराया गया है, उसे इस विश्वविद्यालय द्वारा संचालित या संबद्ध किसी भी संस्थान में अध्ययन के किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। निष्कासन या अयोग्यता की अवधि।
5. एक छात्र को संस्था के सदस्य के रूप में नामांकित किया जाएगा जैसे ही उसे संस्था के प्रमुख द्वारा प्रवेश दिया जाएगा और निर्धारित शुल्क का भुगतान किया जाएगा।
6. विभागाध्यक्ष किसी छात्र को पाठ्यक्रम के लिए अपना वैकल्पिक विषय बदलने की अनुमति दे सकता है या कुलपति की मंजूरी से संकाय बदलने की अनुमति दे सकता है। इसके बाद किसी परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।
7. इस विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र के तहत किसी भी छात्र को स्थानांतरण प्रमाणपत्र के बिना एक संस्थान से दूसरे संस्थान में स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और किसी भी मामले में उस तारीख के बाद एक ऐसे संस्थान से दूसरे संस्थान में स्थानांतरण की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिस दिन किसी छात्र ने आवेदन किया हो। आगामी परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र विश्वविद्यालय को भेज दिया गया है।
- 8.
- (ए) एक छात्र, जो एक शैक्षणिक सत्र के दौरान उस संस्थान को छोड़ने की इच्छा रखता है जिसका वह सदस्य बन गया है, उसे संस्थान के प्रमुख को कारण बताते हुए और आगे संस्थान का नाम बताते हुए छोड़ने के अपने इरादे की लिखित सूचना देनी होगी। ; यदि कोई है, जिसमें वह शामिल होना चाहता है।
- (बी) ऐसे आदेश पारित होने पर, संबंधित छात्र-
- (i) स्थानांतरण प्रमाणपत्र के लिए आवेदन के महीने तक संस्था को देय सभी शुल्क का भुगतान करना; और

- (ii) यदि विभाग के प्रमुख द्वारा ऐसा करने की आवश्यकता हो, तो संस्थान के फंड से उसे कोई भी छात्रवृत्ति या छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया हो, तो उसे वापस कर दिया जाएगा।
- (सी) जब छात्र ने उपरोक्त सभी भुगतान कर दिए हैं, तो विभाग प्रमुख एक स्थानांतरण प्रमाणपत्र जारी करेगा।
9. विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र के तहत एक विभाग से दूसरे विभाग में स्थानांतरित होने वाले छात्र को ट्यूशन फीस की ऐसी किश्तों का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी, जैसा कि वह उस संस्थान में पहले ही भुगतान कर चुका है जहां से वह प्रवास कर रहा है।
10. विश्वविद्यालय में प्रत्येक छात्र हर समय अच्छा व्यवहार करेगा, पढ़ाई में परिश्रम दिखाएगा, शिष्टाचार और गरिमा बनाए रखेगा, सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में उचित रुचि लेगा और उस संस्थान के अनुशासन के सभी नियमों का पालन करेगा, जिसका वह छात्र है और विश्वविद्यालय की।
- 11.
- (a) जब कोई छात्र विश्वविद्यालय या किसी संस्थान के परिसर के भीतर या बाहर अनुशासन का उल्लंघन करने या लगातार आलस्य का दोषी हो या कदाचार का दोषी हो, तो उस संस्थान का प्रमुख जहां ऐसा छात्र अध्ययन कर रहा है, कुलपति, रजिस्ट्रार, छात्र कल्याण डीन अपराध की प्रकृति और गंभीरता के अनुसार:
- (i) ऐसे छात्र को एक समय में एक सप्ताह से अधिक के लिए कक्षाओं में भाग लेने से निलंबित नहीं किया जाएगा; या
- (ii) ऐसे छात्र को उसके संस्थान से निष्कासित कर देना;
- (iii) ऐसे छात्र को अगली आगामी परीक्षा में बैठने से अयोग्य घोषित करना; या,
- (iv) ऐसे छात्र को निष्कासित करें।
- (b) उपरोक्तानुसार कोई भी सजा देने से पहले, विभाग प्रमुख संबंधित छात्र को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देगा और सजा देने के कारणों को लिखित रूप में दर्ज करेगा।
- (c) संबंधित विभाग के प्रमुख को कथित अपराध के संबंध में उसके आचरण की जांच होने तक किसी छात्र को संस्थान से अस्थायी रूप से निलंबित करने की शक्ति होगी।
- (d) जिस अवधि के दौरान एक छात्र किसी जांच को पूरा करने के लिए निलंबित रहता है, उसे परीक्षा में उपस्थित होने के लिए उसकी उपस्थिति की गणना में गिना जाएगा, बशर्ते कि वह निर्दोष पाया गया हो।
- (e) जिस छात्र को निष्कासित कर दिया गया है उसे इस विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र के भीतर किसी अन्य विभाग में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सामान्यतः निष्कासन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य विश्वविद्यालयों को निष्कासन के तथ्य की जानकारी दी जाएगी।
- (f) किसी छात्र को किसी संस्थान से निष्कासित करने पर नामांकित छात्रों के रजिस्टर से उसका नाम हटा दिया जाएगा।

- (a) एक प्रॉक्टोरियल बोर्ड होगा जिसका संविधान/शक्तियाँ/कर्तव्य ऐसे होंगे जो विनियमों द्वारा निर्धारित किए जा सकते हैं।
- (b) एक शैक्षणिक उड़नदस्ता होगा जिसमें निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे, जो शिक्षा मानकों को बनाए रखने पर विभाग का दौरा करेंगे।
  - (i) कुलपति द्वारा नामित कोई भी डीन अध्यक्ष
  - (ii) कुलपति द्वारा नामित कोई तीन वरिष्ठ प्रोफेसर सदस्य
  - (iii) कुलपति पद के लिए मनोनीत सदस्य

प्रत्येक तीन वर्ष में शैक्षणिक उड़नदस्ता दल का गठन किया जायेगा। यह शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए ऐसे कर्तव्यों का निर्वहन कर सकता है जो प्रबंधन बोर्ड द्वारा समय-समय पर सौंपे जा सकते हैं।

13. विनियमों द्वारा निर्धारित छात्रों के लिए एक आचार संहिता होगी। इसके प्रावधानों का अनुपालन सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा। यदि कोई छात्र संहिता का पालन नहीं करता है तो अनुशासनात्मक कार्रवाई करना विभागाध्यक्ष का कर्तव्य होगा।

## अध्यादेश क्रमांक 2

### छात्रों का नामांकन और अध्ययन के पाठ्यक्रम में उनका प्रवेश

1.
  - (a) कोई भी व्यक्ति, जिसने माध्यमिक शिक्षा मंडल, छत्तीसगढ़ की सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा या विश्वविद्यालय द्वारा इसके समकक्ष मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण की हो, को विश्वविद्यालय के छात्र के रूप में नामांकित किया जा सकता है।
  - (b) एक उम्मीदवार जो सी.जी. की सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (10+2) उत्तीर्ण करने के बाद। माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर या किसी विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य समकक्ष परीक्षा में स्नातक सेमेस्टर I परीक्षा में शामिल होने के लिए पात्र होंगे।
2. विश्वविद्यालय के छात्र के रूप में नामांकन के लिए आवेदन निर्धारित प्रपत्र में रजिस्ट्रार को किया जाएगा और इसके साथ विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित नामांकन शुल्क भी संलग्न किया जाएगा। ऐसा आवेदन उस विभाग के प्रमुख के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा जहां छात्र को प्रवेश दिया गया है।  
शर्त यह भी है कि नियमित अभ्यर्थी नामांकन के बाद परीक्षा फॉर्म जमा करेगा। हालाँकि पाठ्यक्रम में उपस्थिति विभागाध्यक्ष द्वारा परीक्षा शुरू होने के पंद्रह दिन या उससे पहले विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को भेजी जाएगी।
3. किसी भी छात्र को विश्वविद्यालय के नियमित छात्र के रूप में अध्ययन के किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया गया माना जाएगा जब तक कि उसका नाम नामांकित छात्रों के रजिस्टर में दर्ज न हो। ऐसे मामले को छोड़कर, जिसमें कोई छात्र संबंधित अध्ययन पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए निर्धारित न्यूनतम योग्यता नहीं रखता है, किसी भी परिस्थिति में छात्र द्वारा भुगतान किया गया नामांकन शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।
4. किसी भी व्यक्ति को, जो सजा के अधीन है या किसी अन्य विश्वविद्यालय से निष्कासन या निष्कासित किया गया है, उस अवधि के दौरान अध्ययन के किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा जिसके लिए सजा लागू है।
5.
  - (a) एक छात्र जो विश्वविद्यालय में नामांकित है, वह समय-समय पर प्रबंधन बोर्ड द्वारा निर्धारित शुल्क के साथ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को प्रक्रिया के अनुसार अपने नाम या उपनाम में परिवर्तन, सुधार या परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकता है। नाम लिखने में कोई गलती हो गई हो या विवाह आदि के कारण नाम बदलना आवश्यक हो।
  - (b) रजिस्ट्रार, यदि वह अनुरोध की तर्कसंगतता से संतुष्ट है, तो छात्र के नाम में परिवर्तन या सुधार के लिए आदेश पारित कर सकता है।

- (c) कोई भी परिवर्तन, परिवर्धन या संशोधन, रजिस्ट्रार के सत्यापन के तहत विश्वविद्यालय रजिस्टर में लाल स्याही से दर्ज किया जाएगा और इस आशय का एक प्रमाण पत्र आवेदक को जारी किया जाएगा।
- (d) किसी भी परिस्थिति में नाम में परिवर्तन या सुधार के आदेश से पहले आवेदक के पक्ष में जारी विश्वविद्यालय प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, डिग्री और अन्य दस्तावेज में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।
- (e) विश्वविद्यालय के सभी बाद के दस्तावेजों, प्रमाणपत्रों, डिप्लोमा और डिग्री में, नए नाम को पूर्व के साथ दर्ज किया जाएगा और सभी पत्राचार उसी तरीके से आयोजित किए जाएंगे।
- (f) नाम में परिवर्तन या सुधार के लिए आवेदन या तो उस विभाग के प्रमुख के माध्यम से किया जाएगा जहां छात्र पढ़ रहा है या अन्य मामले में नोटरीकृत शपथ पत्र द्वारा।
- (g) आवेदन के साथ जमा किया गया शुल्क छात्र को तब तक वापस नहीं किया जाएगा जब तक कि उसका आवेदन अस्वीकार न कर दिया जाए।

## अध्यादेश क्रमांक 3

### परीक्षा का संचालन

1. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं अकादमिक परिषद के परामर्श से प्रबंधन बोर्ड द्वारा जारी किए गए निर्देशों के अनुसार रजिस्ट्रार/परीक्षा नियंत्रक द्वारा की जाएंगी।
2. रजिस्ट्रार की देखरेख में परीक्षा नियंत्रक परीक्षाओं के संचालन के लिए एक कार्यक्रम तैयार करेगा और विधिवत प्रकाशित करेगा जिसमें प्रत्येक परीक्षा की तारीख और अंतिम तिथियां निर्दिष्ट होंगी जिसके द्वारा इच्छुक परीक्षार्थियों द्वारा परीक्षाओं के लिए आवेदन और शुल्क का भुगतान किया जाएगा।  
प्रत्येक परीक्षा के विस्तृत कार्यक्रम के साथ परीक्षा शुरू होने की तारीखें सेमेस्टर की शुरुआत में प्रकाशित की जाएंगी। एक बार घोषित परीक्षा तिथियों में कुलपति की अनुमति के बिना बदलाव नहीं किया जाएगा।
3. कुलपति, केंद्र अधीक्षक की सिफारिश पर, एक ऐसे परीक्षार्थी की ओर से परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर से संबंधित श्रुतलेख लिखने के लिए एक एमानुएंसिस नियुक्त करते हैं जो गंभीर अदूरदर्शिता के कारण स्वयं लिखने में असमर्थ है या अचानक बीमारी या हाथ लिखने में फ्रैक्चर, बशर्ते कि ऐसा करने वाला पुरुष/महिला संबंधित परीक्षार्थी से कम से कम एक कक्षा/परीक्षा की योग्यता रखता हो।  
बशर्ते कि एमानुएंसिस और दृष्टिबाधित व्यक्ति को मुख्य चिकित्सा अधिकारी से चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर परीक्षा लिखने के लिए प्रति घंटे 20 मिनट (अधिकतम एक घंटे के अधीन) का अतिरिक्त समय दिया जाए।
4. कुलपति परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के लिए एक या अधिक व्यक्तियों को शामिल करते हुए फ्लाईंग स्क्वाड नियुक्त कर सकते हैं। इस प्रकार नियुक्त उड़न दस्ते को किसी भी समय किसी भी परीक्षा केंद्र पर जाने और निरीक्षण करने की शक्तियाँ होंगी और यदि आवश्यक हो तो परीक्षार्थियों की व्यक्तिगत तलाशी लेने की शक्तियाँ होंगी। उड़न दस्ता अपने दौरे के दौरान अनुचित साधनों के मामले सामने आने पर आवश्यक कार्रवाई के लिए परीक्षा केंद्र अधीक्षक को रिपोर्ट करेगा। उड़नदस्ता अपनी रिपोर्ट तुरंत परीक्षा नियंत्रक को सौंपेगा, जो आवश्यक समझे जाने पर ऐसी कार्रवाई या कदम उठाएगा। परीक्षा केंद्र के निरीक्षण के दौरान उड़नदस्ता के सदस्य पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करेंगे।
5. प्रबंधन बोर्ड सभी केंद्रों पर एक परीक्षा रद्द कर सकता है यदि वह संतुष्ट है कि प्रश्न पत्र लीक हो गया है या कोई अन्य अनियमितता हुई है जिसके लिए ऐसा कदम उठाना आवश्यक है।
6. प्रबंधन बोर्ड परीक्षकों, केंद्र अधीक्षकों, टेबुलेटर्स, कोलेटर्स के मार्गदर्शन के लिए ऐसे सामान्य निर्देश जारी कर सकता है, जो उनके कर्तव्यों के उचित निर्वहन के लिए आवश्यक समझे।
7. इस अध्यादेश के प्रावधानों के अधीन, प्रबंधन बोर्ड समय-समय पर परीक्षा के संचालन के बारे में नियम और प्रक्रिया बना, बदल या संशोधित कर सकता है।

8.

- (a) प्रत्येक संकाय के लिए परिणाम समिति का गठन अकादमिक परिषद द्वारा किया जाएगा।
  - (b) परिणाम समिति के कार्य इस प्रकार होंगे: -
    - (i) विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा के परिणामों की जांच करना और उन्हें इस बात से संतुष्ट होने के बाद उत्तीर्ण करना कि संपूर्ण और विभिन्न विषयों के परिणाम सामान्य मानकों के अनुरूप हैं और कुलपति को की जाने वाली कार्रवाई की सिफारिश करना। कोई भी मामला जहां परिणाम असंतुलित है।
    - (ii) प्रश्न पत्रों, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के विरुद्ध शिकायतों की जांच करना और आवश्यक कार्रवाई करना।
    - (iii) गलत प्रश्नपत्र का उत्तर देने वाले अभ्यर्थियों के मामलों का निर्णय करना,
    - (iv) उन अभ्यर्थियों के मामलों का निर्णय करना जिनकी उत्तर-पुस्तिकाएँ रास्ते में खो गई थीं;
    - (v) पेपर सेटर्स, मॉडरेटर, परीक्षकों, पर्यवेक्षकों, परीक्षा केंद्र के अधीक्षक, टेबुलेटर, कोलेटर, समन्वयक और परीक्षा से संबंधित किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा की गई गलतियों के मामलों पर निर्णय लेना, जिनके मामले समिति को भेजे जाते हैं।
    - (vi) ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग करना जो अकादमिक परिषद इसे समय-समय पर सौंप सकती है, बशर्ते कि परिणाम समिति के पास घोषणा से पहले और विशेष मामलों में परिणामों की घोषणा के बाद परिणामों की जांच और संशोधन करने की शक्तियां होंगी।
    - (vii) यदि किसी परीक्षक, केंद्र अधीक्षक या पर्यवेक्षक के खिलाफ कोई कार्रवाई की जानी है तो मामले को परिणाम समिति की सिफारिश के साथ कुलपति के माध्यम से प्रबंधन बोर्ड को भेजा जाएगा।
9. कुलपति आवश्यकतानुसार परीक्षा के परिणामों को सारणीबद्ध करने के लिए दो टेबुलेटर या टेबुलेटर के दो सेट और कोलेटर नियुक्त करेगा और यदि आवश्यक हो तो वह परीक्षा के परिणाम तैयार करने में टेबुलेटर के मार्गदर्शन के लिए सामान्य निर्देश जारी कर सकता है।
  10. यदि किसी अभ्यर्थी को अपने परीक्षा पत्र के विषय पर कोई संवाद करना है, तो उसे सीधे परीक्षा नियंत्रक को लिखित रूप में भेजना होगा।
  11. किसी अभ्यर्थी द्वारा या उसकी ओर से उसकी परीक्षा के मामले में अधिमान्य उपचार सुनिश्चित करने के लिए किए गए किसी भी प्रयास की सूचना परीक्षा नियंत्रक को दी जाएगी जो मामले को प्रबंधन बोर्ड के समक्ष रखेगा।
  12. प्रबंधन बोर्ड द्वारा अन्यथा निर्णय लिए जाने के अलावा, सारणीबद्ध परिणामों को छोड़कर, परीक्षा की उत्तर-पुस्तिकाएं और परीक्षार्थियों द्वारा प्राप्त अंकों से संबंधित दस्तावेज, परिणामों की घोषणा की तारीख से 6 महीने के बाद नष्ट कर दिए जाएंगे या अन्यथा निपटा दिए जाएंगे।
  13. प्रबंधन बोर्ड, एक संकल्प द्वारा, परीक्षा नियंत्रक को परिणाम समिति द्वारा पारित परीक्षाओं के परिणामों को विश्वविद्यालय के कार्यालय के नोटिस बोर्ड और/या विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित करने के

लिए अधिकृत कर सकता है।

14. कोई भी परीक्षार्थी किसी भी उद्देश्य के लिए परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे के भीतर परीक्षा हॉल नहीं छोड़ेगा और परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे के बाद किसी भी देर से आने वाले को परीक्षा के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी।
15. परीक्षा कक्ष को अस्थायी रूप से छोड़ने के इच्छुक परीक्षार्थियों को अधिकतम 5 मिनट की अवधि के लिए ऐसा करने की अनुमति दी जाएगी। अनुपस्थिति दर्ज की जाएगी और यदि परीक्षार्थी 5 मिनट की इस सीमा के भीतर लौटने में विफल रहता है, तो उसे परीक्षा हॉल में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जब तक कि वह ठोस स्पष्टीकरण न दे।
16. परीक्षा समय के दौरान बात करते हुए पाए जाने वाले अभ्यर्थी को ऐसा न करने की चेतावनी दी जाएगी। यदि परीक्षार्थी पर्यवेक्षक की चेतावनी के बावजूद भी बात करना जारी रखता है, तो ऐसे परीक्षार्थी की उत्तर-पुस्तिका वापस ले ली जाएगी और दूसरी उत्तर-पुस्तिका प्रदान की जाएगी। मूल्यांकन के लिए केवल दूसरी उत्तरपुस्तिका ही भेजी जाएगी। प्रथम उत्तरपुस्तिका को रद्द कर केंद्राधीक्षक द्वारा परीक्षा नियंत्रक को भेजा जायेगा।
17. किसी परीक्षा केंद्र के केंद्राधीक्षक किसी परीक्षार्थी के विरुद्ध, जो परीक्षा के घंटों के दौरान परीक्षा हॉल में या परीक्षा केंद्र के परिसर के भीतर अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए या प्रयोग करने का प्रयास करते हुए पाया जाता है, निम्नलिखित तरीके से कार्रवाई करेगा: -
  - (a) परीक्षार्थी को उत्तर-पुस्तिका सहित उसके पास पाई गई सभी आपत्तिजनक सामग्री को सौंपकर करने के लिए कहा जाएगा और तारीख और समय के साथ एक ज्ञापन तैयार किया जाएगा।
  - (b) परीक्षार्थी और पर्यवेक्षक का बयान दर्ज किया जाएगा।
  - (c) परीक्षार्थी को परीक्षा के लिए निर्धारित शेष समय के भीतर उत्तर देने का प्रयास करने के लिए 'अनुचित साधनों का डुप्लिकेट उपयोग' चिह्नित एक नई उत्तर-पुस्तिका जारी की जाएगी।
  - (d) एकत्रित की गई सभी सामग्री और संपूर्ण साक्ष्य, परीक्षार्थी के बयान और विधिवत आद्यक्षरित उत्तर-पुस्तिका को एक अलग गोपनीय सीलबंद पैकेट में "अनुचित साधन" के साथ परीक्षा नियंत्रक के नाम से भेजा जाएगा। अधीक्षक की टिप्पणियाँ।
  - (e) दोनों उत्तरपुस्तिकाओं के साथ परीक्षार्थी से एकत्र की गई सामग्री, अर्थात् अनुचित साधनों का उपयोग करते हुए एकत्र की गई उत्तरपुस्तिका और उसके बाद आपूर्ति की गई अन्य सामग्री, उप-विषय द्वारा नियुक्त विषय के विशेषज्ञ को भेजी जाएगी। कुलाधिपति ने परीक्षा नियंत्रक को दोनों उत्तरपुस्तिकाओं का अलग-अलग मूल्यांकन करने तथा संकलित सामग्री के आलोक में यह रिपोर्ट देने को कहा है कि क्या परीक्षार्थी ने वास्तव में अनुचित साधनों का प्रयोग किया है।
  - (f) मूल्यांकन करते समय, यदि परीक्षक को कई उत्तर-पुस्तिकाओं के उत्तरों में समानता मिलती है या उसे उत्तर पुस्तिका में नकद, चेक आदि मिलता है, तो इसे अनुचित साधन का मामला माना जाएगा।



- (g) केंद्र अधीक्षक द्वारा परीक्षक की रिपोर्ट के साथ रिपोर्ट किए गए परीक्षा में अनुचित साधनों के उपयोग के मामलों की जांच कुलपति की सिफारिशों पर प्रबंधन बोर्ड द्वारा नियुक्त की जाने वाली एक समिति द्वारा की जाएगी प्रतिवर्ष।

"समिति में शामिल होंगे:

- (i) प्रबंधन बोर्ड का एक शिक्षक सदस्य, संकायों के डीन में से एक, एक शिक्षक जो अकादमिक परिषद का सदस्य है, और कुलपति द्वारा नामित सरकारी कॉलेजों का एक वरिष्ठ प्राचार्य;
  - (ii) परीक्षा नियंत्रक या उसका नामांकित व्यक्ति जो उप रजिस्ट्रार के पद से नीचे न हो - (सचिव) कुलपति (ए) के तहत शामिल सदस्यों में से एक को समिति का अध्यक्ष नियुक्त करेगा;
- (h) समिति मामलों की जांच करने के बाद, प्रत्येक मामले में की जाने वाली कार्रवाई का निर्णय लेगी और प्रत्येक मामले में समिति के निर्णय के साथ अनुचित साधनों के उपयोग के सभी मामलों की रिपोर्ट प्रबंधन बोर्ड को देगी।
- (i) एक बार जब यूएफएम समिति का निर्णय प्रबंधन बोर्ड द्वारा अनुमोदित हो जाता है तो यह किसी भी स्थिति में नहीं बदलेगा।
18. जहां कोई परीक्षार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका (समीक्षा) देखना चाहता है, उसे परिणाम घोषित होने के 15 दिनों के भीतर आवेदन करना होगा और विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार मामले का निर्णय करेगा।
19. परीक्षा, मूल्यांकन आदि के संचालन में शामिल विभिन्न कर्मियों के लिए पारिश्रमिक की दर प्रबंधन बोर्ड द्वारा तय की जाएगी।
20. विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों के लिए लिया जाने वाला परीक्षा शुल्क अकादमिक परिषद द्वारा तय किया जाएगा और समय-समय पर प्रबंधन बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
21. विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक/रजिस्ट्रार, कुलपति/रजिस्ट्रार द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद परीक्षाओं के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए छात्रों द्वारा देय शुल्क को अधिसूचित करेंगे। जिस छात्र ने परीक्षा शुरू होने से पहले निर्धारित शुल्क का भुगतान नहीं किया है, वह परीक्षा में बैठने के लिए पात्र नहीं होगा। वास्तविक कठिनाई के कुछ मामलों में, चांसलर अपने विवेक से फीस के भुगतान की अंतिम तिथि को बढ़ाने की अनुमति दे सकता है। हालाँकि, ऐसे छात्रों का परिणाम सभी बकाया भुगतान होने तक रोक दिया जाएगा।
- (a) उम्मीदवार, जो खुद को परीक्षा के लिए प्रस्तुत करने में विफल रहता है, किसी भी रिफंड ऑफर का हकदार नहीं होगा या बाद की परीक्षा के लिए इसे जमा में रखने का हकदार नहीं होगा। हालाँकि, यदि कोई महिला उम्मीदवार मातृत्व कारणों से परीक्षा में उपस्थित होने में असमर्थ है, तो उसकी फीस अगली परीक्षा के लिए रोकी जा सकती है, बशर्ते कि अगली परीक्षा के लिए शुल्क जमा करने के लिए आवेदन परीक्षा नियंत्रक/रजिस्ट्रार को करना होगा। संबंधित परीक्षा के पूरा होने के तीन महीने के भीतर परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय और एक मेडिकल प्रमाणपत्र द्वारा समर्थित होगा।

- (b) हालाँकि, बशर्ते कि कोई उम्मीदवार स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षाओं के मामले में संकाय या अपना विषय बदलता है तो वह परीक्षा शुल्क के समायोजन का हकदार नहीं होगा।
- (c) एक नियमित उम्मीदवार द्वारा भुगतान की गई फीस, जिसे व्याख्यान/प्रेक्टिकल में उपस्थिति में कमी के कारण परीक्षा में बैठने से रोक दिया गया है, किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार के अंकों में परिवर्तन के बावजूद पुनर्मूल्यांकन शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

- (i) कोई उम्मीदवार जो बीमारी या अन्य कारणों से परीक्षा में उपस्थित होने में असमर्थ है, उसे फीस वापस नहीं मिलेगी, बशर्ते कि विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक/रजिस्ट्रार की सिफारिश पर कुलपति/रजिस्ट्रार, तथ्यों पर विचार करने और उसे सौंपे गए दस्तावेजों के माध्यम से आवश्यक जांच करने, उसकी वास्तविकता या योग्यता के बारे में संतुष्ट महसूस करने के बाद, उसके आदेश, फीस के निम्नलिखित हिस्से को तुरंत अगली परीक्षा में समायोजित करने का आदेश दिया जाता है।
- (ii) जिस अभ्यर्थी की परीक्षा में बैठने से पहले मृत्यु हो जाती है, उसकी परीक्षा फीस उसके अभिभावक को पूरी वापस कर दी जाएगी।
- (iii) जिस अभ्यर्थी का परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन पत्र फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत करने या गलत विवरण देने के कारण रद्द कर दिया गया है, उसके द्वारा भुगतान की गई पूरी फीस जब्त कर ली जाएगी।

22. जब तक अन्यथा उल्लेख न किया जाए, विश्वविद्यालय की सभी परीक्षाएं च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के तहत आयोजित की जाएंगी।

- (a) सेमेस्टर में 16-18 सप्ताह का शैक्षणिक कार्य शामिल होगा। एक क्रेडिट एक सेमेस्टर में प्रति सप्ताह एक घंटे (60 मिनट) शिक्षण (व्याख्यान या ट्यूटोरियल) या दो घंटे (120 मिनट) व्यावहारिक कार्य/क्षेत्र कार्य के बराबर है। पाठ्यक्रमों से जुड़े क्रेडिट वैध क्रेडिट होंगे, जबकि व्यापक मौखिक परीक्षा से जुड़े क्रेडिट वर्चुअल क्रेडिट होंगे।
- (b) संबंधित विभाग बी.ई./बी.फार्मा को छोड़कर सभी कार्यक्रमों के लिए प्रति सेमेस्टर वैध 20 क्रेडिट के औसत पर डिग्री प्रदान करने के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट संख्या की गणना करेगा। / ऑनर्स कार्यक्रम जहां न्यूनतम क्रेडिट संख्या की आवश्यकता है, प्रति सेमेस्टर वैध 24-26 क्रेडिट के औसत पर काम किया जाएगा। एक सेमेस्टर में थ्योरी, प्रैक्टिकल, फील्ड वर्क, प्रोजेक्ट वर्क आदि के बीच क्रेडिट का वितरण भी संबंधित विभाग द्वारा किया जाएगा।  
कुछ कार्यक्रमों में पार्श्व प्रवेश के माध्यम से प्रवेश के मामले में, डिग्री प्रदान करने के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट संख्या की गणना ऊपर वर्णित तरीके से की जाएगी, लेकिन कार्यक्रम की शेष अवधि के लिए।
- (c) प्रत्येक कार्यक्रम के लिए आवश्यक न्यूनतम संख्या में क्रेडिट को कोर, क्षमता वृद्धि और कौशल विकास, ऐच्छिक-अनुशासन केंद्रित और सामान्य श्रेणियों के तहत पाठ्यक्रमों के बीच वितरित

किया जा सकता है और संबंधित विभाग द्वारा अधिसूचित किया जा सकता है।

- (d) विभाग एक सेमेस्टर में पूर्णकालिक कार्यक्रमों के लिए 20-30 क्रेडिट और अंशकालिक कार्यक्रमों के लिए 12-18 क्रेडिट के पाठ्यक्रम पेश करेगा।
- (e) विभाग प्रत्येक कार्यक्रम में अपने स्वयं के छात्रों और अन्य कार्यक्रमों के छात्रों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर वैकल्पिक-सामान्य पाठ्यक्रम प्रदान करेगा। पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या विभाग में उपलब्ध सुविधाओं पर निर्भर करेगी।
- (f) छात्रों के पास उपलब्ध वैकल्पिक-सामान्य श्रेणी के तहत प्रत्येक सेमेस्टर में एक कोर्स चुनने का विकल्प होगा।
- (g) विभाग एक सेमेस्टर में पूर्णकालिक कार्यक्रमों के लिए 20-30 क्रेडिट और अंशकालिक कार्यक्रमों के लिए 12-18 क्रेडिट के पाठ्यक्रम पेश करेगा।
- (h) विभाग प्रत्येक कार्यक्रम में अपने स्वयं के छात्रों और अन्य कार्यक्रमों के छात्रों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर वैकल्पिक-सामान्य पाठ्यक्रम प्रदान करेगा। पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या विभाग में उपलब्ध सुविधाओं पर निर्भर करेगी।
- (i) छात्रों के पास विभाग के भीतर या अन्य विभाग में उपलब्ध वैकल्पिक-सामान्य श्रेणी के तहत प्रत्येक सेमेस्टर में एक पाठ्यक्रम चुनने का विकल्प होगा, लेकिन कार्यक्रमों के समान स्तर से। छात्रों के लिए वैकल्पिक-सामान्य श्रेणी के तहत प्रत्येक सेमेस्टर में एक कोर्स चुनने का वैकल्पिक विकल्प भी उपलब्ध होगा, जिसमें स्वयं (स्टडी वेब ऑफ एक्टिव लर्निंग बाय यंग एंड एस्पायरिंग माइंड्स) प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (एमओओसी) से कौशल विकास पाठ्यक्रम भी शामिल है।
- (j) छात्र स्वयं (स्टडी वेब ऑफ एक्टिव लर्निंग बाय यंग एंड एस्पायरिंग माइंड्स) प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (एमओओसी) से ऐच्छिक-अनुशासन केंद्रित श्रेणी के तहत एक कोर्स भी चुन सकते हैं।
- (k) विश्वविद्यालय स्वयं के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की अनुमति देने का निर्णय लेगा यदि:
  - (i) पाठ्यक्रम चलाने के लिए विभाग में उपयुक्त शिक्षण स्टाफ उपलब्ध नहीं है।
  - (ii) छात्रों द्वारा मांगी गई वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की सुविधाएं संस्थान में उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन SWAYAM प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं।
  - (iii) SWAYAM पर पेश किए गए पाठ्यक्रम संस्थान में शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया के पूरक होंगे।
- (l) SWAYAM प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध पाठ्यक्रम चुनने वाले प्रत्येक छात्र को SWAYAM पर पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण करना आवश्यक होगा। यदि आवश्यक हो तो छात्र पाठ्यक्रम को पंजीकृत करने के लिए SWAYAM को शुल्क का भुगतान करेगा।
- (m) स्वयं द्वारा प्रस्तावित ऑनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रमों की अनुमति देते समय, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर सुविधाएं और

पुस्तकालय आदि जैसी भौतिक सुविधाएं संस्थान द्वारा पर्याप्त मात्रा में मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी। मूल संस्थान को पूरे पाठ्यक्रम में छात्रों का मार्गदर्शन करने और प्रयोगशाला/ व्यावहारिक सत्र/ परीक्षाओं को सुविधाजनक बनाने/ संचालित करने के लिए एक पाठ्यक्रम समन्वयक/सुविधाकर्ता को नामित करना होगा।

- (n) विश्वविद्यालय स्वयं मंच के माध्यम से प्रदान किए गए ऑनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से एक सेमेस्टर में किसी विशेष कार्यक्रम में पेश किए जा रहे कुल पाठ्यक्रमों में से केवल 20% तक की अनुमति दे सकता है।
  - (o) संबंधित विभाग द्वारा अधिसूचित परियोजना/शोध प्रबंध की आवश्यकता को उम्मीदवार द्वारा निर्दिष्ट क्रेडिट के लिए पूरा किया जाना चाहिए। यह परियोजना किसी भी राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं/संस्थानों/विश्वविद्यालयों/सरकार द्वारा अनुमोदित कंपनियों/उद्योगों में शुरू की जा सकती है। किसी भी सेमेस्टर में लघु प्रोजेक्ट 4 क्रेडिट से अधिक नहीं होना चाहिए जबकि प्रमुख प्रोजेक्ट/शोध प्रबंध एक सेमेस्टर में अधिकतम 12 क्रेडिट का होना चाहिए।
  - (p) किसी कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि यूजीसी और अन्य वैधानिक निकायों जैसे एआईसीटीई/बीसीआई/एनसीटीई/पीसीआई आदि के दिशानिर्देशों के अनुसार होगी। कार्यक्रम की अधिकतम अवधि कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि से दोगुनी होगी।
23. उपस्थिति की आवश्यकता परीक्षाओं को नियंत्रित करने वाले विश्वविद्यालय अध्यादेश या वैधानिक निकाय के दिशानिर्देशों के अनुसार होगी। सामान्य तौर पर सेमेस्टर अंत परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में अलग से कम से कम पचहत्तर प्रतिशत व्याख्यान और व्यावहारिक उपस्थिति की आवश्यकता होगी।
- लंबी बीमारी जैसे विशेष कारणों से प्रत्येक पाठ्यक्रम में दिए गए व्याख्यानों और आयोजित व्यावहारिक/सत्रों की कुल संख्या के पंद्रह प्रतिशत से अधिक उपस्थिति की कमी को कुलपति द्वारा माफ नहीं किया जा सकता है।
24. एक छात्र डिग्री पुरस्कार के लिए तभी पात्र होगा जब वह कार्यक्रम की अधिकतम अवधि के भीतर कार्यक्रम के लिए निर्दिष्ट वैध और आभासी क्रेडिट की न्यूनतम आवश्यक संख्या अर्जित कर लेता है, लेकिन कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि से पहले नहीं।
25. एक छात्र डिग्री पुरस्कार के लिए तभी पात्र होगा जब वह कार्यक्रम की अधिकतम अवधि के भीतर कार्यक्रम के लिए निर्दिष्ट वैध और आभासी क्रेडिट की न्यूनतम आवश्यक संख्या अर्जित कर लेता है, लेकिन कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि से पहले नहीं।
- 26.
- (a) प्रत्येक पाठ्यक्रम का मूल्यांकन 100 अंकों के लिए किया जाएगा, जिसमें से 60 अंक अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के लिए होंगे और 40 अंक निरंतर मूल्यांकन के लिए होंगे। प्रयोगशाला/फील्ड/प्रोजेक्ट कार्य आधारित पाठ्यक्रमों के मामले में, प्रैक्टिकल रिकॉर्ड/प्रोजेक्ट

रिपोर्ट, प्रैक्टिकल अंतिम सेमेस्टर परीक्षा, मौखिक परीक्षा, यदि कोई हो, के लिए अंकों का उचित वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा।

- (b) सेमेस्टर के दौरान, पाठ्यक्रम पेश करने वाला शिक्षक 20-20 अंकों के तीन परीक्षण आयोजित करके तीन समय बिंदुओं पर छात्र का निरंतर मूल्यांकन करेगा। इनमें से दो लिखित परीक्षाएँ होनी चाहिए और तीसरी सैद्धांतिक पाठ्यक्रमों के लिए लिखित परीक्षा/क्विज/सेमिनार/असाइनमेंट हो सकती है। तीन में से दो सर्वश्रेष्ठ परीक्षणों में प्राप्त अंक छात्र को प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम में, अंतिम सेमेस्टर परीक्षा होगी। 60 अंकों का। प्रत्येक छात्र को कम से कम दो परीक्षण और अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होना होगा; अन्यथा, छात्र को उस पाठ्यक्रम में एबी ग्रेड से सम्मानित किया जाएगा।
- (c) पाठ्यक्रम की पेशकश करने वाला शिक्षक प्रश्न पत्र तैयार करने और उस पाठ्यक्रम की परीक्षाओं और अंतिम सेमेस्टर परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए जिम्मेदार होगा। यदि कुछ अपरिहार्य कारणों से यह संभव नहीं है, तो संबंधित प्रमुख परीक्षा के संचालन के लिए अध्यक्ष, बीओएस के परामर्श से एक वैकल्पिक व्यवस्था करेगा।
- (d) अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में प्राप्त कुल अंक और निरंतर मूल्यांकन के तहत सर्वोत्तम दो परीक्षण पाठ्यक्रम में ग्रेड तय करेंगे।
- (e) ग्रेडिंग नीचे बताए अनुसार 10-बिंदु पैमाने पर की जाएगी:

Letter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	90-100
A+	9	Excellent	80-89
A	8	Very good	70-79
B+	7	Good	60-69
B	6	Above Average	50-59
C	5	Average	40-49
P	4	Pass	35-39
F	0	Fail	0-34
Ab	0	Absent	Absent

- (f) यदि कार्यक्रम के वैधानिक निकाय न्यूनतम उत्तीर्ण प्रतिशत अंकों के संबंध में दिशानिर्देश जारी करते हैं तो ग्रेडिंग निम्नलिखित तरीके से की जाएगी:
- यदि किसी पाठ्यक्रम में छात्र द्वारा प्राप्त अंक न्यूनतम कट-ऑफ प्रतिशत अंकों से कम हैं, तो

- एफ ग्रेड प्रदान किया जाएगा, अन्यथा उपरोक्त तालिका के अनुसार ग्रेड प्रदान किए जाएंगे।
- (g) यदि कोई छात्र किसी पाठ्यक्रम में एफ या एबी ग्रेड प्राप्त करता है, तो उसे पाठ्यक्रम में असफल माना जाएगा। उसे विभाग द्वारा आयोजित या व्यवस्थित किए जाने पर पाठ्यक्रम की परीक्षाओं में फिर से उपस्थित होना होगा। सतत मूल्यांकन में पहले प्राप्त अंकों को आगे बढ़ाया जा सकता है और दोहराए गए पाठ्यक्रम में ग्रेड तय करने के लिए दोबारा अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में प्राप्त अंकों में जोड़ा जा सकता है।
- (h) सैद्धांतिक और व्यावहारिक पाठ्यक्रमों को विभाग द्वारा प्रस्तावित या व्यवस्थित किए जाने पर दोहराया जा सकता है, लेकिन कार्यक्रम की अधिकतम अवधि के भीतर। वह पाठ्यक्रम पास करने के लिए कई बार दोहराए जाने वाले प्रयासों का लाभ उठा सकता है।
- (i) विभाग, जहां अन्य विभागों के छात्र पसंद-आधारित वैकल्पिक - सामान्य श्रेणी के पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत हैं, ग्रेड को संबंधित विभाग को भेज देगा जहां छात्र नामांकित है। सेमेस्टर/अंतिम परिणाम उस विभाग द्वारा घोषित किया जाएगा जहां छात्र ने प्रवेश लिया है।
- (j) एमओओसी का मूल्यांकन और प्रमाणन:  
मेजबान संस्थान और पीआई उसके द्वारा शुरू किए गए एमओओसी पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत छात्रों के मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार होंगे।

मूल्यांकन पूर्वनिर्धारित मानदंडों और मापदंडों पर आधारित होना चाहिए और चर्चा, मंच, क्विज़, असाइनमेंट, सत्र परीक्षा और अंतिम परीक्षा जैसे निर्दिष्ट उपकरणों के आधार पर पाठ्यक्रम की लंबाई और चौड़ाई में व्यापक मूल्यांकन पर आधारित होना चाहिए।

जबकि ऑनलाइन परीक्षा पसंदीदा तरीका होगा, पीआई को अंतिम परीक्षा आयोजित करने के तरीके पर निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया जाएगा। इसकी घोषणा पाठ्यक्रम की पेशकश के समय पाठ्यक्रम के अवलोकन में की जाएगी।

यदि, पेन और पेपर की अंतिम परीक्षा आयोजित की जानी है, तो इसे आयोजित करने के लिए स्वेच्छा से किसी भी कॉलेज/स्कूल के माध्यम से इसकी पेशकश की जाएगी। इस संबंध में निर्णय पीआई और मेजबान संस्था का होगा।

परीक्षा आयोजित करने और मूल्यांकन पूरा होने के बाद, मेजबान संस्थान के माध्यम से पीआई घोषित मूल्यांकन योजना के अनुसार अंक/ग्रेड प्रदान करेगा।

अंतिम अंक/ग्रेड अंतिम परीक्षा के पूरा होने की तारीख से 4 सप्ताह के भीतर छात्रों के साथ-साथ छात्र के मूल संस्थान को सूचित किया जाएगा।

मूल संस्थान, छात्र द्वारा प्राप्त अंक/ग्रेड को शामिल करेगा, जैसा कि मेजबान संस्थान द्वारा SWAYAM

पाठ्यक्रम के पीआई के माध्यम से छात्र की अंकतालिका में सूचित किया जाएगा, जो विश्वविद्यालय द्वारा डिग्री/डिप्लोमा के अंतिम पुरस्कार के लिए गिना जाता है। प्रावधान यह है कि जिन कार्यक्रमों में लैब/प्रैक्टिकल घटक शामिल है, मूल संस्थान प्रैक्टिकल/लैब घटक के लिए छात्रों का मूल्यांकन करेगा और तदनुसार इन अंकों/ग्रेड को समग्र अंक/ग्रेड में शामिल करेगा।

एमओओसी पाठ्यक्रम के सफल समापन के संबंध में एक प्रमाण पत्र पीआई द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और मेजबान संस्थान के माध्यम से जारी किया जाएगा और मूल संस्थान को भेजा जाएगा।

मूल संस्थान कार्यक्रम की क्रेडिट योजना में SWAYAM प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से अर्जित क्रेडिट के लिए छात्रों को समकक्ष क्रेडिट वेटेज देगा।

27.

- (a) सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत (एसजीपीए) और संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) की गणना छात्र द्वारा प्राप्त वैध और आभासी क्रेडिट अंकों के भारित औसत के रूप में की जाएगी, अतिरिक्त पाठ्यक्रमों के क्रेडिट को छोड़कर, यदि कोई हो। एसजीपीए और सीजीपीए को 2 दशमलव स्थानों तक पूर्णांकित किया जाएगा और ग्रेड शीट में रिपोर्ट किया जाएगा।
- (b) एसजीपीए एक सेमेस्टर में छात्र के प्रदर्शन का माप है। यह एक सेमेस्टर में पंजीकृत विभिन्न पाठ्यक्रमों में एक छात्र द्वारा प्राप्त कुल क्रेडिट अंकों और उस सेमेस्टर के दौरान लिए गए कुल पाठ्यक्रम क्रेडिट का अनुपात है, अर्थात्

$$SGPA (Si) = \sum(Ci \times Gi) / \sum Ci$$

जहां सीआई एक सेमेस्टर में आईटीएच पाठ्यक्रम के क्रेडिट की संख्या है और जीआई आईटीएच पाठ्यक्रम में छात्र द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट है।

- (c) सीजीपीए पूरे किए गए सभी सेमेस्टर में एक छात्र के समग्र संचयी प्रदर्शन का माप है। सीजीपीए एक छात्र द्वारा पूरे किए गए सभी सेमेस्टरों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्राप्त किए गए कुल क्रेडिट अंकों का अनुपात है और सभी सेमेस्टरों में सभी पाठ्यक्रमों के कुल क्रेडिट का योग है, अर्थात्

$$CGPA = \sum(Ci \times Si) / \sum Ci$$

जहां Si 1वें सेमेस्टर का SGPA है और Ci 1वें सेमेस्टर में क्रेडिट की कुल संख्या है।

28. डिग्री प्रदान करने के लिए सभी आवश्यकताओं को पूरा करने पर, सीजीपीए की गणना की जाएगी और यह मान डिविजन के साथ डिग्री पर दर्शाया जाएगा। अंतिम डिग्री में निम्नानुसार प्राप्त डिविजन का भी उल्लेख होना चाहिए:

Division	Criterion
First division with distinction	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree in first attempt with CGPA of 8.00 or above
First division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 6.50 or above
Second division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 5.00 or above but less than 6.50
Pass division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.00 or above but less than 5.00

बी.फार्म./एम.फार्मा के मामले में। यदि छात्र पहले प्रयास में 6.50 या उससे अधिक सीजीपीए प्राप्त करता है तो कार्यक्रम प्रथम श्रेणी से सम्मानित किया जाएगा। कोई पास डिवीजन नहीं दिया जाएगा।

29. यदि छात्र एक सेमेस्टर में कम से कम 12 वैध क्रेडिट हासिल कर लेता है तो उसे अगले सेमेस्टर में पदोन्नत कर दिया जाएगा। यदि छात्र किसी सेमेस्टर में 12 से कम वैध क्रेडिट प्राप्त करता है, तो छात्र को उस सेमेस्टर में असफल घोषित कर दिया जाएगा और उसे पूरा सेमेस्टर दोहराने के लिए कहा जाएगा और उस सेमेस्टर को शून्य सेमेस्टर माना जाएगा। ऐसे में छात्र को अगले सेमेस्टर में प्रमोट नहीं किया जाएगा।

यदि कोई छात्र किसी सेमेस्टर में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण होता है तो उसे उस सेमेस्टर में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा। यदि कोई छात्र कम से कम 12 वैध क्रेडिट हासिल करता है और उस सेमेस्टर में पेश किए गए एक या अधिक पाठ्यक्रमों में असफल हो जाता है तो उसे उन पाठ्यक्रमों में एटीकेटी (टर्म रखने की अनुमति) के साथ अगले सेमेस्टर में पदोन्नत किया जाएगा जिसमें वह असफल रहता है।

बी.ई./बी.फार्मा के मामले में। कार्यक्रमों में छात्रों को निम्नलिखित शर्तों के अनुसार पदोन्नत किया जाएगा:

- छात्र को अगले वर्ष में पदोन्नत होने के लिए प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष या तृतीय वर्ष में 5 से अधिक पाठ्यक्रम (सिद्धांत और व्यावहारिक संयोजन) नहीं करने चाहिए।
- छात्र को तृतीय वर्ष में पदोन्नत नहीं किया जा सकता है, यदि वह प्रथम वर्ष के किसी भी पाठ्यक्रम को एफ या एबी ग्रेड के साथ रखता है।
- यदि छात्र एफ या एबी ग्रेड के साथ द्वितीय वर्ष का कोई कोर्स करता है तो उसे चतुर्थ वर्ष में पदोन्नत नहीं किया जा सकता है।

30.

- सिद्धांत/व्यावहारिक पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति की अनुमति केवल उन्हीं उम्मीदवारों को है जिन्हें



- पाठ्यक्रम में एफ या एबी प्राप्त हुआ है। पाठ्यक्रम दोहराने के लिए छात्र को निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा।
- (b) वैध कारणों के आधार पर, एक छात्र एक सेमेस्टर से हट सकता है। ऐसी स्थिति में सेमेस्टर को शून्य सेमेस्टर माना जाएगा।
- (c) शून्य सेमेस्टर के मामले में, छात्र को उस सेमेस्टर को पास करने तक अगले सेमेस्टर में पदोन्नत नहीं किया जाएगा। जब भी संबंधित विभाग द्वारा प्रस्ताव दिया जाए तो विभाग ऐसे छात्र को उस सेमेस्टर में दोबारा पंजीकरण करने की अनुमति दे सकता है। ऐसे मामलों में छात्र को दोबारा सेमेस्टर फीस का भुगतान करना होगा। यदि छात्र सेमेस्टर शुरू होने के एक माह के भीतर नाम वापस ले लेता है तो दोबारा सेमेस्टर शुल्क नहीं लिया जाएगा।
- (डी) व्यावहारिक पाठ्यक्रम जब भी पेश किया जाए, दोहराया जा सकता है।
31. मूल्यांकन फीडबैक प्रणाली के साथ आंतरिक होगा यानी, चिह्नित उत्तर पुस्तिकाएं छात्र को उसके अवलोकन के लिए दिखाई जाएंगी और परिणाम घोषित होने के छह महीने बाद शिक्षक द्वारा रिकॉर्ड के लिए वापस एकत्र की जाएंगी।
32. मूल्यांकन एवं ग्रेड के संबंध में शिक्षक का निर्णय अंतिम होगा। हालाँकि, एक छात्र अपने अंकों/ग्रेड की समीक्षा के लिए प्रमुख/निदेशक को लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है जो मामले को व्यापक मौखिक परीक्षा के बोर्ड के समक्ष रखेगा। बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा। समीक्षा का परिणाम संबंधित प्रमुख/निदेशक द्वारा घोषित किया जाएगा। ग्रेड में सुधार होने पर ही समीक्षा प्रभावी होती है। समीक्षा की अनुमति दी जाएगी यदि-
- (a) निर्धारित शुल्क का भुगतान किया जाता है
- (b) उम्मीदवार उस पाठ्यक्रम में ग्रेड की घोषणा के 7 दिनों के भीतर आवेदन करता है।
33. प्रैक्टिकल का मूल्यांकन लगातार किया जाएगा तथा प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में प्रैक्टिकल का मूल्यांकन दो परीक्षकों द्वारा किया जाएगा। प्रैक्टिकल में प्राप्त ग्रेड को ग्रेड-शीट में अलग से दर्शाया जाएगा।
- 34.
- (a) 3-6 क्रेडिट की निबंध/परियोजना रिपोर्ट/इंटर्नशिप का मूल्यांकन आम तौर पर आंतरिक पर्यवेक्षक द्वारा किया जाएगा, हालांकि, विभाग इसका मूल्यांकन आंतरिक पर्यवेक्षक और एक बाहरी विशेषज्ञ द्वारा करवा सकता है।
- (b) 12-18 क्रेडिट के शोध प्रबंध/प्रमुख परियोजना/इंटर्नशिप रिपोर्ट का मूल्यांकन कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले एक बाहरी परीक्षक द्वारा किया जाएगा, जो प्रमुख द्वारा सुझाए गए परीक्षकों के पैनल और पर्यवेक्षक शिक्षक/विभाग प्रमुख द्वारा नियुक्त परीक्षक में से होगा।
- 35.
- (a) कार्यक्रम के प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में चार परीक्षकों के एक बोर्ड द्वारा 4 वर्चुअल क्रेडिट की एक व्यापक मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिनमें से कम से कम एक बाहरी होगा। कुलपति विभागाध्यक्ष के परामर्श से बाह्य परीक्षक की नियुक्ति करेंगे। तीन से कोरम बनेगा। प्रमुख व्यापक

- मौखिक परीक्षा का समन्वय करेंगे। मौखिक परीक्षा में दिए गए ग्रेड को ग्रेड-शीट में अलग से दिखाया जाएगा।
- (b) यदि किसी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र हैं, तो आवश्यकता के अनुसार अधिक संख्या में बोर्ड का गठन किया जा सकता है। बोर्ड में एक आंतरिक और एक बाहरी सहित कम से कम दो विशेषज्ञ शामिल हो सकते हैं।
- (c) व्यापक मौखिक परीक्षा बोर्ड के बाहरी विशेषज्ञ एक अकादमिक ऑडिट भी करेंगे और सेमेस्टर में छात्रों द्वारा अर्जित समग्र ज्ञान, प्रश्न पत्रों के मानक, कवर किए गए पाठ्यक्रम, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में अंकन का आकलन करेंगे। इत्यादि और अपनी रिपोर्ट प्रमुख के माध्यम से कुलपति को प्रस्तुत करेगा।
- (d) कॉम्प्रिहेंसिव वाइवा-वॉयस बोर्ड के प्रत्येक परीक्षक को एक मानदेय का भुगतान किया जाएगा, जैसा कि समय-समय पर प्रबंधन बोर्ड द्वारा तय किया जा सकता है।
- 36.
- (a) प्रत्येक प्री-फाइनल सेमेस्टर में ग्रेड शीट दो प्रतियों में तैयार की जाएगी और कार्यक्रम समन्वयक और प्रमुख द्वारा हस्ताक्षरित की जाएगी। दोनों में से एक छात्र को जारी किया जाएगा और दूसरा विभाग के कार्यालय में रिकॉर्ड के रूप में रखा जाएगा।
- (b) अंतिम सेमेस्टर में ग्रेड शीट विभाग द्वारा तीन प्रतियों में तैयार की जाएगी। इन पर विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक, विभागाध्यक्ष और परीक्षा नियंत्रक के हस्ताक्षर होंगे। एक प्रति परीक्षा द्वारा रखी जाएगी। विश्वविद्यालय के अनुभाग, दूसरा छात्र को जारी किया जाएगा और तीसरा विभाग में रिकॉर्ड के लिए रखा जाएगा।
- (c) प्री-फाइनल और फाइनल सेमेस्टर के लिए ग्रेड शीट के सुझावात्मक प्रारूप अनुलग्नक-ए और अनुलग्नक-बी में प्रदान किए गए हैं। हालाँकि, कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार संबंधित स्कूल/संस्थान द्वारा मामूली बदलाव किए जा सकते हैं।
37. विभाग अपने परीक्षा व्यय का प्रबंधन अपनी संबंधित परीक्षा शुल्क की 90% की उपलब्ध आय के भीतर स्वयं करेंगे।
38. यदि इन नियमों की व्याख्या या इस अध्यादेश के प्रावधानों को प्रभावी करने के संबंध में कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो मामला कुलपति को भेजा जाएगा जिसका निर्णय अंतिम होगा।
39. अन्य शैक्षणिक मामलों में इसके अनुप्रयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए सीजीपीए को प्रतिशत में परिवर्तित करना इस प्रकार होगा:
- $$\text{समतुल्य प्रतिशत} = \text{CGPA} \times 10$$
- प्रतिशत को दशमलव के दूसरे बिंदु तक पूर्णांकित किया जाएगा।
40. इसमें दिए गए प्रावधान, यहां निर्धारित सीमा तक, विभागों में नियमित यूजी और पीजी कार्यक्रमों के लिए मौजूदा अध्यादेश/विनियमों का स्थान ले लेंगे।
41. वैधानिक निकायों द्वारा जारी दिशानिर्देश उदा. कार्यान्वयन के लिए समय-समय पर जारी

यूजीसी/एआईसीटीई/बीसीआई/एनसीटीई/पीसीआई को अपनाया जाएगा।

42. इस अध्यादेश के अंतर्गत नहीं आने वाले मामलों में विश्वविद्यालय के सामान्य नियम लागू होंगे।
43. यदि यूजीसी च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस)/एमओओसी को नियंत्रित करने वाले अपने विनियमों में भविष्य में कोई बदलाव अधिसूचित करता है, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रबंधन बोर्ड (बीओएम) के अनुमोदन से मौजूदा अध्यादेश में शामिल किया जाएगा।

## अध्यादेश क्रमांक 4

### नई शिक्षा नीति (2020): यूजी और पीजी डिग्री प्रोग्राम

यह अध्यादेश बीसीआई, पीसीआई, एनसीईटी, एआईसीटीई, एमसीआई और आईसीएआर द्वारा शासित/विनियमित/अनुमोदित कार्यक्रमों को छोड़कर सभी प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों पर लागू है।

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा जारी "उच्च शिक्षा संस्थानों में पेश किए जाने वाले शैक्षणिक कार्यक्रमों में एकाधिक प्रवेश और निकास के लिए दिशानिर्देश" के अनुसार)

1. इस अध्यादेश के प्रावधान शैक्षणिक सत्र 2024-25 से लागू होंगे।
2. इस अध्यादेश के प्रावधान तीन वर्षीय/छह सेमेस्टर स्नातक डिग्री या चार वर्षीय/आठ सेमेस्टर स्नातक डिग्री (ऑनर्स/रिसर्च) स्नातक कार्यक्रमों, संकायों के तहत अनुमोदित एक वर्षीय/दो वर्षीय मास्टर डिग्री कार्यक्रम पर लागू होंगे। सरकार के राजपत्र के माध्यम से अधिसूचित पत्रकारिता/जनसंचार/मीडिया, एटीएस/मानविकी/सामाजिक विज्ञान, व्यवसाय प्रशासन/वाणिज्य/प्रबंधन/वित्त, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, होटल प्रबंधन/आतिथ्य/पर्यटन/यात्रा, व्यावसायिक शिक्षा और विज्ञान छत्तीसगढ़ (क्रमांक 568 दिनांक 18 अक्टूबर 2023) और विश्वविद्यालय के परिनियम क्रमांक 17 में संदर्भित है।
3. इन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए नियम और दिशानिर्देश विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार बनाए जाएंगे।
4. जिन छात्रों ने माध्यमिक शिक्षा मंडल, छत्तीसगढ़, रायपुर से 12वीं कक्षा का स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र या राज्य सरकार/विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य बोर्ड से समकक्ष परीक्षा पूरी कर ली है, वे इन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।
5. प्रवेश संबंधित योग्यता परीक्षा के आधार पर गणना की गई योग्यता के आधार पर किया जाएगा।
6. किसी कार्यक्रम में छात्र नामांकन विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित सीटों तक ही सीमित होगा। किसी भी स्नातक कार्यक्रम को शुरू करने के लिए छात्रों की संख्या 60 होगी और स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए यह 40 होगी। मूल इकाई इकाई के गुणकों में होगी, जिसे सीजीपीयूआरसी को सूचित करते हुए प्रबंधन बोर्ड (BoM) द्वारा भी स्थापित किया जा सकता है।
7. यूजीसी और अन्य संबंधित वैधानिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी दिशानिर्देशों/मानदंडों के अनुसार विश्वविद्यालय/संस्थान द्वारा अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से प्रवेश क्षमता कम से कम तीन महीने पहले निर्धारित की जाएगी ताकि ऐसा किया जा सके। सभी संबंधितों की जानकारी के लिए प्रवेश विवरणिका में उपयुक्त रूप से शामिल किया गया है और संस्थागत वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

8. स्नातक कार्यक्रम (प्रथम डिग्री) के लिए प्रवेश पथ
- जिन छात्रों ने ग्रेड 12 स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, वे प्रथम-डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।
  - प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदंडों के आधार पर योग्यता के आधार पर किया जाएगा, इस संबंध में यूजीसी और अन्य वैधानिक निकायों द्वारा जारी दिशानिर्देशों/मानदंडों को ध्यान में रखते हुए और सरकार द्वारा जारी आरक्षण नीति को ध्यान में रखते हुए। समय-समय पर चिंतित रहते हैं।
- छात्र नामांकन छात्र-शिक्षक अनुपात, शिक्षण-गैर-शिक्षण कर्मचारी अनुपात, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, शिक्षण-शिक्षण उपकरण से संबंधित मानदंडों को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध शैक्षणिक और भौतिक सुविधाओं के अनुसार होगा।
- उपलब्ध शैक्षणिक और भौतिक सुविधाओं के आधार पर, एचईआई पहले डिग्री कार्यक्रम के दूसरे वर्ष / तीसरे वर्ष / चौथे वर्ष में पार्श्व प्रवेशकों के लिए सीटें निर्धारित कर सकता है, यदि छात्र ने (ए) सफलतापूर्वक पहला वर्ष पूरा कर लिया है / किसी भी संस्थान में उसी कार्यक्रम का दूसरा वर्ष / तीसरा वर्ष, या (बी) पहले ही सफलतापूर्वक प्रथम-डिग्री कार्यक्रम पूरा कर चुका है और किसी संबद्ध विषय में एक और प्रथम-डिग्री कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए इच्छुक और शैक्षणिक रूप से सक्षम है।
9. परिचालन विवरण-
- शैक्षणिक कार्यक्रमों में एकाधिक प्रवेश और निकास बिंदुओं को सक्षम करने के लिए, प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, डिग्री जैसी योग्यताओं को स्तर 5 से स्तर 10 तक बढ़ते क्रम में स्तरों की एक श्रृंखला में व्यवस्थित किया जाता है। स्तर 5 प्रमाण पत्र का प्रतिनिधित्व करता है और स्तर 10 अनुसंधान डिग्री का प्रतिनिधित्व करता है (तालिका) 1)। चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम में निम्नलिखित पाठ्यक्रम शामिल हो सकते हैं:
- अनुशासनात्मक/अंतःविषय प्रमुख (40-56 क्रेडिट)
  - अनुशासनात्मक/अंतःविषय लघु (20-28 क्रेडिट)
  - व्यावसायिक अध्ययन (12-18 क्रेडिट)
  - फील्ड प्रोजेक्ट/इंटरनशिप/अप्रेंटिसशिप/सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (24-32 क्रेडिट)।

योग्यता प्रकार और क्रेडिट आवश्यकताएँ तालिका के अनुसार होंगी। 1. स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश करने वाले छात्रों के लिए प्रवेश और निकास विकल्प इस प्रकार हैं:

### प्रथम वर्ष

**प्रविष्टि 1:** लेवल 5 में पहले सेमेस्टर के लिए प्रवेश की आवश्यकता सीजी बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, रायपुर से 12वीं कक्षा या राज्य सरकार/विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य बोर्ड से समकक्ष परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करना है। स्नातक की डिग्री के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अध्ययन का एक कार्यक्रम उन लोगों के लिए खुला

है जो प्रवेश आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

**निकास 1:** जब कोई छात्र वर्ष 1 (स्तर 5) के अंत में बाहर निकलता है तो एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। स्नातक कार्यक्रम का पहला वर्ष माध्यमिक शिक्षा पर आधारित होता है और स्नातक प्रमाणपत्र के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए स्नातक कार्यक्रम के पहले वर्ष के दौरान 36-40 क्रेडिट की आवश्यकता होती है।

#### दूसरा साल

**प्रवेश 2.** स्तर 6 के लिए प्रवेश आवश्यकता स्नातक कार्यक्रम के पहले वर्ष (दो सेमेस्टर) को पूरा करने के बाद प्राप्त प्रमाण पत्र है। स्नातक की डिग्री के दूसरे वर्ष के लिए अध्ययन का एक कार्यक्रम उन लोगों के लिए खुला है, जिन्होंने कार्यक्रम प्रवेश नियमों में निर्दिष्ट स्तर की प्राप्ति सहित प्रवेश आवश्यकताओं को पूरा किया है। अध्ययन के एक कार्यक्रम में प्रवेश आवेदक की स्नातक डिग्री कार्यक्रम शुरू करने और पूरा करने की क्षमता के दस्तावेजी साक्ष्य (शैक्षणिक रिकॉर्ड सहित) के मूल्यांकन पर आधारित है।

**निकास 2:** दूसरे वर्ष के अंत में, यदि कोई छात्र बाहर निकलता है, तो एक डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा (स्तर 6)। एक डिप्लोमा के लिए स्तर 5 से 6 तक 72-80 क्रेडिट की आवश्यकता होती है, स्तर 6 पर 36-40 क्रेडिट की आवश्यकता होती है।

#### तीसरा वर्ष

**प्रवेश 3.** स्तर 7 के लिए प्रवेश आवश्यकता स्नातक कार्यक्रम के दो साल (चार सेमेस्टर) पूरे करने के बाद प्राप्त डिप्लोमा है। स्नातक की डिग्री के लिए अध्ययन का एक कार्यक्रम उन लोगों के लिए खुला है, जिन्होंने कार्यक्रम प्रवेश नियमों में निर्दिष्ट स्तर की प्राप्ति सहित प्रवेश आवश्यकताओं को पूरा किया है। अध्ययन के एक कार्यक्रम में प्रवेश आवेदक की स्नातक डिग्री कार्यक्रम शुरू करने और पूरा करने की क्षमता के दस्तावेजी साक्ष्य (शैक्षणिक रिकॉर्ड सहित) के मूल्यांकन पर आधारित है।

**निकास 3:** तीन वर्षों के सफल समापन पर, संबंधित डिग्री प्रदान की जाएगी (स्तर 7)। स्नातक की डिग्री के लिए स्तर 5 से 7 तक 108-120 क्रेडिट की आवश्यकता होती है, स्तर 5 पर 36-40 क्रेडिट, स्तर 6 पर 36-40 क्रेडिट और स्तर 7 पर 36-40 क्रेडिट की आवश्यकता होती है।

#### चौथा वर्ष

**प्रवेश 4.** सीखने के एक निर्दिष्ट क्षेत्र में स्नातक की डिग्री (ऑनर्स/रिसर्च) (स्तर 8) में प्रवेश चाहने वाले व्यक्ति ने सामान्य रूप से प्रासंगिक तीन वर्षीय स्नातक डिग्री (स्तर 7) की सभी आवश्यकताओं को पूरा किया होगा। तीन साल की स्नातक डिग्री की आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद, जो उम्मीदवार न्यूनतम सीजीपीए 7.5 को पूरा करते हैं, उन्हें अनुसंधान के साथ स्नातक की डिग्री हासिल करने और पूरा करने के लिए स्नातक कार्यक्रम के चौथे वर्ष में पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दी जाएगी।

**निकास 4:** चौथे वर्ष के सफल समापन पर, एक छात्र को डिग्री (ऑनर्स/रिसर्च) से सम्मानित किया जाएगा। बैचलर डिग्री (ऑनर्स/रिसर्च) के लिए लेवल 5 से 8 तक कुल 144-160 क्रेडिट की आवश्यकता होती है, लेवल 5 पर 36-40 क्रेडिट, लेवल 6 पर 36-40 क्रेडिट, और लेवल 7 पर 36-40 क्रेडिट और 36 क्रेडिट की आवश्यकता होती है। स्तर 8 पर -40 क्रेडिट।

## 10. मास्टर कार्यक्रम

स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए प्रवेश पथ:

छात्रों को दो साल के कार्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा, दूसरा वर्ष पूरी तरह से उन लोगों के लिए अनुसंधान के लिए समर्पित होगा जिन्होंने तीन साल का स्नातक कार्यक्रम पूरा कर लिया है।

- (a) जिन छात्रों ने ऑनर्स/रिसर्च के साथ चार साल का बैचलर प्रोग्राम पूरा कर लिया है, उन्हें एक साल के मास्टर प्रोग्राम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (b) एक एकीकृत पांच वर्षीय स्नातक/परास्नातक कार्यक्रम हो सकता है।

**प्रविष्टि 5:** स्तर 9 के लिए प्रवेश आवश्यकता है

- (a) एक वर्षीय/दो-सेमेस्टर मास्टर डिग्री कार्यक्रम के लिए स्नातक डिग्री (ऑनर्स/रिसर्च)।
- (b) दो-वर्षीय/चार-सेमेस्टर मास्टर डिग्री कार्यक्रम के लिए स्नातक की डिग्री।
- (c) एक वर्षीय/दो-सेमेस्टर स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए स्नातक की डिग्री।

मास्टर डिग्री और पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा के लिए अध्ययन का एक कार्यक्रम उन लोगों के लिए खुला है जिन्होंने प्रवेश आवश्यकताओं को पूरा किया है, जिसमें कार्यक्रम प्रवेश नियमों में निर्दिष्ट उपलब्धि के स्तर को प्राप्त करना भी शामिल है। अध्ययन के एक कार्यक्रम में प्रवेश आवेदक की जांच के विशेषज्ञ क्षेत्र में स्नातकोत्तर अध्ययन करने की क्षमता के दस्तावेजी साक्ष्य (शैक्षणिक रिकॉर्ड सहित) के मूल्यांकन पर आधारित है।

**निकास 5:** स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए, दो-वर्षीय मास्टर कार्यक्रम में शामिल होने वालों के लिए केवल एक निकास बिंदु होगा, अर्थात्, मास्टर कार्यक्रम के पहले वर्ष के अंत में। प्रथम वर्ष के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया जाएगा।

## 11. क्रेडिट आवश्यकताएँ

- (a) एक साल/दो सेमेस्टर का मास्टर डिग्री कार्यक्रम ऑनर्स/रिसर्च के साथ स्नातक की डिग्री पर आधारित है और ऑनर्स/रिसर्च के साथ स्नातक की डिग्री पूरी करने वाले व्यक्तियों के लिए 36-40 क्रेडिट की आवश्यकता होती है।
- (b) दो-वर्षीय/चार-सेमेस्टर मास्टर डिग्री कार्यक्रम स्नातक की डिग्री पर आधारित है और कार्यक्रम के दोनों वर्षों में कुल 72-80 क्रेडिट की आवश्यकता होती है, पहले वर्ष में 36-40 क्रेडिट और दूसरे वर्ष में 36-40 क्रेडिट की आवश्यकता होती है। दूसरे वर्ष के साथ, स्तर 9 पर कार्यक्रम का दूसरा वर्ष।
- (सी) एक साल/दो सेमेस्टर का स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम स्नातक की डिग्री पर आधारित है और स्नातक की डिग्री पूरी करने वाले व्यक्तियों के लिए 36-40 क्रेडिट की आवश्यकता होती है। एक छात्र को केवल विषम सेमेस्टर में प्रवेश/पुनः प्रवेश की अनुमति दी जाएगी और केवल सम सेमेस्टर के बाद ही बाहर निकल सकता है। शैक्षणिक कार्यक्रमों में पार्श्व प्रवेशकों के रूप में विभिन्न स्तरों पर पुनः प्रवेश अर्जित क्रेडिट और दक्षता परीक्षण रिकॉर्ड के आधार पर होना चाहिए।

अर्जित क्रेडिट की वैधता अधिकतम सात वर्ष की अवधि के लिए या एबीसी द्वारा निर्दिष्ट अनुसार होगी। अर्जित क्रेडिट को जमा करने की प्रक्रिया, इसकी शेल्फ लाइफ, क्रेडिट का मोचन, यूजीसी (उच्च शिक्षा में अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) योजना की स्थापना और संचालन) विनियम, 2021 के अनुसार होगा।

एन.बी. सभी स्नातक और मास्टर डिग्री कार्यक्रमों के लिए, एक समूह/विषय को मेजर/माइनर/जेनेरिक ऐच्छिक के रूप में चुना जाएगा, पात्रता और क्रेडिट आवश्यकताएं तालिका 1 में दी गई हैं।

**तालिका-1: योग्यता प्रकार और क्रेडिट आवश्यकताएँ तालिका**

Levels	Qualification title	Credit Requirements
Level 5	Undergraduate Certificate (in the field of learning/discipline) for those who exit after the first year (two semesters) of the undergraduate programme. (Programme duration: first year or two semesters of the undergraduate programme)	36-40
Level 6	Undergraduate Diploma (in the field of learning/discipline) for those who exit after two years (four semesters) of the undergraduate programme (Programme duration: First two years or four semesters of the undergraduate programme)	72-80
Level 7	Bachelor' Degree (Programme duration: Three years or six semesters).	108-120
Level 8	Bachelor' Degree (Honours/ Research) (Programme duration: Four years or eight semesters).	144-160
Level 8	Post-Graduate Diploma for those who exit after the successful completion of the first year or two semesters of the two-year Master's degree programme). (Programme duration: One year or two semesters)	36-40
Level 9	Master's Degree (Programme duration: Two years or four semesters after obtaining a Bachelor's degree).	72-80
Level 9	Master's Degree (Programme duration: One year or two semesters after obtaining a four-year Bachelor's Degree (Honours/ Research).	36-40
Level 10	Doctoral Degree	Minimum prescribed credits for course work and a thesis with published work.



क्रेडिट विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाएंगे क्रेडिट की गणना निम्नानुसार की जा सकती है:

- (a) 15 सप्ताह तक प्रति सप्ताह एक घंटे का सिद्धांत या एक घंटे का ट्यूटोरियल या दो घंटे का प्रयोगशाला कार्य जिसके परिणामस्वरूप एक क्रेडिट दिया जाएगा।
  - (b) इंटरनशिप के लिए क्रेडिट प्रशिक्षण के प्रति सप्ताह एक क्रेडिट होगा। एक सेमेस्टर में अधिकतम छह क्रेडिट में विषय।
12. स्नातक डिग्री कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि तीन शैक्षणिक वर्ष/छह सेमेस्टर की होगी, जबकि ऑनर्स/अनुसंधान की ओर ले जाने वाली स्नातक डिग्री की न्यूनतम अवधि चार शैक्षणिक वर्ष/आठ सेमेस्टर की होगी।
- (a) जो छात्र कार्यक्रम के बीच में कभी भी कार्यक्रम छोड़ देता है, उसके पास अब तक अर्जित क्रेडिट बरकरार रहेंगे, जिसे उसके दोबारा कार्यक्रम में प्रवेश करने पर बहाल/स्थानांतरित कर दिया जाएगा।
  - (b) नियमित छात्रों के लिए स्नातक डिग्री और स्नातक डिग्री (ऑनर्स/रिसर्च) कार्यक्रम को पूरा करने की अधिकतम अवधि क्रमशः 6 और 8 वर्ष होगी।
13. कार्यक्रमों के प्रकार
- खंड 10 में निर्दिष्ट प्रत्येक विषय/श्रेणी (1) से (5) में कार्यक्रम शामिल होंगे। कार्यक्रम शिक्षा और/या प्रशिक्षण की बुनियादी इकाइयाँ हैं। कार्यक्रमों के प्रकार, इस प्रकार होगा:
- (a) कोर कार्यक्रम: ऐसे कार्यक्रम जिन्हें कार्यक्रम की मुख्य आवश्यकता के रूप में छात्र द्वारा अनिवार्य रूप से अध्ययन किया जाएगा।
  - (b) वैकल्पिक कार्यक्रम: आम तौर पर, एक कार्यक्रम जिसे छात्र कार्यक्रमों के एक समूह से चुन सकता है, जो विशिष्ट या विशिष्ट या उन्नत या अध्ययन के अनुशासन/विषय के लिए सहायक है या जो एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है या जो कुछ के प्रदर्शन को सक्षम बनाता है। उम्मीदवार की दक्षता या कौशल को पोषित करने के लिए अन्य अनुशासन/विषय/क्षेत्र को वैकल्पिक कार्यक्रम कहा जाता है।
  - (c) अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) कार्यक्रम: मुख्य अनुशासन/अध्ययन के विषय से प्रस्तावित वैकल्पिक कार्यक्रमों को अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक कहा जाता है, विश्वविद्यालय अंतःविषय प्रकृति के अनुशासन से संबंधित वैकल्पिक कार्यक्रम भी पेश कर सकता है (व्यक्ति अनुशासन/अध्ययन के विषय द्वारा पेश किया जाएगा)
  - (d) शोध प्रबंध/परियोजना विशेष/उन्नत ज्ञान प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक वैकल्पिक कार्यक्रम, जैसे किसी परियोजना कार्य के लिए पूरक अध्ययन/समर्थन अध्ययन, और एक छात्र शिक्षक/संकाय सदस्य के सलाहकार समर्थन के साथ स्वतंत्र रूप से ऐसे कार्यक्रम का अध्ययन करता है, जिसे शोध प्रबंध/कहा जाता है। परियोजना यह एक विशेष कार्यक्रम पर विचार करती है जिसमें ऑनर्स/अनुसंधान के साथ स्नातक की डिग्री के लिए वास्तविक जीवन की स्थिति/कठिन समस्या को हल करने/विश्लेषण/खोजने में ज्ञान का अनुप्रयोग शामिल है। एक परियोजना/शोध

प्रबंध कार्य क्रेडिट का होगा, जैसा कि सक्षम निकाय द्वारा तय किया गया है। विद्यार्थी यह कार्य किसी संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में करेगा।

- (e) जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) कार्यक्रम  
अन्य क्षेत्रों में अनुभव प्राप्त करने के लिए आम तौर पर एक असंबंधित अनुशासन/विषय से चुना गया एक वैकल्पिक कार्यक्रम जेनेरिक वैकल्पिक कार्यक्रम कहलाता है।
- (f) क्षमता संवर्धन कार्यक्रम (एईसी):  
योग्यता संवर्धन कार्यक्रम (एईसी) दो प्रकार के होते हैं
  - (i) योग्यता संवर्धन अनिवार्य कार्यक्रम (एईसीसी)
  - (ii) कौशल संवर्धन कार्यक्रम (एसआरसी) या व्यावसायिक कार्यक्रम
  - (iii) "एईसीसी" कार्यक्रम ऐसी सामग्री पर आधारित कार्यक्रम हैं जो ज्ञान वृद्धि की ओर ले जाते हैं, जैसे कि,
  - (iv) पर्यावरण शिक्षा
  - (v) अंग्रेजी/हिन्दी संचार सभी विषयों के लिए अनिवार्य है। एसईसी कार्यक्रम मूल्य-आधारित/कौशल-आधारित है और इसे प्रमुख विषय के कौशल के लिए भी डिज़ाइन किया जा सकता है, इनका उद्देश्य हाथों-हाथ दक्षता, कौशल आदि बढ़ाना है।

(g) किसी विशिष्ट कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम का निर्णय विश्वविद्यालय के संबंधित बोर्ड ऑफ स्टडीज द्वारा एलओसीएफ के तहत यूजीसी द्वारा जारी पाठ्यक्रम के आधार पर अधिकतम 20% विचलन के साथ किया जाएगा।

#### 14. स्नातक कार्यक्रम की संरचना: सेमेस्टर प्रणाली

- (a) प्रथम सेमेस्टर:  
एक छात्र को पहला सेमेस्टर सफलतापूर्वक पूरा करने वाला घोषित किया जाएगा यदि वह प्रमुख विषय के कोर प्रोग्राम में 6 क्रेडिट, छोटे विषय के कोर प्रोग्राम में 6 क्रेडिट, जेनेरिक इलेक्टिव में 4 क्रेडिट और क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में 4 क्रेडिट प्राप्त करता है। (एईसी)
- (b) दूसरा सेमेस्टर (स्तर 5):  
एक छात्र को यह घोषित किया जाएगा कि उसने दूसरे सेमेस्टर को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, उसने प्रमुख विषय के कोर प्रोग्राम में 6 क्रेडिट, छोटे विषय के कोर प्रोग्राम में 6 क्रेडिट, जेनेरिक इलेक्टिव में 4 क्रेडिट और क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में 4 क्रेडिट प्राप्त किए हैं। (एईसी)  
यदि छात्र संबंधित बोर्ड ऑफ स्टडीज द्वारा निर्धारित पूर्व-आवश्यकताओं को पूरा करता है तो वह अपने प्रमुख, छोटे विषयों और सामान्य वैकल्पिक विषय का चयन कर सकता है। विज्ञान के साथ 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाला छात्र प्रमुख और छोटे विषयों के साथ लेवल 5 में प्रवेश ले सकता है। विज्ञान/कला/वाणिज्य संकाय से कक्षा 12 उत्तीर्ण करने वाला छात्र वाणिज्य/कला संकाय से प्रमुख और लघु विषय ले सकता है, जबकि कला संकाय से कक्षा 12 उत्तीर्ण करने वाला छात्र कला संकाय से केवल प्रमुख और लघु विषय चुन सकता है। एक ही संकाय से संबंधित होगा (जिसे मुख्य संकाय कहा जाएगा), जबकि सामान्य वैकल्पिक विषयों को किसी भी संकाय से

चुना जा सकता है, हालांकि, विकल्पों का आवंटन प्रवेश दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अधीन होगा।

(c) तीसरा सेमेस्टर:

एक छात्र को यह घोषित किया जाएगा कि उसने तीसरे सेमेस्टर को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, उसने प्रमुख विषय के कोर प्रोग्राम में 6 क्रेडिट, छोटे विषय के केयर प्रोग्राम में 6 क्रेडिट और जेनेरिक इलेक्टिव में क्रेडिट और कौशल संवर्धन कार्यक्रम एसईसी में 4 क्रेडिट प्राप्त किए हैं।)/ व्यावसायिक कार्यक्रम।

(d) चौथा सेमेस्टर (स्तर 6):

एक छात्र को चौथे सेमेस्टर को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए घोषित किया जाएगा, जिसमें से उसने प्रमुख विषय के कोर प्रोग्राम में 6 क्रेडिट, छोटे विषय के केयर प्रोग्राम में 6 क्रेडिट, और जेनेरिक इलेक्टिव में क्रेडिट और कौशल संवर्धन कार्यक्रम में 4 क्रेडिट प्राप्त किए हैं। (एसईसी) व्यावसायिक कार्यक्रम।

छात्र को स्तर 6 में प्रवेश के समय प्रमुख और लघु विषयों को बदलने का एक ही मौका दिया जाएगा, हालांकि, ऐसे मामलों में, प्रमुख कार्यक्रम के लिए निर्धारित क्रेडिट की न्यूनतम आवश्यकता को पूरा करने के लिए अतिरिक्त क्रेडिट अर्जित करना छात्रों की जिम्मेदारी होगी। ऐसे क्रेडिट की पूर्ति के बाद ही वह अंडर ग्रेजुएट डिप्लोमा या अंडर ग्रेजुएट डिग्री हासिल करने का हकदार होगा

(e) पांचवां सेमेस्टर:

एक छात्र को पांचवें सेमेस्टर को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए घोषित किया जाएगा, यदि उसे प्रमुख विषय के मुख्य कार्यक्रमों में क्रेडिट, कौशल संवर्धन कार्यक्रम (एसईसी) / व्यावसायिक कार्यक्रम में 4 क्रेडिट, अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक (डीएसई) में 4 क्रेडिट की आवश्यकता होती है। प्रमुख विषय के और फील्ड प्रोजेक्ट्स/इंटरनशिप/अप्रेंटिसशिप/सामुदायिक जुड़ाव और सेवाओं में 6 क्रेडिट, अधिमानतः प्रमुख और/या छोटे विषयों से संबंधित

(f) छठा सेमेस्टर (स्तर 7):

एक छात्र को छठे सेमेस्टर को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए घोषित किया जाएगा, यदि उसे प्रमुख विषय के मुख्य कार्यक्रमों में 6 क्रेडिट, प्रमुख विषय के अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक (डीएसई) में 8 क्रेडिट और फील्ड प्रोजेक्ट्स इंटरनशिप / अप्रेंटिसशिप में 6 क्रेडिट की आवश्यकता है। / सामुदायिक सहभागिता और सेवाएँ, अधिमानतः प्रमुख और/या छोटे विषयों से संबंधित

(g) सातवां सेमेस्टर:

ऑनर्स/रिसर्च के साथ स्नातक

एक छात्र को सातवें सेमेस्टर को सम्मान के साथ सफलतापूर्वक पूरा करने वाला घोषित किया जाएगा, यदि वह प्रमुख विषय के मुख्य कार्यक्रमों में 6 क्रेडिट, अनुसंधान पद्धति में 4 क्रेडिट, प्रमुख विषय के अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) में 4 क्रेडिट प्राप्त करता है। और प्रमुख

विषय से संबंधित फील्ड प्रोजेक्ट इंटरनशिप/अप्रेंटिसशिप में 6 क्रेडिट, एक छात्र को शोध के साथ सातवें सेमेस्टर को सफलतापूर्वक पूरा करने वाला घोषित किया जाएगा, यदि वह प्रमुख विषय के मुख्य कार्यक्रमों में 6 क्रेडिट, अनुसंधान पद्धति में 4 क्रेडिट प्राप्त करता है। प्रमुख विषयों के अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) में 4 क्रेडिट, और अनुसंधान परियोजना में 6 क्रेडिट।

(h) आठवां सेमेस्टर (स्तर 8):

ऑनर्स/रिसर्च के साथ स्नातक

एक छात्र को आठवें सेमेस्टर को सम्मान के साथ सफलतापूर्वक पूरा करने वाला घोषित किया जाएगा, यदि उसे प्रमुख विषय के मुख्य कार्यक्रमों में 6 क्रेडिट, शोध प्रबंध में 4 क्रेडिट और प्रमुख विषय से संबंधित फील्ड प्रोजेक्ट/इंटरनशिप/प्रशिक्षुता में 10 क्रेडिट की आवश्यकता है।

एक छात्र को आठवें सेमेस्टर और शोध को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए घोषित किया जाएगा, यदि उसे प्रमुख विषय के मुख्य कार्यक्रमों में 6 क्रेडिट, माइनर में 4 क्रेडिट और अनुसंधान परियोजना में 10 क्रेडिट की आवश्यकता है।

डिग्रियों का नामकरण यूजीसी के अधिनियम/विनियमों/दिशानिर्देशों के प्रासंगिक प्रावधानों के सख्ती से अनुरूप होगा।

(i) अतिरिक्त कार्यक्रम

लघु विषय, सामान्य वैकल्पिक और कौशल वृद्धि कार्यक्रम/व्यावसायिक कार्यक्रमों की श्रेणियों में, एक छात्र पंजीकरण और परीक्षा के लिए देय शुल्क का भुगतान करने के बाद 3-वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम के प्रति वर्ष 6 क्रेडिट तक अर्जित कर सकता है।

(j) एक छात्र स्नातक डिग्री प्रोग्राम शोध प्रबंध के प्रत्येक वर्ष में सामान्य वैकल्पिक विषय को बदल सकता है, और मुख्य विषय से संबंधित फील्ड प्रोजेक्ट/इंटरनशिप/प्रशिक्षुता में 10 क्रेडिट बदल सकता है।

(k) तालिका -2: स्नातक कार्यक्रम के लिए प्रस्तावित संरचना: विश्वविद्यालय के लिए  
यूजीसी सीबीसीएस प्रणाली

			Main Faculty  (as per ..... .....)				Any Faculty	Skill Enhancem ent Program me (SEC)	Ability Enhancem ent Program me (AEC)	Field projects/ internship/ apprentices hip/ community engagement and service	Credits	Qualificati on  (Credit requireme nt
			Subject I									
Lev el		Semes ter	Major			Minor	Generic	Vocational Programm e		Inter/Intra Faculty		
			Core	DSE			Elective Program me					
Lev el 5		1	1  (6 Credit s)			1  (6 Credit s)	1  (4 Credits)		1  (4 Credits)		6+6+4+4 =20	(40)  Undergrad uate  Certificate

		2	1 (6 Credit s)		1 (6 Credit s)	1 (4 Credits)		1 (4 Credits)		6+6+4+4 =20	in Main Faculty
Level 6		3	1 (6 Credit s)		1 (6 Credit s)	1 (4 Credits)	1 (4 Credits)			6+6+4+4 =20	(80) Undergrad uate
		4	1 (6 Credit s)		1 (6 Credit s)	1 (4 Credits)	1 (4 Credits)			6+6+4+4 =20	Certificate in Main Faculty
Level 7		5	1 (6 Credit s)	1 (4 Credit )			1 (4 Credits)		1 Field projects/ internship/ apprenticesh ip (6 Credits)	6+6+4+4 =20	(120) Bachelor Degree in Main Faculty
		6	1 (6 Credit s)	1 (4 Credit s) + (4 Credit )					1 Field projects/ internship/ apprenticesh ip (6 Credits)	6+6+4+4 =20	
Level 8		7	1 (6 Credit s)	1 (4 Credit )	1 Resear ch Meth ology (4 Credit s)				1 Field projects/ internship/ apprenticesh ip or Research Project (6 Credits)	6+6+4+4 =20	(160) Bachelor Degree (Honors) in Main Faculty
		8	1 (6 Credit s)		1 (4 Credit s)				1 Field projects/ internship/ apprenticesh ip or Research Project (10 Credits)	6+6+4+4 =20	Bachelor Degree (Research) in Main Faculty
Total			48 Credi ts	16 Credi ts	32 Credi ts	16 Credits	12 Credits	08 Credits	28 Credits	160 Credits	

## 15. एमओओसी कार्यक्रमों का चयन करने का विकल्प:

- (a) विश्वविद्यालय ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से एक सेमेस्टर में किसी विशेष कार्यक्रम में दिए जाने वाले कुल क्रेडिट का 40% तक की अनुमति दे सकता है। क्रेडिट ट्रांसफर के लिए SWAYAM प्लेटफॉर्म या केंद्र सरकार या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य MOOC प्लेटफॉर्म के तहत प्रदान किया गया।
- (b) छात्रों के पास विश्वविद्यालय के भीतर अन्य राज्य विश्वविद्यालयों में उपलब्ध कार्यक्रमों में से वैकल्पिक-सामान्य/कौशल संवर्धन कार्यक्रमों का विकल्प होगा, लेकिन कार्यक्रमों के समान स्तर से कार्यक्रमों को चुनने के लिए छात्रों के पास एक वैकल्पिक विकल्प भी उपलब्ध होगा। विश्वविद्यालय की अनुमति से SWAYAM (स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स) प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध मैसिव ओपन ऑनलाइन प्रोग्राम (MOOCs) से।
- (c) विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों में सुधार के आधार पर कार्यक्रम में चुनावी-सामान्य कार्यक्रम पेश करेगा। कार्यक्रम में सीटों की संख्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं पर निर्भर करेगी।
- (d) छात्र स्वयं मंच पर उपलब्ध मैसिव ओपन ऑनलाइन प्रोग्राम (एमओओसी) में से प्रमुख विषय के डीएसई के तहत एक कार्यक्रम का विकल्प भी चुन सकते हैं।
- (e) विश्वविद्यालय स्वयं के ऑनलाइन कार्यक्रमों को अनुमति देने का निर्णय लेगा यदि –
  - (i) SWAYAM पर पेश किए गए कार्यक्रम संस्थान में शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया के पूरक होंगे।
  - (ii) SWAYAM प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कार्यक्रम को चुनने वाले प्रत्येक छात्र को SWAYAM पर कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करना आवश्यक होगा। यदि आवश्यक हो, तो छात्र कार्यक्रम को पंजीकृत करने के लिए SWAYAM को निर्धारित शुल्क का भुगतान करेगा।
  - (iii) SWAYAM द्वारा प्रस्तावित ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रमों की अनुमति देते समय, मुझे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक भौतिक सुविधाएं जैसे प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर सुविधाएं और पुस्तकालय आदि विश्वविद्यालय द्वारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए जाएंगे। पूरे कार्यक्रम में छात्रों का मार्गदर्शन करने और प्रयोगशाला/व्यावहारिक सत्र/परीक्षाओं को सुविधाजनक/संचालित करने के लिए एक कार्यक्रम समन्वयक/सुविधाकर्ता को नामित करें।
  - (iv) संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित परियोजना/शोध प्रबंध की आवश्यकता को निर्दिष्ट क्रेडिट के लिए उम्मीदवार द्वारा पूरा किया जाना चाहिए। परियोजना को किसी भी राष्ट्रीय और राज्य प्रयोगशालाओं/प्रशिक्षक कंपनियों/उद्योगों में अनुमोदन के साथ शुरू किया जा सकता है। विश्वविद्यालय।

## 16. उपस्थिति की आवश्यकता सामान्य रूप से परीक्षाओं को नियंत्रित करने वाले विश्वविद्यालय के अध्यादेश के अनुसार होगी, सेमेस्टर अंत परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक कार्यक्रम में सिद्धांत व्याख्यान और

व्यावहारिक में कम से कम पचहत्तर प्रतिशत की उपस्थिति की आवश्यकता होगी।

लंबी बीमारी जैसे विशेष पाठों के लिए उपस्थिति के प्रतिशत में कमी, प्रत्येक कार्यक्रम में दिए गए व्याख्यानों और आयोजित व्यावहारिक/सत्रों की कुल संख्या के पंद्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए, जिसका संचालन कुलपति द्वारा किया जा सकता है।

17. परीक्षा एवं मूल्यांकन:

- (a) आम तौर पर, प्रत्येक कार्यक्रम एक परीक्षा पेपर के अनुरूप होगा जिसमें बाहरी और आंतरिक मूल्यांकन शामिल होंगे। मेजर, मैजर, जेनेटिक और डीएसई के लिए सेमेस्टर एंड थ्योरी परीक्षाएं 3 घंटे की होंगी जबकि वोकेशनल (एसएससी) और एबिलिटी एनहांसमेंट प्रोग्राम (ईसी) के लिए होंगी। 2 घंटे की अवधि सिद्धांत/प्राैक्टिकल/ट्यूटोरियल, आंतरिक, बाहरी परीक्षाओं के लिए क्रेडिट संरचना और एक परीक्षा के लिए कुल अंक तालिका 3 में खंड 16 15 में दिखाए गए हैं।
- (b) बाहरी परीक्षा के प्रश्न पत्र में अधिमानतः लंबे उत्तर, लघु उत्तर और वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न होने चाहिए। छात्र का निरंतर मूल्यांकन प्रत्येक सेमेस्टर में 20 अंकों के तीन परीक्षण आयोजित करके तीन बिंदुओं पर किया जाएगा। दो लिखित परीक्षाएँ होनी चाहिए और तीसरी सैद्धांतिक कार्यक्रमों के लिए लिखित परीक्षा क्विज/सेमिनार/असाइनमेंट हो सकती है। तीन में से सर्वश्रेष्ठ दो परीक्षणों में प्राप्त अंक छात्र को प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक छात्र को कम से कम दो परीक्षण और अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होना होगा, जिसे पूरा करने पर छात्र को प्रयोगशाला/क्षेत्र के मामले में उस कार्यक्रम में एबी ग्रेड से सम्मानित किया जाएगा। /प्रोजेक्ट कार्य आधारित कार्यक्रम, प्राैक्टिकल रिकॉर्ड/प्रोजेक्ट रिपोर्ट, प्राैक्टिकल सेमेस्टर अंतिम परीक्षा, मौखिक परीक्षा के लिए अंकों का उचित वितरण, यदि आंतरिक मूल्यांकन के मामले में विश्वविद्यालय द्वारा कोई निर्णय लिया जाता है, तो विश्वविद्यालय अपने मूल्यांकन को वितरित और डिजाइन करेगा ताकि कम से कम एक सेमेस्टर में दो परीक्षण आयोजित किए जाते हैं।
- (c) विश्वविद्यालय यूजीसी द्वारा प्रकाशित "उच्च शैक्षणिक संस्थानों में मूल्यांकन सुधार, 2019" के मद्देनजर संबंधित अकादमिक परिषद से उचित अनुमोदन के साथ आंतरिक मूल्यांकन के अपने तरीके को डिजाइन कर सकता है।
- (d) सेमेस्टर-अंत परीक्षा में प्राप्त कुल अंक और निरंतर मूल्यांकन को कार्यक्रम में ग्रेड देने के लिए विचार किया जाएगा जैसा कि 16.5 में बताया गया है।
- (e) ग्रेडिंग नीचे बताए अनुसार 10-बिंदु पैमाने पर की जाएगी:

Letter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	90-100
A+	9	Excellent	80-89
A	8	Very good	70-79
B+	7	Good	60-69
B	6	Above Average	50-59
C	5	Average	40-49
P	4	Pass	35-39
F	0	Fail	0-34
Ab	0	Absent	Absent

- (f) यदि कार्यक्रम के वैधानिक निकाय न्यूनतम उत्तीर्ण प्रतिशत अंकों के संबंध में दिशानिर्देश जारी करते हैं, तो ग्रेडिंग निम्नलिखित तरीके से की जाएगी यदि किसी कार्यक्रम में छात्र द्वारा प्राप्त अंक न्यूनतम प्रतिशत अंकों से कम हैं, तो एफ ग्रेस प्रदान किया जाएगा अन्यथा, ग्रेड उपर्युक्त तालिका के अनुसार प्रदान किए जाएंगे।
- (g) यदि कोई छात्र किसी कार्यक्रम में एफ या एबी ग्रेड प्राप्त करता है, तो उसे कार्यक्रम में असफल माना जाएगा, उसे उस कार्यक्रम की परीक्षाओं में फिर से शामिल होना होगा जैसा कि उसने आयोजित किया था। विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त अंकों को आगे अर्जित किया जा सकता है और निरंतर मूल्यांकन अर्जित किया जा सकता है और दोहराए जाने वाले कार्यक्रम में ग्रेड तय करने के लिए सेमेस्टर-अंत परीक्षा में प्राप्त अंकों में जोड़ा जा सकता है।
- (h) यदि छात्र एक सेमेस्टर में कुल क्रेडिट का कम से कम आधा हिस्सा हासिल कर लेता है तो उसे अगले सेमेस्टर में पदोन्नत कर दिया जाएगा। यदि छात्र किसी सेमेस्टर में कुल क्रेडिट के आधे से कम अंक प्राप्त करता है, तो छात्र को उस सेमेस्टर में असफल घोषित कर दिया जाएगा और उसे पूरा सेमेस्टर दोहराने के लिए कहा जाएगा और उस सेमेस्टर को शून्य सेमेस्टर माना जाएगा। ऐसे में छात्र को अगले सेमेस्टर में प्रमोट नहीं किया जाएगा।
- (i) यदि कोई छात्र किसी सेमेस्टर में प्रस्तावित सभी कार्यक्रमों में उत्तीर्ण होता है, तो उसे उस सेमेस्टर में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा। यदि कोई छात्र किसी सेमेस्टर में कुल क्रेडिट का कम से कम आधा हिस्सा हासिल करता है और उस सेमेस्टर में पेश किए गए कुछ कार्यक्रमों में असफल हो जाता है, तो उसे उन कार्यक्रमों में एटीकेटी (टर्म रखने की अनुमति) के साथ अगले सेमेस्टर में



अस्थायी रूप से पदोन्नत किया जाएगा। वह असफल हो जाती है।

यदि छात्र अगली एटीकेटी परीक्षा में सभी कार्यक्रमों को उत्तीर्ण करने में विफल रहता है, तो अनंतिम पदोन्नति समाप्त कर दी जाएगी, लेकिन उसे असफल कार्यक्रमों को उत्तीर्ण करने का दूसरा मौका दिया जाएगा। यदि छात्र उपरोक्त दूसरे अवसर के बाद भी संबंधित सेमेस्टर को सफलतापूर्वक पूरा नहीं करता है, तो उसे उस सेमेस्टर में असफल माना जाएगा और पूरे सेमेस्टर को दोहराने के लिए कहा जाएगा और उस सेमेस्टर को शून्य सेमेस्टर माना जाएगा।

- (j) किसी सिद्धांत/व्यावहारिक कार्यक्रम को दोहराने की अनुमति केवल उन्हीं उम्मीदवारों को दी जाती है जो कार्यक्रम में एफ या एबी ग्रेड प्राप्त करते हैं या सेमेस्टर में असफल हो गए हैं। कार्यक्रम को दोहराने के लिए छात्र को निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा।
- (k) वैध कारणों से, कोई छात्र किसी सेमेस्टर से नाम वापस ले सकता है, ऐसी स्थिति में उस सेमेस्टर को शून्य सेमेस्टर माना जाएगा।
- (l) शून्य सेमेस्टर के मामले में, छात्र को उस सेमेस्टर को पास करने तक अगले सेमेस्टर में पदोन्नत नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय ऐसे छात्र को आने वाले सेमेस्टर में उस सेमेस्टर में फिर से पंजीकरण करने की अनुमति दे सकता है। छात्र को सेमेस्टर का भुगतान करना होगा ऐसे मामले में फिर से शुल्क नहीं लिया जा सकता है और वह छात्रवृत्ति के लिए पात्र नहीं हो सकता है। यदि छात्र शैक्षणिक सेमेस्टर शुरू होने के एक महीने के भीतर वापस ले लेता है, तो सेमेस्टर शुल्क दोबारा नहीं लिया जाएगा।
- (m) सेमेस्टर प्रणाली में उत्तर पुस्तिका की समीक्षा का प्रावधान विश्वविद्यालय के मौजूदा नियमों के अनुसार उपलब्ध होगा।
- (n) सैद्धांतिक और व्यावहारिक कार्यक्रमों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित या संचालित किए जाने पर दोहराया जा सकता है, लेकिन कार्यक्रम की अधिकतम अवधि के भीतर वह कार्यक्रम को पास करने के लिए कई बार दोहराए जाने वाले प्रयासों का लाभ उठा सकता है।
- (o) उन्हीं विश्वविद्यालयों में लागू है। वह विश्वविद्यालय, जहां अन्य विश्वविद्यालय के छात्र पसंद आधारित वैकल्पिक कार्यक्रम के लिए पंजीकृत हैं, ग्रेड को संबंधित विश्वविद्यालय को भेजेंगे जहां छात्र नामांकित है। परिणाम उस विश्वविद्यालय द्वारा घोषित किया जाएगा जहां छात्र ने प्रवेश लिया है।

तालिका 3: क्रेडिट कार्यक्रम की संरचना (सेमेस्टर प्रणाली)

	Programme (Credit)	Programme Type	Credits Allocated			Distribution of Theory Marks		Distribution of Practical Marks		Tutori al Marks
			Theory	Practical	Tutorial	Internal (Theory)	External (Semester Exam)	Internal	External (Semester Practical Exam)	
1.	Core (6)	Type – 1	6	NA	NA	40	60	NA	NA	NA
2.	Core (6)	Type – 2	4	2	NA	40	60	40	60	NA
3.	Core (6)	Type – 3	2	4	NA	40	60	50	50	NA
4.	Core (6)	Type – 4	5	NA	1	40	60	NA	NA	100
5.	GE/DSE/SEC (4)	Type – 1	4	0	NA	40	60	NA	NA	NA
6.	GE/DSE/SEC (4)	Type – 2	3	1	NA	40	60	NA	100	NA
7.	DSE/SEC (4)	Type – 3	1	3	NA	40	60	50	50	NA
8.	DSE/SEC (4)	Type – 4	3	NA	1	40	60	NA	NA	100
9.	AECC (4)		4	NA	NA	40		NA	NA	NA
10.	Field-Projects/ Internship/ Apprenticeship /Community Engagement & Service (6/10)	NA								
11.	Research Methodology (4)	Type	3	NA	1	40	60	NA	NA	100
12.	Dissertation / Research Project	NA								

18. एमओओसी और व्यावसायिक कार्यक्रमों का मूल्यांकन और प्रमाणन: मूल्यांकन और एमओओसी, व्यावसायिक कार्यक्रमों, फील्ड-प्रोजेक्ट्स इंटरनशिप/अप्रेंटिसशिप/सामुदायिक जुड़ाव और सेवाओं/अनुसंधान परियोजना के प्रमाणीकरण के लिए विश्वविद्यालय/स्वयं पोर्टल/यूजीसी के दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा।
19. एसजीपीए/सीजीपीए की गणना:

- (a) सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत (एसजीपीए) एक सेमेस्टर में छात्रों के प्रदर्शन का एक माप है, यह उस सेमेस्टर में पंजीकृत विभिन्न कार्यक्रमों में एक छात्र द्वारा प्राप्त कुल क्रेडिट अंकों और उस सेमेस्टर के दौरान लिए गए कुल कार्यक्रम क्रेडिट का अनुपात है। अर्थात्

$$SGPA(S_1) = \Sigma(C_1 \times G_1) / \Sigma C_1$$

जहां S, पहला वर्ष है, C<sub>1</sub> सेमेस्टर (S<sub>1</sub>) में पहले कार्यक्रम के क्रेडिट की संख्या है और G<sub>1</sub> पहले कार्यक्रम में छात्र द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट है।

- (b) सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत (एसजीपीए) और संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) की गणना छात्र द्वारा प्राप्त क्रेडिट अंकों के भारित औसत के रूप में की जाएगी, अतिरिक्त कार्यक्रमों के क्रेडिट को छोड़कर, यदि कोई हो तो एसजीपीए और सीजीपीए को शामिल किया जाएगा। 2 दशमलव स्थानों तक और ग्रेड शीट में रिपोर्ट किया गया।

एसजीपीए की गणना

Programme	Credits©	Grade	Grade Point (GP)	Credit Points (C x GP)	SGPA (Total Credit Point/Total Credit)
Programme1	6	A	8	48	146/20=7.30
Programme2	6	C	5	30	
Programme3	4	B+	7	28	
Programme4	4	O	10	40	
<b>TOTAL</b>	<b>20</b>			<b>146</b>	

- (c) सीजीपीए पूरे किए गए सभी सेमेस्टर में एक छात्र के समग्र संचयी प्रदर्शन का एक माप है। सीजीपीए पूरे किए गए सभी सेमेस्टर में विभिन्न कार्यक्रमों में एक छात्र द्वारा प्राप्त कुल क्रेडिट अंकों और सभी कार्यक्रमों के क्रेडिट के योग का अनुपात है। पूरे किए गए सभी सेमेस्टर में सीजीपीए की गणना निम्नानुसार की जाएगी:

$$CGPA = \Sigma(C_i \times SGPA) / \Sigma C_i$$

जहां एसजीपीए (एस1) प्रथम वर्ष का एसजीपीए है और जी1 प्रथम सेमेस्टर में क्रेडिट की कुल संख्या है।

**सीजीपीए की गणना:**

Semester	Credits	SGPA	Credit S x AGP A	CGPA
1	20	7.50	150.00	<b>CGPA-Total (Credits x SGPA) = Total Credits</b>  <b>CGPA</b> <b>=1229.60/160</b> <b>= 7.685</b> <b>=7.69 (Rounded off to second decimal point)</b>
2	20	7.58	151.60	
3	20	7.32	146.40	
4	20	8.34	166.80	
5	20	7.58	151.60	
6	20	7.32	146.40	
7	20	8.34	166.80	
8	20	7.50	150.00	
<b>Total</b>	<b>160</b>		<b>1229.60</b>	

20. स्नातक प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री प्रदान करने के लिए सभी आवश्यकताओं को पूरा करने पर सीजीपीए की गणना की जाएगी और यह मान प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पर दर्शाया जाएगा। 3 साल (6 सेमेस्टर) और 4 साल 8 सेमेस्टर की स्नातक डिग्री होनी चाहिए। इस प्रकार प्राप्त विभाजन को भी इंगित करें:

Division	Criterion
First division with distinction	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 8.00 or above.
First division	The candidates have earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 6.50 or above but less than 8.0
Secon division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 5.00 or above but less than 6.50
Pass	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.00 or above but less than 5.00

अन्य शैक्षणिक मामलों में इसके अनुप्रयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए सीजीपीए को प्रतिशत में परिवर्तित करना निम्नानुसार होगा।

$$\text{समतुल्य प्रतिशत} = \text{CGPA} \times 10$$

प्रतिशत को दशमलव के दूसरे बिंदु तक पूर्णांकित किया जाएगा।

21. छात्र की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा प्रचलित पाठ्यक्रम और परीक्षा योजना के अनुसार की जाएगी।
22. उम्मीदवार को प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री से सम्मानित किया जाएगा जब वह प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट सफलतापूर्वक अर्जित कर लेगा।
23. प्रत्येक सेमेस्टर के बाद अर्जित ग्रेड के आधार पर सभी छात्रों को एक ग्रेड कार्ड जारी किया जाएगा। प्रत्येक सेमेस्टर के एसजीपीए और उस शैक्षणिक वर्ष तक अर्जित सीजीपीए के साथ कार्यक्रम विवरण (कोड, शीर्षक, क्रेडिट की संख्या, ग्रेड सुरक्षित) ग्रेड कार्ड में प्रदर्शित किया जाएगा।
24. विश्वविद्यालय द्वारा मॉडल अनुलग्नक S1 से S4 के आधार पर ग्रेड शीट विकसित की जाएगी।
25. क्रेडिट ट्रांसफर:
  - (a) क्रेडिट ट्रांसफर समय-समय पर यूजीसी द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार बनाई गई विश्वविद्यालय की नीति के अनुसार लागू किया जाएगा।
  - (b) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा में अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना और संचालन) विनियम, 2021 के तहत स्थापित अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के सदस्य संस्थान समय-समय पर संशोधित इस विनियमन के प्रावधानों के अनुसार क्रेडिट स्वीकार और हस्तांतरित करेंगे।
  - (c) अनंतिम पदोन्नति के मामलों को छोड़कर, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग अधिनियम, 2005 द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय अपने बीच छात्रों के क्रेडिट हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करेंगे, हालांकि, छात्र को एक कार्यक्रम के लिए समानता लाते हुए कुछ पात्रता मानदंडों को पूरा करने की आवश्यकता हो सकती है। उस विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किया गया है जिसमें छात्र प्रवेश चाहता है।
26. यदि इस अध्यादेश के प्रावधानों की व्याख्या के संबंध में कोई प्रश्न उठता है, तो इसे राज्य सरकार को भेजा जाएगा जिसका निर्णय उस पर लागू होगा।
27. इस कार्यक्रम से संबंधित दिशानिर्देश, वैधानिक निकायों द्वारा जारी किए गए। समय-समय पर जारी यूजीसी/एआईसीटीई/बीसीआई/एनसीटीई/पीसीआईयूआरसीआई/सीजीपुरसी/एचई कार्यान्वयन के लिए अपनाया जाएगा।
28. इस अध्यादेश के अंतर्गत नहीं आने वाले मामलों में विश्वविद्यालय के सामान्य नियम लागू होंगे, अन्यथा राज्य सरकार के निर्देश लागू होंगे।
29. यदि यूजीसी भविष्य में इस संबंध में विनियमों में कोई बदलाव अधिसूचित करता है, तो उसे उच्च शिक्षा विभाग की सिफारिश पर कुलपति की मंजूरी या प्रबंधन बोर्ड की मंजूरी के साथ मौजूदा अध्यादेश में शामिल किया जाएगा। विश्वविद्यालय और तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा।

University  
Logo

**SAMPLE COPY FOR FIRST TO FIFTH**

**ANNEXURE-S-1**

Logo in water mark  
----- Name of the University -----

**GRADE SHEET**

Name of the Institute  
Address of the Institute  
Name of the Programme

Batch	Year
Enrollment No.	Roll No.
Name of the Student	Examination
Father's/Husband's Name	Mother's Name

Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

\*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

\*SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage =  $CGPA \times 10$

**Date of Result**

**Registrar / Controller Examination**

University  
Logo**SAMPLE COPY FOR SIXTH****ANNEXURE-S-2**

Logo in water mark

----- Name of the University -----

**GRADE SHEET**

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

\*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					
FINAL RESULT PASS					
Total Credits	CGPA		EQUIVALENT PERCENTAGE		DIVISION

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

**Date of Result****Registrar / Controller Examination**

**SAMPLE COPY FOR SEVENTH SEMESTER**University  
Logo

Logo in water mark

----- Name of the University -----

**ANNEXURE-S-3****GRADE SHEET**

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

\*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION

SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result

Registrar / Controller Examination



University  
Logo**SAMPLE COPY FOR EIGHTH****ANNEXURE-S-4**

Logo in water mark

----- Name of the University -----

**GRADE SHEET**

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	4	C	5	20
	Programme 3	10	B+	7	70
TOTAL		20	-		138
SGPA		138/20			6.90

\*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

SGPA Semester Grade Point Average

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result

Registrar/Controller Examination

Vice-Chancellors/ Director General

## अध्यादेश क्रमांक 5

### बैचलर ऑफ वोकेशन (बी.वोक.) डिग्री

राष्ट्रीय कौशल के तहत बैचलर ऑफ वोकेशन (बी.वोक.) कार्यक्रम

योग्यता ढांचा (एनएसक्यूएफ)

प्रमाणन स्तर डिप्लोमा/उन्नत डिप्लोमा/बी की ओर ले जाएगा। वोक. एक या अधिक व्यावसायिक क्षेत्रों में डिग्री और विश्वविद्यालय के तत्वावधान में नीचे दिए गए अनुसार प्रदान की जाएगी:

Award	Duration	Corresponding NSQF level
Diploma	1 Year	5
Advanced Diploma	2 Years	6
B.Voc. Degree	3 Years	7

प्रत्येक पुरस्कार कोष्ठक के भीतर, उदाहरण के लिए कौशल(ओं) विशेषज्ञता को निर्दिष्ट करेगा:

- बी.वोक. (नवीकरणीय ऊर्जा प्रबंधन)
- उन्नत डिप्लोमा (खाद्य प्रसंस्करण)
- डिप्लोमा (ग्रीन हाउस टेक्नोलॉजी)

No.	Sector	Specialization
1.	Automobiles	1. Engine Testing
		2. Vehicle Testing
		3. Vehicle Quality
		4. Auto Electricals and Electronics
		5. Farm Equipment and Machinery
2.	Entertainment	1. Theatre and Stage Craft
		2. Contemporary Western Dance
		3. Theatre studies
		4. Acting
3.	Information Technology	1. Software Development
4	Telecommunications	1. Mobile Communication
5.	Marketing	1. Retail
6.	Agriculture	1. Farm Machinery and Power Engineering
		2. Green House Technology
		3. Renewable Energy
		4. Processing and Food Engineering
		5. Soil and Water Conservation
7.	Construction	1. Building Technology
8.	Applied Arts	1. Fashion Technology
		2. Interior Design
		3. Jewelry Design
9.	Tourism	1. Tourism and Service Industry
10.	Printing and Publishing	1. Printing Technology

1. बी.वोक में प्रवेश हेतु पात्रता.

बी.वोक में प्रवेश के लिए पात्रता शर्त। कार्यक्रम किसी भी स्ट्रीम में 10+2 या समकक्ष होना चाहिए।

2. पाठ्यचर्या

(a) कार्यक्रम के प्रत्येक वर्ष का पाठ्यक्रम सामान्य शिक्षा और कौशल विकास घटकों का एक उपयुक्त मिश्रण है।

(b) कौशल विकास घटक:

(i) कौशल विकास घटकों का ध्यान छात्रों को उचित ज्ञान, अभ्यास और दृष्टिकोण से लैस करना होगा, ताकि वे काम के लिए तैयार हो सकें। कौशल विकास घटक उद्योगों के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार प्रासंगिक होंगे।

(c) सामान्य शिक्षा घटक:

(i) सामान्य शिक्षा घटक कुल पीएफ 40% से अधिक नहीं होगा; पाठ्यक्रमा

(ii) भाषा और संचार कौशल पर समर्थन दिया जाएगा।

(d) पाठ्यक्रम को इस तरह से डिज़ाइन किया जाना चाहिए कि वर्ष-1, वर्ष-2 और वर्ष-3 के अंत में, छात्र क्रमशः एनएसक्यूएफ के स्तर 5, 6 और 7 के लिए नीचे उल्लिखित स्तर के विवरणों को पूरा करने में सक्षम हों।

Level	Process required	Professional knowledge	Professional skill	Core skill	Responsibility
Level 5	Job that requires well developed skill, with clear choice of procedures in familiar context	Knowledge of facts, principles, processes and general concepts, in a field of work or study	A range of Cognitive and practical Skills required to accomplish tasks and Solve problems by Selecting and applying Basic methods, Tools Materials And information	Desired mathematical skill, understanding of social, political and some skill of collecting and organizing information, communication	Responsibility for own work and learning and some responsibility for other's works and learning

Level	Process required	Professional knowledge	Professional skill	Core skill	Responsibility
Level 6	Demands wide range of specialized technical skill, clarity of knowledge and practice in broad range of activity involving standard / non-standard practices	Factual and theoretical knowledge in broad contexts within a field of work or study	A range of Cognitive and practical Skills required to Generate solutions to Specific problems in a field of work or Study	Reasonably good in mathematical calculation, understanding of social, political and, reasonably good in data collecting organizing information, and logical communication	Responsibility for own work and learning and full responsibility for other's works and learning
Level 7	Requires a command of wide ranging specialized theoretical and practical skill, involving variable routine and non-routine context	Wide ranging, factual and theoretical knowledge in broad contexts within a field of work or study	Wide range of cognitive and practical Skills required to Generate solutions to Specific problems in a field of work or Study	Good logical and mathematical skill understanding of social political and natural environment good in collecting and organizing information, communication and presentation skill	Full responsibility for output of group and development

### 3. क्रेडिट गणना

(a) समय को क्रेडिट घंटों में बदलने के लिए निम्नलिखित सूत्र का उपयोग किया जाएगा।

(i) एक क्रेडिट का मतलब सिद्धांत, कार्यशालाओं/प्रयोगशालाओं और ट्यूटोरियल के लिए प्रत्येक 60 मिनट की 15 अवधियों के बराबर होगा;

(ii) इंटरनशिप/फील्ड कार्य के लिए, समकक्ष घंटों के लिए क्रेडिट वेटेज

व्याख्यान/कार्यशालाओं के लिए **50%** होगा;

(iii) स्व-शिक्षा के लिए, ई-सामग्री या अन्यथा के आधार पर, अध्ययन के समतुल्य घंटों के लिए क्रेडिट वेटेज व्याख्यान/कार्यशालाओं के लिए **50%** या उससे कम होगा।

4. प्रत्येक वर्ष के क्रेडिट इस प्रकार हैं:

**टेबल तीन**

<b>NSQF Level</b>	<b>Skill Component Credits</b>	<b>General Education Credits</b>	<b>Normal calendar duration</b>	<b>Exit Points / Awards</b>
Year 3	36	24	Six Semesters	B.Voc.
Year 2	36	24	Four semesters	Advanced Diploma
Year 1	36	24	Two semesters	Diploma
<b>TOTAL</b>	<b>108</b>	<b>72</b>		

- विश्वविद्यालय उद्योग के परामर्श से पाठ्यक्रम विकसित करेगा। उद्योग प्रतिनिधि विश्वविद्यालय के अध्ययन बोर्ड का अभिन्न अंग होंगे।
- पाठ्यक्रम के कौशल विकास घटकों का व्यावहारिक/हाथ से किया जाने वाला हिस्सा सामान्य रूप से आमने-सामने मोड में, या तो संस्थान के भीतर या किसी निर्दिष्ट उद्योग भागीदार स्थान पर किया जाएगा। हालाँकि, यदि सीखे जाने वाले कौशल की प्रकृति के कारण, उद्योग मिश्रित या दूरस्थ मोड के माध्यम से इसके अधिग्रहण को निर्धारित करता है, तो इसका पालन किया जा सकता है।

5. परीक्षा और मूल्यांकन

- सामान्य शिक्षा घटक के लिए मूल्यांकन विश्वविद्यालय परीक्षा अध्यादेश के अनुसार होगा।
- कौशल विकास घटकों का मूल्यांकन अर्जित कौशल के व्यावहारिक प्रदर्शन पर केंद्रित होगा। विश्वविद्यालय व्यावहारिक मूल्यांकन के संचालन के लिए सेक्टर कौशल परिषदों/उद्योग संघों के नामित मूल्यांकनकर्ताओं का उपयोग करने पर विचार कर सकता है।

## अध्यादेश क्रमांक 6

### एकीकृत 4-वर्षीय शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) (बी.एससी. बी.एड., बी.ए. बी.एड., बी.कॉम. बी.एड.)

#### प्रस्तावना

1. चार वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम, 'बैचलर ऑफ साइंस एंड बैचलर ऑफ एजुकेशन' (बी.एससी. बी.एड.), 'बैचलर ऑफ आर्ट्स एंड बैचलर ऑफ एजुकेशन' (बी.ए. बी.एड.), 'बैचलर ऑफ कॉमर्स एंड बैचलर ऑफ एजुकेशन' (बी.कॉम. बी.एड.) का उद्देश्य विज्ञान/कला/वाणिज्य सहित सामान्य अध्ययन को व्यावसायिक अध्ययन के साथ एकीकृत करना है जिसमें शिक्षा की नींव, स्कूल विषयों की शिक्षाशास्त्र और स्कूल शिक्षक के कार्यों और कार्यों से संबंधित व्यावहारिक अध्ययन शामिल हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के लिए शिक्षकों को तैयार करना है।
2. बी.एससी.बी.एड में पेश की जाने वाली भौतिकी/रसायन विज्ञान/गणित/वनस्पति विज्ञान/जूलॉजी से संबंधित कार्यक्रम सामग्री। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के बी.एससी (पीसीएम/सीबीजेड/अन्य विज्ञान संयोजन) के समकक्ष हैं। बी.एससी.बी.एड में व्यावसायिक शिक्षा घटक। बी.एड के समकक्ष हैं। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के और बी.एससी. के मानदंडों और विनियमों के अनुसार हैं। बिस्तर। एनसीटीई द्वारा निर्धारित कार्यक्रम (2014)।
3. बी.ए. में प्रस्तावित साहित्य/ इतिहास/ भूगोल/ राजनीति विज्ञान/अर्थशास्त्र/मनोविज्ञान/समाजशास्त्र से संबंधित कार्यक्रम सामग्री। बिस्तर। बी.ए. के समकक्ष है। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के. बी.ए. में व्यावसायिक शिक्षा घटक बिस्तर। बी.एड के समकक्ष हैं। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के और बी.ए. के मानदंडों और विनियमों के अनुसार हैं। बिस्तर। एनसीटीई द्वारा निर्धारित कार्यक्रम (2014)।
4. बी.कॉम में पेश की जाने वाली अकाउंटेंसी/बिजनेस स्टडीज/ऑडिटिंग/इकोनॉमिक्स/इंफॉर्मेटिक्स (अभ्यास/गणित) से संबंधित कार्यक्रम सामग्री। बिस्तर। बी.कॉम के समकक्ष हैं। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के. बी.कॉम., बी.एड में पेशेवर घटक। बी.एड के समकक्ष हैं। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के और बी.कॉम.बी.एड. के मानदंडों और विनियमों के अनुसार हैं। एनसीटीई द्वारा निर्धारित कार्यक्रम (2014)।
5. यह डिग्री बी.एससी. बी.एड., बी.ए. बिस्तर। और बी.कॉम. बिस्तर। बी.एससी., बी.ए., बी.कॉम के समकक्ष हैं। और बी.एड. श्री दावड़ा विश्वविद्यालय की डिग्री। जो छात्र इस कार्यक्रम को उत्तीर्ण करते हैं उन्हें संबंधित मास्टर डिग्री हासिल करने के लिए पात्र माना जाता है।

#### प्रवेश के लिए पात्रता एवं समकक्षता

1. बी.एससी. में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी। बी.एड., बी.ए. बिस्तर। और बी.कॉम. बिस्तर। कार्यक्रम में संबंधित विषयों के साथ वरिष्ठ माध्यमिक/10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए और कुल मिलाकर कम से कम 50% अंक प्राप्त करने चाहिए।



2. एससी/ एसटी/ ओबीसी/ पीडब्ल्यूडी और अन्य श्रेणी के उम्मीदवारों को अर्हक परीक्षा के अंकों में छूट राज्य सरकार के नियमों के अनुसार प्रदान की जाएगी।
3. बी.एससी. के पुरस्कार के लिए 4-वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम के मानदंड और मानक। बी.एड., बी.ए. बिस्तर। और बी.कॉम. बिस्तर। डिग्री राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) और आईटीईपी दिशानिर्देशों और विनियमों के अनुसार होगी।

### प्रवेश प्रक्रिया

1. विश्वविद्यालय प्रवेश का तरीका विश्वविद्यालय के अध्यादेश संख्या 1 के अनुसार तय करेगा।
2. कार्यक्रम में प्रवेश के समय, छात्र को अनुशासन विकल्पों और संबंधित शिक्षाशास्त्र विशेषज्ञताओं के लिए अपनाए जाने वाले विषयों के चयन का संकेत देना होगा, जिसके लिए वे आवेदन कर रहे हैं, और उन्हें आदेश के आधार पर सौंपा जा सकता है। योग्यता और सीटों की उपलब्धता।

### पाठ्यक्रम की अवधि और उपस्थिति

1. कार्यक्रम आठ सेमेस्टर का होगा जिसमें स्कूल-आधारित अनुभव और शिक्षण में इंटरनशिप शामिल होगी। कोई भी छात्र-शिक्षक जो किसी सेमेस्टर को पूरा करने में असमर्थ है या किसी सेमेस्टर-अंत परीक्षा में उपस्थित होने में असमर्थ है, उसे कार्यक्रम में प्रवेश की तारीख से अधिकतम छह वर्ष की अवधि के भीतर कार्यक्रम पूरा करने की अनुमति दी जाएगी।
2. एक सेमेस्टर में, प्रवेश की अवधि को छोड़कर, लेकिन परीक्षाओं की अवधि को शामिल करते हुए, कम से कम 125 (एक सौ पच्चीस) कार्य दिवस होंगे।
3. कार्य अवधि/अवधि प्रति सप्ताह 40 घंटे की होगी।
4. छात्रों-शिक्षकों की न्यूनतम उपस्थिति सभी पाठ्यक्रम कार्य और प्रैक्टिकम के लिए 80% और क्षेत्र-आधारित अनुभव या स्कूल इंटरनशिप या शिक्षण अभ्यास के लिए अलग से 90% होनी चाहिए।
5. इन कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा और अंकन योजनाएं संबंधित अध्ययन बोर्ड द्वारा तय की जाएंगी और एनसीटीई के मानदंडों के अनुसार, अध्यादेश संख्या 3 और एनईपी 2020 के तहत निर्दिष्ट सीबीसीएस के प्रावधानों के अनुसार, जैसा कि अध्यादेश संख्या 4 के तहत विस्तृत है।

## अध्यादेश क्रमांक 7

**एकीकृत बी.ए. एलएल.बी. / बी.कॉम. एलएल.बी. / बी.एससी. एलएल.बी./ बी.बी.ए. एलएल.बी.**

**छः सेमेस्टर के सफल समापन पर अंडर ग्रेजुएट डिग्री कार्यक्रम को नियंत्रित करने वाली विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के तहत पांच साल का डिग्री पाठ्यक्रम।**

### 1. शीर्षक और प्रारंभ

- (a) अध्यादेश को पांच साल (दस सेमेस्टर) एकीकृत बी.ए.एलएल.बी./ बी.कॉम.एलएल.बी./ बी.एस.सी.एलएल.बी./ बी.बी.ए. एलएल.बी. डिग्री कोर्स के लिए अध्यादेश कहा जाएगा।
- (b) यह अध्यादेश विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचना जारी होने की तिथि के बाद शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र से लागू होगा और मौजूदा अध्यादेश का स्थान लेगा।

### 2. अवधि

- (a) एकीकृत बी.ए.एलएल.बी./ बी.कॉम.एलएल.बी./ बी.एस.सी.एलएल.बी./बी.बी.ए. एलएल.बी. की अवधि डिग्री पाठ्यक्रम दस सेमेस्टर (पांच शैक्षणिक वर्ष) का होगा। पाठ्यक्रम पूरा करने की अधिकतम अवधि लगातार आठ शैक्षणिक वर्ष होगी। यदि कोई छात्र अधिकतम अवधि (जैसा कि ऊपर निर्दिष्ट है) के भीतर कार्यक्रम के सभी सेमेस्टर पास करने में असमर्थ है, तो वह स्वचालित रूप से कार्यक्रम से बाहर हो जाएगा।
- (b) अधिकतम कुल अवधि में छात्र की अनुपस्थिति, वापसी और विभिन्न प्रकार की छुट्टियों की अवधि शामिल होगी, लेकिन इसमें विश्वविद्यालय द्वारा लगाए गए निष्कासन/निलंबन/या किसी अन्य दंड की अवधि शामिल नहीं होगी।
- (c) कार्यक्रम के दस सेमेस्टर सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, छात्र को एकीकृत बी.ए.एलएल.बी./ बी.कॉम.एलएल.बी./ बी.एस.सी.एलएल.बी./ बी.बी.ए. एलएल.बी. से सम्मानित किया जाएगा। डिग्री पाठ्यक्रम जिसके लिए वह नामांकित था।

### 3. सीटों की संख्या

प्रत्येक कार्यक्रम में सीटों की संख्या बीसीआई द्वारा अनुमोदित की जाएगी और विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद द्वारा अधिसूचित की जाएगी।

### 4. प्रवेश प्रक्रिया एवं पात्रता

- (a) यूजी कार्यक्रम में प्रवेश योग्यता के आधार पर किया जाएगा। किसी विशिष्ट कार्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता विश्वविद्यालय/बीसीआई द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाएगी।
- (b) बार काउंसिल ऑफ इंडिया रूल्स ऑफ लीगल एजुकेशन, 2008 के अनुसार, किसी भी उम्मीदवार को एकीकृत बी.ए.एलएल.बी./ बी.कॉम.एलएल.बी./ बी.एससी. एलएल.बी./ बी.बी.ए. एलएल.बी. पांच साल का लॉ डिग्री कोर्स में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जब तक कि

उसके पास 10+2 बोर्ड परीक्षा या प्रासंगिक विषयों के साथ किसी अन्य समकक्ष परीक्षा में कम से कम 50% अंक (एससी/एसटी उम्मीदवारों के मामले में 45% अंक) न हों।

- (c) भारत सरकार/यूजीसी द्वारा निर्दिष्ट और विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित ओबीसी/ एससी/ एसटी/ पीडब्ल्यूडी (विकलांग व्यक्तियों) और कश्मीरी प्रवासी उम्मीदवारों के लिए प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता में आरक्षण और छूट का पालन किया जाएगा।
- (d) भारत या विदेश में रहने वाले विदेशी नागरिकों या विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों को इस श्रेणी के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या के अनुसार समय-समय पर भारत सरकार/विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नीति दिशानिर्देशों के अनुसार कार्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है। ये सीटें अतिरिक्त होंगी और प्रत्येक कार्यक्रम के लिए स्वीकृत सीटों के अतिरिक्त अलग से विज्ञापित की जाएंगी।

## 5. विश्वविद्यालय में नामांकन

कार्यक्रम में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक छात्र को समय-समय पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से प्रथम सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने से पहले नामांकित किया जाएगा।

## 6. पाठ्यक्रमों के प्रकार

- (a) कोर कोर्स: वह कोर्स, जिसे उम्मीदवार को मुख्य आवश्यकता के रूप में अनिवार्य रूप से पढ़ना होता है, कोर कोर्स कहलाता है।
- (b) वैकल्पिक पाठ्यक्रम: आम तौर पर, एक पाठ्यक्रम जिसे पाठ्यक्रमों के पूल से चुना जा सकता है और जो अध्ययन के विषय के लिए बहुत विशिष्ट या उन्नत या सहायक हो सकता है या जो एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है या जो अन्य विषयों के संपर्क में सक्षम बनाता है। वह विषय/डोमेन या जो उम्मीदवार की दक्षता/कौशल का पोषण करता है उसे वैकल्पिक पाठ्यक्रम कहा जाता है।
  - (i) अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) पाठ्यक्रम: वैकल्पिक पाठ्यक्रम मुख्य अनुशासन/अध्ययन के विषय द्वारा पेश किए जा सकते हैं जिन्हें अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक कहा जाता है। विश्वविद्यालय अंतःविषय प्रकृति के अनुशासनात्मक वैकल्पिक पाठ्यक्रम (मुख्य अनुशासन/अध्ययन के विषय द्वारा प्रस्तावित) भी प्रदान कर सकता है।
  - (ii) निबंध/परियोजना: विशिष्ट/उन्नत ज्ञान प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम, जैसे किसी परियोजना कार्य के लिए पूरक अध्ययन/समर्थन अध्ययन, और एक उम्मीदवार शिक्षक/संकाय सदस्य के सलाहकार समर्थन के साथ स्वयं ऐसे पाठ्यक्रम का अध्ययन करता है, जिसे शोध प्रबंध /परियोजना कहा जाता है।
  - (iii) जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) पाठ्यक्रम: एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम, जिसे आमतौर पर किसी असंबंधित अनुशासन/विषय में अनुभव प्राप्त करने के इरादे से चुना जाता है, जेनेरिक इलेक्टिव कहा जाता है। पी.एस.: एक अनुशासन/विषय में पेश किए गए मुख्य पाठ्यक्रम को अन्य अनुशासन/विषय द्वारा वैकल्पिक माना जा सकता है और इसके विपरीत और ऐसे वैकल्पिक को सामान्य वैकल्पिक के रूप में भी संदर्भित किया जा सकता है।

- (c) योग्यता वृद्धि पाठ्यक्रम (एईसी): योग्यता वृद्धि (एई) पाठ्यक्रम दो प्रकार के हो सकते हैं: क्षमता वृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी) और कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (एसईसीसी)। "एईसीसी" पाठ्यक्रम सामग्री पर आधारित पाठ्यक्रम हैं जो ज्ञान वृद्धि की ओर ले जाते हैं। वे (i) पर्यावरण विज्ञान और (ii) अंग्रेजी/एमआईएल संचार सभी विषयों के लिए अनिवार्य हैं। एसईसी पाठ्यक्रम मूल्य-आधारित और/या कौशल-आधारित हैं और इनका उद्देश्य व्यावहारिक प्रशिक्षण, दक्षताएं, कौशल आदि प्रदान करना है।
- (i) योग्यता वृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी): पर्यावरण विज्ञान, अंग्रेजी संचार/एमआईएल संचार।
- (ii) कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसीसी): इन पाठ्यक्रमों को मूल्य-आधारित और/या कौशल-आधारित ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रमों के समूह से चुना जा सकता है।
- परियोजना कार्य/शोध प्रबंध को एक विशेष पाठ्यक्रम माना जाता है जिसमें वास्तविक जीवन की स्थिति/कठिन समस्या को हल करने/विश्लेषण/खोजने में ज्ञान का अनुप्रयोग शामिल होता है। एक प्रोजेक्ट/शोध प्रबंध कार्य 6 क्रेडिट का होगा। किसी विशेष विषय पर वैकल्पिक पेपर के बदले में एक प्रोजेक्ट/शोध प्रबंध कार्य दिया जा सकता है।
- (d) प्रत्येक विभाग का अध्ययन बोर्ड किसी विशिष्ट कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम तय करेगा।
- (e) किसी विषय में ऑनर्स के साथ स्नातक की डिग्री यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार निम्नलिखित पाठ्यक्रम संरचना के साथ प्रदान की जाएगी-
- अनुशासन में 14 मुख्य पेपर,  
 02 योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी),  
 02 कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसीसी),  
 04 अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) पाठ्यक्रम और  
 04 सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम।

7. पाठ्यक्रमों के क्रेडिट निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं:

पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमों की संख्या	क्रेडिट अंक आवंटित	कुल क्रेडिट अंक
मुख्य पाठ्यक्रम पर्यावरण अध्ययन	2	2	4
भाषा(2x2)	4	2	8
प्रमुख(1x6)	6	4	24
लघु(2x3)			

	6	4	24
मौलिक कानून पाठ्यक्रम (अनिवार्य कागजात 22 हैं) (वैकल्पिक पेपर 24 होते हैं जिनमें एक छात्र को विकल्प चुनना होता है। केवल 11 पेपर)	33	4	132
प्रेक्टिकल, क्लिनिकल लॉ पाठ्यक्रम	5	4	20
अध्ययन बैठक	2	4	8
कुल	58		220

8. परीक्षा में शामिल होने के लिए उपस्थिति और पात्रता

बार काउंसिल ऑफ इंडिया रूल्स ऑफ लीगल एजुकेशन, 2008 के अनुसार, किसी भी डिग्री प्रोग्राम के किसी भी छात्र को किसी विषय में अंतिम सेमेस्टर परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यदि संबंधित छात्र ने आयोजित कक्षाओं में न्यूनतम 75% भाग नहीं लिया है। संबंधित विषय के साथ-साथ विषय में किए गए मूट कोर्ट रूम अभ्यास, ट्यूटोरियल और व्यावहारिक प्रशिक्षण को भी एक साथ लिया गया है। बशर्ते कि यदि कोई छात्र किसी असाधारण कारण से किसी भी विषय में आयोजित कक्षाओं में से 75% में भाग लेने में विफल रहता है, तो विभाग के अध्यक्ष उस छात्र को परीक्षा में बैठने की अनुमति दे सकते हैं यदि संबंधित छात्र ने आयोजित कक्षाओं में से कम से कम 65% में भाग लिया हो। संबंधित विषय और सभी विषयों को मिलाकर 75% कक्षाओं में भाग लिया हो।

बशर्ते कि परीक्षा देने की अनुमति देने वाले ऐसे छात्रों की एक सूची दर्ज किए गए कारणों के साथ बार काउंसिल ऑफ इंडिया को भेजी जाए

स्कूल के अध्यक्ष निम्नलिखित में से एक या अधिक कारणों पर विचार करने के बाद उपस्थिति में उपरोक्त कमी को माफ कर सकते हैं

- एनसीसी/एनएसएस शिविरों में भागीदारी, कमांडिंग ऑफिसर के प्रमाण पत्र द्वारा विधिवत समर्थित;
- विश्वविद्यालय टीम/खेलों या अंतर-राज्यीय या अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भागीदारी, जो विश्वविद्यालय के उचित प्राधिकारी से प्रमाण पत्र द्वारा समर्थित हो;
- अध्यक्ष या विभागाध्यक्ष द्वारा प्रमाणित कार्य दिवसों पर आयोजित शैक्षिक भ्रमण में भागीदारी। इन भ्रमणों में संपूर्ण कक्षा के लिए आयोजित भ्रमण शामिल नहीं होंगे;
- सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत प्रमाणित संस्थान/विभाग/स्कूल द्वारा आयोजित किसी भी सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में भागीदारी;

- (e) किसी पंजीकृत चिकित्सक द्वारा विधिवत प्रमाणित पुरानी बीमारी।
- (f) विभागाध्यक्ष डीन की संतुष्टि के लिए कोई अन्य अनिवार्य कारण। आवेदन ऐसे दस्तावेजों/द्वारा समर्थित होना चाहिए जिन्हें ऐसी छूट देने के लिए उपयुक्त माना जा सकता है।

#### 9. शिक्षण का माध्यम

भाषा पाठ्यक्रमों को छोड़कर सामान्य तौर पर निर्देशों का माध्यम अंग्रेजी होगा और भाषा पाठ्यक्रमों को छोड़कर सामान्य तौर पर परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी/हिंदी होगा। हालाँकि, विश्वविद्यालय किसी विशिष्ट कार्यक्रम के लिए शिक्षा के माध्यम को अधिसूचित कर सकता है, और ऐसे मामलों में शिक्षा का माध्यम विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित किया जाएगा।

#### 10. परीक्षा एवं मूल्यांकन

- (a) मूल्यांकन के माध्यम से प्रत्येक सेमेस्टर के लिए निर्धारित अध्ययन पाठ्यक्रमों के संबंध में एक उम्मीदवार के शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। इनमें से किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश पाने वाले छात्रों का मूल्यांकन निम्न पर आधारित होगा:

- (i) अंतिम सेमेस्टर परीक्षाएं, और

- (ii) सतत आंतरिक मूल्यांकन

- (b) कुल अंकों में से, 70% अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए आवंटित किया जाएगा और 30% सेमेस्टर के दौरान निरंतर आंतरिक मूल्यांकन के लिए आवंटित किया जाएगा। आंतरिक मूल्यांकन की योजना इस प्रकार होगी:

15-15 अंकों की दो अनिवार्य आंतरिक परीक्षाएं होंगी। यदि कोई छात्र किसी आपातकालीन/अप्रत्याशित स्थिति के कारण आंतरिक परीक्षा में उपस्थित होने में विफल रहता है, तो स्कूल के अध्यक्ष नियमित आंतरिक परीक्षा में उपस्थित न होने के लिए छात्र द्वारा दिए गए कारण से संतुष्ट होने पर छात्र को विशेष आंतरिक परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति दे सकते हैं।

- (c) अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं ऐसी तारीखों पर आयोजित की जाएंगी जो विश्वविद्यालय के उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित की जाएंगी

- (d) प्रत्येक सेमेस्टर में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के लिए अंकों का न्यूनतम प्रतिशत प्रत्येक पेपर (पाठ्यक्रम) में 40% होगा।

- (e) सभी कार्यक्रमों में प्रत्येक सेमेस्टर में एक निर्दिष्ट संख्या में क्रेडिट होंगे। छात्र द्वारा संतोषजनक ढंग से उत्तीर्ण किए गए ग्रेड अंकों के साथ क्रेडिट की संख्या छात्र के प्रदर्शन को मापेगी। किसी छात्र की संतोषजनक प्रगति उसके न्यूनतम संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) को बनाए रखने के साथ-साथ कार्यक्रम के विभिन्न पाठ्यक्रमों में तालिका -1 में दिए गए न्यूनतम ग्रेड के अधीन है, जिसे प्राप्त करने पर छात्र डिग्री पुरस्कार के लिए पात्र है।

**सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत (एसजीपीए) और संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) की गणना:**

- (i) एसजीपीए एक छात्र द्वारा लिए गए सभी पाठ्यक्रमों में प्राप्त ग्रेड अंकों के साथ क्रेडिट की संख्या

के उत्पाद के योग और एक छात्र द्वारा किए गए सभी पाठ्यक्रमों के क्रेडिट की संख्या के योग का अनुपात है, अर्थात्

$$SGPA (S_i) = \Sigma(C_i \times G_i) / \Sigma C_i$$

जहां,  $C_i$ ,  $i$ th पाठ्यक्रम के क्रेडिट की संख्या है और  $G_i$ ,  $i$ th पाठ्यक्रम में द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट है।

- (ii) सीजीपीए की गणना भी उसी तरीके से की जाती है, जिसमें एक कार्यक्रम के सभी सेमेस्टर में एक छात्र द्वारा किए गए सभी पाठ्यक्रमों को ध्यान में रखा जाता है।

$$CGPA = \Sigma(C_i \times S_i) / \Sigma C_i$$

जहां,  $S_i$  सेमेस्टर का SGPA है और  $C_i$  उस सेमेस्टर में क्रेडिट की कुल संख्या है।

- (iii) एसजीपीए और सीजीपीए को 2 दशमलव अंकों तक पूर्णांकित किया जाएगा और प्रतिलेखों में रिपोर्ट किया जाएगा।

ग्रेडिंग प्रणाली: ग्रेडिंग प्रणाली, जैसा कि तालिका 1 में बताया गया है, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए लागू होगी:

तालिका - 1: 10-बिंदु पैमाने पर पूर्ण अंकों के आधार पर ग्रेड का पुरस्कार

Letter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	90-100
A+	9	Excellent	80-89
A	8	Very good	70-79
B+	7	Good	60-69
B	6	Above Average	50-59
C	5	Average	40-49
P	4	Pass	35-39
F	0	Fail	0-34
Ab	0	Absent	Absent

**विवरण:**

- (i) किसी पाठ्यक्रम में अक्षर ग्रेड O, A+, A, B+, B, C, और P का मतलब है कि छात्र ने वह पाठ्यक्रम उत्तीर्ण कर लिया है।
- (ii) ग्रेड एफ और एबी फेल को दर्शाते हैं; कोई छात्र पाठ्यक्रम की परीक्षा में खराब प्रदर्शन या गैर-उपस्थिति/अधूरी उपस्थिति के कारण पाठ्यक्रम में अनुत्तीर्ण हो जाता है। एक छात्र को उत्तीर्ण ग्रेड प्राप्त होने तक, ऐसे सभी पाठ्यक्रमों में अध्यादेशों के तहत प्रदान की जाने वाली बाद की परीक्षाओं में उपस्थित होना होगा।
- (iii) डिग्री प्रदान करते समय समग्र परिणाम में ग्रेड में सुधार के लिए एक (01) ग्रेस मार्क केवल एक बार दिया जाएगा और सीजीपीए के सामने "G" का उल्लेख किया जाएगा।

छह सेमेस्टर तक सेमेस्टर परीक्षा परिणाम की घोषणा सेमेस्टर परीक्षा परिणाम निम्नलिखित श्रेणियों में होंगे:

- (i) उत्तीर्ण, अर्थात्, जो सेमेस्टर परीक्षा के सभी पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण हुए हैं।
- (ii) पदोन्नत, अर्थात्, जो सेमेस्टर परीक्षा के सभी पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण नहीं हुए हैं, लेकिन  $n/2$  पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किए हैं यदि  $n$  सम है और  $(n+1)/2$  पाठ्यक्रम यदि  $n$  विषम है, जहां  $n$  का अर्थ है संबंधित सेमेस्टर में पाठ्यक्रमों की कुल संख्या।
- (iii) हिरासत में लिया गया है, यानी, जिन्हें उपरोक्त प्रावधानों के अनुसार पदोन्नत नहीं किया गया है, उन्हें हिरासत में लिया जाएगा। ऐसे छात्रों को अगले सत्र में उसी सेमेस्टर में नियमित मोड में अध्ययन के पाठ्यक्रम में फिर से शामिल होना होगा, बशर्ते कि वे अध्यादेश में परिभाषित कार्यक्रम की अधिकतम अवधि से अधिक न हों।

**11. अगले सेमेस्टर में पदोन्नति:**

- (a) जिन छात्रों को पैरा में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार 10 अगले सेमेस्टर में पदोन्नत किया गया है, उन्हें मुख्य परीक्षा के साथ (विषम परीक्षा में विषम सेमेस्टर और सम में विषम सेमेस्टर) आयोजित होने वाली अगली एटीकेटी परीक्षा में ही बैक लॉग पेपर पास करने का मौका मिलेगा। एक छात्र जो एटीकेटी परीक्षा में भी बैकल (इतिहानाँग क्लियर करने में विफल रहता है, उसे अगले सेमेस्टर में पदोन्नत किया जाएगा यदि वह अगले सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा में चौथे सेमेस्टर तक पैरा में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार अपेक्षित संख्या में पेपर पास कर लेता है। 10 छठे सेमेस्टर के अंत में एक पूर्ण एटीकेटी परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसमें छात्रों को छह सेमेस्टर तक के सभी बैकलॉग को क्लियर करना होगा।

कोई भी छात्र जो इस परीक्षा में अपना बैकलॉग पूरा करने में विफल रहता है, उसे सात सेमेस्टर में पदोन्नत नहीं किया जाएगा, जब तक कि वह पैरा (ए) के अनुसार प्रदान किए गए अगले अवसर में बैकलॉग



पेपर पूरा नहीं कर लेता, बशर्ते वह अधिकतम अवधि के अनुसार पात्र हो। अवधि।

- (b) यदि कोई छात्र बैकलॉग क्लियर करने में विफल रहता है, तो उसे बैक लॉग पेपर क्लियर होने तक रोके रखा जाएगा, जिसके पूरा होने तक वह पूर्व छात्र के रूप में अगली उपयुक्त परीक्षा में भाग ले सकता है। पाठ्यक्रम के लिए अनुमत अधिकतम अवधि तक की डिग्री। ऐसे पूर्व छात्रों के आंतरिक अंक संबंधित पाठ्यक्रम के लिए अग्रेषित किए जाएंगे जिसमें वह पूर्व छात्र के रूप में उपस्थित हो रहे हैं।

यदि किसी छात्र को नौवें सेमेस्टर और दसवें सेमेस्टर में एटीकेटी प्राप्त हुई है, तो उसे उस परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी जो उसकी डिग्री के अंतिम वर्ष के बैकलॉग को पूरा करने के लिए शैक्षणिक वर्ष के जुलाई/अगस्त में आयोजित की जाएगी।

छठे सेमेस्टर की परीक्षाओं के बाद परिणामों की घोषणा

खंड 10 में वर्णित प्रक्रिया के अनुसार छठे सेमेस्टर के परिणाम घोषित होने के बाद, एक उम्मीदवार को निम्नलिखित दो श्रेणियों में रखा जा सकता है:

उत्तीर्ण: एक उम्मीदवार जो VI सेमेस्टर के सभी पाठ्यक्रमों (परियोजना/वैकल्पिक/फील्ड अध्ययन सहित) में उत्तीर्ण हुआ है और कम से कम 4.00 सीजीपीए प्राप्त किया है। जिन छात्रों ने  $n/2$  पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया है यदि  $n$  सम है और  $(n+1)/2$  पाठ्यक्रम यदि  $n$  विषम है, जहां  $n$  का मतलब छठे सेमेस्टर में पाठ्यक्रमों की कुल संख्या है, तो छठे सेमेस्टर के परिणाम की घोषणा के ठीक बाद (जहां तक संभव हो एक महीने के भीतर) एटीकेटी का मौका दिया जाएगा। जो लोग एटीकेटी परीक्षा में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने में असमर्थ हैं, उन्हें अगले सत्र में छठे सेमेस्टर में वापस कर दिया जाएगा।

अनुत्तीर्ण: वे सभी छात्र जिन्होंने न्यूनतम  $n/2$  पाठ्यक्रम उत्तीर्ण नहीं किया है, यदि  $n$  सम है और  $(n+1)/2$  पाठ्यक्रम यदि  $n$  विषम है, जहां  $n$  छठे सेमेस्टर में पाठ्यक्रमों की कुल संख्या के लिए है, तो उन्हें अनुत्तीर्ण के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इन छात्रों को एटीकेटी का मौका नहीं मिलेगा और उन्हें अगले सत्र में छठे सेमेस्टर में फिर से शामिल होना होगा।

## 12. प्रभाग की घोषणा:

एक छात्र जो प्रत्येक I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX और X सेमेस्टर के सभी पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण हुआ है और कम से कम 4.00 सीजीपीए प्राप्त किया है, उसे 'उत्तीर्ण' घोषित किया जाएगा। निम्नलिखित मानदंडों के अनुसार छठे सेमेस्टर के सफल समापन के बाद डिवीजन को सम्मानित किया जाएगा:

- (a) विशिष्टता के साथ प्रथम श्रेणी: सीजीपीए  $\geq 7.50$
- (b) प्रथम श्रेणी: सीजीपीए  $\geq 6.00$ , लेकिन  $< 7.50$
- (c) द्वितीय श्रेणी: सीजीपीए  $\geq 4.00$ , लेकिन  $< 6.00$

13. **प्रतिलेख**

उपरोक्त पत्र ग्रेड, ग्रेड अंक और एसजीपीए और सीजीपीए के आधार पर, विश्वविद्यालय प्रत्येक सेमेस्टर के लिए प्रतिलेख और सभी सेमेस्टर में प्रदर्शन का संकेत देने वाला एक समेकित प्रतिलेख जारी करेगा।

14. **प्रतिशत में रूपांतरण:**

सीजीपीए को अंकों के संगत प्रतिशत (पी) में बदलने का रूपांतरण सूत्र इस प्रकार होगा:

$$P = 10 \times \text{CGPA}$$

15. **रैंकिंग**

केवल ऐसे उम्मीदवार जो एक ही प्रयास में कार्यक्रम के सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करते हैं, उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा घोषित और अधिसूचित रैंक, पदक आदि, यदि कोई हो, की घोषणा के लिए विचार किया जाएगा।

16. **विनियमन की व्याख्या**

इस अध्यादेश के प्रावधानों की व्याख्या के किसी भी मामले में, मामला कुलपति को भेजा जाएगा जो अकादमिक परिषद का अध्यक्ष है। उसका निर्णय अंतिम होगा।

17. **पुनः प्रवेश:**

- (a) किसी कार्यक्रम के प्रथम वर्ष (सेमेस्टर I/II) का एक छात्र (विश्वविद्यालय में नामांकित) 75 से कम उपस्थिति की कमी के कारण कार्यक्रम के विषम या सम सेमेस्टर की अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने के लिए पात्र नहीं पाया गया। % या जो विषम या सम सेमेस्टर में असफल होते हैं, उन्हें अगले शैक्षणिक वर्ष में उसी कार्यक्रम के प्रथम-सेमेस्टर में पुनः प्रवेश लेने की अनुमति दी जाएगी।
- (b) सभी कार्यक्रमों के तीसरे सेमेस्टर से अंतिम सेमेस्टर तक के छात्र, जिन्हें उपस्थिति की कमी < (%75 के कारण अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं है या जो विषम या सम सेमेस्टर में असफल होते हैं, उन्हें फिर से अगले शैक्षणिक वर्ष में उचित सेमेस्टर में प्रवेश परीक्षा देने की अनुमति होगी हालाँकि, पूर्व छात्र घोषित छात्रों को दोबारा प्रवेश लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

18. **कठिनाइयों को दूर करने की शक्ति**

यदि इन प्रावधानों में शामिल नहीं किए गए मामलों से संबंधित कोई प्रश्न उठता है, तो विश्वविद्यालय द्वारा उचित अधिनियम/कानून/अध्यादेश/विनियम/नियम/अधिसूचना में किए गए प्रासंगिक प्रावधान मान्य होंगे। एसजीपीए और सीजीपीए की गणना और प्रतिलेखों के प्रारूप का परिशिष्ट चित्रण

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester I					
C-1	04	A	8	32	
C-2	04	B+	7	28	
C-3	04	B	6	24	
C-4	04	B	6	24	
AECC-1	02	C	5	10	
TOTAL	18			118	6.55(118/18)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester II					
C-5	04	O	10	40	
C-6	04	A	8	32	
C-7	04	B	6	24	
C-8	04	B+	7	28	
AECC-2	02	A	8	16	
TOTAL	18			134	7.44(134/18)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester III					
C-9	04	A	8	32	
C-10	04	B+	7	28	
C-11	04	B	6	24	
C-12	04	B	6	24	
AECC-3	02	C	5	10	
AECC-4	02	A	8	16	
TOTAL	20			124	6.2(124/20)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester IV					
C-13	04	A	8	32	
C-14	04	B+	7	28	
C-15	04	B	6	24	
C-16	04	B	6	24	
AECC-5	02	C	5	10	
AECC-6	02	F	0	00	
TOTAL	20			118	5.9 (118/20)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester V					
C-17	04	A	8	32	
C-18	04	B+	7	28	
C-19	04	B	6	24	
C-20	04	B	6	24	
C-21	04	C	5	20	
C-22	04	A	8	32	
TOTAL	24			160	6.67(160/24)
Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester VI					
C-23	04	A	8	32	
C-24	04	B+	7	28	
C-25	04	B	6	24	
C-26	04	B	6	24	
C-27	04	C	5	20	
C-28	04	A	8	32	
TOTAL	24			160	6.67(160/24)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester VII					
C-29	04	A	8	32	
C-30	04	B+	7	28	
C-31	04	B	6	24	
C-32	04	B	6	24	
C-33	04	C	5	20	
C-34	04	A	8	32	
TOTAL	24			160	6.67(160/24)
Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester VIII					
C-35	04	A	8	32	
C-36	04	B+	7	28	
C-37	04	B	6	24	
C-38	04	B	6	24	
C-39	04	C	5	20	
SEC-1	04	A	8	32	
TOTAL	24			160	6.67(160/24)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester IX					
C-40	04	A	8	32	
C-41	04	B+	7	28	
C-42	04	B	6	24	
C-43	04	B	6	24	
C-44	04	C	5	20	
C-45	04	A	8	32	
TOTAL	24			160	6.67(160/24)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester X					
C-46	04	A	8	32	
C-47	04	B+	7	28	
C-48	04	B	6	24	
C-49	04	B	6	24	
SEC-2	04	P	4	16	
SEC-3	04	P	4	16	
TOTAL	24			140	5.83(140/24)
CGPA					
GRAND TOTAL	220			1434	6.52(1434/220)

Semester	Semester I	Semester II	Semester III	Semester IV	Semester V	Semester VI	Semester VII	Semester VIII	Semester IX	Semester X
<b>Credit</b>	<b>18</b>	<b>18</b>	<b>20</b>	<b>20</b>	<b>24</b>	<b>24</b>	<b>24</b>	<b>24</b>	<b>24</b>	<b>24</b>
<b>SGPA</b>	<b>6.55</b>	<b>7.44</b>	<b>6.2</b>	<b>5.9</b>	<b>6.67</b>	<b>6.67</b>	<b>6.67</b>	<b>6.67</b>	<b>6.67</b>	<b>5.8</b>

इस प्रकार

$$CGPA = (18 \times 6.55 + 18 \times 7.44 + 20 \times 6.2 + 20 \times 5.9 + 24 \times 6.67 + 24 \times 6.67 + 24 \times$$

$$6.67 + 24 \times 6.67 + 24 \times 6.67 + 24 \times 5.8) / 220 = 6.52$$



## अध्यादेश क्रमांक 8

### बैचलर ऑफ लेजिस्लेटिव लॉ (एलएल.बी.)

शीर्षक :	बैचलर ऑफ लेजिस्लेटिव लॉ (एलएल.बी.)
संकाय :	विधि संकाय
अवधि :	तीन वर्ष (छह सेमेस्टर)
पात्रता :	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से और बीसीआई मानदंडों के अनुसार किसी भी विषय में स्नातक डिग्री उत्तीर्ण।

#### प्रवेश प्रक्रिया:

प्रवेश के समय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षाओं या प्रवेश परीक्षाओं की योग्यता के आधार पर और छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देश का पालन किया जाएगा।

शैक्षणिक वर्ष: प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में दो सेमेस्टर होंगे (अर्थात् हर वर्ष जुलाई से जून तक)।

#### चयन प्रक्रिया:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ होने से पहले, विश्वविद्यालय की वेबसाइट और विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रवेश अधिसूचनाएँ जारी करेगा। चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट और विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी और छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं वे भी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालाँकि, ऐसे उम्मीदवारों को कट-ऑफ तिथि से पहले योग्यता परीक्षा के अंतिम वर्ष में उपस्थित होने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, ऐसा न करने पर दिया गया अनंतिम प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।

निम्नलिखित में से किसी भी कारण से प्रवेश अस्वीकृत किया जा सकता है:

- (1) नियत तिथि तक शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- (2) आवेदन पत्र पर उम्मीदवार और उसके माता-पिता द्वारा हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं।
- (3) प्रवेश के लिए आवश्यक सहायक पंजीकरण दस्तावेज़ संलग्न नहीं हैं।

सत्यापन और सभी आवश्यक दस्तावेजों और शुल्क जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा छात्र को पंजीकरण संख्या सौंपी जाएगी।

#### कार्यक्रम संरचना और परीक्षा योजना

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) द्वारा समय-समय पर दिए गए दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा और

परीक्षा की कार्यक्रम संरचना और योजना तदनुसार तैयार की जाएगी।

उत्तीर्ण होने की पात्रता:

अंतिम सेमेस्टर/अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए छात्र को प्रत्येक पेपर में 35% अंक प्राप्त करना आवश्यक है। 45% और उससे अधिक लेकिन 60% से नीचे को द्वितीय श्रेणी से सम्मानित किया जाएगा, और 60% और उससे अधिक को प्रथम श्रेणी से सम्मानित किया जाएगा।

मूल्यांकन एवं परीक्षा : विश्वविद्यालय के अध्यादेश संख्या 3 के अनुसार

एटीकेटी के लिए पात्रता मानदंड : विश्वविद्यालय के अध्यादेश संख्या 3 के अनुसार

सामान्य:

कार्यक्रम से संबंधित सभी मामलों में विश्वविद्यालय के कुलपति/रजिस्ट्रार का निर्णय अंतिम होगा। हालाँकि, कुलपति/रजिस्ट्रार अकादमिक परिषद की सिफारिश पर परीक्षा के पैटर्न की प्रणाली को बदलने के लिए सक्षम होंगे। कार्यक्रम की सामग्री समय-समय पर परिवर्तन के अधीन है।

किसी भी विवाद की स्थिति में मामले का निर्णय छत्तीसगढ़ न्यायालय के क्षेत्राधिकार के तहत किया जाएगा।

## अध्यादेश क्रमांक 9

### मास्टर ऑफ लेजिस्लेटिव लॉ (एलएल.एम.)

शीर्षक	:	मास्टर ऑफ लेजिस्लेटिव लॉ (एलएल.एम.)
संकाय	:	विधि संकाय
अवधि	:	दो वर्ष (चार सेमेस्टर)

#### पात्रता:

योग्यता के आधार पर और बीसीआई मानदंडों के अनुसार किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एलएल.बी. की डिग्री। प्रवेश प्रक्रिया अध्यादेश संख्या 1 में निर्दिष्ट अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षाओं या प्रवेश परीक्षाओं में योग्यता के आधार पर एक मेरिट सूची तैयार की जाएगी और प्रवेश के समय छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा।

#### सीटें:

मूल इकाई 40 सीटों वाली होगी, इकाई को प्रबंधन बोर्ड (बीओएम) द्वारा भी स्थापित किया जा सकता है।

शैक्षणिक वर्ष: प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में दो सेमेस्टर होंगे (अर्थात् जुलाई से जून तक (प्रत्येक वर्ष)

#### चयन प्रक्रिया:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ होने से पहले, वेबसाइट और विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइटों और विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी और छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं वे भी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालाँकि, ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता परीक्षा के अंतिम वर्ष में उपस्थित होने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, योग्यता परीक्षा के अंतिम वर्ष में दिया गया अंतिम प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।

निम्नलिखित में से किसी भी कारण से प्रवेश अस्वीकृत किया जा सकता है

- (1) शुल्क का भुगतान नियत तिथि तक नहीं किया गया है।
- (2) आवेदन पत्र पर उम्मीदवार और उसके माता-पिता द्वारा हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं।
- (3) प्रवेश के लिए आवश्यक सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।

#### पंजीकरण:

सत्यापन और सभी आवश्यक दस्तावेजों और शुल्क जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा छात्र को पंजीकरण संख्या सौंपी जाएगी।

कार्यक्रम संरचना और परीक्षा योजना:

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसी) द्वारा समय-समय पर दिए गए दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा और परीक्षा की कार्यक्रम संरचना और योजना तदनुसार डिजाइन की जाएगी।

उत्तीर्ण होने की पात्रता:

छात्र को अंतिम सेमेस्टर/अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए सिद्धांत और व्यावहारिक परीक्षा में प्रत्येक पेपर में अलग-अलग 40% अंक और कुल मिलाकर 45% अंक प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। 45% और उससे अधिक लेकिन 60% से नीचे को द्वितीय श्रेणी से सम्मानित किया जाएगा, और 60% और उससे अधिक को प्रथम श्रेणी से सम्मानित किया जाएगा।

मूल्यांकन एवं परीक्षा : विश्वविद्यालय के अध्यादेश संख्या 3 के अनुसार

एटीकेटी के लिए पात्रता मानदंड : विश्वविद्यालय के अध्यादेश संख्या 3 के अनुसार

सामान्य:

कार्यक्रम से संबंधित सभी मामलों में, विश्वविद्यालय के कुलपति/रजिस्ट्रार का निर्णय अंतिम होगा। हालाँकि, अकादमिक परिषद की सिफारिश पर कुलपति/रजिस्ट्रार परीक्षा के पैटर्न की प्रणाली को बदलने के लिए सक्षम होंगे। कार्यक्रम की सामग्री समय-समय पर परिवर्तन के अधीन है।

किसी भी विवाद की स्थिति में मामले का निर्णय छत्तीसगढ़ न्यायालय के क्षेत्राधिकार के तहत किया जाएगा।

## अध्यादेश क्रमांक 10

ए - फार्मेसी में डिप्लोमा (डी.फार्मा)  
बी - बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी.फार्मा)  
सी - मास्टर ऑफ फार्मेसी (एम.फार्मा)

पीसीआई द्वारा कार्यक्रम चलाने की अनुमति दिए जाने के बाद ही अध्यादेश लागू किया जाएगा।

(ए)

- शीर्षक : फार्मेसी में डिप्लोमा (डी.फार्मा)
- अवधि : दो साल (चार सेमेस्टर) + तीन महीने का व्यावहारिक प्रशिक्षण (न्यूनतम 500 घंटे)।  
डिग्री प्राप्त करने की अधिकतम अवधि चार वर्ष होगी
- पात्रता : छत्तीसगढ़ बोर्ड ऑफ सीनियर सेकेंडरी एजुकेशन या किसी भी मान्यता प्राप्त माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित (पी.सी.एम.) और / या जीवविज्ञान (पी.सी.बी./पी.सी.एम.बी.) के साथ अंग्रेजी विषयों में से एक के साथ 10+2 उत्तीर्ण होना चाहिए। वैकल्पिक विषय के रूप में।
- सीटें : फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के मानदंडों के अनुसार।
- प्रवेश प्रक्रिया : जैसा कि अध्यादेश 1 में निर्दिष्ट है। प्रवेश श्री दावड़ा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 10+2 परीक्षा/प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर दिया जाएगा। प्रवेश हेतु छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के प्रावधानों का पालन किया जायेगा।
- शैक्षणिक वर्ष : शैक्षणिक सत्र सामान्यतः प्रत्येक वर्ष जुलाई से जून तक होगा। प्रत्येक वर्ष विषम सेमेस्टर चक्र जुलाई से दिसंबर तक और सम सेमेस्टर जनवरी से जून तक होगा।
- चयन प्रक्रिया : विश्वविद्यालय प्रत्येक सत्र की शुरुआत से पहले समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड, विश्वविद्यालय की वेबसाइट और अन्य प्रचार माध्यमों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। ऐसी सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। उम्मीदवार, जो परिणाम प्रतीक्षित है वह भी आवेदन कर सकता है। हालांकि, ऐसे उम्मीदवारों को कट-ऑफ तिथि से पहले आवश्यक पात्रता मानदंड के प्रमाण के रूप में मार्क शीट या डिग्री प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, ऐसा न करने पर, दिया गया अनंतिम प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। निम्नलिखित में से किसी भी कारण से प्रवेश अस्वीकृत किया जा सकता है:-
- फीस : पाठ्यक्रम शुल्क समय-समय पर छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, रायपुर से उचित अनुमोदन के साथ श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के प्रबंधन बोर्ड द्वारा तय

किया जाएगा।

- परीक्षा योजना : विश्वविद्यालय परीक्षा अध्यादेश 3 के अनुसार, जब तक अन्यथा प्रदान न किया गया हो।
- पाठ्यक्रम संरचना : पाठ्यक्रम संरचना उत्तरदायी अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार की जाएगी और श्री दावड़ा विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित होगी। सामान्य: अकादमिक परिषद की सिफारिश पर, कुलपति अध्यादेश में आवश्यक संशोधन करने के बाद परीक्षा प्रणाली/पैटर्न को बदलने के लिए सक्षम होंगे। किसी भी विवाद की स्थिति में मामले का निर्णय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार के तहत किया जाएगा।

(बी)

- शीर्षक : बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी. फार्मा)
- अवधि : बी.फार्मा की अवधि चार वर्ष (आठ सेमेस्टर) का होगा। डिग्री प्राप्त करने की अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- पात्रता : (1) छत्तीसगढ़ बोर्ड ऑफ सीनियर सेकेंडरी एजुकेशन या किसी भी मान्यता प्राप्त माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित (पी.सी.एम.) और / या जीवविज्ञान (पी.सी.बी.) के साथ अंग्रेजी विषयों में से एक के साथ 10+2 उत्तीर्ण होना चाहिए। /पी.सी.एम.बी.) वैकल्पिक विषय के रूप में। (2) प्रवेश का आधार: बी.फार्मा में लेटरल एंट्री। डी.फार्मा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को द्वितीय वर्ष या तृतीय सेमेस्टर दिया जाएगा। फार्मेसी अधिनियम की धारा 12 के तहत फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा अनुमोदित संस्थान से पाठ्यक्रम।
- सीटें : फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के मानदंडों के अनुसार।
- प्रवेश प्रक्रिया : जैसा कि अध्यादेश 1 में निर्दिष्ट है। प्रवेश श्री दावड़ा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 10+2 परीक्षा/प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर दिया जाएगा। प्रवेश हेतु छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के प्रावधानों का पालन किया जायेगा।
- शैक्षणिक वर्ष : शैक्षणिक सत्र सामान्यतः प्रत्येक वर्ष जुलाई से जून तक होगा। एक वर्ष में दो सेमेस्टर होंगे, एक जुलाई से दिसंबर तक और दूसरा जनवरी से जून तक।
- चयन प्रक्रिया : विश्वविद्यालय प्रत्येक सत्र की शुरुआत से पहले समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड, विश्वविद्यालय की वेबसाइट और अन्य प्रचार माध्यमों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। ऐसी सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन अभ्यर्थियों का परिणाम प्रतीक्षित है वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि ऐसे उम्मीदवारों को कट-ऑफ तिथि

से पहले आवश्यक पात्रता मानदंड के प्रमाण के रूप में मार्क शीट या डिग्री प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, ऐसा न करने पर, दिया गया अनंतिम प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। निम्नलिखित में से किसी भी कारण से प्रवेश अस्वीकृत किया जा सकता है: 1. आवेदन पत्र वैसे भी अधूरा है। 2. पाठ्यक्रम शुल्क का भुगतान नियत तिथि तक नहीं किया गया है। 3. प्रवेश के लिए आवश्यक सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं। 4. आवेदन पत्र में गलत जानकारी दी गई है। सभी आवश्यक दस्तावेजों और आवश्यक शुल्क के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक छात्र को पंजीकरण संख्या सौंपी जाएगी। फीस: पाठ्यक्रम शुल्क समय-समय पर छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, रायपुर से उचित अनुमोदन के साथ श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के प्रबंधन बोर्ड द्वारा तय किया जाएगा।

**परीक्षा योजना :** विश्वविद्यालय परीक्षा अध्यादेश 3 के अनुसार, जब तक अन्यथा प्रदान न किया गया हो। पाठ्यक्रम संरचना: पाठ्यक्रम संरचना उत्तरदायी अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार की जाएगी और श्री दावड़ा विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित की जाएगी। सामान्य: अकादमिक परिषद की सिफारिश पर, कुलपति अध्यादेश में आवश्यक संशोधन करने के बाद परीक्षा प्रणाली/पैटर्न को बदलने के लिए सक्षम होंगे। किसी भी विवाद की स्थिति में मामले का निर्णय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार के तहत किया जाएगा।

**(सी)**

**शीर्षक :** मास्टर ऑफ फार्मेसी (एम.फार्मा)

**अवधि:** बी.फार्मा के लिए अवधि दो वर्ष (या चार सेमेस्टर) का होगा। डिग्री प्राप्त करने की अधिकतम अवधि चार वर्ष होगी।

**पात्रता :** (1) बी.फार्मा उत्तीर्ण। कुल मिलाकर न्यूनतम 55% अंकों के साथ यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा अनुमोदित संस्थान से। (2) संबंधित राज्य फार्मेसी काउंसिल के साथ पंजीकरण प्राप्त करना चाहिए या अपने प्रवेश की तारीख से एक महीने के भीतर इसे प्राप्त करना चाहिए, ऐसा न करने पर उम्मीदवार का प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। (पीसीआई मानदंडों के अनुसार)

**सीटें :** फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के मानदंडों के अनुसार।

**प्रवेश प्रक्रिया :** जैसा कि अध्यादेश 1 में निर्दिष्ट है। प्रवेश श्री दावड़ा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बी.फार्मा/प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य शासन की आरक्षण नीति का पालन किया जायेगा। प्रवेश हेतु छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के प्रावधानों का पालन किया जायेगा।

**शैक्षणिक वर्ष :** शैक्षणिक सत्र सामान्यतः प्रत्येक वर्ष जुलाई से जून तक होगा। एक वर्ष में दो सेमेस्टर होंगे, एक जुलाई से दिसंबर तक और दूसरा जनवरी से जून तक।

- चयन प्रक्रिया :** विश्वविद्यालय प्रत्येक सत्र की शुरुआत से पहले समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड, विश्वविद्यालय की वेबसाइट और अन्य प्रचार माध्यमों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी या छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। ऐसी सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। उम्मीदवार, जो परिणाम प्रतीक्षित है वह भी आवेदन कर सकता है। हालाँकि, ऐसे उम्मीदवारों को कट-ऑफ तिथि से पहले आवश्यक पात्रता मानदंड के प्रमाण के रूप में मार्क शीट या डिग्री प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, ऐसा न करने पर, दिया गया अनंतिम प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। निम्नलिखित में से किसी भी कारण से प्रवेश अस्वीकृत किया जा सकता है: 1. आवेदन पत्र वैसे भी अधूरा है। 2. पाठ्यक्रम शुल्क का भुगतान नियत तिथि तक नहीं किया गया है। 3. प्रवेश के लिए आवश्यक सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं। 4. आवेदन पत्र में गलत जानकारी दी गई है। सभी आवश्यक दस्तावेजों और आवश्यक शुल्क के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक छात्र को पंजीकरण संख्या सौंपी जाएगी। फीस: पाठ्यक्रम शुल्क समय-समय पर छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, रायपुर से उचित अनुमोदन के साथ श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के प्रबंधन बोर्ड द्वारा तय किया जाएगा।
- परीक्षा योजना :** विश्वविद्यालय परीक्षा अध्यादेश 3 के अनुसार, जब तक अन्यथा प्रदान न किया गया हो।
- पाठ्यक्रम संरचना :** पाठ्यक्रम संरचना उत्तरदायी अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार की जाएगी और श्री दावड़ा विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित की जाएगी।
- सामान्य :** अकादमिक परिषद की सिफारिश पर, कुलपति अध्यादेश में आवश्यक संशोधन करने के बाद परीक्षा प्रणाली/पैटर्न को बदलने के लिए सक्षम होंगे। किसी भी विवाद की स्थिति में मामले का निर्णय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार के तहत किया जाएगा।



## अध्यादेश संख्या- 11

### डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) एनईपी 2020 और यूजीसी विनियमन 2022/यूजीसी अधिसूचना के प्रावधानों के अनुसार

#### A. प्रवेश के लिए पात्रता मानदंड :-

निम्नवत अभियार्थी पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र है:

1. 4 वर्षीय / 8 सेमेस्टर स्नातक उपाधि कार्यक्रम के बाद एक वर्ष / दो सेमेस्टर स्नाकोत्तर उपाधि कार्यक्रम अथवा तीन वर्षीय स्नातक उपाधि कार्यक्रम के बाद दो वर्षीय / 4 सेमेस्टर स्नाकोत्तर उपाधि कार्यक्रम अथवा संबंधित सांविधिक निकाय द्वारा स्नाकोत्तर उपाधि के समकक्ष घोषित योग्यताये, जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली का पालन किया जाता है ;

अथवा एक मूल्यांकन और प्रत्यायन एजेंसी द्वारा मान्यता प्राप्त ऐसे विदेशी शैक्षणिक संस्थान से समकक्ष योग्यता, जो किसी प्राधिकरण द्वारा स्थापित, मान्यता प्राप्त या अधिकृत है, में कम से कम 55: अंको के साथ या इसके समकक्ष ग्रेड में एक बिन्दु पैमाने पर अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षणिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो की किसी आंकलन या प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो की शिक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं माँनको को सुनिश्चित करने एवं उनके आंकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो की उस देश में किसी कानून के अंतर्गत स्थापित अथवा निगमित है |

अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग/ (नॉन- क्रीमी लेयर)/ दिव्यांग व्यक्ति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (इ.डब्लू.एस.) अन्य श्रेणियों के अभियार्थियों को समय समय पर विश्व विद्यालय अनुदान आयोग के निर्णय के अनुसार 5 : अंको अथवा ग्रेड में समतुल्य छुट प्रदान की जा सकती है |

बशर्ते, 4 वर्षीय / 8 सेमेस्टर स्नातक उपाधि कार्यक्रम के बाद प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवार के न्यूनतम 75: अंक होने चाहिए या इसके समकक्ष ग्रेड एक पॉइंट स्केल में जहां भी ग्रेडिंग सिस्टम का पालन किया जाता है; अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग/ (नॉन- क्रीमी लेयर)/ दिव्यांग व्यक्ति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (इ.डब्लू.एस.) अन्य श्रेणियों के अभियार्थियों को समय समय पर विश्व विद्यालय अनुदान आयोग के निर्णय के अनुसार 5 : अंको अथवा ग्रेड में समतुल्य छुट प्रदान की जा सकती है|

#### B. कार्यक्रम की अवधि:

1. पीएच.डी. कार्यक्रम कोर्सवर्क सहित न्यूनतम तीन (3) वर्ष की अवधि के लिए होगा, और प्रवेश की तारीख से अधिकतम छह (6) वर्ष की अवधि के लिए होगा।
2. पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से अधिकतम दो (2) वर्ष अतिरिक्त दिए जा सकते हैं; बशर्ते कि पीएच.डी. पूरा करने की कुल अवधि। कार्यक्रम पीएच.डी. में प्रवेश की तारीख से आठ (8) वर्ष से अधिक

नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम. बशर्ते कि, महिला पीएच.डी. शोधार्थियों और विकलांग व्यक्तियों (40% से अधिक विकलांगता वाले) को दो (2) वर्ष की अतिरिक्त छूट दी जा सकती है; हालाँकि, पीएच.डी. पूरा करने की कुल अवधि ऐसे मामलों में कार्यक्रम पीएचडी में प्रवेश की तारीख से दस (10) वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम.

3. महिला पीएच.डी. शोधार्थियों को पूरी अवधि में को 240 दिनों तक मातृत्व अवकाश/बाल देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।

### C. प्रवेश की प्रक्रिया :-

1. विश्वविद्यालय यूजीसी-सीएसआईआर नेट परीक्षा / विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के आधार पर पीएचडी छात्रों को प्रवेश प्रदान करेगा | इसके अतिरिक्त प्रवेश के समय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अधिसूचित पीएचडी प्रवेश से सम्बंधित समस्त अद्यतन मानदंडों का पालन किया जाएगा।

अर्हता (Qualified for)	पात्रता (Eligible for)		
	जेआरएफ	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी प्रवेश
श्रेणी-1: जेआरएफ का पुरस्कार और सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति	Yes	Yes	Yes
श्रेणी-2: सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और पीएचडी में प्रवेश।	No	Yes	Yes
श्रेणी-3: पीएच.डी. में प्रवेश। केवल	No	No	Yes

के लिए योग्य पात्र जेआरएफ सहायक प्रोफेसर पीएच.डी. प्रवेश श्रेणी-1: जेआरएफ का पुरस्कार और सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति हाँ हाँ हाँ श्रेणी-2: सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और पीएचडी में प्रवेश। नहीं हाँ हाँ श्रेणी-3: पीएच.डी. में प्रवेश। केवल नहीं नहीं हाँ जेआरएफ-योग्य छात्रों को पीएचडी में प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पीएचडी डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम मानक और प्रक्रिया) विनियम, 2022 के अनुसार साक्षात्कार पर आधारित कार्यक्रम। श्रेणी 2 और 3 में अर्हता प्राप्त करने वाले छात्रों को पीएचडी में प्रवेश के लिए टेस्ट स्कोर के लिए 70% वेटेज और साक्षात्कार के लिए 30% वेटेज दिया जाएगा। कार्यक्रम. पीएच.डी. प्रवेश नेट अंकों की संयुक्त योग्यता और साक्षात्कार/मौखिक परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा। श्रेणी 2 और 3 में उम्मीदवारों द्वारा नेट में प्राप्त अंक पीएचडी में प्रवेश के लिए एक वर्ष की अवधि के लिए मान्य होंगे।

2. विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक परिषद के माध्यम से वार्षिक आधार पर पीएचडी की पूर्व निर्धारित और प्रबंधनीय संख्या तय करेगा। शोधार्थियों को उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों की संख्या और उपलब्ध अन्य शैक्षणिक और भौतिक सुविधाओं के आधार पर, शोधार्थी-शिक्षक अनुपात (जैसा कि नीचे खंड डी के तहत दर्शाया गया है), प्रयोगशाला, पुस्तकालय और ऐसी अन्य सुविधाओं के मानदंडों को ध्यान में रखते

हुए प्रवेश दिया जाएगा।

3. विश्वविद्यालय अपनी संस्थागत वेबसाइट पर प्रवेश के लिए सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषय-वार वितरण और उम्मीदवारों के लाभ के लिए अन्य सभी प्रासंगिक जानकारी पहले से ही सूचित करेगा।

4. प्रवेश यूजीसी और अन्य संबंधित वैधानिक निकायों द्वारा जारी दिशानिर्देशों/मानदंडों पर आधारित होगा और समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को ध्यान में रखा जाएगा।

4.1. विश्वविद्यालय द्वारा एक साक्षात्कार, वाइवा-वॉयस आयोजित किया जाएगा, जब उम्मीदवारों को एक विधिवत गठित विभाग शोध समिति के समक्ष एक प्रस्तुति के माध्यम से अपने शोध हित/क्षेत्र पर चर्चा करनी होगी।

4.2. साक्षात्कार/वाइवा-वॉयस में निम्नलिखित पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, जैसे: चाहे:

- उम्मीदवार के पास प्रस्तावित शोध के लिए योग्यता है;
- शोध कार्य उपयुक्त रूप से/विभाग में किया जा सकता है;
- शोध का प्रस्तावित क्षेत्र नए/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान दे सकता है।

5. विश्वविद्यालय सभी पीएच.डी. की सूची बनाए रखेगा। इसकी वेबसाइट पर वर्षवार आधार पर पंजीकृत छात्र सूची में पंजीकृत उम्मीदवारों का नाम, उनके शोध का विषय, और उनके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक का नाम और नामांकन/पंजीकरण की तारीख शामिल होगी।

#### डी. शोध पर्यवेक्षक का आवंटन:

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण-शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने के लिए पात्रता मानदंड, प्रति पर्यवेक्षक के लिए अनुमंय पीएचडी शोधार्थियों की संख्या, आदि।

1. विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर जिसके पास सहकर्मि- पीयर रिव्यू या संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम पांच (5) शोध प्रकाशन हों, और .

2. पीएच.डी. के साथ विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित सहायक प्रोफेसर। डिग्री और सहकर्मि- पीयर रिव्यू या संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम तीन (3) शोध प्रकाशन। बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहां सहकर्मि- पीयर रिव्यू या संदर्भित जर्नल नहीं हैं, या केवल सीमित संख्या में हैं, अकादमिक परिषद लिखित रूप में दर्ज किए गए कारणों के साथ शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता के लिए उपरोक्त शर्त में छूट दे सकती है।

3. किसी चयनित शोध छात्र के लिए एक शोध पर्यवेक्षक का आवंटन संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक शोधार्थियों की संख्या, पर्यवेक्षकों के बीच उपलब्ध विशेषज्ञता और उस समय उनके द्वारा बताए गए शोधार्थियों के शोध हितों के आधार पर तय किया जाएगा। साक्षात्कार/मौखिक परीक्षा की।

4. उन विषयों के मामले में जो अंतःविषय प्रकृति के हैं, जहां संबंधित विभाग को लगता है कि विभाग में विशेषज्ञता को बाहर से पूरक करना होगा, विभाग विभाग से ही एक शोध पर्यवेक्षक नियुक्त कर सकता है, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा। और विभाग/संकाय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक/ऐसे

नियमों और शर्तों पर जो सहमति देने वाले विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट और सहमत हो सकते हैं।

5. एक शोध पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, जो एक प्रोफेसर है, किसी भी समय आठ (8) पीएच.डी. से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। शोधार्थी, शोध पर्यवेक्षक के रूप में एक एसोसिएट प्रोफेसर अधिकतम छह (6) पीएच.डी. तक का मार्गदर्शन कर सकता है। शोध पर्यवेक्षक के रूप में शोधार्थी और एक सहायक प्रोफेसर अधिकतम चार (4) पीएच.डी. तक का मार्गदर्शन कर सकते हैं। शोधार्थियों और यूजीसी मानदंडों, यदि कोई हो, का पालन किया जाना चाहिए।

6. पीएच.डी. के स्थानांतरण के मामले में महिला शोधार्थी की शादी या अन्यथा के कारण, शोध डेटा को उस विश्वविद्यालय में स्थानांतरित करने की अनुमति दी जाएगी जहां शोधार्थी स्थानांतरित होने का इरादा रखता है, बशर्ते इन नियमों में अन्य सभी शर्तों का अक्षरशः पालन किया जाए और शोध कार्य इससे संबंधित न हो। किसी भी फंडिंग एजेंसी से मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा सुरक्षित परियोजना। हालाँकि, शोधार्थी पहले से किए गए शोध के हिस्से के लिए मूल मार्गदर्शक और संस्थान को उचित श्रेय देगा।

#### **E. पीएच.डी. कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का प्रवेश -**

(1) प्रत्येक पर्यवेक्षक पीएच.डी. की अनुमति संख्या से अधिक संख्या के आधार पर दो अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थियों का मार्गदर्शन कर सकता है। उपरोक्त खंड डी (3) में निर्दिष्ट अनुसार।

(2) विश्वविद्यालय पीएच.डी. के लिए अपनी चयन प्रक्रिया स्वयं तय कर सकता है। समय-समय पर संबंधित वैधानिक/विनियामक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी दिशानिर्देशों/मानदंडों को ध्यान में रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का प्रवेश दे सकता है।

**F. किसी भी बिंदु पर, पीएच.डी. की कुल संख्या।** किसी संकाय सदस्य के अधीन या पर्यवेक्षक या सह-पर्यवेक्षक के रूप में, खंड डी (3) और खंड ई (1) में निर्धारित संख्या से अधिक नहीं होंगे।

#### **G. कोर्सवर्क: क्रेडिट आवश्यकताएँ, संख्या, अवधि, पाठ्यक्रम, पूरा करने के लिए न्यूनतम मानक, आदि-**

1. पीएच.डी. को सौंपा गया क्रेडिट। यूजीसी द्वारा अधिसूचित "शोध और प्रकाशन नैतिकता" सहित कोर्सवर्क कम से कम 12 क्रेडिट का होगा।

2. सभी पीएच. डी शोधार्थियों को अपने चुने हुए पीएच.डी. से संबंधित शिक्षण/ शिक्षा/ शिक्षाशास्त्र/ लेखन में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता होगी। उनके डॉक्टरेट अवधि के दौरान विषय पीएच.डी. शोधार्थी को ट्यूटोरियल या प्रयोगशाला कार्य और मूल्यांकन करने के लिए प्रति सप्ताह 4-6 घंटे शिक्षण/शोध सहायता भी सौंपी जा सकती है।

2.1. पाठ्यक्रम को पीएच.डी. के लिए एक शर्त के रूप में माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रमों के लिए न्यूनतम चार क्रेडिट आवंटित किए जाएंगे जो मात्रात्मक तरीकों, कंप्यूटर अनुप्रयोगों, शोध नैतिकता और संबंधित क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, फील्डवर्क आदि जैसे क्षेत्रों को कवर कर सकते हैं। अन्य पाठ्यक्रम होंगे पीएच.डी. के लिए छात्रों को उन्नत स्तर की तैयारी दी जाएगी।

2.2. पीएच.डी. के लिए निर्धारित सभी पाठ्यक्रम घटका कार्यक्रम क्रेडिट घंटे की अनुदेशात्मक आवश्यकता के अनुरूप होगा और अनुदेशात्मक और मूल्यांकन विधियों को निर्दिष्ट करेगा। उन्हें

अधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत अनुमोदित किया जाएगा।

3. पीएच.डी. कार्यक्रम में जारी रखने और अपनी थीसिस जमा करने के लिए पात्र होने के लिए शोधार्थियों को पाठ्यक्रम में यूजीसी 10-पॉइंट स्केल में न्यूनतम 55% अंक या इसके समकक्ष ग्रेड प्राप्त करना होगा।

#### H. शोध सलाहकार समिति और उसके कार्य:

1. प्रत्येक पीएच.डी. के लिए एक शोध सलाहकार समिति होगी। पीएच.डी. शोधार्थियों के शोध पर्यवेक्षक इस समिति के संयोजक होंगे और इस समिति की निम्नलिखित जिम्मेदारियाँ होंगी:

- a) शोध प्रस्ताव की समीक्षा करना और शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- b) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा शोध पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किये जाने वाले पाठ्यक्रम (o)की पहचान करना।
- c) पीएच.डी. के शोध कार्य की प्रगति की समय-समय पर समीक्षा करना और सहायता करना।

2. प्रत्येक सेमेस्टर, एक पीएच.डी. शोधार्थी एक प्रस्तुति देने के लिए शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होगा और मूल्यांकन और आगे के मार्गदर्शन के लिए अपने काम की प्रगति पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। शोध सलाहकार समिति पीएचडी की एक प्रति के साथ अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी और विश्वविद्यालय को शोधार्थियों की प्रगति रिपोर्ट व ऐसी अनुशंसाओं की एक प्रति पीएच.डी. शोधार्थी को भी प्रदान की जाएगी।

3. पीएच.डी. की प्रगति के मामले में यदि शोधार्थी असंतोषजनक है, तो शोध सलाहकार समिति इसके कारणों को दर्ज करेगी और सुधारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि पीएच.डी. शोधार्थी इन सुधारात्मक उपायों को लागू करने में विफल रहता है, तो शोध सलाहकार समिति विशिष्ट कारणों से, पीएचडी के पंजीकरण को रद्द करने की सिफारिश कर सकती है।

#### I. शोध डिग्री समिति और उसके कार्य-

1. प्रत्येक विषय के लिए एक शोध डिग्री समिति होगी। समिति में निम्नलिखित शामिल होंगे:

- 1.1. कुलपति या उनके नामांकित व्यक्ति।
- 1.2. संबंधित संकाय के डीन.
- 1.3. विषय में विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के प्रमुख।
- 1.4. विषय में अध्ययन बोर्ड के अध्यक्ष।
- 1.5. विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रैंक का एक विषय विशेषज्ञ, आमतौर पर अध्ययन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दिए गए 5 विशेषज्ञों के पैनल में से कुलपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

#### टिप्पणी :

1. पर्यवेक्षकों के अनुरोध पर, कुलपति शोध डिग्री समिति (आरडीसी) की बैठक में अपने उम्मीदवार की मौखिक प्रस्तुति के दौरान गाइड को पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित होने की अनुमति दे सकते हैं।
2. कोई टी.ए. नहीं. और डी.ए. शोध डिग्री समिति की बैठक में भाग लेने के लिए उम्मीदवार और पर्यवेक्षक को देय होगा।
3. बाहरी विशेषज्ञ और दो अन्य सदस्य कोरम बनाएंगे।

2. जिस उम्मीदवार ने इस अध्यादेश की धारा ई के तहत निर्दिष्ट पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, उसे आरडीसी द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन के लिए अंतिम सारांश के साथ शोध डिग्री समिति के समक्ष खुद को प्रस्तुत करना होगा।
3. शोध डिग्री समिति सारांश, अध्ययन के डिजाइन, नियोजित की जाने वाली पद्धति, परीक्षण की जाने वाली परिकल्पनाओं और उम्मीदवार द्वारा प्रस्तावित शोध की प्रासंगिकता का मूल्यांकन करेगी।
4. यदि शोध डिग्री समिति उम्मीदवार की प्रस्तुति से संतुष्ट है, तो यह अनुशांसा करेगी कि उम्मीदवार पीएचडी के लिए पंजीकृत है। विश्वविद्यालय का डिग्री कार्यक्रम।
5. यदि शोध डिग्री समिति संतुष्ट नहीं है और सारांश में संशोधन की सिफारिश करती है, तो उम्मीदवार अपनी शोध सलाहकार समिति के परामर्श से आरडीसी के सुझाव को शामिल करते हुए संशोधित सारांश तैयार करेगा और संशोधित सारांश को पुनर्विचार के लिए विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करेगा।
6. अभ्यर्थियों की संख्या के आधार पर शोध डिग्री समिति वर्ष में दो बार बुलाई जाएगी।

#### J. मूल्यांकन और मूल्यांकन के तरीके, डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम मानक/क्रेडिट, आदि-

1. पाठ्यक्रम के संतोषजनक समापन पर और उपरोक्त उप-खंडों में निर्धारित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, पीएच.डी. शोधार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित उचित समय के भीतर शोध कार्य करने और एक मसौदा निबंध/थीसिस तैयार करने की आवश्यकता होगी।
2. शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पहले, शोधार्थी को संबंधित संस्थान की शोध सलाहकार समिति के समक्ष विभाग में एक प्रस्तुति देनी होगी जो सभी संकाय सदस्यों और अन्य शोध शोधार्थियों के लिए भी खुली होगी। उनसे प्राप्त फीडबैक और टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा निबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल किया जा सकता है।
3. पीएच.डी. शोधार्थियों को रेफरीड जर्नल में कम से कम एक (1) शोध पत्र प्रकाशित करना होगा और निर्णय के लिए शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पहले सम्मेलनों/संगोष्ठियों में दो पेपर प्रस्तुतियां देनी होंगी और प्रस्तुति प्रमाण पत्र और/या पुनर्मुद्रण के रूप में इसके लिए साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा।
4. विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद साहित्यिक चोरी और शैक्षणिक बेईमानी के अन्य रूपों का पता लगाने के लिए अच्छी तरह से विकसित सॉफ्टवेयर और गैजेट्स का उपयोग करके तंत्र विकसित करेगी। मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करते समय, निबंध/थीसिस में शोध शोधार्थी से एक वचन पत्र और शोध पर्यवेक्षक से काम की मौलिकता को प्रमाणित करने वाला एक प्रमाण पत्र होना चाहिए, जिसमें यह पुष्टि की गई हो कि कोई साहित्यिक चोरी नहीं है (यूजीसी नियमों का पालन करते हुए) और काम में कोई साहित्यिक चोरी नहीं है। उसी संस्थान से, जहां कार्य किया गया था, या किसी अन्य संस्थान से किसी अन्य डिग्री/डिप्लोमा के पुरस्कार के लिए प्रस्तुत किया गया हो।
5. पीएच.डी. किसी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत थीसिस का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक और कम से कम दो बाहरी परीक्षकों द्वारा किया जाएगा, जो विश्वविद्यालय में कार्यरत नहीं हैं, जिनमें से एक परीक्षक देश के बाहर से हो सकता है।
6. मौखिक परीक्षा, अन्य बातों के अलावा, मूल्यांकन रिपोर्ट में दी गई आलोचनाओं पर आधारित, शोध पर्यवेक्षक और कम से कम दो बाहरी परीक्षकों में से एक द्वारा आयोजित की जाएगी, और इसमें सदस्यों द्वारा भाग लेने की अनुमति होगी। शोध सलाहकार समिति, विभाग के सभी संकाय सदस्य, अन्य

शोध शोधार्थी और अन्य इच्छुक विशेषज्ञ/शोधकर्ता।

7. शोध प्रबंध/थीसिस का बचाव करने के लिए शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल तभी आयोजित की जाएगी जब बाहरी परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो और मौखिक परीक्षा आयोजित करने के लिए एक विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। यदि पीएच.डी. के मामले में बाहरी परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्टों में से एक थीसिस असंतोषजनक है और मौखिक परीक्षा की अनुशंसा नहीं करता है, विश्वविद्यालय थीसिस को परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाहरी परीक्षक को भेजेगा और मौखिक परीक्षा तभी आयोजित की जाएगी जब नवीनतम परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक होगी। यदि नवीनतम परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक है, तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा, और शोधार्थी को डिग्री प्रदान करने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।
8. विश्वविद्यालय पीएचडी के मूल्यांकन की पूरी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए उचित तरीके विकसित करेगा। थीसिस जमा करने की तारीख से छह महीने की अवधि के भीतर।

#### **K. पीएच.डी. अंशकालिक मोड के माध्यम से**

1. पीएच.डी. अंशकालिक माध्यम से कार्यक्रमों की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते इस अध्यादेश में निर्धारित सभी शर्तें पूरी हों।
2. विश्वविद्यालय अंशकालिक पीएचडी के लिए उम्मीदवार के माध्यम से "अनापत्ति प्रमाणपत्र" प्राप्त करेगा। उस संगठन में उपयुक्त प्राधिकारी से कार्यक्रम, जहां उम्मीदवार कार्यरत है, स्पष्ट रूप से बताते हुए कि: 2.1. उम्मीदवार को अंशकालिक आधार पर पढ़ाई करने की अनुमति है।  
2.2. उनके आधिकारिक कर्तव्य उन्हें अनुसंधान के लिए पर्याप्त समय देने की अनुमति देते हैं।  
2.3. यदि आवश्यक हुआ, तो उसे पाठ्यक्रम पूरा करने के कर्तव्य से मुक्त कर दिया जाएगा।
3. इस अध्यादेश या किसी अन्य कानून में किसी भी बात के बावजूद, फिलहाल लागू होने पर, विश्वविद्यालय पीएचडी का संचालन नहीं करेगा। दूरस्थ और/या ऑनलाइन मोड के माध्यम से कार्यक्रम।
4. विश्वविद्यालय अंशकालिक पीएचडी के लिए चयन प्रक्रिया तय करेगा। समय-समय पर संबंधित वैधानिक/नियामक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी दिशानिर्देशों/मानदंडों को ध्यान में रखते हुए शोध छात्रों का प्रवेश।

#### **L. अस्थायी (अनंतिम) प्रमाणपत्र जारी करना-**

पीएच.डी. के वास्तविक पुरस्कार से पहले डिग्री, विश्वविद्यालय इस आशय का एक अनंतिम प्रमाण पत्र जारी करेगा कि पीएच.डी. समय-समय पर जारी यूजीसी विनियमों के प्रावधानों के अनुसार प्रदान किया जाता है।

#### **M. इनफ्लिबनेट के साथ के. डिपॉजिटरी:**

पीएच.डी उपाधियों को अवार्ड करने हेतु मूल्यांकन प्रक्रिया के सफल समापन के पश्चात् तथा पीएच.डी उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व सम्बंधित विश्वविद्यालय पीएच.डी शोध प्रबंधन की इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी उच्चतर और अनुसन्धान संस्थानों को सुलभ हो।

अटल नगर, दिनांक 20 जून 2024

क्रमांक एफ 3-34/2024/38-2.— भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 20-06-2024 का अंग्रेजी अनुवाद छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के प्राधिकार से एतद् द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
आर. पी. पाण्डेय, उप-सचिव.

Atal Nagar, the 20th June 2024

#### NOTIFICATION

No. F 3-34/2024/38-2.— Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission, Raipur vide its Letter No. 10624/श्री दावड़ा वि.वि./प्र.परि./प्र.अध्या./2024/20246, Dated 29-05-2024 has approved the First Statutes No. 01 to 24 and First Ordinance No. 01 to 11 of Shri Davara University, Village-Bhelwadih, Tahsil-Abhanpur, District-Raipur (Chhattisgarh) under Section 26 (5) and Section 28 (4) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment & Operation) Act, 2005.

2. The State Government hereby gives its approval for notification of these Statutes and Ordinances in Official Gazette.
3. The above Statutes and Ordinances shall come into force from the date of its publication in the official Gazette.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,  
R.P. PANDEY, Deputy Secretary.



“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक  
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

# छत्तीसगढ़ राजपत्र

## (असाधारण)

### प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 568]

रायपुर, बुधवार, दिनांक 18 अक्टूबर 2023 — अश्विन 26, शक 1945

विधि और विधायी कार्य विभाग  
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 17 अक्टूबर 2023

क्र. 12454/डी. 82/21-अ/प्रारू./छ.ग./23. — छत्तीसगढ़ विधान सभा का निम्नलिखित अधिनियम, जिस पर दिनांक 09-09-2023 को राज्यपाल महोदय की अनुमति प्राप्त हो चुकी है, एतद्वारा सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
अनिल सिन्हा, उप-सचिव.

### छत्तीसगढ़ अधिनियम (क्र. 17 सन् 2023)

#### छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) अधिनियम, 2023.

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र. 13 सन् 2005) को और संशोधित करने हेतु अधिनियम।

भारत गणराज्य के चौहत्तरवें वर्ष में छत्तीसगढ़ विधानमण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :-

- संक्षिप्त नाम,  
विस्तार तथा  
प्रारंभ.
- (1) यह अधिनियम छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) अधिनियम, 2023 कहलायेगा।
  - (2) इसका विस्तार सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा।
  - (3) यह राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा।

- अनुसूची का  
संशोधन.
2. छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र. 13 सन् 2005) की धारा 9 की उप-धारा (1) के अंतर्गत निर्मित अनुसूची में, सरल क्रमांक 16 एवं उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित जोड़ा जाये, अर्थात् :-

स. क्र.	निजी विश्वविद्यालय का नाम	प्रायोजक निकाय का नाम	प्रायोजक निकाय की स्थापना की प्रक्रिया	मुख्य परिसर (मुख्यालय)	क्षेत्राधिकार	शिक्षण कार्यक्रम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
"17.	श्री दावड़ा विश्वविद्यालय	मानव रचना एजुकेशन सोसाइटी	छत्तीसगढ़ सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1973 (क्र. 44 सन् 1973) के	ग्राम-भेलवाडीह, तहसील-अगनपुर, जिला -रायपुर, छत्तीसगढ़	छत्तीसगढ़	<ul style="list-style-type: none"> <li>पत्रकारिता/जनसंचार/गीडिया</li> <li>कला/मानविकी/समाज विज्ञान</li> </ul>

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 18 अक्टूबर 2023

1136 (1)

			अधीन पंजीकृत सोसाइटी, पंजीयन क्रमांक 2795, दिनांक 13-04-2009.			<ul style="list-style-type: none"> <li>• शिक्षा/शिक्षक प्रशिक्षण</li> <li>• विधि</li> <li>• व्यवसाय प्रशासन/ वाणिज्य/प्रबंधन/वित्त</li> <li>• ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान,</li> <li>• होटल प्रबंधन/अतिथि सत्कार/पर्यटन/यात्रा</li> <li>• विज्ञान</li> <li>• व्यावसायिक शिक्षा में प्रमाणपत्र, पत्रोपाधि, स्नातक, स्नातकोत्तर उपाधि एवं उनके समेकित पाठ्यक्रम, एम.फिल., पीएच.डी. और अन्य अनुसंधान स्तरीय केवल नियमित पाठ्यक्रम."</li> </ul>
--	--	--	--	--	--	---

अटल नगर, दिनांक 19 अक्टूबर 2023

क्र. 12454/डी. 82/21-अ/प्रारू./छ.ग./23. - भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग का समसंख्यक अधिनियम दिनांक 17-10-2023 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
अनिल सिन्हा, उप-सचिव.

**CHHATTISGARH ACT**  
(No. 17 of 2023)

**THE CHHATTISGARH PRIVATE UNIVERSITIES (ESTABLISHMENT AND  
OPERATION) (AMENDMENT) ACT, 2023.**

An Act further to amend the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005).

Be it enacted by the Chhattisgarh Legislature in the Seventy-Fourth Year of the Republic of India, as follows:-

**Short title,  
extent and  
commencement.**

1. (1) This Act may be called the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) (Amendment) Act, 2023.
- (2) It extends to the whole State of Chhattisgarh.
- (3) It shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.

**Amendment of  
Schedule.**

2. In the Schedule made under sub-section (1) of Section 9 of the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005), after serial number 16 and entries relating thereto, the following shall be added, namely:-

S. No.	Name of the Private University	Name of the Sponsoring Body	Procedure of Establishment of Sponsoring body	Main Campus (Head Office)	Jurisdiction	Teaching Programmes
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
"17.	Shri Davara University	Manav Rachna Education Society	Society Registered under the Chhattisgarh Society Registrikaran Adhiniyam, 1973 (No.44 of 1973),	Village- Bhelwadih, Tahsil- Abhanpur, District- Raipur, Chhattisgarh.	Chhattisgarh	Certificate, Diploma, Under Graduate, Post Graduate Degree and their integrated courses, M.Phil., Ph.D. and other research level only regular courses in – <ul style="list-style-type: none"> <li>• Journalism/Mass Communication /Media</li> <li>• Arts/Humanities/Social Science</li> <li>• Education/Teacher Training</li> </ul>

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 18 अक्टूबर 2023

1136 (3)

			Registration Number 2795, dated 13.04.2009			<ul style="list-style-type: none"> <li>• Law</li> <li>• Business Administration/ Commerce/Management/Finance</li> <li>• Library and Information Science</li> <li>• Hotel Management/Hospitality/ Tourism/Travel</li> <li>• Sciences</li> <li>• Vocational Education.”</li> </ul>
--	--	--	---	--	--	--

# SHRI DAVARA UNIVERSITY, CHHATTISGARH

*[Under Section 26(2) of the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005]*

## FIRST STATUTE

In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 26 of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and operation) Act 2005, the Governing Body makes the following first statutes.

(1) Short Title and Commencement:

- (i) These statutes may be called the Shri Davara University, Chhattisgarh first statute, 2024.
- (ii) They shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette of Government of Chhattisgarh in English and Hindi.

(2) Definitions:

In these Statute, unless the context otherwise requires –

- (i) “**ACT**” means Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act 2005 and subsequent amendments.
- (ii) “**University**” means Shri Davara University, Chhattisgarh.
- (iii) Words and expressions used but not defined in these Statutes shall have the meaning assigned to them in the Act.

(3) The First Statute on the subjects mentioned below shall be as hereunder:

# STATUTE NO. 01

## OBJECTIVES OF THE UNIVERSITY

Apart from the objects of the University described in Chapter-II (3) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005, the University shall also have the following objectives: -

- 1.1 To provide knowledge, teaching and training in Higher Education and make provisions for research, advancement and dissemination of knowledge.
- 1.2 To Collaborate with National and International Universities, Research Institutions, Industries, Government and Non-Government organizations towards advancement of knowledge and research.
- 1.3 To pursue any other objective as may be approved by the State Government on the basis of recommendation of the Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission.

## STATUTE NO. 02

### SEAL AND INSIGNIA OF THE UNIVERSITY

- 2.1 The University shall have a common seal to be used for the purposes of the University and the design of the seal shall be as decided by the University subject to further change or amendment as deemed necessary from time to time.
- 2.2 The University shall also decide to make and use of such Flag, Anthem, Mace, Medal, Vehicle Flag and other symbolic or graphic expressions, abbreviations or likewise, for such purposes as deemed necessary from time to time and which are not of such nature that are not permitted by the State or the Central Government.



## STATUTE NO. 03

### THE VISITOR

Refer Section 15 of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation)  
Act. 2005

- 3.1 The Governor of Chhattisgarh shall be the Visitor of Shri Davara University. The powers of the Visitor shall be as per the provisions of subsection (2) and (3) of the section 15 of Private Universities (Establishment and Operation) Act, 2005 and amendments time to time.

# STATUTE NO. 04

## THE CHANCELLOR

[Refer Section 16 of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005]

### APPOINTMENT OF THE CHANCELLOR

- 4.1 The Chancellor shall be appointed by the Manav Rachna Education Society (MRES), Sponsoring Body with consultation of State Government for a period of not more than three years with the prior approval of the visitor. The sponsoring body shall, by simple majority, finalize the name of the Chancellor. The President / Secretary of the Sponsoring Body shall send the name, along with bio-data of the proposed Chancellor, to the Visitor for approval. After the approval of the Visitor, the Sponsoring Body shall appoint the Chancellor.

Provided that, for establishing the private universities and making it functional, the sponsoring body shall appoint the Chancellor in consultation with the State Government for a minimum period of one year, but not exceeding three years.

- 4.2 The Chancellor shall be the Head of the University.
- 4.3 The Chancellor shall preside over the meetings of the Governing Body and shall, when the Visitor is not present, preside over the convocation of the university conferring degree, diplomas or other academic distinctions.

### DUTIES AND POWER OF THE CHANCELLOR

- 4.4 The Chancellor shall have powers, as per the provisions of subsection (4) of section 16 of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005. The Chancellor may delegate any of the Chancellor's powers to the Vice Chancellor or a designee in consultation with the Governing Body.
- 4.5 The Chancellor shall hold office for a period of three years and shall be eligible for reappointment with the approval of the Visitor following the procedure laid above under subsection (1) of section 16 of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005, provided that the Chancellor shall notwithstanding the expiring of the term continue to hold his/her office until either he/she is reappointed or his/her successor enters upon his/her office. However, such tenure shall not exceed more than six months.
- 4.6 The Chancellor shall be entitled to receive honorarium, expenses and allowance, as may be decided by the Sponsoring Body.
- 4.7 The Chancellor may resign from his/her office in writing to the Visitor.
- 4.8 Removal of difficulties by the Chancellor at the commencement of the Statutes:

If any difficulty arises in respect of functioning of the University, or in the implementation of the first Statute, or otherwise, the Chancellor may at any time, before the constitution of the Authorities of the University by order, consistent with the provisions of the Act and Statutes, as far as possible, make any appointment or perform any other function with consent of the Sponsoring Body, which seems necessary or proper to him/her for the removal of the said difficulty; and all such orders shall take effect in a manner as if the said appointment of function has been done in the manner provided in the Act and Statute.

Further provided that before making such an order, the Chancellor shall elicit the opinion of the Vice-Chancellor and of such appropriate Authority of the University, as may have been constituted, on the proposed order and give considerations thereto.

## **STATUTE NO. 05**

### **THE VICE-CHANCELLOR**

[Refer Section 17 & 26 (1) (b) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005]

#### **APPOINTMENT OF THE VICE-CHANCELLOR**

- 5.1 The appointment of Vice-Chancellor shall be as per the provisions of subsection (1) to (4) of section 17 of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act, 2005. The tenure of the Vice-Chancellor shall be a period of 4 years, subject to the conditions laid down in subsection (10) of section 17 of the Act.

Provided that, a Vice Chancellor shall continue to hold the office even after expiry of his/her term till a new Vice-Chancellor join. However, in any case this period shall not exceed 6 months.

- 5.2 The Visitor on the advice of the Chancellor shall appoint the First Vice Chancellor for a period of 2 years.
- 5.3 The subsequent Vice-Chancellor shall be appointed by the Visitor from the panel recommended by the Search Committee constituted for the purpose. The Search Committee shall consist of the following:
- (a) Two eminent academicians nominated by the Sponsoring Body;
  - (b) One eminent person nominated by the State Government Higher Education Department,
  - (c) The Visitor shall appoint one of the members of the Search Committee as Chairman.
- 5.4 The Search Committee shall submit a panel of at least three eminent academicians for the appointment of the Vice-Chancellor. Provided that, if the Visitor does not approve the recommendation of the Search Committee, he/she may call for fresh recommendation from the Committee.
- 5.5 The terms and conditions of the Vice Chancellor shall be as per UGC norms approved by the State Government. Other Allowances shall be as decided by the Sponsoring Body of the University from time to time.

---

## DUTIES AND POWERS OF THE VICE-CHANCELLOR

- 5.6 The Vice Chancellor shall exercise his/her powers as laid down in subsection (5) to (9) of section 17 of the Act 2005.
- 5.7 The Vice-Chancellor shall be an ex-officio member and Chairperson of Board of Management. The Vice-Chancellor shall ensure that the provisions of the Act, the Rules, the Statutes, the Ordinances and the Regulations made under the Act, are faithfully observed.
- 5.8 The Vice-Chancellor may constitute such committees as deemed necessary, to help him/her in discharging the duties entrusted to him/her by or under the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act, 2005, and the Statutes, the Ordinances and the Regulations of the University.
- 5.9 The first Vice Chancellor shall be deemed as Board of Management, Academic Council and other authorities of the university and shall have all the powers of Board of Management, Academic Council and other authorities to discharge the duties. It shall be the duty of the first Vice Chancellor to constitute Board of Management, Academic Council and other authorities within three months of the establishment of the University.
- 5.10 He/she shall have the right to attend and speak in the meetings of any other Authority or Body of the University but shall not be entitled to vote there at unless he/she is a member of that Body.
- 5.11 The Vice Chancellor may tender his/her resignation, to the visitor and he/she shall cease to hold office from the date of acceptance of his/her resignation.
- 5.12 Transitory Provisions:
- Notwithstanding anything contained in the Act or the Statutes, the Vice-Chancellor with the consent of the Sponsoring Body, may discharge all or any of the functions of the University for the purpose of carrying out the provisions of the Act and Statutes and for that purpose, may exercise any powers or perform any duties which, by the Act or the Statutes, are to be exercised or performed by any Officer or Authority of the University not being in existence at the time when such powers are exercised or such duties are performed.
- 5.13 The Vice-Chancellor shall convene the meetings of all authorities chaired by him/her and bodies as prescribed in the Act.
- 5.14 The Vice Chancellor shall have the power to appoint the Pro-Vice- Chancellor in consultation with the Board of Management.

# STATUTES NO. 06

## THE REGISTRAR

[Refer Section 18 & 26 (1) (c) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005]

### APPOINTMENT OF THE REGISTRAR

- 6.1 The appointment of the Registrar shall be made by the Governing Body on the recommendation of the experts committee constituted for the purpose, as prescribed by the Statute. However, the first Registrar shall be appointed by the Manav Rachna Education Society (MRES), Sponsoring Body for a period of two years.
- 6.2 An advertisement inviting application for the post in newspapers of wider circulation or other media.
- 6.3 The Registrar shall be a Full-Time salaried officer of the Shri Davara University and shall discharge his/her duties under the general superintendence and control of the Vice-Chancellor.
- 6.4 The terms and conditions for the appointment of the Registrar shall be as per the UGC Norms.
- 6.5 The Selection Committee for the selection of the Registrar shall be as under:
  - (a) The Vice-Chancellor - Chairman.
  - (b) One expert nominated by the Governing Body- Member.
  - (c) One expert nominated by the Board of Management- Member.
  - (d) One member of CGPURC as observer.

### DUTIES AND POWERS OF THE REGISTRAR

- 6.6 Following shall be the duties and powers of the Registrar besides the powers and duties laid down in Act, Section 18(2-4):
  - (a) He/she shall be responsible for the safe custody and maintenance of all the University records and Other such property of the University as the Governing Body may decide;
  - (b) He/she shall issue Marks Sheet, Migration Certificate and other relevant important documents with his/her seal and signature. He/she shall also record his/her signature with the seal of his/her office on the back of the Degree Certificate before issue;

- (c) He/she shall conduct official correspondence of the University, Governing Body, Board of Management, Academic Council and any other statutory body or Committee;
- (d) He/she shall issue notices conveying the dates of meetings of the University authorities to the members and shall make necessary arrangements for the conduction of the meetings and for other assigned duties by the Governing Body, Board of Management and Academic Council or Committees of which he is a Secretary as per the Act;
- (e) He/she shall provide the copies of Agenda of the meeting of the Governing Body, Board of Management, Academic Council and such other bodies which are formed under the direction of the Chancellor/ the Vice-Chancellor and record the proceedings/minutes and send the same to the Chancellor and the Vice-Chancellor;
- (f) He/she may speak at a meeting of a Body of which he is a secretary without the right of voting, only with the permission of Chairman;
- (g) He/she shall be responsible to execute the decision taken at the meeting of Governing Body/ Board of Management / Academic Council and other Committees / other Bodies of which he/she is Secretary,
- (h) He/she shall make available such papers and documents and other information as the Visitor/Chancellor/ Vice-Chancellor may desire;
- (i) He/she shall discharge all such functions as assigned to him/her by the Chancellor/ Vice-Chancellor of the University and entrusted as per the Statutes, Ordinances and Regulations;
- (j) He/she shall render such assistance as may be desired by the Chancellor/ Vice-Chancellor in performing official duties;
- (k) He/she shall supervise and control the work of staff, working in different offices/ units of the University;
- (l) He/she shall take disciplinary action whenever needed against non-teaching staff/ employees of the University with the permission of the Vice-Chancellor/Chancellor;
- (m) He/she shall represent the University in Law suits or proceedings by or against the University, sign powers of attorney and represent the University in Law suits and other disputes;
- (n) He/she shall enter into agreement, sign documents and authenticate records on behalf of the University. He/she shall perform any other duties as may be assigned by the Vice-Chancellor or if a contingency arises by the Chancellor.

- (o) He/she shall provide mail transcripts; store and preserve academic records and inactive student folders; process grades and produce transcripts for non-credit students; retain copies of course descriptions;
- 6.7 The registrar may resign by giving one month's notice addressed to the Chancellor through the Vice Chancellor. He/she may cease to hold office from the date of acceptance of his/her resignation.



**STATUTE NO. 07****THE CHIEF FINANCE AND ACCOUNTS OFFICER (CFAO)**

[Refer Section 19 & 26 (1) (c) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005]

- 7.1 The Chief Finance and Accounts Officer (CFAO) shall be an officer of the University responsible for handling accounts and finances of the University.
- 7.2 The appointment of CFAO shall be made by the Chancellor, on the basis of recommendation of the Selection Committee. An advertisement inviting application for the post in newspapers of wider circulation or other media. The following shall be the member of the Selection Committee:
- (a) Vice Chancellor – Chairman
  - (b) One member nominated by Board of Management- Member
  - (c) One member nominated by Chancellor/ Vice Chancellor- Member
  - (d) Registrar as member Secretary
  - (e) One member of CGPURC as observer.
- 7.3 The qualification of the CFAO shall be as under: -
- (a) Post Graduate preferably in Commerce/Economics/MBA in Financial Management with minimum 55% marks. An experience of 15 years in any University/Institute/Organization in managing Accounts/ Finance with proficient in computer/IT skills.
  - (b) Desirable CA/ICWA or equivalent attainments.
- 7.4 The CFAO shall be a full-time salaried officer of the University. The salary, allowances and terms and conditions of CFAO shall be such as decided by Governing Body. The CFAO shall discharge his/her duties under the control of the Vice-Chancellor.
- 7.5 The age of Retirement of CFAO shall be Sixty-Two years or as per State Government norms.
- 7.6 The CFAO may resign by giving one month's notice addressed to the Chancellor through Vice Chancellor. He/she shall be ceased to hold office from the date of acceptance of his/her resignation.

## DUTIES AND POWERS OF THE CFAO

### 7.7 Duties of the CFAO shall be: -

- (a) To ensure that the limit fixed by the Governing body of recurring and nonrecurring expenditure for a financial year are not exceeded and that all money are expended for the purpose for which they are allocated.
- (b) To manage the Accounts, Balance Sheet and Funds of the University for maintaining the records properly and for regularly getting them audited;
- (c) To supervise control and regulate the working of Accounts and Finance of the University;
- (d) To maintain files of financial records and any such other finance related records of the University as the Governing Body may decide;
- (e) To prepare the Annual Budget, ensure timely allocations under various budget heads and monitor the utilization of allocated funds;
- (f) To advise the Finance Committee regarding investments of the Endowment Fund and their reinvestment on maturity to optimize returns on the investments;
- (g) To discharge all such functions as assigned by the Chancellor/ Vice-Chancellor of the University.

## STATUTE NO. 8

### THE DIRECTOR GENERAL

- 8.1 The Chancellor may appoint the Director General to exercise control over day to day functioning of the officers and authorities of the University in order to achieve stated objectives of the University.
- 8.2 The Director General will report to the Chancellor to ensure smooth functioning of the University.

## **STATUTE NO. 09**

### **THE CHIEF EXECUTIVE OFFICER**

- 9.1 The Chancellor may appoint the Chief Executive Officer to exercise control over day to day administrative and financial management of the University in order to achieve stated objectives of the University.
- 9.2 The Chief Executive Officer will report to the Chancellor to ensure efficient management of the University.

## STATUTE NO. 10

### OTHER OFFICERS OF THE UNIVERSITY

[Refer Section 20 (1) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005]

The following shall be the other Officers of the University as per the provisions in Section 20 (1) of the Act:

#### 10.1 Pro-Vice-Chancellor

- (a) Pro-Vice-Chancellor shall be appointed by a selection committee for a term of four years. The selection committee shall be headed by the Chancellor of the University and shall include the Vice-Chancellor and two members to be nominated by the chairman of sponsoring body. Procedure and qualification for the post of Pro-Vice Chancellor shall be as per UGC norms.
- (b) The Pro-Vice-Chancellor shall be eligible for reappointment for subsequent terms by following the procedure as laid down above in the clause (1).
- (c) In the absence of the Vice-Chancellor, the Pro-Vice Chancellor shall perform the duties of the Vice-Chancellor.
- (d) The Pro-Vice Chancellor shall be eligible to receive pay and other allowances as decided by the sponsoring body from time to time.
- (e) The Pro-Vice Chancellor shall discharge the responsibilities and duties as assigned by the Chancellor/Vice-Chancellor from time to time.
- (f) The Pro-Vice Chancellor may resign from his/her office in writing addressed to the Chancellor. The Pro-Vice Chancellor shall hold office with the pleasure of Chancellor.

#### 10.2 Deans of Faculties

- (a) There shall be a Dean for each Faculty and shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of the Vice-Chancellor for a term of three years subject to renewal of appointment, provided that if there is no Professor, an Associate Professor may be approved by the Vice-Chancellor, who may act as Dean, subject to confirmation by the Chancellor.

- (b) The Dean of each faculty shall be the Chairperson of the Faculty and shall be responsible for the observance of the Statutes, the Ordinances and the Regulations relating to the faculty.
- (c) The Dean of the Faculty shall exercise such other Powers and perform such other functions and duties as may be assigned by the Board of Management / Vice-Chancellor.
- (d) The Dean of the Faculty shall be responsible for the academic and financial performance of the faculty and shall perform academic audit.
- (e) The Dean of each Faculty shall be responsible for making monthly, semester or term-wise Programs, Academic Calendar and financial budgets for the faculty under his/her control.
- (f) The Dean of each Faculty shall have administrative, financial and academic responsibility.
- (g) The Dean may receive special pay for the duration of his/her appointment, as may be decided by the Board of Management.

### 10.3 Controller of Examinations

- (a) The Controller of Examinations shall be appointed by the Vice-Chancellor for a term of three years on the recommendation of a duly constituted Selection Committee. The following shall be the member of the Selection Committee:
  - (i) Vice Chancellor – Chairman
  - (ii) One member nominated by Board of Management- Member
  - (iii) One member nominated by Chancellor/ Vice Chancellor- Member
  - (iv) Registrar as member Secretary
- (b) The terms and conditions of service of the Controller of Examinations shall be as specified in the Regulations made thereof.
- (c) The Controller of Examinations shall exercise such powers and perform such duties as given below:
  - (i) He/she shall prepare and notify the calendar for examinations in advance. He/she shall be responsible for printing of question papers;
  - (ii) He/she shall make arrangement for the timely publication of results of examinations and other assessments;
  - (iii) He/she shall recommend disciplinary action where ever necessary, against the erring, paper-setters, examiners,

moderators, or any other persons connected with examinations/ found guilty of malpractices in matter related to the examinations;

- (iv) He/she shall review from time to time, the results of university examinations and forward reports thereon to the Academic Council;
- (v) He/she shall perform such duties as may be specified in the Regulations or assigned to him/her by Chancellor or by the Vice-Chancellor, as the case may be..

#### 10.4 Dean Students Welfare

- (a) The Dean Students Welfare (DSW) shall be appointed . from amongst the Professors of the University by the Vice-Chancellor for a term of two years.
- (b) A monthly honorarium and required facilities shall be admissible to DSW.
- (c) DSW shall look after the welfare and discipline of the students with the assistance of Proctor, Wardens and other staff directly connected with the management of student affairs.

#### 10.5 Directors/HOD

- (a) Directors/HOD shall be appointed by the Vice-Chancellor for a term of three years and shall be administrative head of that Institute/School /Department.
- (b) Director/HOD shall be responsible to the respective Dean of Faculty and the Vice-Chancellor.
- (c) Director/HOD shall have powers and perform such function as specified in the Regulations.

#### 10.6 Finance Officer

- (a) The Finance Officer shall be selected by a committee constituted in the manner as specified in the Regulation, with the consent of the Sponsoring Body and by the approval of the Board of Management.
- (b) The Finance Officer shall perform the functions as prescribed below:
  - (i) He/she shall be in-charge of the Finance and Accounts Section of the University and shall report to the Chief Finance and Accounts Officer.
  - (ii) He/she shall examine all claims of payments and their admissibility.

- (iii) He/she shall exercise such other powers and perform such duties as may be specified by the Chancellor or the Vice-Chancellor or the CFAO specified in the Regulations.

#### 10.7 Proctor

- (a) Proctor shall be appointed from amongst the teachers of the University, by the Vice-Chancellor for a term of two years.
  - (i) A monthly honorarium and such facilities as approved by the Board of Management shall be admissible to the Proctor.
  - (ii) The Proctor shall be assigned responsibilities and duties by the Vice-Chancellor to maintain law and order in the University.
- (b) The Proctor shall resolve all the disputes with the help of the disciplinary committee as laid down in the regulation to be made by the University.

#### 10.8 In addition, any other officer shall be appointed by the Vice-Chancellor as may be further required for smooth and efficient functioning of the University, subject to the approval of the Board of Management.

- (a) The other Officer shall be selected by duly constituted Selection Committees or in any other manner as specified in the Regulations.
- (b) The appointments of other Officers shall be subject to the approval of the recommendations of the Selection Committees by the Board of Management.
- (c) The other Officers shall exercise powers and duties as specified in the Ordinances/ Regulations.



# STATUTE NO. 11

## GOVERNING BODY

Refer Section 21 (1) (a), 22 & 26 (1) (a) of Chhattisgarh Private Universities  
(Establishment and Operation) Act. 2005

- 11.1 The constitution of the Governing Body of the Shri Davara University and its term shall be as per the provisions of section 21 and 22 of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act, 2005 (here in after, the Act).
- 11.2 The Registrar shall be the Secretary of the Governing Body, but shall not have the right to vote.
- 11.3 Apart from the powers vested in the Governing Body according to the provisions of subsection (3) of section 22 of the Act, the Governing Body of the University shall have the following powers and functions:
- (a) It shall approve proposals, that are required to be submitted to the State Government;
  - (b) It shall make, review and approve, from time to time, the broad policies, plans and procedures and suggest measures for the improvement and development of the University;
  - (c) It shall make recommendations on any matter referred to it by the Chancellor or the Sponsoring Body;
  - (d) It shall exercise such other powers and functions as may be assigned by the Sponsoring Body.
  - (e) It shall promote over all administration of the University and appoint, discipline or dismiss Officers of the University in accordance with the provisions of the Statutes, Ordinances, regulations or rules of the University framed under the Act.
  - (f) It shall approve creation of new committees and boards in accordance with the procedure laid down under the Statutes, Ordinances, Regulations of the University;
  - (g) It shall approve the creation and abolition of School of Studies, departments and programmes of study, on the recommendations of the Boards of Management and the Academic Council;
  - (h) It shall hold, control and administer the property and funds of the University;
  - (i) It shall adopt the annual accounts together with the audit report;

- (j) It shall borrow and lend funds on behalf of the University; Provided that funds shall not be borrowed on University's Securities;
- (k) It shall hold, buy, sell, hypothecate, mortgage, take on lease, accept as gift or otherwise acquire any land, building or property, movable, immovable or intellectual, which may be necessary or convenient for the purpose of the University, and on such terms and conditions as it may deem fit and proper, and to construct, alter and maintain any such land, buildings or property;
- (l) It shall enter into, vary, carry out and cancel contracts on behalf of the University in the exercise of powers and performance of duties assigned to it by the act and the Statutes of the University;
- (m) It shall select the common seal of the University and provide for its custody and use.
- (n) It shall make provision for buildings, premises, furniture, apparatus, books and other means needed for carrying out the works of the University; To manage and to regulate the finances, accounts and investments of the University;
- (o) It shall call for reports, returns and other information from the officers, authorities, bodies, teaching departments, centres of research of specialized studies, laboratories, libraries, museums and hostels of the University;
- (p) It shall institute fellowships, scholarships, studentships, exhibitions, medals and prizes;
- (q) It shall recommend the rates of remuneration and allowances for the examination work;
- (r) It shall appoint:
  - (i) Representatives of the University to other institutions or organization as may be desirable;
  - (ii) Any person as attorney of the University with such powers as it may deem fit in order to execute an instrument or transact any business of the University;
- (s) It shall approve the amendment and cancellation of the Statutes, Ordinances and Regulations of the University within the confines of the Act, as proposed by the Board of Management;
- (t) It shall delegate by Regulation any of its powers to the Vice-Chancellor, Registrar or such other officer of the University or a Committee appointed by it as it may deem fit.

# STATUE NO. 12

## BOARD OF MANAGEMENT

[Refer Section 21 (1) (b), 23 & 26 (1) (a) of Chhattisgarh Private Universities  
(Establishment and Operation) Act. 2005]

12.1 The functions of the Board of Management shall be:

- (a) To accept financial accounts together with audit report;
- (b) To recommend and present the Annual/ Supplementary Budget of the University before the Governing Body for its consideration and approval;
- (c) To ensure that the expenses are done as per budgetary provisions;
- (d) To approve and authorize the acceptance of financial support from individuals/ organizations for the University, for supporting Research and Development activities, upgradation of laboratories and for enhancing the quality of academic programmes and infrastructure;
- (e) To make, modify and annul any Regulations to carry out the provisions of the Act, Statutes and Ordinances framed thereunder, for smooth functioning of the University;
- (f) To consider and approve recommendations of the Academic Council and other authorities, referred to it;
- (g) To control and manage the assets and infrastructure of the University;
- (h) To provide for appointment of Visiting Fellows and Visiting Professors;
- (i) To administer any funds placed at the disposal of the University;
- (j) To authorize operation of bank accounts of the University;
- (k) To appoint Auditors for the ensuing year and determine their remuneration;
- (l) To determine/ approve the emoluments, duties and terms & conditions of services of the employees of the University;
- (m) To approve academic programmes;
- (n) To determine/ approve institute, fellowships, scholarships, medals and prizes.;
- (o) To create, abolish or suspend any teaching posts in the University, on the recommendation of the Academic Council;
- (p) To create, abolish or suspend any non-teaching posts in the University the reasons for which have to be recorded in writing;
- (q) To appoint, dismiss or otherwise punish or terminate the services of teachers, officers and other employees of the University in accordance with the provisions and the terms & conditions of service of the employees;

- (r) To regulate and enforce discipline among the employees of the University and to take appropriate disciplinary action, wherever necessary;
- (s) To entertain and adjudicate upon and, if thought fit, to redress any grievances of the employees and students of the University;
- (t) To constitute such Committees for such purposes and with such powers as may be required for efficient functioning of the University;
- (u) To regulate and determine all other matters concerning the University in accordance with the Act, Statutes and Ordinances
- (v) To perform any other functions as may be assigned by the Governing Body;
- (w) To approve the design of various form of emblem/seal and to ensure the proper use of the emblem/ seal of the University;
- (x) To make appeals for raising funds for carrying out the objectives of the University and receive grants, donations, contributions, gifts, prizes and scholarships towards the General Fund and for awards of prizes and scholarships;
- (y) To supervise, monitor and control the general affairs and activities of the University.
- (z) To get the approval of the Sponsoring Body before the implementation of such decisions of the Board of Management that may be having financial implication bearing on the University;
- (aa) To monitor. control and administer the general activity of the University.

12.2 As per Section 23 of the Act, Board of Management shall meet at least once in every two months and the quorum shall be of five members.

# STATUTE NO. 13

## ACADEMIC COUNCIL

[Refer Section 21 (1) (c), 24 & 26 (1) (a) of Chhattisgarh Private Universities  
(Establishment and Operation) Act. 2005]

The Academic Council shall be the principal academic body of the University and shall co-ordinate and exercise general supervision over the academic policies and programs of the University.

13.1 The Academic Council shall consist of the following members:

- (a) The Vice-Chancellor, Chairperson.
- (b) The Pro-Vice-Chancellor.
- (c) Deans of all Faculties.
- (d) Directors/HODs.
- (e) Two Academician from outside the University, nominated by the Board of Management.
- (f) Two nominees of the Chancellor/Vice Chancellor from amongst Scientists, Educationists, Technologists and Engineers.
- (g) Two nominees of the Sponsoring Body from amongst Scientists, Educationists, Technologists and Engineers.
- (h) The Registrar shall be the Secretary of the Academic Council, but shall not have the right to vote.

13.2 The term of the nominated members of the Academic Council shall be three years. No member shall be nominated for more than two consecutive terms.

13.3 The Vice-Chancellor, as the Chairperson, shall preside over the meetings of the Academic Council and in his/her absence Pro-Vice-Chancellor will act as Chairperson. However, in absence of VC & Pro VC both, any other Senior Professor nominated by the Chancellor shall preside over the meeting.

13.4 One half of the members of the Academic Council including the Chairperson shall form the quorum at a meeting, provided that quorum shall be not necessary for meetings adjourned due to want of quorum. Ordinarily fifteen clear days' notice shall be given for all meetings of the Academic Council and agenda papers shall be issued at least seven days before the date of the meeting. The notice for urgent meeting shall ordinarily be 3 days in advance.

- 13.5 The Academic Council shall have the following powers. and functions: namely,
- (a) To co-opt members persons having special knowledge or experience in the subject matter of any particular business that may come before the Council for consideration; the members so co-opted shall have all the rights of the members of the Council in regard to the transaction of the business in relation to which they may be co-opted;
  - (b) To promote teaching, research and related activities in the University;
  - (c) To make recommendations to the Board of Management on the proposals received from the different Faculties of the University for the Conferment of Degrees, Honorary Degrees or any such other distinction or honour of the University;
  - (d) To exercise general supervision over the academic policies and programs of the University and to give directions regarding methods of instruction, teaching and evaluation of research and improvements in academic standards;
  - (e) To consider matters of general academic interest either on its own initiative or on a reference made by a faculty or the Board of Management or the Governing Body and to take appropriate action thereon;
  - (f) To recognize persons of eminence in their subject to be associated as research guides/ co-guides in the subjects or interdisciplinary subjects as prescribed in the ordinance;
  - (g) To formulate the annual/semester academic calendar of the University.
  - (h) To formulate, modify or revise schemes for the organization and assignment of subject to the Faculties Institutes/ Schools, and to report to the Governing Body as to the expediency of abolition, reconstitution or division of any Faculty/Institute/Schools of the University; i.e. to recognize the Certificates, Diplomas and Degrees of other Universities and Institutions and to determine their equivalence;
  - (i) To approve the syllabi of different courses submitted by the concern faculty and recommended by the Board of Studies.
  - (j) To award Stipends, Scholarships, Medals and Prizes, and to make awards in accordance with the Ordinances and such other conditions as may be attached to the award from time to time;
  - (k) To appoint committee for admission of students in different Faculties/Institutes/Schools of the University;
  - (l) To assign such of its powers to the Dean/ Chairperson/ Director, as it may deem fit,
  - (m) To report or to make recommendations any matter referred to it by the Chancellor or the Governing Body or Board of Management. as the case may be; to recommend to the Board of Management creation or abolition of teaching posts on the recommendation of Board of Studies;
  - (n) To exercise such other powers and perform such other duties as may be prescribed from time to time.

## STATUTE NO. 14

### ACADEMIC PLANNING AND EVALUATION BOARD:

- 14.1 The Academic Planning and Evaluation Board shall be constituted by the University comprising of the following members, namely;
- (a) The Vice-Chancellor - Chairman;
  - (b) The Pro-Vice Chancellor;
  - (c) Deans of Faculties;
  - (d) Three Heads of University Teaching Departments nominated by the Vice-Chancellor;
  - (e) Three scholars of repute not connected with the University nominated by the Academic Council;
  - (f) Two representatives of Industry, Agriculture and Commerce nominated by the Chancellor/Director General.
- 14.2 One-third members of the Board shall form a quorum.
- 14.3 The term of the Academic Planning and Evaluation Board shall be three years.
- 14.4 The Academic Planning and Evaluation Board shall have the following powers and perform the following duties, namely;
- (a) To prepare the short term and long-term plan of the University;
  - (b) To consider and forward to the Board of Management with its recommendations the research projects and academic programmes proposed by the faculties and to bring about inter-faculty co-ordination for taking up projects on inter-faculty basis;
  - (c) To suggest new academic programmes to the faculties and to do its academic evaluation from time to time;
  - (d) To make proposals for the establishment of departments, institutions of research and specialized studies, laboratories and museums;
  - (e) To make proposals for the institution of teaching posts and for prescribing the duties of such posts.
  - (f) To evaluate from time to time the working of the University Teaching Department;
  - (g) To evaluate periodically the progress of the Institutional Development Plan.

# STATUTE NO. 15

## FINANCE COMMITTEE

[Refer Section 21 (1) (d) & 26 (1) (a) of Chhattisgarh Private Universities  
(Establishment and Operation) Act. 2005]

- 15.1 The Finance Committee shall consist of the following persons, namely:
- (a) The Vice-Chancellor- Chairman
  - (b) Nominee of the Sponsoring Body- Member
  - (c) The Pro-Vice-Chancellor- Member
  - (d) Two members nominated by the Board of Management- Member
  - (e) The Registrar- Member
  - (f) The Chief Finance and Accounts Officer- Member Secretary
- 15.2 The tenure of the members of the finance committee, other than ex-officio members shall be of three years. The finance committee shall meet at least twice in each academic year. A notice for the meeting shall be given so as to reach the committee members at least fifteen days in advance of the meeting and the agenda for the meeting shall be sent to members at least seven days in advance of the meeting.
- 15.3 Four members including its Chairperson shall constitute the quorum at the meetings.
- 15.4 Functions and Powers of the Finance Committee shall be:
- (a) To consider and recommend the Annual Estimate of income and expenditure of the University and place before the Governing Body for its consideration and approval,
  - (b) To consider the annual accounts of the University and put up to the Governing Body for its consideration and approval,
  - (c) To make its recommendations to the Governing Body to accept requests and donations of the property to the University on such terms, as it deems proper;
  - (d) To recommend mechanism and ways & means to generate resources for the University;
  - (e) To consider any other matters referred to it by the Governing Body and make its recommendations thereon,
  - (f) To advise the University on any matter affecting finances;
  - (g) To observe that the Regulations relating to the maintenance of accounts of the income and expenditure of the University are followed;
  - (h) Other functions and powers of the Finance Committee shall be as specified by the Board of Management.



# STATUTE NO. 16

## OTHER AUTHORITIES OF THE UNIVERSITY

[Refer Section 25 & 26 (1) (a) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005]

The following shall be the other authorities of the University as per the provisions in Section 25 of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005]:

### 16.1 Board of Studies

- (a) For each Subject Discipline/ Programme of the University, a Board of Studies shall be constituted which shall be chaired by its Director/ Head. The composition of the Board shall be proposed by the concerned Head through the Dean/ Director of the faculty for approval of the Vice-Chancellor.
- (b) The Board of Studies shall consist of the following members,
  - (i) Dean of the Faculty -Chairperson
  - (ii) Four Internal Subject Experts - Members (Experts of the rank of Professor/ Associate Professor/ Asst. Prof. from Shri Davara University Chhattisgarh)
  - (iii) Two External Subject Experts- Members (Experts of the ranks of Professor of other University)
  - (iv) Two Experts from Corporate/ - Members of Industry/ R&D Organizations in the concerned subject (The members shall be of senior management level)
- (c) The tenure of the members of the Board of Studies, other than ex-officio member shall be three years.
- (d) The Board of Studies shall be responsible for structuring the academic programmes and shall have powers and shall perform such duties as may be specified in the Regulations framed by the Academic Council. .

### 16.2 Board of Planning

- (a) The Board of Planning shall be the principal planning body of the University and shall comprise of the following members:
  - (i) Nominee of the Sponsoring Body, Chairperson
  - (ii) The Vice-Chancellor
  - (iii) The Pro-Vice-Chancellor

- (iv) The Registrar
  - (v) Chief Finance and Accounts Officer
  - (vi) Dean, Development and Planning, Member-Secretary
- (b) The powers and duties of the Board of Planning shall be as under:
- (i) To prepare perspective plan for development and growth of the University;
  - (ii) To make an assessment of the academic support facilities and the infrastructure of the University to ensure that the University attains and sustains the highest possible academic standards;
  - (iii) To suggest ways and means to generate resources and mobilize them for their optimal utilization;
  - (iv) To perform any other functions as may be specified by the Regulations.
- (c) The tenure of the members, other than that of the ex-officio members, shall be three years.
- (d) One half of the members including the Chairperson shall form the quorum at a meeting, provided that no quorum shall be necessary for adjourned meeting for want of quorum. Ordinarily fifteen clear days' notice shall be given for all meetings of the Board of Planning and Agenda papers shall be issued at least seven days before the date of the meeting. The notice for emergent meeting shall ordinarily be 3 days in advance.

# STATUTE NO. 17

## FACULTIES AND COURSES/ SUBJECTS

[Refer Section 4 (2) (h), 21 (1) (d), 25 & 26 (1) (a) of Chhattisgarh Private Universities  
(Establishment and Operation) Act. 2005]

- 17.1 All the programmes and courses shall be under the control of specific Faculties laid down in the official Gazette of Shri Davara University.
- 17.2 In each faculty the programmes/courses shall be functional through departments.
- 17.3 Under the following faculties of the programmes  
(Certificate/Diploma/UG/PG/Research) / courses shall be as below:

S. No	Faculty	Courses / Subjects
1	JOURNALISM / MASS COMMUNICATION / MEDIA	1. Journalism 2. Journalism and Mass Communication 3. Electronic Media 4. Cinematography 5. Visual Communication 6. Music Production 7. Digital Media 8. Photography 9. Image Processing
2	ARTS / HUMANITIES / SOCIAL SCIENCE	1. Literature 2. Hindi 3. English 4. Sanskrit 5. Chhattisgarhi 6. Philosophy 7. Sociology 8. Economics 9. History 10. Geography 11. Political Science 12. Social Work 13. Psychology 14. Rural Studies 15. Yoga 16. Fashion Design

		17. Fine Arts 18. Interior Design 19. Home Science 20. Defence Studies 21. Palmistry 22. Urban Studies 23. Education
3	EDUCATION / TEACHER TRAINING	1. Education 2. Special Education
4	LAW	1. Law
5	BUSINESS ADMINISTRATION / COMMERCE / MANAGEMENT / FINANCE	1. Business Administration 2. Commerce 3. Management 4. Finance 5. Digital Business 6. Event Management 7. Rural Studies
6	LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE	1. Library 2. Information Science
7	HOTEL MANAGEMENT / HOSPITALITY / TOURISM / TRAVEL	1. Hotel Management 2. Hospitality Management 3. Tourism Management 4. Tour and Travels 5. Catering Technology
8	SCIENCES	1. Physics 2. Mathematics 3. Chemistry 4. Zoology 5. Geology 6. Statistics 7. Botany 8. Biotechnology 9. Microbiology 10. Computer Science and Information Technology 11. Criminology 12. Forensic Science 13. Electronics 14. Fashion Design 15. Interior Design 16. Bio-Chemistry 17. Anthropology 18. Pharmacy 19. Forestry and Wild Life

		20. Environmental Science 21. Bioinformatics 22. Yoga 23. Nutrition & Dietetics
9	VOCATIONAL EDUCATION	1. Retail Management 2. Health Care 3. Operation Theatre 4. Hospital Administration 5. Health Care IT 6. Fashion Technology and apparel designing 7. Printing and Publication 8. Automobile Technology 9. Food Processing and Quality Management 10. Data Analytics 11. Food Science 12. Theatre and Acting 13. Computer Application 14. Software Development 15. Web Technology 16. Nursery Teacher Training 17. Refrigeration and Air Conditioning 18. Farm Equipment & Machinery 19. Engine Testing 20. Auto Electrical & Electronics 21. Theatre and Stage Craft 22. Contemporary & Western Dance 23. Mobile Communication 24. Green House Technology 25. Renewable Energy 26. Soil & Water Conservation 27. Building Technology 28. Jewellery Design 29. Tourism and Service Industry 30. Printing Technology 31. Beauty and Wellness

17.4 Each faculty shall have such departments as deemed necessary and may be approved and assigned to it as prescribed in the Ordinance.

17.5 Each Faculty shall comprise the following members, namely:

- (a) A Dean of the Faculty who shall be the Chairperson.
- (b) All Professors in the Faculty.
- (c) One Associate Professor and one Assistant Professor, by rotation according to seniority from each Department in the Faculty.

The term of the member shall be of three years.

17.6 The following shall be the powers and functions of the faculties:

- (a) The faculty shall have such powers and shall perform such duties as may be assigned by the Statutes and the Ordinances from time to time.
- (b) To consider and approve the syllabi prepared by the Board of Studies.
- (c) To co-opt the eminent academicians/Industrialists/Scientists as the members of the faculty.
- (d) To recommend the proposals drafted by the Board of Studies and standing committee/other academic bodies to the Academic Council.
- (e) The faculties shall also consider and make such recommendations to the academic Council on any question pertaining to their respective spheres of work as may appear to them necessary or on any matter referred by the Academic Council.

# STATUTE NO. 18

## CONVOCATION

[Refer Section 26 (1) (g), of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005]

- 18.1 The Convocation for the award of the Degrees, Diplomas and other Distinction of the University shall normally be held every year.
- 18.2 The Board of Management shall frame Regulations relating to the format of the Degree and Diploma, Documents, Certificates and Citations and their texts, issuance of these documents in absentia, Duplicate Degree and procedure for holding Convocation.
- 18.3 Proposal for Conferring an Honorary Degree or Academic Distinctions to some distinguished personality shall be made in writing, along with the Bio-data of the proposed recipient, by the Faculty to the Chairman of the Academic Council.
- (a) On receipt of the proposal a special meeting of the Academic Council shall be called to consider the proposal.
  - (b) At such special meeting of the Academic Council, the Vice Chancellor shall call upon the members to indicate their opinion about the proposal. If the proposal is passed by the Academic Council, it shall be placed before the Governing Body for the approval.
  - (c) Every proposal for conferment of Honorary Degree or Academic Distinction shall be made separately and considered in respect of the proposal recipient.

## STATUTE NO. 19

### ANNUAL REPORT AND ACCOUNTS

- 19.1 The Annual Report of the University shall be prepared by the Board of Management.
- 19.2 The Annual Report shall consist of two parts:
- (a) Academic Report for which the Vice-Chancellor shall be responsible.
  - (b) Administrative Report for which the Registrar shall be responsible.
  - (c) Financial report for which the CFAO shall be responsible.
- 19.3 The Report along with Audited Accounts shall be placed for approval to the Board of Management.
- 19.4 A copy of the Annual Report shall be presented to the Visitor, Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission and to the Higher Education Department of State Government.
- 19.5 Annual Report of the University shall be presented by the Registrar of the University as prescribed in the Subsection (1) & (2) of Section 37 of Chhattisgarh Private Universities (Established and Operation) Act, 2005.



## STATUTE NO. 20

### APPOINTMENTS OF ACADEMIC EMPLOYEES IN THE UNIVERSITY

[Refer Section 26 (1) (d), (e) & (f) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005]

- 20.1 The University shall fill-up all the teaching posts within a reasonable period of time, as per the norms of regulatory bodies. The terms and conditions for teachers shall be as per the recommendations of the concerned regulatory bodies.

#### MINIMUM QUALIFICATIONS FOR APPOINTMENT OF ACADEMIC STAFF: -

- (a) For the teaching positions in the University, namely the Professor, Associate Professors and Assistant Professors, the Academic Council may recommend to the Board of Management for filling up the vacancies available in different Departments of the University through an open advertisement and selection process.
- (b) After the approval of Board of management, teaching posts (Professors, Associate Professors and Assistant Professor shall be advertised in the Daily National/Regional Newspapers for wider circulation, clearly mentioning the essential qualifications and pay scale for each advertised post as per norms prescribed by the University Grants Commission (UGC) or any other concerned Regulatory Body as approved by the Board of Management.
- (c) A Scrutiny Committee, comprising of Dean of the Faculty, Head/Director of the department / Institute, two subject experts nominated by the Vice-Chancellor shall scrutinize all the applications and prepare a summary of all the candidates fulfilling the essential qualifications so as to be called for the interview. Dean of the Faculty, Head of the department and at least one subject expert will form the quorum.
- (d) Summary of all the scrutinized applications shall be made available to the Selection Committee at the time of interview.

#### SELECTION COMMITTEE FOR APPOINTMENT OF ACADEMIC STAFF

- (a) There shall be a Selection Committee for making recommendations for appointment to the posts of Professors, Associate Professor, Assistant Professors, Research Staff and other academic posts other than Visiting Teachers for each subject.

- (b) The Board of Management shall be the approving authority for all academic staff appointments.
- (c) The Selection Committee for appointment of Academic Staff shall consist of the following members:
  - (i) The Vice-Chancellor – Chairman
  - (ii) Three subject experts nominated by the Vice-Chancellor from a panel of experts recommended by the Academic Council-Member
  - (iii) One Member (Academics), CGPURC- Observer
  - (iv) Registrar -Secretary

#### MEETINGS OF THE SELECTION COMMITTEE

- (a) Four members of whom at least two shall be the Subject Experts, shall form the quorum.
- (b) The Selection Committee shall recommend to the Board of Management the names, arranged in order of merit, if any of the persons whom it considers suitable for the faculty positions.
- (c) After the approval of appointments, as recommended by the Selection Committee and approved by the Board of Management, the Registrar shall issue appointment letters to the selected candidates under his/her seal and signature.
- (d) In case of any dispute with regard to selection of candidates or dissenting note by any member of the Selection Committee, the matter shall be referred to the Chancellor, whose decision shall be final.
- (e) In addition to the regular teachers, the Chancellor/Board of Management may appoint the persons of eminence with outstanding Academic and Research Achievements as the Professor of Eminence, Professor Emeritus, Distinguished Professors, Adjunct Professors, Visiting Professors, Professors of Practice, Advisers/ Directors in the University for introducing Academic Excellence in research, teaching and extension. The Honorarium perks, terms and conditions for these positions shall be decided by the Chancellor. Appointment letters for these shall be issued by the Registrar.
- (f) In addition to full-time regular teachers, the Vice-Chancellor may decide to engage for a fixed period part time, contractual and/or assignment-based positions, either through direct recruitment or outsourcing. The terms and conditions (such as honorarium, T.A. & D.A. conveyance charges, etc.) of such engagements shall be decided by the Chancellor of the University from time to time and such assignment letters shall be issued by the HR Head/ Registrar under his/her seal and signature on the University Letter Head.

- (g) Any dispute relating to appointment shall be subject to the Jurisdiction of Raipur District Court of Chhattisgarh and High Court of Chhattisgarh.
- (h) In case of immediate requirement during an Academic Year, the Registrar, in consultation with the Vice-Chancellor, may appoint suitable persons to fill the vacancy, subject to ratification by the Chancellor.

## STATUTE NO. 21

### APPOINTMENTS OF THE NON-TEACHING STAFF IN THE UNIVERSITY

[Refer Section 26 (1) (c), (e) & (f) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act. 2005]

#### 21.1 Minimum Qualifications for Appointment of Non-Teaching Staff

- (a) The University shall meet the minimum qualification requirements for non-teaching staff as prescribed by the UGC / State Government.
- (b) The University shall also meet other minimum conditions of appointment mandated by the UGC / State Government.

#### 21.2 Selection Committee for Appointment of Non-Teaching Staff

- (a) There shall be a selection Committee for the Appointment of senior administrative/senior non- teaching staff (other than the Registrar and Chief Finance and Accounts Officer which is defined in Statutes no. 6&7 respectively). The Committee shall consist of following members:
  - (i) Vice Chancellor- Chairman
  - (ii) One Professor or Associate Professor nominated by the Vice Chancellor
  - (iii) Two outside experts nominated by the Governing Body
  - (iv) Registrar as Member Secretary
- (b) There shall be a Selection Committee for the appointment of other administrative Non-Teaching Staff of the University consisting of the following members:
  - (i) The Registrar as Chairman
  - (ii) Two experts nominated by the Vice Chancellor
  - (iii) The supervisor/senior member of the department in which the position is vacant.
- (c) Meetings of the Selection Committee
  - (i) The meetings of the Selection Committee shall be convened by the Chair of the Selection Committee as and when necessary.
  - (ii) Three members of the Selection Committee shall form the quorum.
  - (iii) The Chair of the Selection Committee shall have both a deliberative and a casting vote.

- (iv) All decisions regarding appointments shall be made by a majority of the members present.  
Provided that the Chancellor shall have the power to veto any appointments made by any Selection Committee.

### 21.3 Remuneration Policy

- (a) The pay and other allowances payable to all the categories of employees shall be in such pay scales or at such stage of such pay scales as the Board of Management may adopt or decide from time to time, in accordance with the UGC / State Government guidelines, if any.
- (b) The Governing Body shall frame terms and conditions of employees of the University.

### 21.4 Code of Conduct

All staff members shall adhere to the code of conduct established by the University as outlined within the rules and regulations.

### 21.5 Employees Welfare Provisions

The University shall govern by the statutory and voluntary provisions specified as per the State Government / University Norms.

### 21.6 Special Provision for Existing Employees

The employee holding a regular post in the University at the time of notification of this Statute, other than those who are on deputation, shall, on such notification be deemed to have been appointed under the provisions of this Statute.

## STATUTE NO. 22

### DISCIPLINARY ACTION IN CASE OF VIOLATION OF CODE OF CONDUCT

[Refer Section 26 (1) (e) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation)  
Act. 2005]

- 22.1 Notwithstanding anything contained in the terms of contract of service of the appointment of an Academic Staff, Administrative Staff and Non-Academic and Non-Administrative Staff of the University, such person may be removed from the University by the appointing authority where such person is found to be:
- (a) Of unsound mind;
  - (b) Had been convicted by a court of law of any offence, moral turpitude and sentenced in respect thereof to imprisonment; or
  - (c) Otherwise, guilty of serious misconduct in discharging his/her powers and functions.
- 22.2 Where the removal of such Academic Staff, Administrative Staff or Non-Academic and Non-Administrative Staff is for a reason other than that specified in the previous Section, such person shall be terminated as per the terms of employment contract.
- 22.3 Arbitration of Disputes
- (a) Any dispute, controversy or claim arising out of or in connection with the contract between the University and any administrative or non-academic staff, or the breach, termination or invalidity thereof, or between the University and its officers shall, at the request of the employee or the person concerned, be referred to a three member tribunal of arbitration consisting of one member nominated by the Vice Chancellor, one member nominated by the employee of the person concerned and a Chair selected by the two nominated members.
  - (b) Every request made by the employee or the person concerned under sub- section.

- (i) Shall be deemed to be a submission to arbitration upon the terms of this section within the meaning of the Arbitration and Conciliation Act. 1996.
- (c) The procedure for regulating the work of the Tribunal shall be prescribed by the University.

#### 22.4 Right to Appeal

Every administrative or non-academic employee of the University or an Institution maintained by the University shall have a right to appeal, within such time as may be prescribed by the Regulations, to the Vice Chancellor against the decision of any Officer or Authority of the University or of the Institution, as the case maybe, and thereupon, the Vice Chancellor may address appropriately.

## STATUTE NO. 23

### ADMINISTRATION OF ENDOWMENT FOR THE AWARD OF FELLOWSHIPS, SCHOLARSHIPS, MEDALS AND PRIZES IN THE UNIVERSITY

- 23.1 The Board of Management may accept donations for creation of Endowment fund for the award of Fellowships, Scholarships, Stipend Medals, Prizes of the recurring nature. An Account of the same shall be maintained in writing by the University.
- 23.2 The Board of Management shall administer all the endowments.
- 23.3 The award shall be made out of the Annual income accruing from the Endowment.
- 23.4 Any part of the income which is not utilized shall be added to the Endowment.
- (a) The Board of Management shall prescribe the conditions of depositing the Endowment in an account maintained in nationalized Bank.
- (b) The value of Endowment necessary for instituting an award shall be prescribed by the Board of Management.
- 23.5 No Endowment shall be accepted in contravention of the award, and effect shall be given to the wishes of the donor as far as possible.
- 23.6 In case any Endowment is accepted by the Board of Management, Board shall make a Regulation for it, giving such details as the name of the donor, name of Endowment, initial value and the purposes of the Endowment, etc.
- 23.7 Approval of awardees of Fellowships, Scholarships, Medals and Prizes as per the specific Regulation(s)/ Ordinance(s) belonging to the specific endowment will be given by the Board of Management.



## STATUTE NO. 24

### GENERAL PRINCIPLES FOR THE INTERPRETATION TO THE STATUTE

- 24.1 This Statute shall receive such fair, large and liberal construction and interpretation as will best ensure the attainment of the objects of the Statute according to its true intent, meaning and spirit.
- 24.2 In this Statute, unless the context otherwise require:
- (a) Where any word or expression is defined in this Statute, such definition shall extend to the grammatical variations and cognate expressions of such word or expression.
  - (b) Words and expressions importing the masculine gender include the feminine and neuter genders.
  - (c) Words and expressions in the singular include the plural and words and expressions in the plural include the singular.
  - (d) References to any Officer, authority, body, committee or board include his/her or its nominee.
  - (e) Where any part of these Statutes confers power to make any subsidiary legislation, expressions used in the subsidiary legislation shall have the same meaning as in the Statute conferring the power, and any reference in such subsidiary legislation to “the Statute” shall be construed as a reference to the Statute conferring the power to make such subsidiary legislation.
  - (f) Where in subsidiary legislation there is a reference to a section or other provision by number, letter or combination of number and letter, and not in conjunction with the title or short title of other subsidiary legislation or a Statute, the reference shall be construed as reference to the section or other provision of that number, letter or combination in the subsidiary legislation in which the reference occurs.
  - (g) Where in subsidiary legislation there is a reference to a subsection or other sub division of a provision by number, letter or combination of number and letter, and not in conjunction with the number of any other section or provision of that subsidiary legislation or any other subsidiary legislation, the reference shall be construed as a reference to the sub section or other sub division of a provision of that number, letter or combination in the section or other provision in which the reference occurs.

- 24.3 Where any part of these Statutes confers any power or imposes any duty, then power may be exercised and the duty shall be performed from time to time as the occasion requires.
- 24.4 Where any part of these Statutes confers any power or imposes any duty on the holder of any office as such, then the power may be exercised and the duty shall be performed by the holder for the time being of that office.

# SHRI DAVARA UNIVERSITY

## CHHATTISGARH

### FIRST ORDINANCES

As per section 28(1) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act 2005

In exercise of power of conferred by sub-section (2) of section 28 of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act, 2005, the Vice Chancellor makes the following First Ordinances:

1. Short, Title and Commencement and definitions under the context otherwise requires:
  - (i) These Ordinances may be called Shri Davara University, Chhattisgarh, First Ordinances.
  - (ii) They shall come into force from the date of publication in Official Gazette.
2. Short Title, Scope, Commencement and Definition; unless the context otherwise requires,
  - (i) “**ACT**” means Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act 2005 and subsequent amendments.
  - (ii) “**University**” means Shri Davara University Chhattisgarh (SDU) established under section 28(1) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act 2005.
  - (iii) “**C.G.P.U.R.C.**” means Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission.
  - (iv) The “**Ordinances**” means the First Ordinances of Shri Davara University Chhattisgarh framed under section 28(1) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act 2005.
  - (v) “**Authority**” means competent authority as per the Act including Governing Body, Board of Management, Academic Council and/or Any Other Authority duly constituted by Governing Body.
  - (vi) “**Seal**” means the common seal of the University.

- (vii) “**Admission Policy**” means Admission Policy and Selection Procedure as notified in the Ordinance/ Statute of the University.
- (viii) “**Government**” means the Government of Chhattisgarh.
- (ix) “**Statutes**”, “**Ordinances**” and “**Regulations**”: means respectively, since the Statutes, Ordinances and Regulations of the Shri Davara University Chhattisgarh made under the Act.
- (x) “**Academic Year**” means a period of twelve months devoted to complete the requirements specified in the scheme and curriculum of the concerned Programme (s) and apportioned into “Semesters” or annual term as applicable stipulated in the Ordinance.
- (xi) “**Programme (s)**” means prescribed area(s) or Programme(s) of the study and/or any other competent(s) leading to the conferment or award of Degree, Diploma, Certificate or any other Academic Distinction or Title of the University.
- (xii) “**Apply**”: means submission of the application for admission by an applicant on a prescribed form with all the required documents and processing fees either by hand or by registered post duly receipted.
- (xiii) “**Subject**” means basic unit(s) of Programme of the Institute, teaching, training research etc., by whether names may be called, as prescribed under the scheme of curriculum.
- (xiv) “**Decided by the University/University may decide/Decision of the University**” means as decided by the Vice-Chancellor with the Approval of Chancellor.
- (xv) “**Approved**” by university means approved by the competent authority of the University.
- (xvi) “**Rules**” means the rules made by the University under the Act.
- (xvii) “**Fees**” means collection made by the University from the student by whether name it may be called, which is not refundable.
- (xviii) “**A.I.C.T.E.**” means All India Council for Technical Education established under All India Council for Technical Education Act, 1987 (Central Act 52 of 1987).
- (xix) “**Admission Committee**” means Admission committee duly constituted by Chancellor/Vice Chancellor of the University for conducting admission process

and as provided in Admission Policy.

- (xx) “**School**” means a division of the University for learning in a particular field.
- (xxi) “**Applicant**” means a candidate seeking admission to the University.
- (xxii) “**Discipline**” means a branch/stream of Science/ Arts and Humanities/ Commerce/ Engineering/ Management/ Law/ Architecture/ others etc., as approved by the University as given in the Admission Policy.
- (xxiii) “**Hostel**” means a place of residence for the student, maintained by the University. This facility is optional and students are also allowed to stay outside.
- (xxiv) “**Prescribed**” means prescribed by rules made under the Act.
- (xxv) “**Regulatory Body**” means a body established by the Central Government for laying down norms and condition for ensuring Academic Standard for Higher Education, such as University Grants Commission (UGC), All India Council for Technical Education (AICTE), Bar Council of India (BCI), Council of Architecture (CoA), National Council for Teacher Education (NCTE), Medical Council of India (MCI), Pharmacy Council of India (PCI), National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Indian Council of Agricultural Research (ICAR), Distance Education Council (DEC), Council of Scientific and Industrial Research (CSIR), and includes the Chhattisgarh Government.
- (xxvi) “**Chancellor**” means the Chancellor of the University.
- (xxvii) “**Governing Body**” means Governing Body of the University constituted as per the Act.
- (xxviii) “**Academic Council**” means Academic Council of the University constituted as per the Act.
- (xxix) “**Board of Management**” (BoM) means Board of Management of the University constituted as per the Act.
- (xxx) “**Schedule of Examination**” means a table giving details about the time, day and date of the commencement of each paper which is a part of a scheme of examinations and shall also include the details about the practical examinations.
- (xxxi) “**Department**” means a unit of a School.
- (xxxii) “**HOD**” means Head of the respective Departments.
- (xxxiii) “**N.R.I.**” means Non-Resident Indian as defined under the Income Tax Act.

- (xxxiv) "**A.I.U.**" means Association of Indian Universities.
- (xxxv) "**N.C.T.E.**" means National Council for Teachers Education.
- (xxxvi) "**I.C.C.R.**" means Indian Council for Cultural Relations.
- (xxxvii) "**B.C.I.**" means Bar Council of India
- (xxxviii) "**Qualifying Examination**" means an examination, the passing of a Qualifying Examination makes students eligible for admission to a particular Programme of study leading to a Bachelor Degree, Master Degree, M. Phil., Doctorate Degree or Diploma or Certificate conferred by the University.
- (xxxix) "**ATKT**" Candidate means a candidate who has failed in securing not more than 35% of the total number of marks in the Semester examination where the calculation of 35.2% shall always be rounded off and is appearing in the examination of the same Semester again which is conducted with the next Semester Examination.
- (xl) "**Equivalent Examination**" means an equivalent Examination conducted by:
- (a) Any recognized Board of Secondary Education.
  - (b) Any Indian or International University or Organization or Institution recognized by any Statutory Authority or
  - (c) Any Indian University incorporated by any law in force for the time being and recognized by the University as equivalent to its corresponding Examination.
- (xli) "**Gap Period**" means the period between the last date of attendance in the previously recognized educational institution and the date of taking admission to the University.
- (xlii) "**Entrance Test**" means an Entrance Test conducted by the University for a particular Program/Programme.
- (xliii) "**SDUCET**" means the Shri Davara University Common Entrance Test conducted by the Shri Davara University, Chhattisgarh for admission to academic program of the University.
- (xliv) The Ordinance shall come into force with effect from the date of their approval by the State Government and/or their notification in the State Gazette as per the Act, which is earlier.

- (xlv) The Ordinance is subject to the provisions of the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act 2005 as amended from time to time.
- (xlvi) The rules shall be applicable for all the programs offered by the Faculties, Schools, Institutes, Centers and Institutions run by the University and any matter relating and incidental thereto.
- (xlvii) The provisions of these rules will be prevailed overall Orders, Codes, Manuals, Circulars, Memos, Procedures, Policies, Schemes and such other documents of the University, as the case may be framed from time to time.
- (xlviii) Unless the context otherwise requires, any abbreviation or shorten from of word shall present and mean exactly that word as defined in the Statutes, Ordinances, Regulations, Rules, Orders, Codes, Manuals, Circulars, Memos, Procedures, Policies, Schemes and such other documents of the University, as the case may be framed from time to time.

Word and expression used herein and define in these Ordinances shall have the meaning assigned to them in the Act.

**In case of any dispute the English Version of the Ordinances will be considered final.**

**Ordinance No. 1****ADMISSION OF STUDENTS, TRANSFER OF STUDENTS AND MAINTENANCE OF  
DISCIPLINE**

1. In this ordinance, unless there is anything repugnant in the subject or context:
  - (a) "equivalent examination" means an examination which has been conducted by  
    - (i) any recognized Board of Senior Secondary Education, or
    - (ii) any Indian University other than this university incorporated by any law in force for the time being and recognized by the University as equivalent to its corresponding examination,
  - (b) Qualifying examination means an examination the passing of which makes a student eligible for admission to a particular year/ semester in a course of study leading to a bachelor's or post graduate degree or diploma conferrable by this university.
  - (c) Admissions to all courses except the one where the admission is governed by an external agency shall be governed by the following principles.
    - (i) Admission shall not be a matter of right.
    - (ii) Eligibility certificate will be issued by the Dean of the concerned faculty of the university but it shall not entitle for conferment of admission.
    - (iii) Admission shall be governed as per instructions issued by the university and the State Government from time to time.
2. A student seeking admission can submit his application on prescribed form for admission as per the schedule notified by the University from time to time.

Admissions in the Teaching Department will be regulated on merit and according to norms prescribed by the rules of admission, either through common entrance test (CET) or through criteria prescribed time to time. The Board of Management of the University shall frame rules for admission applying general conditions of admission laid down in the admission rules of the University / State Government.
3. The application for admission shall among others be accompanied by



- (a) The School or College Leaving Certificate signed by the Head of the Institution last attended by the student,
- (b) True copy of the statement of marks showing that the applicant has passed the qualifying examination, and in the case of a student who passed the examination as private candidate, a certificate signed by two responsible persons certifying to the good character of the applicant. If an applicant for admission, as aforesaid, has passed the qualifying examination from a Board other than the Board of Secondary Education, Chhattisgarh, or a University other than this University, he/she shall submit in addition to the school or college leaving certificate an eligibility or a Migration Certificate from the Secretary or Registrar of such Board or University as the case may be together with immigration fee of rupees as prescribed by the Board of Management.

Provided that if it does not become possible for the applicant to obtain a migration certificate in time for making the application, he may make the application in time stating that the certificate shall be produced as soon as it is received and for that purpose, he may be allowed such time as the University may specify. Provided also that no immigration fee shall be payable by a student migrating from any statutory university in Chhattisgarh or a statutory Board of Secondary Education or Intermediate Education in Chhattisgarh.

4.

- (a) No student shall be admitted to an institution for pursuing a course of study for the initial year of the first degree under any faculty unless he has passed the final examination held under the 10+2 C.G. Board examination or an examination declared equivalent to such examination by the University or such other qualifying examination as may be prescribed from time to time.
- (b) No student enrolled in the University shall be admitted to any subsequent higher class/ semester in any institution unless he has passed the semester examination qualifying him to appear for the examination for which he will be preparing. Provided that a student who is eligible to appear at second examination or ATKT examination may be provisionally admitted to a subsequent higher class but he shall revert to the lower class, if he is not declared successful at such examination.

"Provided further that the Vice-Chancellor shall have powers to grant admission in

cases of candidates:

- (i) who qualify for admission as a result of revaluation and who seek admission within 15 days from the date of declaration of the result. Their attendance to be counted from the date of such admission.
  - (ii) Candidates coming on transfer from other Universities because of the transfer from of their parents/guardians beyond the last date for admission is given above on the clear understanding that their attendance shall be counted from the date of commencement of the session.
  - (c) No student migrating from any other University shall be admitted to any class in an institution unless he has passed the examination which has been declared by the University as equivalent to the qualifying examination for a student of the University.
  - (d) Without prejudice to the provision contained in sub-clause (3) above, no student migrating from any other University shall be admitted to any class in an institution without the previous permission of the Board of Management wherever by any general or special direction, such permission is necessary.
  - (e) An applicant for admission to a course leading to a Bachelor's Degree shall not be so admitted unless he is prepared to appear in all the subjects prescribed for the particular degree examination.
    - (i) No student who has passed a part of any degree or post-graduate examination from another University shall be admitted to subsequent higher class for such examination in any institution without the approval of the Vice-Chancellor in consultation with the Dean of the Faculty in case of degree examination and the Chairman of the concerned Board of Studies in case of post-graduate examination.
    - (ii) No person who is under sentence of rustication or has been disqualified from appearing at the examinations from another University or a teaching institution connected with that University shall be admitted to any course of study in any institution maintained by or affiliated to this University during the period of rustication or disqualification.
5. A student shall be enrolled as a member of an institution as soon as he is admitted by the Head of the institution and has paid the prescribed fees.

6. The Head of the Department may permit a student to change his optional subjects for a course or with the approval of the Vice-Chancellor, to change the faculty. No change thereafter shall be permitted.
7. No student shall be allowed to migrate from one institution to another under the jurisdiction of this University without a transfer certificate and no transfer from one such institution to another shall in any case be permitted after the date on which the application of a student for admission to the ensuing examination has been forwarded to the University.
8.
  - (a) A student, who during an academic session desire to leave the institution of which he has become a member shall give notice in writing to the Head of the Institution of his intention to leave stating reasons therefor and further stating the name of the institution; if any, which he wishes to join.
  - (b) On such orders being passed, the student in question shall-
    - (i) Make payment of all fees due to the institution up to the month of the application for the transfer certificate; and
    - (ii) refund whatever, if any, scholarship or studentship has been paid to him from the funds of the institution, if required by the Head of the Department to do so.
  - (c) When the student has made all the aforesaid payment, the Head of the Department shall issue a transfer certificate.
9. A student migrating from one Department to another under the jurisdiction of the University shall not be required to pay such installments of tuition fees as he has already paid in the Institution from which he is migrating.
10. Every student in the University shall at all times be of good behavior, show diligence in studies, maintain decorum and dignity, take proper interest in co-curricular activities and observe all rules of discipline of the Institution of which he is a student and of the University.
11.
  - (a) When a student has been guilty of breach of discipline within or outside the precincts of the university or an institution or persistent idleness or has been guilty of misconduct, the Head of the Institution at which such student is studying the Vice-Chancellor, the registrar, the Dean of the student welfare may

according to the nature and gravity of the offence:

- (i) Suspend such a student from attending classes for not more than a week at a time; or
- (ii) Expel such a student from his institution;
- (iii) disqualify such a student from appearing at the next ensuing examination; or,
- (iv) rusticate such a student.
- (b) Before inflicting any punishment as aforesaid, the Head of the Department shall give the student concerned an opportunity of personal hearing and record the reasons of inflicting the punishment in writing.
- (c) The Head of the Department, concerned shall have power to suspend for such time as may be necessary a student temporarily from the Institution pending inquiry into his conduct in connection with an alleged offence.
- (d) The period, during which a student remains suspended for completion of an enquiry, shall be reckoned in the calculation of his attendance for appearing at an examination provided he is found innocent.
- (e) A student who has been rusticated shall not be admitted to another Department within the jurisdiction of this University. Ordinarily, the period of rustication shall not exceed two year. Other Universities shall be informed of the fact of the rustication.
- (f) The rustication of a student from an institution shall entail the removal of his name from the register of enrolled students.

12.

- (a) There shall be a Proctorial Board whose constitution/powers/duties shall be such as may be prescribed by Regulations.
- (b) There shall be an Academic Flying Squad consisting of the following members, which shall visit the Department, if the education standards are maintained;
  - (i) Any Dean nominated by VC Chairman
  - (ii) Any three Senior Professors nominated by VC Member
  - (iii) Nominee of Vice-Chancellor Member

The Academic Flying Squad will be constituted every three years. It may discharge duties to improve standard of education, which may be assigned by the Board of Management from time to time.

13. There shall be a code of conduct for students as may be prescribed by Regulations. It shall be compulsory for all students comply with its provisions. In the event of non-observance of the code by a student, it shall be the duty of the Head of Department to take disciplinary action.

**Ordinance No. 2****ENROLMENT OF THE STUDENTS AND THEIR ADMISSION TO COURSE OF STUDY**

1.

- (a) Any person, who shall have passed the Senior Secondary school Certificate Examination of the Board of Secondary Education, Chhattisgarh or an Examination recognized by the University as equivalent to it, may be enrolled as a Student of the University.
- (b) A candidate who after passing Senior Secondary School Certificate Examination (10+2) of C.G. Board of Secondary Education, Raipur or any other equivalent Examination recognized by a University shall be eligible for appearing at the Undergraduate Semester I Examination.

2. Application for enrollment as a student of the University shall be made to the Registrar in the prescribed form and it shall be accompanied by an enrolment fee as prescribed by the competent authority of the University. Such application shall be submitted through the Head of the Department where the student has been admitted.

Provided also that a regular candidate shall submit examination form after getting enrolled. However attendance in the course shall be sent by the Head of Department to the Registrar of the University on or before fifteen days of the commencement of the examination.

3. No student shall be deemed to have been admitted to any course of study as a regular student of the University unless his/her name is borne on the register of enrolled students. Except in a case in which a student does not hold the minimum qualifications prescribed for admission to the course of study concerned, the fee for enrolment paid by a student shall not be refunded under any circumstances.

4. No person who is under sentence or expulsion or rustication from another University shall be admitted to any course of study during the period for which the sentence is in operation.

5.

- (a) A student who is enrolled in the University may apply for a change, correction or alteration in own name or surname as per the procedure to the Registrar of the

University with a fee as prescribed by the Board of Management from time to time provided a mistake has occurred in writing the name or change is warranted due to marriage etc.

- (b) The Registrar, if he/she is satisfied with the reasonableness of the request, may pass order for the change or correction of the name of the student.
- (c) Any change, addition or modification, shall be recorded in the University register in red ink under the attestation of the Registrar and a certificate to that effect shall be issued to the applicant.
- (d) Under no circumstances shall any alteration be made in the University certificate, diploma, degree and other document issued in favour of the applicant prior to the order for change or correction in the name.
- (e) In all subsequent documents, certificates, diplomas and degrees of the University, the former as well as the new name shall be entered and all correspondence shall be carried on in like manner.
- (f) The application for change or correction in the name shall be made either through the Head of the Department where the student is studying or in case of other by a notarized affidavit.
- (g) The Fee deposited with the application, shall not be refunded to the student unless his application is rejected.

**Ordinance No. 3****CONDUCT OF EXAMINATION**

1. All arrangements for the conduct of examinations to be held by the University shall be made by the Registrar/Controller of Examinations in accordance with such directions as may be issued by the Board of Management in consultation with the Academic Council.
2. The Controller of Examination under the supervision of Registrar shall prepare and duly publish a programme for the conduct of examinations specifying the date of each examination and the last dates by which applications and fees for examinations shall be paid by the intending examinees.

The dates of commencement of examination together with the detailed programme of each examination shall be published at the commencement of the semester. The dates of examination once announced will not be changed without the permission of the Vice-Chancellor.

3. The Vice-Chancellor, on the recommendation of the Centre Superintendent, appoint an amanuensis to write down dictation pertaining to answers to questions at the examination on behalf of an examinee who is unable to write himself/herself on account of severe short sightedness or sudden illness or fracture in writing hand, provided that such an amanuensis shall be a man/woman possessing qualification of at least one class/examination lower than the examinee concerned.

Provided also that amanuensis and visually challenged person be given additional time of 20 minutes per hour (subject to maximum of one hour) for writing the examination on production of medical certificate from Chief Medical Officer.

4. The Vice-Chancellor may appoint Flying Squad to inspect the examination Centers consisting of one or more persons. The Flying squad so appointed shall have the powers to visit and inspect any examination Center at any time and have the powers to take personal search of the examinees if so required. The Flying Squad will report the cases of unfair means if noticed during their visit to the Center Superintendent of Examination for necessary action. The Flying Squad shall submit its report immediately to the Controller of Examinations, who shall take such action or steps as may be considered necessary. During the course of inspection of the examination Center the members of the Flying



Squad shall act as invigilators.

5. The Board of Management may cancel an examination at all centers if it is satisfied that there has been a leakage of question papers or any other irregularity which warrants such a step.
6. The Board of Management may issue such general instructions, for the guidance of the Examiners, Centre Superintendents, Tabulators, Collators, as it considers necessary for the proper discharge of their duties.
7. Subject to the provisions of this Ordinance, the Board of Management may from time to time make, alter or modify rules and procedure about the conduct of examination.
8.
  - (a) The Result Committee for each of the faculties will be constituted by the Academic Council.
  - (b) The functions of the Result Committee shall be as follows: -
    - (i) To scrutinize and pass the results of the examination conducted by the University after satisfying itself that the results on the whole and in various subjects are in conformity with the usual standards and to recommend to the Vice-Chancellor the action to be taken in any case where the result is unbalanced.
    - (ii) To scrutinize complains against Question papers, evaluation of answer books and to take necessary action,
    - (iii) To decide cases of candidates who answered wrong paper,
    - (iv) To decide cases of candidates whose answer-books were lost in transit;
    - (v) To decide cases of mistakes made by the paper setters, moderators, examiners, Invigilators, Superintendent of examination center, tabulators, Collators, Coordinators and any other persons concerned with examinations whose cases are referred to the committee.
    - (vi) To exercise such other powers as the Academic Council may delegate to it from time to time provided that the Result Committee shall have the powers to scrutinize and revise the results before declaration and in special cases after declarations of results.
    - (vii) If any action is to be taken against any Examiner, Centre Superintendent or Invigilator the matters shall be referred to the Board of Management through the Vice-Chancellor with the recommendation of the Result Committee.

9. The Vice-Chancellor shall appoint two tabulators or two sets of tabulators for tabulating the results of the examination and collators as necessary and he may issue general instructions for the guidance of tabulators in preparing the result of the examination, if necessary.
10. If a candidate has any communication to make on the subject of his/her examination paper, it shall be made in writing to the Controller of the Examination direct.
11. Any attempt made by or on behalf of a candidate to secure preferential treatment in the matter of his/her examination shall be reported to the Controller of the Examination who shall place the matter before the Board of Management.
12. Except as otherwise decided by the Board of Management, the examination answer-books and the documents regarding the marks obtained by the examinees, except the tabulated results, shall be destroyed or otherwise disposed of after 6 months from the date of the declaration of the results.
13. The Board of Management may, by a resolution, authorize the Controller of Examination to publish the results of the examinations as passed by the Result Committee on the notice board of the office of the University and/or on the website of the University.
14. No examinee shall leave the examination hall within half an hour of the start of the commencement of examination for any purpose whatsoever and no late comer will be permitted for the examination after half an hour from the commencement of examination.
15. Examinees desirous of leaving the examination hall temporarily shall be permitted to do so for a maximum period of 5 minutes. The absence shall be recorded and if the examinee fails to return within this limit of 5 minutes, he/she shall not be permitted to enter the examination hall, unless he/she gives convincing explanation.
16. A candidate found talking during the examination hours shall be warned not to do so. If the candidate continues talking in spite of the warning by the invigilator, the answer-book of such examinee shall be withdrawn and a second answer-book supplied. Only the second answer-book shall be sent for valuation. The first answer-book shall be cancelled and sent to the controller of the examination by the Center Superintendent.
17. The Center Superintendent of an examination center shall take action against an examinee who is found using or attempting to use unfair means in the examination hall

or within the premises of the examination center during the hours of examination, in the following manner: -

- (a) The examinee shall be called upon to surrender all the objectionable material found in his or her possession including the answer-book and a memorandum shall be prepared with date and time.
- (b) The statement of the examinee and the invigilator shall be recorded.
- (c) The examinee shall be issued a fresh answer-book marked 'Duplicate-Using Unfair Means' to attempt answers within the remaining time prescribed for the examination.
- (d) All the material so collected and the entire evidence along with a statement of the examinee and the answer-book duly initialed shall be forwarded to the controller of Examination by name, in a separate confidential sealed packet marked "Unfair Means" along with the observations of the Superintendent
- (e) The material so collected from the examinee together with both the answer-books, viz., the answer-book collected while using unfair means and the other supplied afterward, will be sent to an expert in the subject appointed by the Vice-Chancellor by the controller of Examinations for assessing both the answer-books separately and to report if the examinee has actually used unfair means in view of the material collected.
- (f) While evaluation, if the Examiner finds similarity in the answers in many answer-books or he finds cash, cheque etc. in the answer book, this would be considered a case of unfair means.
- (g) The cases of the use of unfair means at the examination as reported by the Centre Superintendent along with the report of the Examiner shall be examined by a Committee to be appointed by the Board of Management on the recommendations of the Vice-Chancellor every year.

"The Committee shall consist of:

- (i) One teacher member of the Board of Management, one of the Deans of Faculties, one teacher who is a member of the Academic Council, and one Senior Principal of Government Colleges nominated by the Vice-Chancellor;
- (ii) Controller of Examinations or his nominee not below the rank of Deputy

Registrar – (Secretary)

The Vice-Chancellor shall appoint one of the members included under (a) to be the Chairman of the Committee

- (h) The Committee shall after examining the cases, decide the action to be taken in each case and report to the Board of Management all cases of the use of unfair means together with the decision of the committee in each case.
  - (i) Once the decision of the UFM committee is approved by the Board of Management it will not change in any case.
18. Where an Examinee want to see his/her answer book (Review), shall apply within 15 days from the declaration of the result and the university shall decide the case as per the guidelines issued from Board of Management time to time.
19. The rate of remuneration for the different personnel involved in the conduct of examination, evaluation etc. shall be decided by the Board of Management.
20. Examination fees to be charged for various Programmes at the University will be decided by the Academic Council and approved by the Board of Management from time to time.
21. The Controller of Examination/ Registrar of the University shall notify the fees payable by the students for various Programmes of examinations after the same is approved by the Vice-Chancellor/ Registrar. A student who has not paid the prescribed fees before the commencement of the examination shall not be eligible to appear in the examination. The Chancellor may at his discretion allow, in certain cases of genuine hardship, an extension in the last date of payment of fees. The result of such students shall, however, be withheld till all the dues are cleared.
- (a) The Candidate, who fails to present himself/ herself for Examination, shall not be entitled to any refund offers or to have it kept in deposit for a subsequent Examination. However, if a woman candidate is unable to appear at the Examination for maternity reasons her fees may be held over for the next Examination, provided that the application for crediting the Fees for the next Examination must be made to the Controller of Examination/ Registrar of the University for the Examinations within three months of the completion of the Examination concerned and shall be supported by a Medical Certificate.
  - (b) Provided, however, that a candidate shall not be entitled to the adjustment of

examination fees if he/ she changes the faculty or his subject in case of Undergraduate and Postgraduate examinations.

- (c) The fees paid by a regular candidate who is debarred from appearing at an examination due to a shortage in attendance at lectures/ practical's, will not be refunded under any circumstances.

There shall be no refund of revaluation fees irrespective of change in the marks of a candidate.

- (i) A candidate who due to sickness or other causes is unable to present himself/ herself at an examination shall not receive a refund of fees, provided that the Vice Chancellor/ Registrar on the recommendation of the Controller of Examination /Registrar of the University, made after feeling satisfied by considering the facts and making required investigation through documents submitted to him, about the genuineness or merit of it, order of it, order for adjustment of the following portion of the fees towards the immediately next Examination.
- (ii) The Examination fees of a candidate who dies before appearing at the Examination may be refunded in full to his/ her guardian.
- (iii) The entire fees paid by a candidate whose application for appearing at an Examination is cancelled on account of producing fraudulent documents or giving false particulars shall stand forfeited.
22. Until and otherwise mentioned, all examination of the University shall be held under of Choice Based Credit System.
- (a) The semester shall consist of 16-18 weeks of academic work. One credit is equivalent to one hour (60 minutes) of teaching (lecture or tutorial) or two hours (120 minutes) of practical work/field work per week in a semester. The credits associated with the courses will be valid credit, while credits associated with comprehensive viva-voce will be virtual credits.
- (b) The concerned Department shall workout the required minimum number of Credits for the award of the degree on an average of valid 20 credits per semester for all the programmes, except B.E./ B.Pharm. / Honours programmes where required minimum number of credits will be worked out on an average of valid 24-26 credits per semester. The distribution of the credits among theory,

practical, field work, project work, etc. in a semester will also be worked out by the concerned Department.

In case of admissions through lateral entry in some programmes, the required minimum number of credits for the award of the degree will be calculated in the same manner as described above but for remaining duration of the programme.

- (c) The required minimum number of credits for each programme may be distributed among the courses under Core, Ability Enhancement and Skill development, Electives-Discipline Centric and Generic categories and notified by the concerned Department.
- (d) The Department shall offer the courses of 20-30 credits for full-time programmes and 12-18 credits for part-time programmes in a semester.
- (e) The Department shall offer elective-generic courses in each programme to its own students and the students of other programmes under choice on first come first served basis. The number of seats in the course shall depend on available facilities in the Department.
- (f) The students shall have the choice to opt a course in each semester under elective-generic category available
- (g) The Department will offer the courses of 20-30 credits for full-time programmes and 12-18 credits for part-time programmes in a semester.
- (h) The Department will offer elective-generic courses in each programme to its own students and the students of other programmes under choice on first come first served basis. The number of seats in the course will depend on available facilities in the Department.
- (i) The students will have the choice to opt a course in each semester under elective-generic category available within the Department or in other Department but from same level of the programmes. An alternate choice will also be available to the students to opt a course in each semester under elective-generic category including skill development course from Massive Open Online Courses (MOOCs) available at SWAYAM (Study Web of Active Learning by Young and Aspiring Minds) platform.
- (j) The students can also opt a course under elective-Discipline Centric category

from Massive Open Online Courses (MOOCs) available at SWAYAM (Study Web of Active Learning by Young and Aspiring Minds) platform.

- (k) The University will take a decision for allowing the online courses of SWAYam if:
  - (i) Suitable teaching staff is not available in the Department for running the course.
  - (ii) The facilities for offering the elective courses sought for by the students are not available in the institution but available on the SWAYAM platform.
  - (iii) The courses offered on SWAYAM would supplement the teaching-learning process in the institution.
- (l) Every student opting a course available on SWAYAM platform would be required to register for the course at SWAYAM. The student will pay the fee to SWAYAM for registering the course, if required.
- (m) While allowing the online learning courses offered by SWAYAM, it shall be ensured that the physical facilities like laboratories, computer facilities and library etc. essential for pursuing the courses shall be made available free in adequate measure by the institution. The parent institution must designate a course coordinator/ facilitator to guide the students throughout the course and to facilitate/ conduct the lab./practical sessions/ examinations.
- (n) The University can only allow up to 20% of the total courses being offered in a particular program in a Semester through the online learning courses provided through SWAYAM platform.
- (o) The requirement of project / dissertation, as notified by the respective Department need to be undertaken by the candidate for the specified credits. The project may be undertaken in any of the National Laboratories / Institutes / Universities / Government approved Companies / Industries. Minor project in any semester should not exceed 4 credits while major project / dissertation should be of maximum of 12 credits in a semester.
- (p) The minimum duration of a programme shall be as per guidelines of the UGC and other statutory bodies like AICTE/ BCI/ NCTE/ PCI etc. The maximum duration of a programme shall be twice of the minimum duration of the programme.

23. Requirement of attendance will be as per University Ordinance governing the examinations or the guidelines of the statutory body. In general attendance of atleast seventy-five percent of lectures and practicals separately will be required in each course to sit in the semester end examination.

For special reasons such as prolonged illness deficiency in percentage of attendance not exceeding fifteen percent of the total number of lectures delivered and practical/sessional held in each course may be condoned by the Vice Chancellor.

24. A student will be eligible for award of a degree when he/ she earns minimum required number of valid and virtual credits specified for the programme within maximum duration of the programme, but not before minimum duration of the programme.

25. A student will be eligible for award of a degree when he/ she earns minimum required number of valid and virtual credits specified for the programme within maximum duration of the programme, but not before minimum duration of the programme.

26.

- (a) Each course will be assessed for 100 marks, out of which 60 marks will be for end-semester examination and 40 marks will be for continuous evaluation. In case of Laboratory / Field /Project work based courses, appropriate distribution of marks for Practical Record/ Project Report, Practical end-Semester exam, viva, if any be decided by the Department.

- (b) During the semester, a teacher offering the courses will do the continuous evaluation of the student at three points of time by conducting three tests of 20 marks each. Of these, two must be written tests and the third may be written test / Quiz / Seminar/ Assignment for theoretical courses. Marks obtained in two best tests out of three will be awarded to the student. In each course, there shall be End Semester Exam. of 60 marks. Each student has to appear in at least two tests and End Semester Examination; otherwise, the student will be awarded Ab Grade in that course.

- (c) The Teacher offering the course will be responsible for setting the question paper and evaluating the answer books of tests and end-semester examination of that course. If due to some unavoidable reasons, it is not possible, then the concerned Head will make an alternate arrangement in consultation with



Chairman, BOS for the conduct of examination.

- (d) Total of marks obtained in end-semester examination and best two tests under continuous evaluation will decide the grade in the course.
- (e) The grading will be made on 10-point scale as described below:

Letter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	90-100
A+	9	Excellent	80-89
A	8	Very good	70-79
B+	7	Good	60-69
B	6	Above Average	50-59
C	5	Average	40-49
P	4	Pass	35-39
F	0	Fail	0-34
Ab	0	Absent	Absent

- (f) In case statutory bodies of the programme issue the guidelines regarding minimum passing percentage of marks then grading will be done in the following manner:

If the marks obtained by the student in a course are less than the minimum cut-off percentage of marks, then F grade will be awarded, otherwise the grades will be awarded as per above mentioned table.

- (g) If a student obtains F or Ab Grade in any course, he /she will be treated to have failed in the course. He / she has to reappear in the examinations of the course as and when conducted or arranged by the Department. Marks obtained earlier in continuous assessment may be carried forward and added to the marks

obtained in repeat end-semester examination to decide the grade in the repeat course.

- (h) The theoretical and practical courses can be repeated whenever offered or arranged by the Department but within maximum duration of the programme. He / she can avail multiple repeat attempts to pass the course.
- (i) The Department, where students from other Departments are registered for choice-based elective - generic category course(s), will send the Grade to the concerned Department where the student is enrolled. The semester / final result will be declared by the Department where the student has taken admission.
- (j) Evaluation and Certification of MOOCs:

The host institution and the PI shall be responsible for evaluating the students registered for the MOOCs course launched by him/her.

The evaluation should be based on predefined norms and parameters and shall be based on a comprehensive evaluation throughout the length and breadth of course based on specified instruments like discussions, forums, quizzes, assignments, sessional examinations and final examination.

Whereas an online examination would be the preferred mode, the PI shall be authorized to decide on the mode of conducting the final examination. This shall be announced in the overview of the Course at the time of offering the course.

In case, a pen and paper final examination is to be conducted, the same shall be offered through any college/school volunteering to conduct the same. The decision in this respect will be of the PI and the host institution.

After conduct of the examination and completion of the evaluation, the PI through the host institution shall award marks/grade as per the evaluation scheme announced.

The final marks/grade shall be communicated to the students as well as the parent institution of the student, within 4 weeks from the date of completion of the final examination.

The parent Institution shall, incorporate the marks/grade obtained by the student, as communicated by the Host Institution through the PI of the SWAYAM course in the marks sheet of the student that counts for final award of the degree/diploma by the University with the proviso that the programs in which Lab/Practical Component is

involved, the parent institution will evaluate the students for the practical/Lab component and accordingly incorporate these marks/grade in the overall marks/grade.

A certificate regarding successful completion of the MOOCs course shall be signed by the PI and issued through the Host Institution and sent to the Parent Institution.

The parent Institution shall give the equivalent credit weightage to the students for the credits earned through online learning courses through SWAYAM platform in the credit plan of the program.

27.

- (a) The Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA) will be calculated as weighted average of valid and virtual credit points secured by the student, except the credits of additional courses, if any. The SGPA and CGPA shall be rounded off up to 2 decimal places and reported in the grade sheet.

- (b) SGPA is a measure of performance of the student in a semester. It is ratio of total credit points secured by a student in various courses registered in a semester and the total course credits taken during that semester, i.e

$$\text{SGPA (Si)} = \sum(C_i \times G_i) / \sum C_i$$

where  $C_i$  is the number of credits of the  $i$ th course in a semester and  $G_i$  is the grade point scored by the student in the  $i$ th course.

- (c) CGPA is a measure of overall cumulative performance of a student over all the semesters completed. The CGPA is the ratio of total credit points secured by a student in various courses in all the semesters completed and the sum of the total credits of all courses in all the semesters completed, i.e.

$$\text{CGPA} = \sum(C_i \times S_i) / \sum C_i$$

where  $S_i$  is the SGPA of the  $i$ th semester and  $C_i$  is the total number of credits in the  $i$ th semester.

28. On completing all requirements for award of the degree, the CGPA will be calculated and this value will be indicated on the degree along with Division. The Final degree should also indicate the Division obtained as per follows:

Division	Criterion
First division with distinction	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree in first attempt with CGPA of 8.00 or above
First division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 6.50 or above
Second division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 5.00 or above but less than 6.50
Pass division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.00 or above but less than 5.00

In case of B.Pharm./ M.Pharm. programmes first division will be awarded if the student obtains CGPA of 6.50 or above in first attempt. No pass division will be awarded.

29. The students will be promoted to the next semester if he/ she secures at least 12 valid credits in a semester. In case the student secures less than 12 valid credits in any semester, then the student will be declared fail in that semester and he/ she will be asked to repeat the entire semester and that semester will be treated as zero semester. In such cases the student will not be promoted to the next semester.

If a student passes in all the courses offered in any semester then will be declared pass in that semester. If a student secures at least 12 valid credits and fails in one or more courses offered in that semester then he/ she will be promoted to the next semester with ATKT (Allowed To Keep Term) in those courses in which he/ she fails.

In case of B.E./ B.Pharm. programmes the students will be promoted as per following conditions:

- The student should not carry more than 5 courses (combining theory and practical) in Ist year, IInd year or IIIrd year to be promoted to the next year.
- The student cannot be promoted to IIIrd year, if he/ she carries any course of Ist year with F or Ab grade.

- (c) The student cannot be promoted to Iv year, if he/ she carries any course of IInd year with F or Ab grade.
- 30.
- (a) Repetition of theory/ practical course is allowed only to those candidates who get F or Ab in the course. The student has to pay the prescribed fee for repeating the course.
- (b) On account of valid reasons, a student may withdraw from a semester. In such case the semester will be treated as zero semester.
- (c) In case of zero semester, the student will not be promoted to the next semester till he/ she clears that semester. The Department may allow such a student to register in that semester again whenever it is offered by the concerned Department. The student has to pay semester fee again in such cases. If the student withdraws within one month from starting of the semester, then semester fee will not be charged again.
- (d) The practical course can be repeated as and when it is offered.
31. Evaluation shall be internal with feedback system i.e., marked answer books will be shown to the student for his/her perusal and will be collected back by the teacher for record for six months after declaration of the result.
32. The decision of the teacher regarding the evaluation and the grade shall be final. However, a student can submit in writing for review of his Marks/Grade to the Head/ Director who will place the case before the Board of comprehensive *viva-voce*. The decision of the board will be final. Result of the review will be declared by the concerned Head/ Director. Review is effective only if the grade improves. Review will be allowed if-
- (a) The prescribed fee is paid
- (b) The candidate applies within 7 days of the declaration of the grade in that course.
33. The practicals will be assessed continuously and at the end of each semester evaluation of practicals will be done by two examiners. The grades obtained in the practicals will be shown separately in the grade-sheet.

34.

- (a) Dissertation/ project report/ internship of 3-6 credits will be assessed by the internal supervisor, in general, however, Department may get it assessed by an internal supervisor and an external expert.
- (b) The dissertation/ major project/ internship report of 12-18 credits will be assessed by one external examiner to be appointed by the Vice-Chancellor from the panel of examiners suggested by Head and the supervising teacher / the examiner appointed by the Head of the Department.

35.

- (a) A comprehensive viva-voce of 4 virtual credits will be conducted at the end of each semester of the programme by a board of four examiners, at least ONE of whom shall be external. The Vice-Chancellor will appoint the external examiner in consultation with Head of the Department. Three will form a quorum. Head will coordinate the comprehensive viva - voce. The grades awarded in the viva-voce shall be shown separately in the grade-sheet.
- (b) If a programme has large number of students, then more number of boards may be constituted as per requirement. The board may include at least two experts including one internal and one external.
- (c) The external expert of comprehensive viva-voce board shall also conduct an academic audit and make an assessment of overall knowledge gain by the students in the semester, standard of the question papers, syllabus covered, marking in valuation of the answer books, etc. and shall submit its report to the Vice Chancellor through Head.
- (d) An honorarium shall be paid to each examiner of the Board of Comprehensive Viva-Voce, as may be decided by the Board of Management from time to time.

36.

- (a) The Grade sheet in each pre-final semester will be prepared in two copies and signed by the Programme Coordinator and Head. Out of the two, one will be issued to the student and the other will be kept in the Department office as record.
- (b) The Grade sheet in final semester will be prepared in Triplicate by the

Department. These will be signed by the Programme Coordinator, Head of Department and the Controller of Examinations of the University. One copy will be kept by the Exam. Section of the University, the second one will be issued to the student and the third one will be kept for record in the Department.

(c) Suggestive formats of the Grade sheet for pre-final and final semesters are provided in the Annexure-A and Annexure-B. However, minor changes can be made by the concerned School/ Institute as per requirement of the programme.

37. The Departments will manage their own examination expenditures within the available income of 90% of their respective examination fees.
38. In case any dispute arises regarding interpretation of these rules or in giving effect to the provisions of this Ordinance the matter shall be referred to the Vice Chancellor whose decision thereon will be final.
39. The conversion of CGPA in to percentage will be as follow to facilitate its application in other academic matters:

$$\text{Equivalent Percentage} = \text{CGPA} \times 10$$

The percentage will be rounded off up to second decimal point.

40. The provisions herein will supersede the existing Ordinance(s)/ Regulations for regular UG and PG programmes in Departments, to the extent herein prescribed.
41. The guidelines issued by the statutory bodies e.g. UGC/AICTE/BCI/NCTE/ PCI issued time to time will be adopted for implementation.
42. In matters not covered under this Ordinance, general rules of the University shall be applicable.
43. If UGC notifies any change in future in its Regulations governing Choice Based Credit System (CBCS)/ MOOCs, then the same will be incorporated in the existing Ordinance with the approval of the Board of Management (BOM) of the University.

**Ordinance No. 4****NEW EDUCATION POLICY (2020): UG & PG DEGREE PROGRAM**

Ordinance applicable for all the Certificate, Diploma, Under Graduate and Post Graduate Programs except for those governed/regulated/approved by BCI, PCI, NCET, AICTE, MCI and ICAR.

(As per the "Guidelines for Multiple Entry and Exit in Academic Programmes offered in Higher Education Institutions" issued by UGC, New Delhi under National Education Policy 2020)

1. The provisions of this Ordinance shall be applicable from the academic session 2024-25.
2. The provisions of this Ordinance shall apply to the three-year/six-semester Bachelor's Degree or four-year/eight-semester Bachelor's degree (Honours/ Research) undergraduate programmes, One year/two year Master's Degree Program approved under the faculties of Journalism/ Mass Communication/ Media, Arts/ Humanities/ Social Science, Business Administration/ Commerce/ Management/ Finance, Library and Information Science, Hotel Management/ Hospitality/ Tourism/ Travel, Vocational Education, and Sciences as notified through Gazette of the Government of Chhattisgarh (S.No. 568 dated 18th October 2023) and referred to in the statute No. 17 of the University.
3. Rules and guidelines for admission to these programs will be framed by the University according to the guidelines issued by the State Government from time to time.
4. Students who have completed Grade 12 School Leaving Certificate from Board of Secondary Education, Chhattisgarh, Raipur, or an equivalent examination from any other board recognized by the State Government/University will be eligible for admission to these programs.
5. The admission shall be made on the basis of merit calculated based on the respective qualifying examination.
6. Student enrolment in a program shall be restricted to the seats allotted by the University. To start any under graduate program the student intake will be 60 and for the post graduate program it will be 40. The basic unit will be multiples of the unit can also be set up by the Board of Management (BOM) with information to CGPURC.



7. The in-take capacity shall be determined at least three months in advance by the university/institution through its academic bodies in accordance with the guidelines/norms in this regard issued by the UGC and other statutory bodies concerned so that the same could be suitably incorporated in the admission brochure for the information of all concerned and uploaded on the institutional website.
8. Admission Paths for Undergraduate Programme (First Degree)
  - (a) Students who have successfully completed Grade 12 School Leaving Certificate shall be eligible for admission to a first-degree programme.
  - (b) The admission shall be made on merit on the basis of criteria notified by the university, keeping in view the guidelines/norms in this regard issued by the UGC and other statutory bodies concerned and taking into account the reservation policy issued by the government concerned from time to time.

Student enrolment shall be in accordance with the academic and physical facilities available keeping in mind the norms regarding the student-teacher ratio, the teaching-non-teaching staff ratio, laboratory, library, teaching-learning tools.

- (c) Depending upon the academic and physical facilities available, the HEIs may earmark seats for lateral entrants to the second year/third year/fourth year of a first-degree programme, if the student has either (a) successfully completed the first year/second year/third year of the same programme in any institution, or (b) already successfully completed a first-degree programme and is desirous of and academically capable of pursuing another first-degree programme in an allied subject
9. Operational Details-

To enable multiple entry and exit points in the academic programmes, qualifications such as certificate, diploma, degree are organized in a series of levels in an ascending order from level 5 to level 10. Level 5 represents certificate and level 10 represents research degree (Table 1). The four-year undergraduate programme may comprise courses as below:

  - (a) Disciplinary/interdisciplinary major (40-56 credits)
  - (b) Disciplinary/interdisciplinary minor (20-28 credits)

- (c) Vocational studies (12-18 credits)
- (d) Field projects/internship/apprenticeship/community engagement and service (24-32 credits).

Qualification Type and Credit Requirements will be according to Table. 1. The entry and exit options for students, who enter the undergraduate programme, are as follows:

### **1st Year**

**Entry 1:** The entry requirement for first semester in Level 5 is successful completion of Class 12 from CG Board of Secondary Education, Raipur, or an equivalent examination from any other board recognized by the State Government/University. A programme of study leading to entry into the first year of the Bachelor's degree is open to those who fulfill the admission requirements.

**Exit 1:** A certificate will be awarded when a student exits at the end of year 1 (Level 5). The first year of the undergraduate programme builds on the secondary education and requires 36-40 credits during the first year of the undergraduate programme for qualifying for an undergraduate certificate.

### **2nd Year**

**Entry 2.** The entry requirement for Level 6 is a certificate obtained after completing the first year (two semesters) of the undergraduate programme. A programme of study leading to the second year of the Bachelor's degree is open to those who have met the entrance requirements, including specified levels of attainment, in the programme admission regulations. Admission to a programme of study is based on the evaluation of documentary evidence (including the academic record) of the applicant's ability to undertake and complete a Bachelor's degree programme.

**Exit 2:** At the end of the 2nd year, if a student exits, a diploma shall be awarded (Level 6). A diploma requires 72-80 credits from levels 5 to 6, with 36-40 credits at level 6.

### **3rd Year**

**Entry 3.** The entry requirement for Level 7 is a diploma obtained after completing two years (four semesters) of the undergraduate programme. A programme of study leading to the Bachelor's degree is open to those who have met the entrance requirements, including specified levels of attainment, in the programme admission regulations. Admission to a programme of study is based on the evaluation of documentary evidence (including the academic record) of the applicant's

ability to undertake and complete a Bachelor's degree programme.

**Exit 3:** On successful completion of three years, the relevant degree shall be awarded (Level 7). A Bachelor's degree requires 108-120 credits from levels 5 to 7, with 36-40 credits at level 5, 36-40 credits at level 6, and 36-40 credits at level 7.

#### 4th Year

**Entry 4.** An individual seeking admission to a Bachelor's degree (Honours/Research) (Level 8) in a specified field of learning would normally have completed all requirements of the relevant three-year bachelor degree (Level 7). After completing the requirements of a three-year Bachelor's degree, candidates who meet a minimum CGPA of 7.5 shall be allowed to continue studies in the fourth year of the undergraduate programme to pursue and complete the Bachelor's degree with Research.

**Exit 4:** On the successful completion of the fourth year, a student shall be awarded a degree (Honours/ Research). A Bachelor's degree (Honours/ Research) requires a total of 144-160 credits from levels 5 to 8, with 36-40 credits at level 5, 36-40 credits at level 6, and 36-40 credits at level 7, and 36-40 credits at level 8.

#### 10. Master's Programme

Admission paths for the postgraduate programme:

Students shall be admitted to a two-year programme with the second year devoted entirely to research for those who have completed the three-year Bachelor's programme

- (a) Students completing a four-year Bachelor's programme with Honours/ Research, may be admitted to a one-year Master's programme
- (b) There may be an integrated five-year Bachelor's/Master's programme.

**Entry 5:** The entry requirement for Level 9 is

- (a) A Bachelor's Degree (Honours/ Research) for the one-year/two-semester Master's degree programme.
- (b) A Bachelor's Degree for the two-year/four-semester Master's degree programme.
- (c) A Bachelor's Degree for the one-year/two-semester Post-Graduate Diploma programme.

A programme of study leading to the Master's degree and Post-Graduate Diploma is open to those who have met the entrance requirements, including specified levels of attainment, in the programme admission regulations. Admission to a programme of study is based on the evaluation of documentary evidence (including the academic record) of the applicant's ability to undertake postgraduate study in a specialist field of enquiry.

**Exit 5:** For postgraduate programmes, there shall only be one exit point for those who join the two-year Master's programme, that is, at the end of the first year of the Master's programme. Students who exit after the first year shall be awarded the Post-Graduate Diploma.

#### 11. Credit Requirements

- (a) A one-year/two-semester Master's degree programme builds on a Bachelor's degree with Honours/Research and requires 36-40 credits for individuals who have completed a Bachelor's degree with Honours/ Research.
- (b) The two-year/four-semester Master's degree programme builds on a Bachelor's degree and requires a total of 72-80 credits from both years of the programme, with 36-40 credits in the first year and 36-40 credits in the second year of the programme at level 9.
- (c) A one-year/two-semester Post-Graduate Diploma programme builds on a Bachelor's degree and requires 36-40 credits for individuals who have completed a Bachelor's degree. A student will be allowed to enter/re-enter only at the odd semester and can only exit after the even semester. Re-entry at various levels as lateral entrants in academic programmes should be based on the earned credits and proficiency test records.

The validity of credits earned will be to a maximum period of seven years or as specified by the ABC. The procedure for depositing credits earned, its shelf life, redemption of credits, would be as per UGC (Establishment and Operationalization of Academic Bank of Credits (ABC) scheme in Higher Education) Regulations, 2021.

**N.B.** For all Bachelors and Master's Degree programmes, a group/subject shall be chosen as Major/Minor/Generic Elective, Qualification and Credit Requirements are given in Table 1.

**Table-1: Qualification Type and Credit Requirements Table**

<b>Levels</b>	<b>Qualification title</b>	<b>Credit Requirements</b>
Level 5	Undergraduate Certificate (in the field of learning/discipline) for those who exit after the first year (two semesters) of the undergraduate programme. (Programme duration: first year or two semesters of the undergraduate programme)	36-40
Level 6	Undergraduate Diploma (in the field of learning/discipline) for those who exit after two years (four semesters) of the undergraduate programme (Programme duration: First two years or four semesters of the undergraduate programme)	72-80
Level 7	Bachelor' Degree (Programme duration: Three years or six semesters).	108-120
Level 8	Bachelor' Degree (Honours/ Research) (Programme duration: Four years or eight semesters).	144-160
Level 8	Post-Graduate Diploma for those who exit after the successful completion of the first year or two semesters of the two-year Master's degree programme). (Programme duration: One year or two semesters)	36-40
Level 9	Master's Degree (Programme duration: Two years or four semesters after obtaining a Bachelor's degree).	72-80
Level 9	Master's Degree (Programme duration: One year or two semesters after obtaining a four-year Bachelor's Degree (Honours/ Research).	36-40
Level 10	Doctoral Degree	Minimum prescribed credits for course work and a thesis with published work.

The credits will be awarded by the University The credit can be calculated as follows:

- (a) One hour of theory or one hour of tutorial or two hours of laboratory work per week for 15 weeks resulting in the award of one credit.
  - (b) Credits for internship shall be one credit per week of training. subject in a maximum of six credits in a semester.
12. The minimum duration of the undergraduate degree programme shall be of three academic years/six semesters, whereas that of undergraduate degree leading to Honors/Research shall be of four academic years/eight semesters
- (a) A student who leaves the Programme anytime in the middle of the programme will retain the credits earned so far, which will be restored/transferred when she/he enters the programme again.
  - (b) The maximum duration for completing the Undergraduate Degree and Undergraduate Degree (Honours/Research) programme for regular students shall be 6 and 8 years, respectively.

13. TYPES OF PROGRAMMES

Each of the subject/categories (1) to (5) as specified in clause 10 shall comprise of Programmes. Programmes are the basic units of education and/or training. Types of Programmes. shall be as follows:

- (a) Core Programme: Such Programmes which shall compulsorily be studied by the student as a core requirement of the programme.
- (b) Elective Programme: Generally, a Programme which the student can choose from a pool of Programmes, which is specific or specialized or advanced or supportive to the discipline/subject of study or which provides an extended scope or which enables an exposure of some other discipline/subject/domain to nurture the candidate's proficiency or skill is called an Elective Programme.
- (c) Discipline Specific Elective (DSE) Programme: Elective Programmes offered from the main discipline/subject of study are referred to as Discipline Specific Elective the University may also offer discipline related Elective Programmes of

interdisciplinary nature (to be offered by man discipline/subject of study)

- (d) **Dissertation/ Project** An elective Programme designed to acquire special/advanced knowledge, such as supplement study/support study to a project work, and a student studies such a Programme independently with advisory support by a teacher/faculty member is called dissertation/project It considered a special Programme involving the application of knowledge in solving/ analysing/ exploring a real-life situation/difficult problem for a bachelor degree with honours/ research A Project/Dissertation work would be of credits, as decided by the competent body The student will do this work under the guidance of a faculty member.

- (e) **Generic Elective (GE) Programme**

An elective Programme chosen generally from an unrelated discipline/subject to seek exposure of other fields is called a Generic Elective Programme

- (f) **Ability Enhancement Programmes (AEC):**

The Ability Enhancement Programmes (AEC) are of two types

- (i) Ability Enhancement Compulsory Programmes (AECC)
- (ii) Skill Enhancement Programmes (SRC) or Vocational Programmes
- (iii) "AECC" Programmes are the Programmes based upon the content that leads to Knowledge enhancement, such as,
- (iv) Environmental Education
- (v) English/Hindi Communication is mandatory for all disciplines. SEC Programme is value-based/skill-based and may also be designed to skills of the Major Subject They are aimed to provide hands-on raising competencies, skills, etc.

- (g) The syllabus for a specific programme will be decided by the concerned Board of Studies of the University based on the curriculum issued by the UGC under LOCF with maximum deviation of 20%

**14. STRUCTURE FOR UNDERGRADUATE PROGRAMME: SEMESTER SYSTEM****(a) First Semester:**

A student shall be declared to have successfully completed the first semester if he/she acquires 6 credits in Core Programme of the major subject, 6 credits in Core Programme of the minor subject, 4 credits in Generic Elective and 4 credits in Ability Enhancement Programme (AEC)

**(b) Second Semester (Level 5):**

A student shall be declared to have successfully completed the second semester of the he/she acquires 6 credits in Core Programme of the major subject, 6 credits in Core Programme of the minor subject, 4 credits in Generic Elective and 4 credits in Ability Enhancement Programme (AEC)

The student can choose his/her major, minor subjects and the generic elective subject if he/she fulfils the pre-requisites prescribed by the concerned Board of Studies A student passing Grade 12 with science can take admission in Level 5 with major and minor subjects from science/arts/commerce faculty, a student passing Grade 12 with commerce faculty can take major and minor subjects from commerce/arts faculty, whereas student passing Grade 12 with arts faculty can choose major and minor subjects from arts faculty only Major and Minor subjects shall belong to the same faculty (which will be called as the Main faculty), whereas generic elective subjects can be chosen from any faculty However, allotment of choices will be subject in the provisions of admission guidelines.

**(c) Third Semester:**

A student shall be declared to have successfully completed the third semester of he/she acquires 6 credits in Core Programmes of the major subject, 6 credits in Care Programme of the minor subject, & credits in Generic Elective and 4 credits in Skill Enhancement Programme SEC)/ Vocational Programme.

**(d) Fourth Semester (Level 6):**

A student shall be declared to have successfully completed the fourth semester, of he/she acquires 6 credits in Core Programmes of the major subject, 6 credits in Care Programme of the minor subject, & credits in Generic Elective and 4 credits in Skill Enhancement



Programme (SEC) Vocational Programme.

The student shall be given a single chance at the entry of level 6 to interchange the major and minor subjects. However, in such cases, it will be the students' responsibility to earn additional credits to fulfil the minimum requirement of credits prescribed for the major Programme. Only after fulfilment of such credits he/she will be entitled to earn an Undergraduate Diploma or an Undergraduate Degree.

**(e) Fifth Semester:**

A student shall be declared to have successfully completed the fifth semester, if he/she requires & credits in Core Programmes of the major subject, 4 credits in Skill Enhancement Programme (SEC)/ Vocational Programme, 4 credits in Discipline Specific Elective (DSE) of the major subject and 6 credits in Field Projects/internship/apprenticeship/community engagement and services, preferably related to major and/or minor subjects.

**(f) Sixth Semester (Level 7):**

A student shall be declared to have successfully completed the sixth semester, if he/she requires 6 credits in Core Programmes of the major subject, 8 credits in Discipline Specific Elective (DSE) of the major subject and 6 credits in Field Projects internship/apprenticeship/ community engagement and services, preferably related to major and/or minor subjects.

**(g) Seventh Semester:**

**Bachelor with Honours/ Research**

A student shall be declared to have successfully completed the seventh semester with honours, if he/she acquires 6 credits in core Programmes of the Major subject, 4 credits in Research Methodology, 4 credits in discipline specific elective (DSE) of the major subject, and 6 credits in field project internship/apprenticeship related to the major subject. A student shall be declared to have successfully completed the seventh semester with research, if he/she acquires 6 credits in core Programmes of the Major subject, 4 credits in Research Methodology, 4 credits in discipline specific elective (DSE) of the major subjects, and 6 credits in research project.

**(h) Eighth Semester (Level 8):****Bachelor with Honours/Research**

A student shall be declared to have successfully completed the eighth semester with honours, if he/she requires 6 credits in core Programmes of the Major subject, 4 credits in dissertation, and 10 credits in field project/internship/apprenticeship related to the major subject.

A student shall be declared to have successfully completed the eighth semester and research, if he/she requires 6 credits in core Programmes of the Major subject, 4 credits in Minor, and 10 credits in research project.

The nomenclature of degrees shall strictly conform to the relevant provisions of the act/regulations/guidelines of the UGC.

**(i) Additional Programmes**

In the categories of minor subject, generic elective and skill enhancement Programmes/ Vocational Programmes, a student may earn up to 6 credits per year of the 3-year undergraduate degree programme after paying due fees for registration and examination.

(j) A student may change the generic elective subject in each year of the undergraduate degree programme dissertation, and 10 credits in field project/internship/apprenticeship related to the main subject.

**(k) Table -2: Proposed Structure for Undergraduate Programme: UGC CBCS System for University**

			Main Faculty (as per ..... )			Any Faculty	Skill Enhancement Programme (SEC)	Ability Enhancement Programme (AEC)	Field projects/ internship/ apprenticeship/ community engagement and service	Credits	Qualification (Credit requirement)
			Subject I		Subject II	Subject III					
Level		Semester	Major		Minor	Generic Elective Programme	Vocational Programme		Inter/Intra Faculty		
			Core	DSE							
Level 15		1	1 (6)		1 (6)	1		1		6+6+4+4=20	(40) Undergraduate

			Credits )		Credits)	(4 Credits)		(4 Credits)			e
		2	1 (6 Credits )		1 (6 Credits)	1 (4 Credits)		1 (4 Credits)		6+6+4+4=20	Certificate in Main Faculty
Level 16		3	1 (6 Credits )		1 (6 Credits)	1 (4 Credits)	1 (4 Credits)			6+6+4+4=20	(80)  Undergraduate
		4	1 (6 Credits )		1 (6 Credits)	1 (4 Credits)	1 (4 Credits)			6+6+4+4=20	Certificate in Main Faculty
Level 17		5	1 (6 Credits )	1 (4 Credit)			1 (4 Credits)		1  Field projects/ internship/ apprenticeship (6 Credits)	6+6+4+4=20	(120)  Bachelor Degree in Main Faculty
		6	1 (6 Credits )	1 (4 Credits ) + (4 Credit)					1  Field projects/ internship/ apprenticeship (6 Credits)	6+6+4+4=20	
Level 18		7	1 (6 Credits )	1 (4 Credit)	1  Research Meth ology (4 Credits)				1  Field projects/ internship/ apprenticeship or Research Project (6 Credits)	6+6+4+4=20	(160)  Bachelor Degree (Honors) in Main Faculty
		8	1 (6 Credits )		1 (4 Credits)				1  Field projects/ internship/ apprenticeship or Research Project (10 Credits)	6+6+4+4=20	Bachelor Degree (Research) in Main Faculty
Total			48 Credits	16 Credits	32 Credits	16 Credits	12 Credits	08 Credits	28 Credits	160 Credits	

## 15. Choice to Select the MOOC Programmes:

- (a) The University can allow up to 40% of the total credits being offered in a particular programme in a semester through the online learning Programmes. provided under SWAYAM platform or any other MOOC platform recognized by the central Government or the state government for credit transfer.
- (b) The students will have the choice to elective-generic/ Skill Enhancement Programmes from the Programmes available within The University in other the state universities but from same level of the programmes an alternate choice will also be available in the students to opt for Programmes from Massive Open Online Programmes (MOOCs) available at SWAYAM (Study Webs of Active Learning for Young Aspiring Minds) platform with the permission of The University.
- (c) The University shall offer electing-generic Programmes in the programme on mend basis across the disciplines. The number of seats in the Programme will depend on available facilities in the University.
- (d) The students can also opt for a Programme under DSE of Major subject from Massive Open Online Programmes (MOOCs) available at SWAYAM platform.
- (e) The University will decide to allow the online Programmes of SWAYAM if -
  - (i) The Programmes offered on SWAYAM would supplement the teaching-learning process in the institution.
  - (ii) Every student opting for a Programme available on SWAYAM platform would be required to register for the Programme at SWAYAM The student will pay the stipulated fee to SWAYAM for registering the Programme, if required.
  - (iii) While allowing the online learning Programmes offered by SWAYAM, I shall be ensured that the physical facilities like laboratories, computer facilities and library etc. essential for pursuing the Programmes shall be made available five in adequate measure by the University The parent instruction must designate a Programme coordinator/facilitator to guide the students throughout the Programme and facilitate/conduct the lab/practical sessions/examinations.
  - (iv) The requirement of project/ dissertation, as notified by the respective University needs to be undertaken by the candidate for the specified credits The project may

be undertaken in any of the National and State Laboratories/instructors Companies /Industries with the approval of The University.

16. Requirement of attendance will be as per University Ordinance governing the examinations in general, attendance of at least seventy-five percent of theory lectures and practical's separately will be required in each Programme to sit in the semester end examination.

For special lessons such as prolonged illness deficiency in the percentage of attendance not exceeding fifteen percent of the total number of lectures delivered and practical/sessional held in each Programme may be conduct by the Vice Chancellor.

17. Examination & Evaluation:

- (a) Generally, each Programme will correspond to an examination paper comprising of external and internal evaluations The semester end theory examinations for Major, Manor, Genetic and DSE will be 3 hours while Vocational (SSC) and Ability Enhancement Programme (AEC) will be 2 hours duration The credit structure for theory/practical/tutorial, internal, external examinations and total marks for an examination are shown in the Table 3 in clause 16 15.
- (b) The question paper of the external examination should preferably contain long answer, short answer and objective type questions The continuous evaluation of the student will be conducted at three points of time in a semester by conducting three tests of 20 marks each of these, two must be written tests and the third may be written test Quiz/Seminar/Assignment for theoretical Programmes. Marks obtained in best two tests out of three will be awarded to the student Each student shall have to appear in at least two tests and End Semester Examination, fading which, the student will be awarded Ab Grade in that Programme In case of Laboratory/Field/Project work based Programmes, appropriate distribution of marks for Practical Record/Project Report, Practical Semester end exam, viva, if any well be decided by the University in case of internal assessment, the University shall distribute and design their assessment so that at least two tests are conducted in a semester
- (c) University may design their mode of internal assessment with due approval from

the respective academic council in view of the "Evaluation Reforms in Higher Educational Institutions, 2019" published by the UGC.

- (d) Total marks obtained in Semester-End Examination and continuous evaluation will be considered for awarding the grade in the Programme as explained in 16.5
- (e) The grading will be made on 10-point scale as described below:

Letter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	90-100
A+	9	Excellent	80-89
A	8	Very good	70-79
B+	7	Good	60-69
B	6	Above Average	50-59
C	5	Average	40-49
P	4	Pass	35-39
F	0	Fail	0-34
Ab	0	Absent	Absent

- (f) In case statutory bodies of the programme issue the guidelines regarding the minimum passing percentage of marks, then grading will be done in the following manner. If the marks obtained by the student in a Programme are less than the minimum percentage of marks, then F grade will be awarded. Otherwise, the grades will be awarded as per above-mentioned table.
- (g) If a student obtains F or Ab grade in any Programme(s), he/she will be treated as having failed in the Programme(s). He/she has to reappear in the examinations of that Programme as his/her conducted by the University. Marks obtained and earned in continuous assessment may be earned forward and added to the marks obtained in semester-end examination to decide the grade in the repeat Programme(s).

- (h) The student will be promoted to the next semester if he/she secures at least half of the total credits in a semester. In case the student secures less than half of the total credits in any semester, then the student will be declared fail in that semester and he/she will be asked to repeat the entire semester and that semester will be treated as zero semester. In such cases the student will not be promoted to the next semester.
- (i) If a student passes in all the Programmes offered in any semester, then will be declared pass in that semester. If a student secures at least half of the total credits in a semester and fails in some Programmes offered in that semester then he/she will be provisionally promoted to the next semester with ATKT (Allowed to Keep Term) in those Programmes in which he/she fails.

If the student fails to pass all the Programmes in the next ATKT examination the provisional promotion will be terminated, but he/she will be given second chance to pass the failed Programmes. If the student does not successfully complete the concerned semester even after the aforesaid second chance, she/he shall be treated as fail in that semester and will be asked to repeat the entire semester and that semester will be treated as zero semester.

- (j) Repetition of a theory/practical Programme is allowed only to those candidates who get F or Ab grade in the Programme or has failed in the semester. The student has to pay the prescribed fee for repeating the Programme.
- (k) On account of valid reasons, a student may withdraw from a semester in such a case, that semester will be treated as zero semester
- (l) In case of zero semester, the student will not be promoted to the next semester till he/she clears that semester The University may allow such a student to re-register in that semester in the coming semesters The student has to pay semester fee again in such case and may not be eligible for scholarships If the student withdraws within one month from starting the academic semester, the semester fee will be not charged again
- (m) The provision for review of answer book in semester system will be available as per the existing rules of the University
- (n) The theoretical and practical Programmes can be repeated whenever offered or

conducted by the University but within the maximum duration of the programme he/she can avail multiple repeat attempts to pass the Programme

- (o) Applicable to University in the same universities. The University, where students from other University are registered for choice based elective Programme(s), will send the Grade to the concerned University where the student is enrolled. The result will be declared by the University where the student has taken admission.



**Table 3: Structure of Credit Programme (Semester System)**

	Programme (Credit)	Programme Type	Credits Allocated			Distribution of Theory Marks		Distribution of Practical Marks		Tutorial Marks
			Theory	Practical	Tutorial	Internal (Theory)	External (Semester Exam)	Internal	External (Semester Practical Exam)	
1.	Core (6)	Type – 1	6	NA	NA	40	60	NA	NA	NA
2.	Core (6)	Type – 2	4	2	NA	40	60	40	60	NA
3.	Core (6)	Type – 3	2	4	NA	40	60	50	50	NA
4.	Core (6)	Type – 4	5	NA	1	40	60	NA	NA	100
5.	GE/DSE/SEC (4)	Type – 1	4	0	NA	40	60	NA	NA	NA
6.	GE/DSE/SEC (4)	Type – 2	3	1	NA	40	60	NA	100	NA
7.	DSE/SEC (4)	Type – 3	1	3	NA	40	60	50	50	NA
8.	DSE/SEC (4)	Type – 4	3	NA	1	40	60	NA	NA	100
9.	AECC (4)		4	NA	NA	40		NA	NA	NA
10.	Field-Projects/ Internship/ Apprenticeship /Community Engagement & Service (6/10)	NA								
11.	Research Methodology (4)	Type	3	NA	1	40	60	NA	NA	100
12.	Dissertation / Research Project	NA								

18. Evaluation and Certification of MOOCs and Vocational Programmes: The guidelines of the University/ SWAYAM Portal/ UGC shall be followed for evaluation and MOOCs, Vocational Programmes, certification of Field- Projects Internship/Apprenticeship/Community engagement & services/Research Project.

## 19. Calculation of SGPA /CGPA:

- (a) Semester Grade Point Average (SGPA) is a measure of performance of the students in a semester. It is the ratio of total credit points secured by a student in various Programmes registered in that semester and the total Programme credits taken during that semester, i.e.

$$SGPA(S_1) = \Sigma(C_1 \times G_1) / \Sigma C_1$$

where S, is the 1<sup>st</sup> year, C<sub>1</sub> is the number of credits of the 1<sup>st</sup> Programme in the semester (S<sub>1</sub>) and G<sub>1</sub> is the grade point scored by the student in the 1<sup>st</sup> Programme.

- (b) The Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA) will be calculated as weighted average of credit points secured by the student, except the credits of additional Programmes if any. The SGPA and CGPA shall be included off up to 2 decimal places and reported in the grade sheet.

## Calculation of SGPA

Programme	Credits©	Grade	Grade Point (GP)	Credit Points (C x GP)	SGPA (Total Credit Point/Total Credit)
Programme1	6	A	8	48	146/20=7.30
Programme2	6	C	5	30	
Programme3	4	B+	7	28	
Programme4	4	O	10	40	
<b>TOTAL</b>	<b>20</b>			<b>146</b>	

- (c) CGPA is a measure of the overall cumulative performance of a student over all the semester completed. The CGPA is the ratio of total credits points secured by a student in Various Programmes in all the semester completed and the sum of the credits of all Programmes in all the semesters completed.

The CGPA will be calculated as per follows:

$$\text{CGPA} = \frac{\sum (C_i \times \text{SGPA}_i)}{\sum C_i}$$

where SGPA ( $S_1$ ) is the SGPA of the 1<sup>st</sup> year and  $G_1$  is the total number of credits in the 1<sup>st</sup> semester.

**Calculation of CGPA:**

Semester	Credits	SGPA	Credits x SGPA	CGPA
1	20	7.50	150.00	<b>CGPA-Total (Credits x SGPA) = Total Credits</b>  <b>CGPA</b> <b>=1229.60/160</b> <b>= 7.685</b> <b>=7.69 (Rounded off to second decimal point)</b>
2	20	7.58	151.60	
3	20	7.32	146.40	
4	20	8.34	166.80	
5	20	7.58	151.60	
6	20	7.32	146.40	
7	20	8.34	166.80	
8	20	7.50	150.00	
<b>Total</b>	<b>160</b>		<b>1229.60</b>	

20. On completing all requirements for the award of the undergraduate certificate/diploma/degree the CGPA will be calculated and this value will be indicated on the certificate/diploma/degree. The 3 years (6 semester) and 4 years 8 semester undergraduate degree should also indicate the division obtained as per follows:

Division	Criterion
First division with distinction	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 8.00 or above.
First division	The candidates have earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 6.50 or above but less than 8.0
Second division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 5.00 or above but less than 6.50
Pass	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.00 or above but less than 5.00

The conversion of CGPA into percentage will be as follow to facilitate its application in other academic matters.

$$\text{Equivalent Percentage} = \text{CGPA} \times 10$$

The percentage will be rounded off up to second decimal point.

21. The student will be examined by the University as per the prevailing syllabus and scheme of examination.
22. The candidate shall be awarded a certificate/diploma/degree when he/she successfully earns the minimum required credits for the certificate/diploma/degree.
23. A Grade Card shall be issued to all the students after every semester based on the grades earned. The Programme details (code, title, number of credits, grade secured) along with SGPA of every semester and CGPA earned till that Academic Year will be displayed in the grade card.
24. Grade sheets will be developed by the University based on model Annexures S1 to S4.
25. Credit Transfer:
  - (a) The credit transfer shall be implemented as per the policy of the University framed in accordance with the guidelines issued by the UGC from time to time.
  - (b) The member institutions of the Academic Bank of Credit established vide University Grant Commission (Establishment and Operation of Academic Bank of Credits in Higher

Education) Regulations, 2021 shall accept and transfer the credits as per the provisions of this regulation as amended from time to time.

(c) Except for the cases of provisional promotions, the universities established by Chhattisgarh Private University Regulatory Commission Act, 2005 shall facilitate credit transfer of students between them. However, the student may be required to fulfil some eligibility criteria, drawing parity for a Programme, framed by the University in which the student seeks admission.

26. If any question arises relating to the interpretation of the provisions of this ordinance, it shall be referred to State Govt whose decision thereon shall be applicable.
27. The guideless, related to this programme, issued by the statutory bodies e.g. UGC/AICTE/BCI/NCTE/PCIURCI/CGPURC/HE Issued from time to time will be adopted for implementation.
28. In matters not covered under this Ordinance, general rules of the University shall be applicable, otherwise, the state government's directions shall be applicable.
29. If UGC notifies any change in future in its Regulations in this regard, the same will be incorporated in the existing Ordinance with the approval of the Vice-Chancellor on the recommendation of the Higher Education Department or approval of the Board of Management of the University and shall be implemented with immediate effect.

University  
Logo

**SAMPLE COPY FOR FIRST TO FIFTH**

**ANNEXURE-S-1**

Logo in water mark  
----- Name of the University -----

**GRADE SHEET**

Name of the Institute  
Address of the Institute  
Name of the Programme

Batch	Year
Enrollment No.	Roll No.
Name of the Student	Examination
Father's/Husband's Name	Mother's Name

Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

\*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

\*SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage =  $CGPA \times 10$

**Date of Result**

**Registrar / Controller Examination**

University  
Logo**SAMPLE COPY FOR SIXTH****ANNEXURE-S-2**

Logo in water mark

----- Name of the University -----

**GRADE SHEET**

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

\*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					
FINAL RESULT PASS					
Total Credits	CGPA		EQUIVALENT PERCENTAGE		DIVISION

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

**Date of Result****Registrar / Controller Examination**

University  
Logo

**SAMPLE COPY FOR SEVENTH SEMESTER**

**ANNEXURE-S-3**

Logo in water mark

----- Name of the University -----

**GRADE SHEET**

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

\*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION

SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage =  $CGPA \times 10$

**Date of Result**

**Registrar / Controller Examination**



University  
Logo**SAMPLE COPY FOR EIGHTH****ANNEXURE-S-4**

Logo in water mark

----- Name of the University -----

**GRADE SHEET**

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	4	C	5	20
	Programme 3	10	B+	7	70
TOTAL		20	-		138
SGPA		138/20			6.90

\*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

SGPA Semester Grade Point Average

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage =  $CGPA \times 10$ 

Date of Result

Registrar / Controller Examination

Vice – Chancellors/Director General

**Ordinance No. 5****BACHELOR OF VOCATION (B.VOC.) DEGREE****Bachelor of Vocation (B.Voc.) Programme under the National  
Skills qualifications Framework (NSQF)**

The certification levels will lead to Diploma/ Advanced Diploma/ B. Voc. Degree in one or more vocational areas and will be offered under the aegis of the University as out-lined below:

<b>Award</b>	<b>Duration</b>	<b>Corresponding NSQF level</b>
Diploma	1 Year	5
Advanced Diploma	2 Years	6
B.Voc. Degree	3 Years	7

Each of the awards shall specify within parenthesis, the skills(s) specialization for example:

- (a) B.Voc. (Renewable Energy Management)
- (b) Advanced Diploma (Food Processing)
- (c) Diploma (Green House Technology)

No.	Sector	Specialization
1.	Automobiles	1. Engine Testing
		2. Vehicle Testing
		3. Vehicle Quality
		4. Auto Electricals and Electronics
		5. Farm Equipment and Machinery
2.	Entertainment	1. Theatre and Stage Craft
		2. Contemporary Western Dance
		3. Theatre studies
		4. Acting
3.	Information Technology	1. Software Development
4	Telecommunications	1. Mobile Communication
5.	Marketing	1. Retail
6.	Agriculture	1. Farm Machinery and Power Engineering
		2. Green House Technology
		3. Renewable Energy
		4. Processing and Food Engineering
		5. Soil and Water Conservation
7.	Construction	1. Building Technology
8.	Applied Arts	1. Fashion Technology
		2. Interior Design
		3. Jewellery Design
9.	Tourism	1. Tourism and Service Industry
10.	Printing and Publishing	1. Printing Technology

1. Eligibility for admission in B.Voc.

The eligibility condition for admission to B.Voc. programme shall be 10+2 or equivalent, in any stream.

2. Curriculum

(a) The curriculum in each of the years of the programme is a suitable mix of general education and skill development components.

(b) Skill Development Components:

(i) The focus of skill development components will be to equip students with appropriate knowledge, practice and attitude, so as to become work ready. The skill development components will be relevant to the industries as per their requirements

(c) General Education Component:

(i) The general education component will not exceed 40% of the total curriculum.

(ii) Adequate emphasis will be given to language and communication skills.

(d) The curriculum should be designed in a manner that at the end of year-1, year-2 and year-3, students are able to meet below mentioned level descriptors for level 5, 6 and 7 of NSQF, respectively

Level	Process required	Professional knowledge	Professional skill	Core skill	Responsibility
Level 5	Job that requires well developed skill, with clear choice of procedures in familiar context	Knowledge of facts, principles, processes and general concepts, in a field of work or study	A range of Cognitive and practical Skills required to accomplish tasks and Solve problems by Selecting and applying Basic methods, Tools Materials And information	Desired mathematical skill, understanding of social, political and some skill of collecting and organizing information, communication	Responsibility for own work and learning and some responsibility for other's works and learning

Level	Process required	Professional knowledge	Professional skill	Core skill	Responsibility
Level 6	Demands wide range of specialized technical skill, clarity of knowledge and practice in broad range of activity involving standard / non-standard practices	Factual and theoretical knowledge in broad contexts within a field of work or study	A range of Cognitive and practical Skills required to Generate solutions to Specific problems in a field of work or Study	Reasonably good in mathematical calculation, understanding of social, political and, reasonably good in data collecting organizing information, and logical communication	Responsibility for own work and learning and full responsibility for other's works and learning
Level 7	Requires a command of wide ranging specialized theoretical and practical skill, involving variable routine and non-routine context	Wide ranging, factual and theoretical knowledge in broad contexts within a field of work or study	Wide range of cognitive and practical Skills required to Generate solutions to Specific problems in a field of work or Study	Good logical and mathematical skill understanding of social political and natural environment good in collecting and organizing information, communication and presentation skill	Full responsibility for output of group and development

## 3. Credit calculations

- (a) The following formula will be used for conversion of time into credithours.
- (i) One Credit would mean equivalent of 15 periods of 60 minutes each, for theory, workshops/labs and tutorials;
- (ii) For internship/field work, the credit weightage for equivalent hours shall be 50% of that for lectures/workshops;
- (iii) For self-learning, based on e-content or otherwise, the credit weightage for equivalent hours of study will be 50% or less of that for lectures/workshops.

## 4. The credits for each of the years are as follows:

Table 3

<b>NSQF Level</b>	<b>Skill Component Credits</b>	<b>General Education Credits</b>	<b>Normal calendar duration</b>	<b>Exit Points / Awards</b>
Year 3	36	24	Six Semesters	B.Voc.
Year 2	36	24	Four semesters	Advanced Diploma
Year 1	36	24	Two semesters	Diploma
<b>TOTAL</b>	<b>108</b>	<b>72</b>		

- (a) The university will develop the curriculum in consultation with industry. The industry representatives will be an integral part of the Board of Studies of the university.
- (b) The practical/hands-on portion of the skills development components of the curriculum will be transacted normally in face-to-face mode, either within the institution or at a specified industry partner location. However, if due to the nature of the skill to be learnt, the industry prescribes its acquisition through

blended or distance mode, the same may be followed.

5. Examination and Assessment

- (a) The assessment for the general education component will be according to the University Examination ordinance.
- (b) The assessment for the skill development components will focus on practical demonstrations of the skills acquired. The university may consider using the designated assessors of Sector Skill Councils/industry associations for the conduct of practical assessment.



**Ordinance No. 6****INTEGRATED 4 - YEAR TEACHER EDUCATION  
PROGRAMME (ITEP)****(B.Sc. B.Ed., B.A. B.Ed., B.Com. B.Ed.)****PREAMBLE**

1. The four-year integrated programme, '**Bachelor of Science and Bachelor of Education**' (B.Sc. B.Ed.), '**Bachelor of Arts and Bachelor of Education**' (B.A. B.Ed.), '**Bachelor of Commerce and Bachelor of Education**' (B.Com. B.Ed.) aims at integrating general studies comprising science/arts/commerce with professional studies comprising foundation of education, pedagogy of school subjects, and practicum related to the tasks and functions of a school teacher. The programme aims at preparing teachers for Upper Primary and Secondary stage of education.
2. The programme contents related to Physics/ Chemistry/ Mathematics/ Botany/ Zoology offered in **B.Sc.B.Ed.** are equivalent to that of **B.Sc** (PCM/CBZ/other Science Combinations) of Shri Davara University. The professional education components in **B.Sc.B.Ed.** are equivalent to B.Ed. of Shri Davara University and are in accordance with the norms and regulations for the **B.Sc. B.Ed.** Program prescribed by the NCTE (2014).
3. The programme contents related to Literature/History/Geography/Political Science/Economics/Psychology/Sociology offered in **B.A. B.Ed.** is equivalent to that of **B.A.** of Shri Davara University. The professional education components in **B.A. B.Ed.** are equivalent to **B.Ed.** of Shri Davara University and are in accordance with the norms and regulations for the **B.A. B.Ed.** Program prescribed by the NCTE (2014).
4. The programme contents related to Accountancy/ Business Studies/ Auditing/ Economics/ Informatics (practice/mathematics) offered in **B.Com. B.Ed.** are equivalent to that of **B.Com.** of Shri Davara University. The professional components in **B.Com. B.Ed.** are equivalent to **B.Ed.** of Shri Davara University and are in accordance with the norms and regulations for the **B.Com.B.Ed.** Program prescribed by the NCTE (2014).

5. This degree **B.Sc. B.Ed., B.A. B.Ed. and B.Com. B.Ed.** are equivalent to **B.Sc., B.A., B.Com. and B.Ed.** degrees of the Shri Davara University. Students who pass this programme are considered eligible to pursue respective Master's Degree.

### **ELIGIBILITY AND EQUIVALENCE FOR ADMISSION**

1. Candidates seeking admission to the **B.Sc. B.Ed., B.A. B.Ed. and B.Com. B.Ed.** programme should have passed Senior Secondary/10+2 examination with concerned subjects securing at least 50% marks in the aggregate.
2. The relaxation in the marks of the qualifying examination will be provided to candidates belonging to SC/ST/OBC/PWD and other category shall be according to the rules of the State Government.
3. Norms and standards of 4-year integrated program leading to award of **B.Sc. B.Ed., B.A. B.Ed. and B.Com. B.Ed.** Degree shall be according to National Council for Teacher Education (NCTE) and ITEP guidelines and regulations.

### **ADMISSION PROCEDURE**

1. The University shall decide the mode of Admission according to Ordinance no.1 of the University.
2. At the time of admission in the programme, the student will need to indicate their selection of the subjects to be pursued for the discipline options and the accompanying pedagogy specializations for which they are applying, and those may be assigned on the basis of order of merit and availability of the seats.

### **COURSE DURATION AND ATTENDANCE**

1. The Program shall be of eight semesters including school-based experience and internship in teaching. Any student-teacher who is unable to complete any semester or appear in any semester-end examination, shall be permitted to complete the program within a maximum period of six year from the date of admission to the program.
2. In a semester, there shall be at least 125 (one hundred and twenty-five) working days, excluding the period of admission but including the period of examinations.
3. The working duration/period shall be of 40 hours per week.
4. The minimum attendance of students-teachers shall have to be 80% for all course work and practicum, and 90% for field-based experience or school internship or teaching practice separately.

5. The Syllabi and Examination and Marking Schemes for these programs will be decided by the respective Board of Studies and according to the norms of NCTE, provisions of CBCS as specified under Ordinance No.3 and NEP 2020 as detailed under Ordinance No.4.

### **Ordinance No. 7**

FOR INTEGRATED B.A.LL.B. / B.COM. LL.B. / B.SC. LL.B./ B.B.A. LL.B.

Five Years Degree Course Under Choice Based Credit System Governing the Under Graduate degree Programme on successful completion of six semesters.

#### **TITLE AND COMMENCEMENT**

1.

- (a) The Ordinance shall be called as Ordinance for Five years (Ten Semesters) Integrated B.A.LL.B./ B.Com. LL.B./ B.Sc. LL.B./B.B.A. LL.B. degree courses.
- (b) This ordinance will come into force from the Academic Session commencing after the date of notification issued by the university and shall replace the existing ordinance.

2. **DURATION**

- (a) The duration of Integrated B.A.LL.B./ B.Com. LL.B./ B.Sc. LL.B. / B.B.A. LL.B. degree course shall be of ten semester (five academic years). The maximum duration for completing the course shall be of eight consecutive academic years. If a student is unable to clear all the semester of the program within the maximum duration (as specified above), he/she will automatically exit from the program.
- (b) The maximum total duration shall include the period of absence, withdrawn and different kinds of leave permissible to a student but it shall exclude the period of rustication/suspension/or any other penalty period imposed by the University.
- (c) The student after successful completion of the ten semesters of the programme shall be awarded Integrated B.A.LL.B./ B.Com. LL.B./ B.Sc. LL.B. / B.B.A. LL.B. degree course for which he/she was enrolled.

### 3. NUMBER OF SEATS

Number of seats in each program will be as approved by BCI and notified by the Academic Council of the University.

### 4. ADMISSION PROCEDURE AND ELIGIBILITY

- (a) Admission to the UG programme shall be made on the basis of merit. The minimum qualification for admission to the specific programme will be as notified by the university/BCI from time to time.
- (b) As per Bar Council of India Rules of Legal Education, 2008 no candidate shall be given admission in Integrated B.A.LL.B./ B.Com. LL.B./ B.Sc. LL.B./ B.B.A. LL.B. Five years law degree course unless he/she possesses at least 50% marks (45% marks in case of SC/ST candidates) in 10+2 Board examination or any other equivalent examinations with concerned subjects.
- (c) Reservation and relaxation in minimum eligibility for admission for OBC/SC/ST/PWD (Person with Disability) and Kashmiri migrant candidates, as specified by Government of India/UGC and notified by the university shall be followed.
- (d) Foreign nationals either residing in India or abroad or Indian nationals residing abroad may be admitted to the programme according to the policy guidelines laid down by the Government of India/ University from time to time as per the number of seats available for this category. These seats will be supernumerary and shall be advertised separately in addition to the seats approved for each program.

### 5. ENROLMENT IN THE UNIVERSITY

Every student admitted to the programme shall be enrolled before appearing in the first semester examination through the procedure prescribed by the competent authority from time to time.

### 6. TYPES OF COURSES

- (a) Core Course: A course, which is to be studied compulsorily by a candidate as a core requirement is termed as a Core Course.

- (b) Elective Course: Generally, a course which can be chosen from a pool of courses and which may be very specific or specialized or advanced or supportive to the discipline / subject of study or which provides an extended scope or which enables an exposure to some other discipline/subject/domain or nurtures the candidate's proficiency/skill is called an Elective Course.
- (i) Discipline Specific Elective (DSE) Course: Elective courses may be offered by the main discipline/subject of study is referred to as Discipline Specific Elective. The University may also offer discipline related Elective courses of interdisciplinary nature (to be offered by main discipline/subject of study).
- (ii) Dissertation/ Project: An elective course designed to acquire special/advanced knowledge, such as supplement study/support study to a project work, and a candidate studies such a course on his own with an advisory support by a teacher/faculty member is called dissertation/project.
- (iii) Generic Elective (GE) Course: An elective course chosen generally from an unrelated discipline/subject, with an intention to seek exposure is called a Generic Elective. P.S.: A core course offered in a discipline/subject may be treated as an elective by other discipline/subject and vice versa and such electives may also be referred to as Generic Elective
- (c) Ability Enhancement Courses (AEC): The Ability Enhancement (AE) Courses may be of two kinds: Ability Enhancement Compulsory Courses (AECC) and Skill Enhancement Courses (SEC). "AECC" courses are the courses based upon the content that leads to Knowledge enhancement. They (i) Environmental Science and (ii) English/ MIL Communication are mandatory for all disciplines. SEC courses are value-based and/ or skill-based and are aimed at providing hands-on-training, competencies, skills, etc.
- (i) Ability Enhancement Compulsory Courses (AECC): Environmental Science, English Communication/MIL Communication.
- (ii) Skill Enhancement Courses (SEC): These courses may be chosen from a pool of courses designed to provide value-based and/or skill-based knowledge.

**Project work/ Dissertation** is considered as a special course involving application of knowledge in solving/ analysing/ exploring a real-life situation / difficult problem. A

Project/ Dissertation work would be of 6 credits. A Project/ Dissertation work may be given in lieu of a discipline specific elective paper.

(d) The Board of Studies of each department will decide the course structure and syllabus for a specific programme.

(e) An undergraduate degree with Honours in a discipline will be awarded with the following course structure as per the UGC guidelines-

14 Core papers in the discipline,

02 Ability Enhancement Compulsory Courses (AECC),

02 Skill Enhancement Courses (SEC),

04 Discipline Specific Elective (DSE) Courses and

04 Generic Elective Courses.

7. The credits of the courses are given in the following table:

Courses to be taught	Number of Courses	Credit Points Allotted	Total Credit Points
<b>Core Courses</b>			
Environmental	2	2	4
Studies	4	2	8
Language (2x2)	6	4	24
Major(1x6)	6	4	24
Minor(2x3)			
Substantive Law Courses (Compulsory papers are 22) (Optional papers are 24 in which a student has to opt. only 11 papers)	33	4	132

Practical, Clinical Law Courses	5	4	20
Seminar paper	2	4	8
Total	58		220

#### 8. ATTENDANCE AND ELIGIBILITY TO APPEAR IN THE EXAMINATION

As per Bar Council of India Rules of Legal Education, 2008, no student of any of the degree program shall be allowed to take the end semester test in a subject if the student concerned has not attended minimum of 75% of the classes held in the subject concerned as also the moot court room exercises, tutorials and practical training conducted in the subject taken together.

Provided that if a student for any exceptional reasons fail to attend 75% of the classes held in any subject, the Dean of the Department may allow the student to take the test if the student concerned attended at least 65% of the classes held in the subject concerned and attended 75% of classes in all the subjects taken together.

Provided further that a list of such students allowed to take the test with reasons recorded be forwarded to the Bar Council of India.

The Dean of School may condone aforesaid shortage in attendance after due consideration of one or more of the following reasons:

- (a) Participation in NCC/NSS Camps, duly supported by a certificate from the Commanding Officer;
- (b) Participation in University Team(s)/Games or Inter-state or Inter-University tournament(s) duly supported by a certificate from appropriate authority of the University;
- (c) Participation in educational excursion conducted on working days certified by the Dean or Head of the department. These excursions shall not include those organized for the class as a whole;
- (d) Participation in any of co-curricular activities organized by the Institute/Department/School, duly certified by competent authority;
- (e) Prolonged illness duly certified by the Registered Medical Practitioner;

- (f) Any other cogent reason up to the satisfaction of the Head of Department/ Dean. The application must be supported by such documents as considered to be fit for granting such condonation.

#### 9. MEDIUM OF INSTRUCTION

The medium of instructions in general shall be English except for language courses and the medium of examination in general shall be English/Hindi except language courses. However, university may notify the medium of instruction for a specific programme, and in such cases the medium of instruction shall be as notified by the university.

#### 10. EXAMINATION AND EVALUATION

- (a) The academic performance of a candidate shall be evaluated in respect of the courses of study prescribed for each semester through the evaluation. The evaluation of students admitted in any of these Programmes shall be based on
- (i) End Semester Examinations, and
  - (ii) Continuous Internal Assessment.
- (b) Out of the total marks, 70% shall be allotted for the end semester examinations and 30% shall be allotted to continuous internal assessments during the semester. The scheme of internal assessment shall be as:

There will be two compulsory internal exams of 15 marks each. If a student fails to give internal exam because of some emergencies / unforeseen situations, the Dean of the School may permit the student to appear in the special internal exam on the satisfaction of the reason mentioned by the student for not appearing in the regular internal exam.

- (c) The end semester examinations will be held on such dates as may be notified by the appropriate authority of the University.
- (d) The minimum percentage of marks to pass the courses in each semester shall be 40% in each paper (course).
- (e) All Programme shall have a specified number of credits in each semester. The number of credits along with grade points that the student has satisfactorily cleared shall measure the performance of the student. Satisfactory progress of a student is subject to his/ her maintaining a minimum Cumulative Grade Point Average (CGPA), as well as minimum grades in different courses of the



programme as given in table-1 which a student if obtains is eligible for the award of degree.

**Calculation of Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA):**

- (i) The SGPA is the ratio of sum of the product of the number of credits with the grade points scored by a student in all the courses taken by a student and the sum of the number of credits of all the courses undergone by a student, i.e

$$SGPA (S_i) = \Sigma(C_i \times G_i) / \Sigma C_i$$

where,  $C_i$  is the number of credits of the  $i$ th course and  $G_i$  is the grade point scored by the student in the  $i$ th course.

- (ii) The CGPA is also calculated in the same manner taking into account all the courses undergone by a student over all the semesters of a programme, i.e.

$$CGPA = \Sigma(C_i \times S_i) / \Sigma C_i$$

where,  $S_i$  is the SGPA of the  $i$ th semester and  $C_i$  is the total number of credits in that semester.

- (iii) The SGPA and CGPA shall be rounded off to 2 decimal points and reported in the transcripts.

Grading System: The grading system, as detailed here under in Table 1 shall be applicable for each course:

Table - 1: Award of Grades Based on Absolute Marks on a 10-point scale

Letter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	90-100
A+	9	Excellent	80-89
A	8	Very good	70-79
B+	7	Good	60-69
B	6	Above Average	50-59
C	5	Average	40-49
P	4	Pass	35-39

F	0	Fail	0-34
Ab	0	Absent	Absent

## Description

- (i) Letter grades O, A+, A, B+, B, C, and P in a course mean that the student has passed that course.
- (ii) The grade F and Ab denote FAIL; a student fails in the course due to poor performance or non-appearance/incomplete appearance in the examination of the course. A student has to appear at subsequent examination(s), if provided under the ordinances in all such courses, until a passing grade is obtained.
- (iii) One (01) grace mark will be given only once to improve the grade in overall result at the time of award of degree and “G” will be mentioned against the CGPA.

## Declaration of Semester Examination Results up to six Semester

Semester examination results will have in the followings categories:

- (i) Passed, i.e., those who have passed in all courses of the semester examination.
- (ii) Promoted, i.e., those who have not passed in all the courses of the Semester examination but have passed  $n/2$  courses if  $n$  is even and  $(n+1)/2$  courses if  $n$  is odd, where  $n$  stands for the total number of courses in the concerned semester.
- (iii) Detained, i.e., those who are not promoted as per the above provisions will be detained. Such students have to rejoin the course of study in regular mode in the same semester in next session subject to not crossing maximum duration of the program as defined in the ordinance.

## 11. PROMOTION TO NEXT SEMESTER:

- (a) Students who have been promoted to the next semester as per the provisions mentioned in para 10 shall avail the chance of clearing the back log papers only in the next ATKT examination held along with the main examination (Odd Semester in Odd Examination and Even Semester in Even Examination). A Student who even fail to clear the backlog even in the ATKT examination will be promoted to the next semester if he/she clears the requisite number of papers as per the provisions mentioned in Para 10 in the main examination of next semester up to fourth semester.

At the end of the six semester one full ATKT examination will be conducted in which students have to clear all the backlog up to six semesters.

Any student who fails to clear his/her backlog in this examination shall not promoted to seven semesters till he/she clears the backlog papers as per the opportunities provided next time as per Para (a) subject to being eligible as per maximum duration of the course.

- (b) In case, a student fails to clear the backlog, he/ she will be held up till the backlog papers are cleared for which he/she can take attempt in the next appropriate examination as an Ex-student subject to the completion of degree up to maximum duration allowed for the course. Internal marks of such Ex-students will be carried forwarded for the corresponding course in which he/she is appearing as Ex-student.

If a student awarded ATKT in IX semester and X Sem he/she will be allowed to take part in the examination which will be conducted in July/August of an Academic year to clear backlog of last year of his/her degree.

#### Declaration of Results after VI Semester Examinations

After declaration of results of VI Semester as per the procedure described in clause 10, a candidate can be put in the following two categories:

**Passed:** A candidate who has passed in all the courses (including Project/ Elective/ Field study) of VI Semesters and obtained at least CGPA of 4.00 The students who have passed  $n/2$  courses if  $n$  is even and  $(n+1)/2$  courses if  $n$  is odd, where  $n$  stands for the total number of courses in the VI Semester shall be given ATKT chance just after the declaration of VI semester result (as far as possible within one month). Those who are unable to clear the courses in ATKT examination shall be revert back to VI semester in the next session.

**Failed:** All those students who have not passed minimum  $n/2$  courses if  $n$  is even and  $(n+1)/2$  courses if  $n$  is odd, where  $n$  stands for the total number of courses in the VI semester shall be categorized as Failed. These students will not get ATKT chance and have to rejoin the VI semester in next session.

#### 12. DECLARATION OF DIVISION:

A student who has passed in all the courses of each I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX and X semesters and obtained at least CGPA of 4.00 shall be declared as 'Passed'. The division will be awarded after successful completion of sixth semester according to the following criteria:

- (a) First Division with distinction:  $\text{CGPA} \geq 7.50$
- (b) First Division:  $\text{CGPA} \geq 6.00$ , but  $< 7.50$
- (c) Second Division:  $\text{CGPA} \geq 4.00$ , but  $< 6.00$

13. TRANSCRIPT

Based on the above Letter grades, grade points and SGPA and CGPA, the Vishwavidyalaya shall issue the transcript for each semester and a consolidated transcript indicating the performance in all semesters.

14. CONVERSION TO PERCENTAGE:

The conversion formula for converting CGPA to the corresponding Percentage (P) of Marks will be as follows:

$$P = 10 \times \text{CGPA}$$

15. RANKING

Only such candidates who complete successfully all courses in the programme in single attempt shall be considered for declaration of ranks, medals etc declared and notified by the university, if any.

16. INTERPRETATION OF REGULATION

In any matter of interpretation of the provisions of this Ordinance, the matter shall be referred to Vice-Chancellor who is the chairman of Academic Council. His/her decision shall be final.

17. Re-admission:

- (a) A student of First Year (Semester I/II) of a programme (enrolled in the University) found not eligible to appear in the End- Semester Examination of Odd or Even Semester of the programme due to shortage of attendance less than 75% or those who fail in either Odd or in Even Semester shall be permitted to

take readmission to I-Semester of the same programme in the following academic year.

- (b) Students of III Semester to last Semester of all programmes, disallowed to appear in the End- Semester Examination due to shortage of attendance ( $< 75\%$ ) or those who fail in either Odd or in Even Semester shall be permitted to take re-admission in the following academic year in the appropriate semester. However, students declared as Ex-student shall not be allowed to seek re-admission.

#### 18. POWER TO REMOVE DIFFICULTIES

If any question arises related to the matters not covered in these provisions, the relevant provisions made in appropriate Act/Statute/Ordinance/Regulations/Rules/Notifications issued by the university shall prevail.

#### Appendix Illustration of Computation of SGPA and CGPA and Format for Transcripts

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester I					
C-1	04	A	8	32	
C-2	04	B+	7	28	
C-3	04	B	6	24	
C-4	04	B	6	24	
AECC-1	02	C	5	10	
TOTAL	18			118	6.55(118/18)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester II					
C-5	04	O	10	40	
C-6	04	A	8	32	
C-7	04	B	6	24	
C-8	04	B+	7	28	
AECC-2	02	A	8	16	
TOTAL	18			134	7.44(134/18)
Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester III					
C-9	04	A	8	32	
C-10	04	B+	7	28	
C-11	04	B	6	24	
C-12	04	B	6	24	
AECC-3	02	C	5	10	
AECC-4	02	A	8	16	
TOTAL	20			124	6.2(124/20)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester IV					
C-13	04	A	8	32	
C-14	04	B+	7	28	
C-15	04	B	6	24	
C-16	04	B	6	24	
AECC-5	02	C	5	10	
AECC-6	02	F	0	00	
TOTAL	20			118	5.9 (118/20)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester V					
C-17	04	A	8	32	
C-18	04	B+	7	28	
C-19	04	B	6	24	
C-20	04	B	6	24	
C-21	04	C	5	20	
C-22	04	A	8	32	
TOTAL	24			160	6.67(160/24)



Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester VI					
C-23	04	A	8	32	
C-24	04	B+	7	28	
C-25	04	B	6	24	
C-26	04	B	6	24	
C-27	04	C	5	20	
C-28	04	A	8	32	
TOTAL	24			160	6.67(160/24)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester VII					
C-29	04	A	8	32	
C-30	04	B+	7	28	
C-31	04	B	6	24	
C-32	04	B	6	24	
C-33	04	C	5	20	
C-34	04	A	8	32	
TOTAL	24			160	6.67(160/24)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester VIII					
C-35	04	A	8	32	
C-36	04	B+	7	28	
C-37	04	B	6	24	
C-38	04	B	6	24	
C-39	04	C	5	20	
SEC-1	04	A	8	32	
TOTAL	24			160	6.67(160/24)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester IX					
C-40	04	A	8	32	
C-41	04	B+	7	28	
C-42	04	B	6	24	
C-43	04	B	6	24	
C-44	04	C	5	20	
C-45	04	A	8	32	
TOTAL	24			160	6.67(160/24)

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester X					
C-46	04	A	8	32	
C-47	04	B+	7	28	
C-48	04	B	6	24	
C-49	04	B	6	24	
SEC-2	04	P	4	16	
SEC-3	04	P	4	16	
TOTAL	24			140	5.83(140/24)
CGPA					
GRAND TOTAL	220			1434	6.52(1434/220)

Semester	Semester I	Semester II	Semester III	Semester IV	Semester V	Semester VI	Semester VII	Semester VIII	Semester IX	Semester X
Credit	18	18	20	20	24	24	24	24	24	24
SGPA	6.55	7.44	6.2	5.9	6.67	6.67	6.67	6.67	6.67	5.8

Thus,

$$\text{CGPA} = (18 \times 6.55 + 18 \times 7.44 + 20 \times 6.2 + 20 \times 5.9 + 24 \times 6.67 + 24 \times 6.67 + 24 \times 6.67 + 24 \times 6.67 + 24 \times 6.67 + 24 \times 5.8) / 220 = 6.52$$

**Ordinance No. 8****BACHELOR OF LEGISLATIVE LAW (LL. B.)**

Title:	Bachelor of Legislative Law (LL. B.)
Faculty:	Faculty of Law
Duration:	Three Year (Six Semester)
Eligibility:	Passed Undergraduate Degree in any discipline from a recognized University and as per BCI Norms.

**Admission Procedure:**

Based on merit of qualifying Examinations or Entrance Examinations conducted by the University and Guideline issued by Chhattisgarh Higher Education Department will be followed at the time of admission.

Academic Year: There would be two semesters in each Academic Year (i.e. from July to June every year).

**Selection Procedure:**

The University will issue admission notifications on University website and, on the Notice Boards of the University, before the commencement of every academic year. The list of candidates selected will be displayed on the Website, and on the Notice Board of the University and the students will be informed directly about their admission. The candidates whose results are awaited can also apply for admission. Such candidates however must produce proof of appearing in the final year of the Qualifying Examination before the cut-off date failing which, the Provisional Admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

- (1) The fee is not paid by the due date.
- (2) The application form is not signed by the candidate and his / her parents.
- (3) The supporting documents required for admission are not enclosed.

**Registration:**

The registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

**Programme Structure and Examination Scheme:**

The guideline provided by the Bar Council of India (BCI) from time to time shall be followed the Programme structure and scheme of the examination shall design accordingly.

**Eligibility to Pass:**

The student is required to obtain 35% Marks in each paper to pass the End Semester /End Year Examination. 45% and above but below 60% will be awarded the second division, and 60% and above will be awarded the first division.

Evaluation and Examination: As per Ordinance no. 3 of the University.

Eligibility Criteria for ATKT: As per Ordinance no. 3 of the University.

**General:**

In all matters, pertaining to the Programme, the decision of Vice-Chancellor/ Registrar of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice- Chancellor/ Registrar shall be competent to change the system of a pattern of examination. The Programme content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the Court of Chhattisgarh.

## Ordinance No. 9

**MASTER OF LEGISLATIVE LAW (LL. M.)**

Title: Master of Legislative Law (LL. M.)

Faculty: Faculty of Law

Duration: Two Year (Four Semester)

Eligibility:

LLB Degree on merit from a recognized University and as per BCI Norms. Admission Procedure As specified in Ordinance no. 1. A merit list will be prepared on the basis of merit of qualifying Examinations or Entrance Examinations conducted by the University and Guideline issued by Chhattisgarh Higher Education Department will be followed at the time of admission.

Seats:

The basic unit will be 40 seats multiples of the unit can also be set up by the Board of Management (BOM)

Academic Year: There would be two semesters in each Academic Year (i.e. from July to June (every year)

Selection Procedure:

The University will issue admission notification on the website and, on the Notice Boards of the University, before the commencement of every academic year. The list of candidates selected will be displayed on the Websites, and on the Notice Board of the University and the students will be informed directly about their admission. The candidates whose results are awaited can also apply for admission. Such candidates however must produce proof of appearing in the final year of the Qualifying Examination final year of the Qualifying Examination Provisional Admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons

- (1) The fee is not paid by the due date.
- (2) The application form is not signed by the candidate and his / her parents.
- (3) The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration:

The registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

Programme Structure and Examination Scheme:

The guideline provided by the Bar Council of India (BC) from time to time shall be followed the Programme structure and scheme of the examination shall design accordingly.

Eligibility to Pass:

The student is required to obtain 40% Marks in each paper in theory and practical examination separately and 45% in aggregate to pass the End Semester/ End Year

Examination. 45% and above but below 60% will be awarded the second division, and 60% and above will be awarded the first division.

Evaluation and Examination: As per Ordinance no. 3 of the University.

Eligibility Criteria for ATKT: As per Ordinance no. 3 of the University.

General:

In all matters, pertaining to the Programme, the decision of Vice-Chancellor/ Registrar of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice- Chancellor/ Registrar shall be competent to change the system of a pattern of examination. The Programme content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the Court of Chhattisgarh.

## **Ordinance No. 10**

A - DIPLOMA IN PHARMACY (D.PHARM.)

B – BACHELOR OF PHARMACY (B.PHARM.)

C – MASTER OF PHARMACY (M.PHARM.)

### **THE ORDINANCE WILL BE ENFORCED ONLY AFTER THE PERMISSION IS GRANTED TO RUN THE PROGRAMMES BY THE PCI**

(A)

Title: Diploma in Pharmacy (D. Pharm.)

Duration: Two years (four semesters) + Practical Training of three months (min. 500 hrs). Maximum duration shall be four years to get the degree

Eligibility: Must have passed 10+2 from the Chhattisgarh Board of Senior Secondary Education or from any recognized Board of Secondary Education with English as one of the subjects along with Physics, Chemistry, Mathematics (P.C.M.) and/ or Biology (P.C.B./P.C.M.B.) as optional subjects.

Seats: As per the norms of Pharmacy Council of India.

Admission Procedure: As specified in Ordinance 1. Admission shall be granted on the basis of Merit of 10+2 Exam/Entrance examination conducted

by Shri Davara University. Provisions of Guidelines for admission issued by the Higher Education Department of Chhattisgarh Government will be followed.

**Academic Year:** The academic session shall normally be from July to June every year. Odd Semester cycle shall be from July to December and even semester from January to June every year.

**Selection Procedure:** The University shall issue admission notification in newspapers, on the notice board of the University, University website and in other publicity media before the start of every session. The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students shall be informed directly about their admission. Such list shall also be displayed on the University's Notice Board. The candidates. Which Result Awaited Can Also Apply. Such Candidates However Must Produce the Mark Sheets or Degree Certificates, as a Proof for required Eligibility Criteria before the Cut-off date, failing which, the provisional admission so granted shall be cancelled.

The admission may also be rejected due to any of the following reasons: -

1. The Application form is incomplete in anyway-
2. The course fee is not paid by the due date.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.
4. Wrong information is provided in the application form.

Registration number will be assigned to each student by the University after verification and submission of all the necessary documents & the required fee.

**Fees:** The Course fee shall be as decided by the Board of Management of Shri Davara University with due approval from Chhattisgarh Private University Regulatory Commission, Raipur from time to time.



---

---

Examination Scheme:	As per the University Examination Ordinance 3, unless provided otherwise.
Course Structure:	The Course Structure shall be as framed by the responsive Board of Studies and Approved by the Academic Council of Shri Davara University.
General:	<p>On the recommendation of the Academic Council, the Vice-Chancellor shall be competent to change the system/ pattern of Examination, after making necessary amendments in the Ordinance.</p> <p>In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the High Court of Chhattisgarh.</p>

**(B)**

Title:	Bachelor of Pharmacy (B. Pharm.)
Duration:	Duration of the B. Pharm. shall be Four years (eight semesters). Maximum duration shall be Six years to get the degree.
Eligibility:	(1) Must have passed 10+2 from the Chhattisgarh Board of Senior Secondary Education or from any recognized Board of Secondary Education with English as one of the subjects along with Physics, Chemistry, Mathematics (P.C.M.) and/ or Biology (P.C.B./P.C.M.B.) as optional subjects.  (2) Basis of admission: Lateral Entry to B. Pharm. II Year or third semester will be given to students who have passed D. Pharm. Course from an institution approved by the Pharmacy Council of India under section 12 of the Pharmacy Act.
Seats:	As per the norms of Pharmacy Council of India.
Admission Procedure:	As specified in Ordinance 1. Admission shall be granted on the basis of Merit of 10+2 Exam/ Entrance examination conducted by Shri Davara University. Provisions of Guidelines for admission issued by the Higher Education Department of Chhattisgarh Government will be followed.
Academic Year:	The academic session shall normally be from July to June every year. There shall be two semesters in a year, one from July to December and another from January to June.
Selection Procedure:	The University shall issue admission notification in newspapers, on the notice board of the University, University website and in other publicity media before the start of every session. The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students shall be informed directly about their admission. Such list shall also be displayed on the University's Notice Board. The candidates which result awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheets or Degree certificates, as a proof for required eligibility criteria

before the cut-off date, failing which, the provisional admission so granted shall be cancelled.

The admission may also be rejected due to any of the following reasons:

1. The Application form is incomplete in anyway.
2. The course fee is not paid by the due date.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.
4. Wrong information is provided in the application form.

Registration number will be assigned to each student by the University after verification and submission of all the necessary documents & the required fee.

**Fees:** The Course fee shall be as decided by the Board of Management of Shri Davara University with due approval from Chhattisgarh Private University Regulatory Commission, Raipur from time to time.

**Examination Scheme:** As per the University Examination Ordinance 3, unless provided otherwise.

**Course Structure:** The course structure shall be as framed by the responsive Board of Studies and approved by the Academic Council of Shri Davara University.

**General:** On the recommendation of the Academic Council, the Vice-Chancellor shall be Competent to change the System/ Pattern of Examination, after making necessary amendments in the Ordinance.

In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the High Court of Chhattisgarh.

(C)

Title:	Master of Pharmacy (M. Pharm.)
Duration:	Duration for B. Pharm. shall be Two years (or four Semesters). Maximum duration shall be four years to get the degree.
Eligibility:	(1) Passed B. Pharm. from University recognized by UGC/ Institution approved by Pharmacy Council of India with minimum of 55% marks in aggregate.  (2) Should have obtained registration with the concern State Pharmacy Council or should obtain the same within one month from the date of his/her admission, failing which the admission of the candidate shall be cancelled. (As per PCI norms)
Seats:	As per the norms of Pharmacy Council of India.
Admission Procedure:	As specified in Ordinance 1. Admission shall be granted on the basis of Merit of B. Pharm./ Entrance examination conducted by Shri Davara University. Reservation policy of the Chhattisgarh State Government shall be adhered to. Provisions of Guidelines for admission issued by the Higher Education Department of Chhattisgarh Government will be followed.
Academic Year:	The academic session shall normally be from July to June every year. There shall be two semesters in a year, one from July to December and another from January to June.
Selection Procedure:	The University shall issue admission notification in newspapers, on the notice board of the University, University website and in other publicity media before the start of every session. The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students shall be informed directly about their admission. Such list shall also be displayed on the University's Notice Board. The candidates. Which Result Awaited Can Also Apply. Such Candidates However Must Produce the Mark Sheets or Degree Certificates, as a Proof for required Eligibility Criteria before the Cut-off Date, failing which, the provisional

admission so granted shall be cancelled.

The admission may also be rejected due to any of the following reasons:

1. The Application form is incomplete in anyway.
2. The course fee is not paid by the due date.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.
4. Wrong information is provided in the application form.

Registration number will be assigned to each student by the University after verification and submission of all the necessary documents & the required fee.

**Fees:** The Course fee shall be as decided by the Board of Management of Shri Davara University with due approval from Chhattisgarh Private University Regulatory Commission, Raipur from time to time.

**Examination Scheme:** As per the University Examination Ordinance 3, unless provided otherwise.

**Course Structure:** The course structure shall be as framed by the responsive Board of Studies and approved by the Academic Council of Shri Davara University.

**General:** On the recommendation of the Academic Council, the Vice-Chancellor shall be Competent to change the system/ pattern of Examination, after making necessary amendments in the Ordinance.

In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the High Court of Chhattisgarh.

**ORDINANCE No. – 11****Doctor of Philosophy (Ph.D.)**

As per the provisions of NEP 2020 and UGC Regulation 2022/UGC Notifications

**A. Eligibility criteria for admission**

Candidates who have completed a 1-year/ 2-semester Master's Degree programme after a 4-year/ 8-semester Bachelor's degree programme or a 2-year/ 4-semester Master's degree programme after a 3-year/ 6-semester Bachelor's degree programme or a Professional Degree declared equivalent to the Master Degree by the corresponding Statutory Regulatory Body, with at least 55% marks in aggregate or its equivalent grade 'B' in the UGC 7-point scale (or an equivalent grade in a point scale wherever grading system is followed) or an equivalent Degree from a foreign educational Institution accredited by an Assessment and Accreditation Agency which is approved, recognized or authorized by an authority, established or incorporated under a law in its home country or any other Statutory authority in that country to assess, accredit or assure quality and standards of educational institutions.

A relaxation of 5% of marks, from 55% to 50%, or its equivalent grade, may be allowed for those belonging to SC/ST/OBC (non-creamy layer)/ Differently-abled, Economically Weaker Section (EWS) and other categories of candidates as per the decision of the State Government from time to time.

Provided that a candidate seeking admission after a 4-year/ 8-semester Bachelor's degree programme should have a minimum of 75% marks in aggregate or its equivalent grade on a point scale wherever the grading system is followed. A relaxation of 5% marks or its equivalent grade may be allowed for those belonging to SC/ST/OBC (non-creamy layer)/ Differently-Abled, Economically Weaker Section (EWS) and other categories of candidates as per the decision of the UGC/ State Government from time to time.

**B. Duration of the Programme:**

1. Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three (3) years, including coursework, and a maximum duration of six (6) years from the date of admission.
2. A maximum of an additional two (2) years can be given through a process of re-registration; provided, however, that the total period for completion of a Ph.D. programme shall not exceed eight (8) years from the date of admission in the Ph.D. programme.

Provided further that, female Ph.D. scholars and Persons with Disabilities (having more than 40% disability) may be allowed an additional relaxation of two (2) years; however, the total period for completion of a Ph.D. programme in such cases should not exceed ten (10) years from the date of admission in the Ph.D. programme.

3. Female Ph.D. Scholars may be provided Maternity Leave/Childcare Leave for up to 240 days in the entire duration of Ph.D. programme.

### C. Procedure for admission

1. University shall admit Ph.D. students based on UGC-CSIR NET Examination/ University Entrance Exam. The latest UGC Norms notified at the time of admission, if any, shall be followed.

The determination of the eligibility of NET for different categories is summarized below:

Qualified for	Eligible for		
	JRF	Assistant Professor	Ph.D. Admission
<b>Category-1:</b> Award of JRF and appointment as Assistant Professor	Yes	Yes	Yes
<b>Category-2:</b> Appointment as Assistant Professor and admission to Ph.D.	No	Yes	Yes
<b>Category-3:</b> Admission to Ph.D. only	No	No	Yes

The JRF-qualified students shall be admitted into the Ph.D. programme based on an interview as per the University Grants Commission (Minimum Standards and Procedure for Award of Ph.D. Degree) Regulations, 2022.

For students who qualify in Categories 2 and 3, 70% weightage will be given for test scores and 30% weightage for the interview for admission to Ph.D. programmes. The Ph.D. admission will be based on the combined merit of NET marks and the marks obtained in the interview/viva-voce.

The marks obtained in the NET by the candidates in Categories 2 and 3 will be valid for a period of one year for admission to Ph.D.

2. The University shall decide on an annual basis through its academic council, a predetermined and manageable number of Ph.D. scholars to be admitted depending on the number of available Research Supervisors and other academic and physical facilities available, keeping in mind the norms regarding the scholar- teacher ratio (as indicated under Section D below), laboratory, library, and such other facilities.
3. The University shall notify well in advance on its institutional website the number of seats

for admission, subject/ discipline-wise distribution of available seats, and all other relevant information for the benefit of the candidates.

4. The admission shall be based on the guidelines/ norms issued by the UGC and other Statutory Bodies concerned and taking into account the reservation policy of the State Government from time to time.
  - (a) An interview, Viva-Voce to be organized by the University when the candidates are required to discuss their research interest/ area through a presentation before a duly constituted Department Research Committee.
  - (b) The interview/ Viva-Voce shall also consider the following aspects, viz. whether:
    - (i) The candidate possesses the competence for the proposed research;
    - (ii) The research work can be suitably undertaken at the / Department;
    - (iii) The proposed area of research can contribute to new/ additional knowledge.
5. The University shall maintain the list of all the Ph.D. registered students on its website on a year-wise basis. The list shall include the name of the registered candidates, the topic of his/ her research, and name of his/her Supervisor/ Co-Supervisor and the date of enrollment/ registration.

#### **D. Allocation of Research Supervisor:**

Eligibility criteria to be a Research Supervisor, Co-Supervisor, Number of Ph.D. scholars permissible per Supervisor, etc.

1. Any regular Professor/ Associate Professor of the University with at least five (5) research publications in peer-reviewed or refereed journals, and
2. Any regular Assistant Professor of the University with a Ph.D. Degree and at least three (3) research publications in peer-reviewed or refereed journals.  
 Provided that in areas/ disciplines where there is no, or only a limited number of peer-reviewed or refereed journals, the Academic Council may relax the above condition for recognition as research supervisor with reasons recorded in writing.
3. The allocation of a Research Supervisor for a selected Research Scholar shall be decided by the Department concerned depending on the number of scholars per Research Supervisor, the available specialization among the Supervisors and the research interests of the scholars as indicated by them at the time of interview/ Viva-Voce.
4. In case of topics that are of interdisciplinary nature where the Department concerned feels that the expertise in the Department has to be supplemented from outside, the Department may appoint a Research Supervisor from the Department itself, who shall



be known as the Research Supervisor, and a Co-Supervisor from outside the Department /Faculty on such terms and conditions as may be specified and agreed upon by the consenting University.

5. A Research Supervisor/ Co-Supervisor who is a professor, at any given point in time, cannot guide more than Eight (8) Ph.D. scholars. An Associate Professor as Research Supervisor can guide up to a maximum of six (6) Ph.D. scholars and an Assistant Professor as Research Supervisor can guide up to a maximum of four (4) Ph.D. scholars and UGC norms if any should be followed.
6. In case of relocation of a Ph.D. woman scholar due to marriage or otherwise, the research data shall be allowed to be transferred to the University to which the scholar intends to relocate provided all the other conditions in these regulations are followed in letter and spirit and the research work does not pertain to the project secured by the Parent Institution/ Supervisor from any funding agency. The scholar will, however, give due credit to the parent guide and the institution for the part of the research already done.

**E. Admission of International students in Ph.D. Programme**

1. Each supervisor can guide up to two international research scholars on a supernumerary basis over and above the permitted number of Ph.D. scholars as specified in clause D (3) above.
2. The University will decide its own selection procedure for Ph.D. admission of international students keeping in view the guidelines/norms in this regard issued by statutory/regulatory bodies concerned from time to time.

**F.** At any point, the total number of Ph.D. scholars under a faculty member, either as a supervisor or a co-supervisor, shall not exceed the number prescribed in clause D (3) and clause E (1).

**G. Coursework: Credit Requirements, number, duration, syllabus, minimum standards for completion, etc.**

1. The credit assigned to the Ph.D. Coursework shall be a minimum of 12 credits, including a “Research and Publication Ethics” as notified by UGC.
2. All Ph.D. scholars, irrespective of discipline, shall be required to train in teaching/ education/ pedagogy/ writing related to their chosen Ph.D. subject during their doctoral period. Ph.D. scholar may also be assigned 4-6 hour per week of teaching/ research assistantship for conducting tutorial or laboratory work and evaluations.

- 2.1. The coursework shall be treated as a prerequisite for Ph.D. preparation. A minimum of four credits shall be assigned to one or more courses on Research Methodology which could cover areas such as quantitative methods, computer applications, research ethics and review of published research in the relevant field, training, fieldwork, etc. Other courses shall be advanced-level preparing the students for Ph.D. Degree.
- 2.2. All the coursework components prescribed for Ph.D. Programme shall be in conformity with the credit hour instructional requirement and shall specify content, instructional and assessment methods. They shall be duly approved by the authorized academic bodies.
3. A Ph.D. scholar must obtain a minimum of 55% marks or its equivalent grade in the UGC 10-point scale in the coursework to be eligible to continue in the programme and submit his or her thesis.

#### **H. Research Advisory Committee and its functions:**

1. There shall be a Research Advisory Committee for each Ph.D. scholar. The Research Supervisor of the Ph.D. scholar concerned shall be the Convener of this committee, and this committee shall have the following responsibilities:
  - a) To review the research proposal and finalize the topic of research.
  - b) To guide the Ph.D. scholar in developing the study design and methodology of research and identify the course(s) that he/ she may do.
  - c) To periodically review and assist in the progress of the research work of the Ph.D. scholar.
2. Each semester, a Ph.D. scholar shall appear before the Research Advisory Committee to make a presentation and submit a brief report on the progress of his/ her work for evaluation and further guidance. The Research Advisory Committee shall submit its recommendations along with a copy of Ph.D. scholar's progress report to the University. A copy of such recommendations will also be provided to the Ph.D. scholar.
3. In case the progress of the Ph.D. scholar is unsatisfactory, the Research Advisory Committee shall record the reasons for the same and suggest corrective measures. If the Ph.D. scholar fails to implement these corrective measures, the Research Advisory Committee may recommend, with specific reasons, the cancellation of the registration of the Ph.D. scholar on the Ph.D. Programme.

**I. Research Degree Committee and its functions**

1. There shall be a Research Degree Committee for each subject. The Committee shall consist of the following:
  - 1.1. Vice-Chancellor or his nominee – Chairperson
  - 1.2. Dean of the concerned faculty – Member
  - 1.3. Head of the University Teaching Department in the subject – Member
  - 1.4. Chairman, Board of Studies in the subject – Member
  - 1.5. One Subject Expert of the rank of University Professor, to be appointed by the Vice-Chancellor ordinarily out of a panel of 5 experts given by the Chairman of the Board of Studies – Member

**Note**

- a) On the request of the supervisor (s), Vice-Chancellor may permit the guide of the candidate to be present as an observer during the oral presentation of his/ her candidate in the Research Degree Committee (RDC) meeting.
  - b) No T.A. and D.A. shall be payable to the candidate and the supervisor for attending the Research Degree Committee meeting.
  - c) The external expert and two other members shall form the quorum.
2. The Candidate who has successfully completed the Coursework as specified under section G of this Ordinance shall present himself/ herself before the Research Degree Committee with the final synopsis for assessment and approval by the RDC.
  3. The Research Degree Committee will evaluate the synopsis, design of study, methodology to be employed, hypotheses to be tested, and relevance of the proposed research by the candidate.
  4. If the Research Degree Committee is satisfied with the presentation of the candidate, it will recommend that the candidate is registered for the Ph.D. degree programme of the University.
  5. If the Research Degree Committee is not satisfied and recommend a revision in the

synopsis, the candidate in consultation with his/ her Research Advisory Committee will prepare the revised synopsis incorporating the suggestion of the RDC and submit the revised synopsis to the University for reconsideration.

6. The Research Degree Committee will be convened twice a year depending upon the number of candidates.

**J. Evaluation and Assessment Methods, minimum Standards/ Credits for award of the Degree, etc.**

1. Upon satisfactory completion of coursework and obtaining the marks/ grade prescribed in sub-clauses above, as the case may be, the Ph.D. scholar shall be required to undertake research work and produce a draft Dissertation/ Thesis within a reasonable time, as stipulated by the University.
2. Prior to the submission of the Dissertation/ Thesis, the scholar shall make a presentation in the Department before the Research Advisory Committee of the Institution concerned which shall also be open to all faculty members and other Research Scholars. The feedback and comments obtained from them may be suitably incorporated into the draft Dissertation/ Thesis in consultation with the Research Advisory Committee.
3. Ph.D. scholars must publish at least one (1) Research Paper in a refereed journal and make two paper presentations in conferences/ seminars before the submission of the Dissertation/ Thesis for adjudication and produce evidence for the same in the form of presentation Certificate and/ or reprints.
4. The Academic Council of the University shall evolve mechanisms using well-developed software and gadgets to detect plagiarism and other forms of academic dishonesty. While submitting for evaluation, the Dissertation/ Thesis shall have an undertaking from the Research Scholar and a Certificate from the Research Supervisor attesting to the originality of the work, vouching that there is no plagiarism (following the UGC regulations) and that the work has not been submitted for the award of any other Degree/ Diploma of the same Institution where the work was carried out, or to any other Institution.
5. The Ph.D. Thesis submitted by a Research Scholar shall be evaluated by his/ her Research Supervisor and at least two External Examiners, who are not in employment by the University, of whom one examiner may be from outside the country.

6. The Viva-Voce examination, based among other things, on the critiques given in the Evaluation Report, shall be conducted by the Research Supervisor and at least one of the two External Examiners, and shall be open to being attended by Members of the Research Advisory Committee, all faculty members of the Department, other Research Scholars and other interested experts/ researchers.
7. The public Viva-Voce of the Research Scholar to defend the Dissertation/ Thesis shall be conducted only if the Evaluation Report(s) of the External Examiner(s) are satisfactory and include a specific recommendation for conducting the Viva-Voce examination. If one of the Evaluation Reports of the External Examiner in case of Ph.D. Thesis is unsatisfactory and does not recommend viva-voce, the University shall send the Thesis to another External Examiner out of the approved panel of examiners and the Viva-Voce examination shall be held only if the report of the latest examiner is satisfactory. If the report of the latest examiner is also unsatisfactory, the Dissertation/ Thesis shall be rejected, and the Research Scholar shall be declared ineligible for the award of the Degree.
8. The University will develop appropriate methods so as to complete the entire process of evaluation of Ph.D. Thesis within a period of six months from the date of submission of the Thesis.

#### **K. Ph.D. through Part-time Mode**

1. Ph.D. programmes through part-time mode will be permitted, provided all the conditions stipulated in this ordinance are fulfilled.
2. The University shall obtain a “No Objection Certificate” through the candidate for a part-time Ph.D. programme from the appropriate authority in the organization where the candidate is employed, clearly stating that:
  - 2.1. The candidate is permitted to pursue studies on a part-time basis.
  - 2.2. His/her official duties permit him/her to devote sufficient time for research.
  - 2.3. If required, he/she will be relieved from the duty to complete the coursework.
3. Notwithstanding anything contained in this Ordinance or any other law, for the time being in force, the University shall not conduct Ph.D. programmes through distance and/or online mode.
4. The University shall decide the selection procedure for part-time Ph.D. admission of research students keeping in view the guidelines/norms in this regard issued by

statutory/regulatory bodies concerned from time to time.

**L. Issuing a Provisional Certificate**

Prior to the actual award of the Ph.D. degree, the University shall issue a provisional certificate to the effect that the Ph.D. is awarded in accordance with the provisions of the UGC Regulations as issued from time to time.

**M. Depository with INFLIBNET:**

Following the successful completion of the evaluation process and before the announcement of the award of the Ph.D. Degree, the University will submit an electronic copy of the Ph.D. Thesis to INFLIBNET, for hosting the same to make it accessible to all Institutions/ Colleges.